3 | राजधानी
क्लास रूम और पाठ्यक्रमों तक सीमित न रहे शिक्षा

6 | अभिमत
दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

11 | विदेश
सीरिया के लोगों को सीमा पार से सहायता मिलना जरूरी

12 | विविध
भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 60
लखनऊ, शुक्रवार, 17 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कोहली के मामले को बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए

स्पोर्ट्स-10

सरकार ने पेश किया 8479 करोड़ का अनुपूरक बजट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- निराश्रित महिलाओं, वृद्धावस्था और दिव्यांगजन पेंशन राशि 1000 रुपए हुई
- असंगठित क्षेत्र के करीब ढाई करोड़ मजदूरों और करीब 60 लाख पंजीकृत मजदूरों को दिसंबर से मार्च तक मिलेंगे 500 रुपए प्रति माह

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव 2022 के पहले गुरुवार को 8 हजार 479 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट विधानसभा में पेश किया। बजट में किसानों व बुजुर्गों के लिए पेंशन सहित प्रदेश के कई हिस्सों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने, खेल व काशी विश्वनाथ के लिए भी धन आवंटित किया गया है। सरकार ने गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले किसानों, वृद्धजनों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन राशि बढ़ा दी है।

अनुपूरक बजट में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति के लिए पावर कॉरपोरेशन को 10 अरब रुपए, हर घर बिजली योजना के लिए अलग से 185 करोड़ रुपयेए खेल विभाग को 10 करोड़ रुपये, काशी विश्वनाथ दर्शन के लिए 10 करोड़ रुपये, किसान और वृद्धावस्था पेंशन के लिए 670 करोड़ रुपये, सूचना विभाग के लिए 150 करोड़ रुपये और यूपी गौरव सम्मान के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा सत्र के दौरान गरीबों, मजदूरों, जरूरतमंदों और महिलाओं के लिए खजाना खोला दिया। मुख्यमंत्री ने निराश्रित महिलाओं, वृद्धावस्था और दिव्यांगजन पेंशन की राशि पांच सौ से एक हजार रुपए बढ़ाने और कुष्ठरोगियों को तीन हजार रुपए प्रति माह, असंगठित क्षेत्र के करीब ढाई करोड़ मजदूरों और करीब 60 लाख पंजीकृत मजदूरों को दिसंबर माह से मार्च तक पांच सौ प्रति माह देने की

घोषणा की है। सदन में अपने अभिभाषण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर कुष्ठ रोगी को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना से भी लाभान्वित करने और आयुष्मान भारत की राशि खर्च होने के बाद गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं को पांच लाख अतिरिक्त राशि देने की घोषणा की।

इस दौरान प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वर्ष 2022-23 के एक भाग के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने अपने भाषण में कहा कि 2022-2023 में 544836.56 करोड़ रुपये की प्राप्तियां होंगी जिसमें 453097.56 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां, 91739 करोड़ रुपये की पूंजी लेखे की प्राप्तियां, जिसमें 89174 करोड़ रुपये की लोक ऋणों से प्राप्तियां और 2565 करोड़ रुपये की ऋणों और अग्रिमों की वसूली (शेष पेज 9)

अब केवल राम राज्य चाहिए: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अब इस देश को केवल राम राज्य चाहिए। उन्होंने कहा कि यही विपक्ष कभी राम से परहेज करता था, आज राम को अपना बताने की बात करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदुवंश के नाम पर यह लोग वोट मांगते हैं लेकिन जन्माष्टमी पर्व पर इन लोगों ने पाबंदी लगा दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आस्था का सम्मान करना और आतंकवादियों को ठोकना हमारा काम है। योगी ने कहा कि कहते हैं, समाजवाद ला रहे हैं, यही समाजवाद है। अंधेरा लाना समाजवाद है। गुंडागर्दी समाजवाद है, माफियागीरी समाजवाद है। आतंकवादियों को प्रश्रय देना अगर समाजवाद है, तो ऐसे समाजवाद को तिलांजलि देना ही अच्छा है और उसको तिलांजलि देने के लिए लोगों को तैयार होना ही होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आचार्य रजनीश ने एक बात कही थी कि जो नया समाजवाद है, समाजवाद अमीरों को गरीब बनाता है, गरीबों को गुलाम बनाता है, बुद्धिजिवियों को बेवकूफ बनाता है। केवल अपने स्वार्थ के लिए अपने नेताओं को शक्तिशाली बनाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज के युग का जो सबसे बड़ा अंधविश्वास है, वह समाजवाद है और इसके कई बहरुपिया ब्रांड है। परिवारवाद समाजवाद, माफियावादी समाजवाद, अराजकतावादी समाजवाद, दंगावादी समाजवाद, आतंकवादी समाजवाद अब ये सभी जो बहरुपिए ब्रांड हैं, प्रदेश की जनता भी अब इस चीज को मानने लग गई है कि समाजवाद एक रेड अलर्ट है और इस रेड अलर्ट से अब मुक्ति मिलनी ही चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश के निर्माण के अवसर पर मनाए जा रहे 50वें विजय दिवस पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बांग्लादेश में विक्ट्री परेड में शामिल हुए राष्ट्रपति कोविंद

भाषा। ढाका

ढाका में विजय दिवस परेड में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। कोविंद ने कहा कि 50 साल पहले मुक्ति संग्राम के दौरान भारत और बांग्लादेश के बीच दोस्ती की अनूठी बुनियाद पड़ी। यहां बांग्लादेश की संसद में विजय दिवस और मुजीब बोरशो समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि 1971 के मुक्ति संग्राम का प्रत्येक भारतीय के दिल में एक विशेष स्थान है। राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने हमेशा बांग्लादेश के साथ अपनी दोस्ती को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। हम बांग्लादेश के साथ अपनी दोस्ती की पूरी क्षमता को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। कोविंद एकमात्र विदेशी राष्ट्राध्यक्ष हैं, जिन्हें समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान का जन्म शताब्दी समारोह और बांग्लादेश-भारत संबंधों के 50 वर्ष के उपलक्ष्य में भी कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है। राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि भारत-बांग्लादेश दोस्ती की इस अनूठी बुनियाद का इतिहास हमेशा गवाह रहेगा, जो बांग्लादेश को आजाद कराने वाले जनयुद्ध के समय तैयार हुआ। उन्होंने 1971 के मुक्ति संग्राम को याद करते हुए कहा कि 50 साल पहले, दक्षिण एशिया का नक्शा बदल गया और बांग्लादेश के रूप में एक गौरवशाली राष्ट्र का जन्म हुआ। उन्होंने कहा, मेरी पीढ़ी के लाखों भारतीयों की तरह, हम एक दमनकारी शासन पर बांग्लादेश की जीत से उत्साहित थे और बांग्लादेश के लोगों के विश्वास और साहस से काफी प्रेरित थे।

(संबंधित समाचार पेज 11)

शाह आज लखनऊ में रैली को करेंगे संबोधित

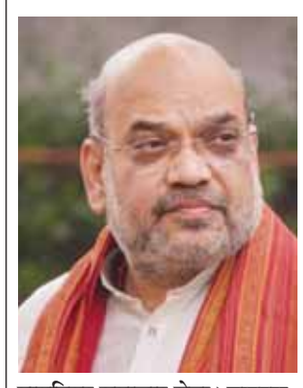

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य भण्डारण निगम एवं उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के 155 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का लोकार्पण 17 दिसंबर को अपरान्ह 3 बजे इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में किया जायेगा। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ, सहकारिता राज्य मंत्री भारत सरकार बीएल वर्मा, सहकारिता राज्य मंत्री उप्र डॉ. संगीता बलवंत, प्रमुख सचिव सहकारिता बीएल मीणा, उप्र कोऑपरेटिव बैंक लि के प्रबंध निदेशक वरुण कुमार मिश्र व राज्य भण्डारण निगम के प्रबंध निदेशक श्रीकांत गोस्वामी सहित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहेंगे।

इसके अलावा अमित शाह शुक्रवार को लखनऊ के रमाबाई रैली स्थल में दोपहर 1 बजे निषाद पार्टी एवं बीजेपी द्वारा आयोजित की गई सरकार बनाओ, अधिकार पाओ रैली में प्रतिभागिता करेंगे। रैली में गृह मंत्री के साथ मुख्यमंत्री, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद सहित प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, दिनेश शर्मा उपस्थित रहेंगे।

मोदी कल गंगा-एक्सप्रेसवे की रखेंगे आधारशिला

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीएमओ ने एक बयान में कहा कि देश भर में तेज गति से संपर्क प्रदान करने को लेकर प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि ही इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रेरणा रही है। करीब 594 किलोमीटर लंबा व छह लेन का यह एक्सप्रेस-वे 36,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित किया जाएगा। मेरठ के बिजौली गांव के पास से शुरू होकर एक्सप्रेस-वे प्रयागराज के जुदापुर दांडू गांव तक जाएगा। यह मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज से होकर गुजरेगा। पीएमओ ने कहा कि पूरी तरह से निर्मित होने के बाद, यह राज्य के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों को जोड़ने वाला, उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे बन जाएगा। एक्सप्रेस-वे पर शाहजहांपुर में 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी निर्मित की जाएगी, जो वायु सेना के विमानों को आपातकालीन उड़ान भरने और उतरने में सहायता प्रदान करेगी। एक्सप्रेस-वे के साथ एक औद्योगिक गलियारा बनाने का भी प्रस्ताव है। पीएमओ ने कहा, एक्सप्रेस-वे से औद्योगिक विकास, व्यापार, कृषि, पर्यटन आदि क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। इससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

शिवपाल से मिले अखिलेश गठबंधन को लेकर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अपने चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात करने लखनऊ स्थित उनके आवास पर पहुंचे। करीब आधा घंटे चली इस मुलाकात के बाद समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मध्य गठबंधन होना लगभग तय है। दोनों नेताओं के बीच होने वाले गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव ने ट्वीट कर बयान भी जारी कर दिया।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को घेरने के लिए आखिरकार सपा मुखिया अखिलेश यादव और शिवपाल एक मंच पर आने के लिए तैयार हो गए। अखिलेश यादव गुरुवार को चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात करने लखनऊ स्थित उनके आवास पर पहुंचे। करीब आधा घंटे चली इस मुलाकात के बाद समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील

समाजवादी पार्टी के गठबंधन के अटकलें बढ़ गई हैं। पिछले कई मौकों पर शिवपाल यादव की तरफसे गठबंधन की बात कही जाती रही है, लिहाजा आज की मुलाकात, चुनावों से पहले एक बड़ा सियासी घटनाक्रम माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट करके प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (शेष पेज 9)

जनरल एमएम नरवणे चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष नियुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे को चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह तीनों सेना प्रमुखों में सबसे वरिष्ठ हैं। नरवणे नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की घोषणा होने तक अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। तीनों सेनाओं के बीच सामंजस्य और तालमेल सुनिश्चित करने के लिए चीफ्स ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष की संस्था दो साल पहले तक क्रियाशील थी। हालांकि, जनरल रावत ने पिछले साल जनवरी में देश का पहला सीडीएस बनाए जाने तक इस पद पर कार्य किया था। उनके सीडीएस बनते ही यह समिति बेमानी हो गई थी। जब तक केंद्र नए सीडीएस की नियुक्ति नहीं कर देता तब तक समिति के प्रमुख के रूप में नरवणे स्टॉप-गैप व्यवस्था के तहत चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के अध्यक्ष रहेंगे। जनरल रावत, उनकी पत्नी और 12 अन्य लोगों की 8 दिसंबर को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। सरकार ने नव-सृजित

सीडीएस पद पर नौ सेना, वायु सेना और थल सेना तीनों प्रमुखों में से सबसे वरिष्ठ को चुनने के सिद्धांत पर काम किया और इसके तहत जनरल रावत पहले सीडीएस नियुक्त किए गए थे। यदि उसी सिद्धांत या परंपरा का पालन इस बार भी किया गया, तो जनरल नरवणे अपनी वरिष्ठता को देखते हुए अगले सीडीएस बन सकते हैं। सेना प्रमुख के रूप में उनका कार्यकाल अगले साल मार्च तक है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) ने 8 दिसंबर को नए सीडीएस सहित दुर्घटना के नतीजों की समीक्षा की थी। हालांकि, कोई निर्णय नहीं लिया जा सका।

बाजार

सेंसेक्स	57,901	113	
निफ्टी	17,248	27	
सोना	47,405	209	/10g
चांदी	60,179	617	/kg

क्विक न्यूज

अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति स्वतः नहीं: शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर किसी आश्रित की नियुक्ति स्वतः नही हो सकती, बल्कि यह परिवार की वित्तीय स्थिति, मृतक पर आर्थिक निर्भरता और परिवार के अन्य सदस्यो के व्यवसाय सहित विभिन्न मानको की कड़ी जांच पर आधारित होती है। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति वी. रमासुब्रमण्यम की पीठ ने कहा कि यदि अनुकंपा नियुक्ति सेवा की शर्तो मे से एक है और किसी भी प्रकार की जांच के बिना किसी कर्मचारी की मृत्यु पर स्वतः हो जाती है, तो इसे कानून मे निहित अधिकार के रूप मे माना जाएगा। पीठ ने कहा, लेकिन ऐसा नही है। अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति स्वतः नही होती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

भाषा। नई दिल्ली

सीबीआई ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस एन शुक्ला के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में अपने आदेशों में एक निजी मेडिकल कॉलेज को कथित तौर पर फायदा पहुंचाने के लिए आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार से अनुमति मिलने के बाद शुक्ला के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है।

सीबीआई ने अन्य आरोपियों के साथ दिसंबर 2019 में भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) और भ्रष्टाचार निवारण कानून के प्रावधानों के तहत न्यायमूर्ति शुक्ला के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने अपनी प्राथमिकी में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति शुक्ला के अलावा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आई एम कुद्दुसी, प्रसाद शिक्षा ट्रस्ट के भगवान प्रसाद यादव और पलाश यादव, ट्रस्ट और भावना पांडे और सुधीर गिरी को भी नामजद किया था।

प्राथमिकी में कई अन्य आरोपियों के नाम भी आरोपपत्र में शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि कि प्रसाद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को मई 2017 में घटिया सुविधाओं और आवश्यक मानदंडों को पूरा नहीं करने के कारण छात्रों को दाखिला देने से रोक दिया गया था। इसके साथ ही 46 अन्य मेडिकल कॉलेजों को भी इसी आधार पर प्रतिबंधित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि रोक के फैसले को ट्रस्ट ने एक रिट याचिका के जरिए उच्चतम न्यायालय में (शेष पेज 9)

लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 21 साल करने की तैयारी

भाषा। नई दिल्ली

- संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ही आ सकता है विधेयक

सरकार ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु को 18 साल से बढ़ाकर पुरुषों के बराबर 21 साल करने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुरुषों एवं महिलाओं के विवाह की न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, सरकार बाल विवाह (रोकथाम) अधिनियम, 2006 को संशोधित करने संबंधी विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ला सकती है।

उन्होंने कहा कि यह प्रस्तावित विधेयक विभिन्न समुदायों के विवाह से संबंधित पर्सनल लॉ में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रयास कर सकता है ताकि विवाह के लिए आयु में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। मौजूदा कानूनी प्रावधान के तहत लड़कों के विवाह लिए न्यूनतम आयु 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित है। विवाह से जुड़ी न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने का यह निर्णय उस समय किया गया है जब इससे एक साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सरकार इस बारे में विचार कर रही है कि महिलाओं के लिए न्यूनतम आयु क्या होनी चाहिए। यह निर्णय समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली की अध्यक्षता वाले कार्यबल की अनुशंसा के आधार पर लिया गया है। इस निर्णय के बारे में जया जेटली ने कहा कि दो प्रमुख कारणों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, यहि प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण की बात करते हैं तो

फिर विवाह में ऐसा क्यों नहीं कर सकते। यह बहुत ही विचित्र बात है कि लड़की 18 साल की आयु में शादी के योग्य हो सकती है, जबकि इस कारण उसके कॉलेज जाने का अवसर खत्म हो जाता है।

दूसरी तरफ, लड़के के पास अपने जीवन और जीविका के लिए तैयार होने का 21 साल की आयु तक अवसर होता है। जेटली ने कहा कि लड़कियां को भी कमाने और पुरुषों के बराबर होने का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने बहुत सारे लोगों की राय ली, लेकिन इसमें युवा प्रमुख रूप से शामिल थे। हमने विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्रामीण इलाकों में युवाओं से बात की और इनकी राय यही थी कि शादी की आयु 22 या 23 साल होनी चाहिए। सभी धर्म के मानने वालों की समान राय थी और यह बहुत ही सुखद बात थी। जेटली ने बताया कि कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री कार्यालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और नीति आयोग को सौंपी थी। इस कार्यबल में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विधाई कार्य विभागों के सचिव, नजमा अख्तर, वसुधा कामत और दीप्ति शाह जैसे शिक्षाविद भी शामिल थीं। उधर, ऑक्सफैम इंडिया की प्रमुख विशेषज्ञ अमिता पित्रे ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 की रिपोर्ट से पता चलता है कि अब 18 साल की कम उम्र में लड़कियों के शादी करने की संख्या 23 प्रतिशत हो गई जो इससे पहले के सर्वेक्षण में 27 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा, आज भी 50 से 60 प्रतिशत शादियां 21 साल की उम्र से पहले होती हैं। ऐसे में न्यूनतम आयु 21 साल करने से भविष्य में ऐसी सभी शादियां अपराध की श्रेणी में आ जाएंगी।

उच्च और मध्य वर्ग में अब शादियां आमतौर पर 21 साल से अधिक उम्र में ही होती हैं। पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने कहा कि इस मामले में कानूनी कदम यह बीमारी की जड़ की बजाय लक्षणों का उपचार करने जैसा है। उसने एक बयान में कहा, कम उम्र की शादियों या जबरन विवाह के पीछे कई प्रमुख कारण मसलन लैंगिक असमानता, पुरातन सामाजिक व्यवस्थाएं, वित्तीय असुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी और रोजगार के अवसर का अभाव हैं।

पिछली सरकारों में नियुक्तियों में होती थी पैसों की वसूली: योगी

शिक्षा, गन्ना, सिंचाई, सचिवालय और प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर नियुक्तियों के नाम पर पैसों की भारी वसूली किये जाने का आरोप लगाते हुये कहा पिछले पांच वर्ष के दौरान हमारी सरकार ने अपने परिश्रम से बहुत कुछ बदला है। सरकार बदलने तब तक कुछ नहीं बदलता जब तक अधिकारियों को सकारात्मक और अच्छे वातावरण न मिले। यह मौका सरकार ने दिया। सरकार ने सभी चयन करने वाली संस्थाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इसके साथ चयनित अभ्यर्थियों को बिना भय और राजनीतिक दबाव के प्रदेश की जनता के लिए काम कर सके इसका वातावरण तैयार किया गया। पिछली सरकारों ने इस प्रदेश को बिना रीढ़ की हड्डी बना दिया था। हम आप जैसे चयनित लोगों के साथ देश में प्रदेश को नम्बर एक पर लाने की मंशा रखता हूं। हमारी सरकार ने केन्द्र की 50 योजनाओं को लागू करके देश का नम्बर वन की जगह पर खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बाते राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2020 के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 34 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, 173 समीक्षा अधिकारी, सिंचाई विभाग के 208 सहायक अभियंता और 236 आशुलिपिक, 58 उपजिलाधिकारी, 43 वरिष्ठ प्रवक्ता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान और गन्ना विभाग के 398 गन्ना पर्यवेक्षक 10 ज्येष्ठ गन्ना पर्यवेक्षक को नियुक्ति पत्र दिए।

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकार में ऐसी कोई चयन संस्था नहीं थी जो नियुक्ति के नाम पर पैसा न वसूलती हो। पहले 42 से 65 लाख रुपये लेकर एसडीएम की नियुक्ति का काम किया जा रहा था। इसकी सीबीआई जांच अभी चल रही है। पहले जो योग्य थे उनसे भी पैसा लिया जाता था। यह पुलिस, प्रशासनिक सभी नियुक्तियों में पैसा लिया जा रहा है। केवल नियुक्ति ही नहीं पोस्टिंग पर भी खूब धांधली होती थी। हमारी सरकार में पूरी ईमानदार और प्रतिबद्धता के साथ नियुक्तियां की जा रही हैं। हमें जैसे लगा कि कोई चयनित संस्था गड़बड़ कर रही है तो जेल भेजने का काम भी हमने किया। अगर परीक्षा में कुछ गड़बड़ हुआ तो उस परीक्षा को रद्द करके फिर से उसे आयोजित करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें कोरोना महामारी की वजह से दो वर्ष काम करने का मौका ही नहीं मिला। लेकिन तीन वर्ष के कार्यकाल में यह प्रदेश देश की दो नम्बर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। आज हमारी कानून व्यवस्था देश के लिए एक नजीर बना हुआ है। सभी माफिया जो सत्ता का संचालन करते थे या जेल में हैं या मारे मारे घूम रहे हैं। आज की स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि कोई भी निवेश करने वाला वहीं जाता है जहां अच्छी कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश होता है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय दो गुनी हुई है। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है। चाहे वह स्टार्टअप, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना में 15 स्थान के मुकाबले एक नम्बर पर है। आज धारणा बदली है प्रदेश के नाम आते ही कानून व्यवस्था, उन्नति विकास के नाम पर सराहना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हम सपा सरकार की तरह काम करते तो ज्यादातर स्कूलों में ताले लटकते मिलते। हमने एक लाख 30 हजार विद्यालयों की कायाकल्प बदलने का काम किया है। आज विद्यालय हैं जहां स्मार्ट क्लास हैं, शौचालय हैं, लाइब्रेरी है, साफ सफाई है। बच्चों को यूनिफार्म, स्कूल बैग, स्वेटर दिए। हमने सभी बालिकाओं को जूते-मोजे समेत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई। आज यह बच्चे भी अच्छा स्वेटर जूते मोजे पहन सकते हैं, अच्छी पढ़ाई कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में महाराष्ट्र में आधी चीनी मिलें बंद हो गई। हमारी सरकार ने प्रदेश में कोरोना काल के समय सभी 121 चीनी मिलों का संचालन किया। सुरक्षा के लिए हेल्प डेस्क बनाया, कोरोना जांच कराई सभी सावधानियां बरती गईं।

पीएम के सम्बोधन में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुये सीएम

लखनऊ। प्राकृतिक खेती-राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधित में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुये। यह सम्मेलन आणंद गुजरात में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक कृषि पर आधारित यह राष्ट्रीय सम्मेलन देश में कृषि सेक्टर, खेती किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन से 8 करोड़ से अधिक किसान तकनीकी माध्यम से देश के हर कोने से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती पर आधारित यह सम्मेलन कृषि के विभिन्न आयाम, फूड प्रोसेसिंग, नैचुरल फार्मिंग इत्यादि विषय पर 21वीं सदी में भारतीय कृषि का कायाकल्प करने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से जुड़े इस प्राचीन ज्ञान को हमें न सिर्फ सीखने की जरुरत है बल्कि आधुनिक समय में तराशने की जरूरत है। इस दिशा में हमें नए सिरे से शोध करने होंगे। प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक फ्रेम में ढालना होगा। उन्होने देश के हर राज्य एवं राज्य सरकार आग्रह किया कि वो प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने के लिए आगे आएं।

गृह राज्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस आक्रामक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखीमपुर हिंसार कांड में केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस के विधायकों ने बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन विधानसभा तक मार्च किया। मार्च में बड़ी तादाद में कांग्रेस के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। पुलिस ने इस मार्च को रोकने की कोशिश की लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में मार्च विधानसभा तक गया। जहां मुख्यद्वार पर कांग्रेस विधानमंडल दल के सदस्यों ने टेनी की बर्खास्तगी की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की और धरना दिया। आज पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट ने साबित किया है कि लखीमपुर नरसंहार एक साजिश का नतीजा था लेकिन इस साजिश के सूत्रधार केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को पीएम मोदी और गृहमंत्री अमितशाह बचाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस विधायकों ने टेनी की गिरफ्तारी को लेकर कल भी विधानसभा मार्च किया था और आज पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालय पर कांग्रेस कमेटियों की ओर से प्रदर्शन किया गया। लल्लू ने कहा कि भाजपा की केन्द्र एवं प्रदेश की सरकार अजय कुमार मिश्रा टेनी को अनैतिक संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता के संरक्षण की वजह से आरापितों का मनोबल आसमान पर है। सत्ता का अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा है।

डॉ. लोहिया के 60 साल पुराने सपने को प्रधानमंत्री ने साकार किया: सीएम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा सत्र के दौरान उदाहरणों और संस्मरणों से पिछली सपा बसपा सरकारों को आईना दिखाया। उन्होंने भाजपा सरकार के कार्यों का उल्लेख कर बताया कि फर्क साफ है। उन्होंने प्रदेश के खस्ताहाल के लिए पिछली सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें जनता के बोझ को कम करने के बजाय जनता के लिए बोझ बन चुकी थी। सीएम योगी ने डॉ. राम मनोहर लोहिया का संस्मरण याद करते हुए कहा कि डॉ. लोहिया ने 1950-60 के दशक में अपनी पीड़ा को व्यक्त किया था। उन्होंने कहा था कि जो सरकार इस देश के अंदर गरीबों के लिए शौचालय का निर्माण कर देगी, खुले में शौच से उन्हें मुक्ति दिलाएगी और उनके घर में चूल्हा जलाने का कार्य करेगी, उस सरकार को दुनिया की कोई ताकत 25 सालों तक हटा नहीं पाएगी। डॉ. लोहिया ने 60 साल पहले सपना देखा था और उस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया। आज हर गरीब के पास शौचालय है, हर गरीब के पास रसोई गैस का कनेक्शन, हर गरीब के पास फ्री राशन का कार्ड, आयुष्मान भारत का पांच लाख रुपए का गोल्डेन कार्ड ए बिजली का फ्री कनेक्शन है। इस सपने को किसी ने साकार किया है तो भाजपा सरकार ने किया है।

सीएम ने कहा कि जब हमारी सरकार 2017 में बनी थी तब तक राज्य में अनाज खरीद की कोई पॉलिसी नहीं थी। आढ़तियों से खरीदारी होती थी। एमएसपी का लाभ किसानों को नहीं मिल पाता था। इसीलिए 2017 के पहले किसान आत्महत्या करता था और गरीब भूख से मरता था। सरकार को कहीं भी लज्जा नहीं आती थी क्योंकि सरकार तो अपनी मस्ती में जी रही थी। पांच कालीदास (मुख्यमंत्री आवास) के बाहर तो कोई निकलता ही नहीं था। निकलने की फुर्सत ही नहीं थी।

सीएम ने कहा कि हमें प्रदेश की अर्थव्यवस्था को छठे नंबर से नंबर दो और प्रति व्यक्ति आय को लगभग दोगुना करने में भी सफलता मिली है। अगर पहले की सरकारें इसी स्पीड के साथ चलतीं, तो उत्तर प्रदेश आज नंबर दो का नहीं, बल्कि देश में नंबर एक की अग्रणी भूमिका के साथ होता। सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकारों ने व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए सत्ता का अपराधीकरण, राजनीति का अपराधीकरण, राजनीति का माफियाकरण नहीं किया होता, सत्ता को वंशवाद और परिवावारवाद के सामने गिरवी नहीं रखा होता, तो यही उत्तर प्रदेश नंबर एक की अर्थव्यवस्था बनने का हकदार था और यह हक उसको मिलना ही चाहिए। नंबर एक के लक्ष्य को लेकर हम चले थे और कई क्षेत्रों में सरकार के सामूहिक प्रयास के कारण सफलता मिली।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री के मसले पर सत्ता पक्ष व विपक्ष में हुई तीखी-नोंकझोंक

विधानसभा की कार्यवाही

लखनऊ। विधान सभा में गुरूवार को केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी को लेकर विपक्ष ने सरकार पर सवालों पर तीखे हमले किए। विपक्ष इस मसले पर नियम-56 के तहत चर्चा कराए जाने की मांग की जा रही थी जो सरकार ने अस्वीकार दी लेकिन जब विवाद अधिक हो गया विधानसभाध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित की सहमति के बाद नियम 56 के तहत स्वीकत सूचनाओं पर चर्चा शुरू हुई। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में तीन अक्तूबर की घटना का उल्लेख करते हुए राज्यसरकार पर आरोपियों को बचाए जाने का आरोप लगाया साथ ही उन्होंने मांग की कि इस घटना के मुख्य आरोपी आशीष मिश्र के पिता अजय मिश्र टेनी जो कि केन्द्र में गृहराज्यमंत्री है को बर्खास्त किया जाए। उन्होंने कहा कि उक्त घटना के बाद जो विपक्ष के जो नेता पीड़ित परिवारों कों सांत्वना देने जा रहे थे उन्हे भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि जब तक गृहराज्यमंत्री को बर्खास्त हुए बिना उक्त घटना में न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती। जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जो मामला न्यायालय में विचाराधीन है उस पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती। चूंकि इस प्रकरण को सदन के संज्ञान में लाया गया है और पूर्व में इसमें राज्य सरकार द्वारा जो कार्रवाई की गयी है उससे अवगत कराना भी अपरिहार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में राज्य सरकार कोर्ट के हस्तक्षेप के बिना तत्परता दिखाते हुए जो कार्रवाई की उसी का नतीजा है कि आज गृहमंत्री का पुत्र जेल में है और घटना की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित की गयी है। पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया गया।

लखीमपुर खीरी कांड को लेकर सपा सदस्यों का हंगामा

विधान परिषद की कार्यवाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन आज विधान परिषद की कार्यवाही भारी हंगामे के बीच चली। कार्यवाही शुरु होते ही समाजवादी पार्टी ने लखीमपुर खीरी केस की एसआइटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने और गृह राज्यमंत्री टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर वेल में आकर नारेबाजी व हंगामा किया।

प्रश्नकाल प्रहर प्रारम्भ होने पर सपा के नरेश उत्तम ने लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या के मामले को उठाया। सपा सदस्य मामले की एसआईटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। मामले को लेकर उत्तेजित सपा के सभी सदस्य उत्तेजित हो गये तथा नारेबाजी करते हुये वेल में आ गये। भारी शोर शराबे के कारण सदन की कार्यवाही को 15 मिनट के स्थगित करना पड़ा। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सबसे पहले नेता सदन ने वित्तीय वर्ष 2021-2022 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों तथा वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय व्ययक अन्तरिम को भी प्रस्तुत किया। प्रश्नकाल समाप्त होने पर ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। सम्पूर्ण सदन ने मृत आत्मा की शांति के लिए कुछ क्षण खड़े होकर मौन धारण किया।

शून्यकाल के दौरान सपा के अमित यादव ने प्रवीन सोलंकी प्रभारी निरीक्षक थाना कटरा शाहजहांपुर द्वारा अभद्रतापूर्वक व्यवहार किये जाने पर विषेषाधिकार हनन की सूचना दी। जिस पर सभापति ने यह प्रकरण नेता सदन को दिखवा लेने के निर्देश दिये। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने गोण्डा के देवीपाटन मण्डल में शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में अनुपस्थित होकर अपमानित करने पर विषेषाधिकार हनन का मामला उठाया।

सपा के शतरूद्र प्रकाश ने ग्राम विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार द्वारा सभापति निर्देश का पालन न करने पर विषेषाधिकार हनन उठाया। जिसपर सभापति ने नेता सदन को एक माह में इस पर कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। कांग्रेस के दीपक सिंह ने राजधानी लखनऊ के अन्तर्गत हजरतगंज चौराहे से बापूभवन चौराहे तक रात्रि 10 बजे से प्रात: 8 बजे तक बन्द किये जाने पर आर्टिकल 19 के उल्लंघन के किये जाने के संबंध में औचित्य के प्रश्न की सूचना दी। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने अम्बेडकर नगर में स्थित सुभाष राष्ट्रीय इण्टर कालेज के प्रबन्धक द्वारा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को समय से वेतन भुगतान न किये जाने के संबंध में सूचना दी। सभापति ने सूचना को अग्राहय किया। सपा के अहमद हसन, राम सुन्दर दास निषाद एवं अन्य सदस्यों ने प्रदेश में कानून व्यवस्था समाप्त होने तथा लखनऊ महानगर के अन्तर्गत तिरूपति ज्वैलर्स प्रतिष्ठान में दिनदहाड़े लूटपाट के संबंध में सूचना दी। सूचना की ग्राहयता पर सपा के मिस्बाहुद्दीन, वासुदेव यादव, डा मान सिंह यादव एवं राम सुन्दर दास निषाद एवं भाजपा के जल शक्ति मंत्री डा महेन्द्र सिंह ने विचार व्यक्त किये। नेता सदन ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया। अधिष्ठाता जयपाल सिंह व्यस्त ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को कार्यवाही के निर्देश दिये।

69 हेड जेल वार्डर उप कारापाल के पद पर प्रोन्नत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा अपराध नियंत्रण पर प्रभावी कार्यवाही के राज्य सरकार द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं कारागार विभाग में कार्यरत कर्मियों को भी समय से पदोन्नतियां प्रदान की जा रही हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि आज उत्तर प्रदेश कारागार सेवा संवर्ग में हेड जेल वार्डर के पद पर तैनात 69 कार्मिकों को उप कारापाल के पद पर प्रोन्नत किया गया है। प्रदेश के जिन 69 हेड जेल वार्डर को उप कारापाल के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है उन अधिकारियों में विश्वनाथपुरी, अबसार अहमद, हरिप्रसाद मिश्रा, अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव, लालचन्द ओझा, राम प्रवेश चैरसिया, मो एहसान, राम प्रकाश सिंह, महेन्द्र सिंह, लालाराम, उमेश बाबू, जगवीर सिंह चौहान, मुन्नालाल, पुरूषोत्तम सरन, प्रेम नारायण, श्यामा चरण, आनन्द कुमार, सुरेन्द्र कुमार गौतम, नरेन्द्र कुमार, मोतीलाल, अमर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह हैं। इसी कड़ी में राजेन्द्र कुमारी, सुखवती देवी, कृष्णा कुमारी, कमलेश देवी, मिथलेश भदौरिया, आदि को भी प्रोन्नति प्रदान की गई है।

युनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्स कंपनी लि.
दीतीय कार्यालय, आरिफ चैम्बर्स-1, द्वितीय एवं तृतीय तल, कपूरथला, अलीगंज, लखनऊ-226024, फोन : 0522-4241167

सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश में स्थित 5 माइक्रो कार्यालय, अट्टारा, कबरई, रोजा, नयोरिया हुस्सा एवं कोसी को दिनांक 31.01.2022 से बंद किया जा रहा है। जनसामान्य से आग्रह है कि वे यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कं० लि० के नजदीकी कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

क्र.	नाम	बीमाधारकों की सेवा हेतु वैकल्पिक कार्यालय
1.	अट्टारा	मण्डल कार्यालय-झांसी, फ्लोर नं.1, नंदनपुरा चौराहा, शिवपुरी रोड, झांसी, उ.प्र.-284003 फोन नं.-0510-2380197, 2380179, ई-मेल-082200@uiic.co.in
2.	कबरई	मण्डल कार्यालय-झांसी, फ्लोर नं.1, नंदनपुरा चौराहा, शिवपुरी रोड, झांसी, उ.प्र.-284003 फोन नं.-0510-2380197, 2380179, ई-मेल-082200@uiic.co.in
3.	रोजा	मण्डल कार्यालय-शाहजहाँपुर, सिंह हॉस्पिटल बिल्डिंग, फ्लोर नं. 0, सदर बाजार, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242001, फोन नं.-05842-222161, 223019, ई-मेल-082600@uiic.co.in
4.	नयोरिया हुस्सा	मण्डल कार्यालय-शाहजहाँपुर, सिंह हॉस्पिटल बिल्डिंग, फ्लोर नं. 0, सदर बाजार, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242001, फोन नं.-05842-222161, 223019, ई-मेल-082600@uiic.co.in
5.	कोसी	मण्डल कार्यालय-मथुरा, फ्लोर नं. 0, सिविल लाइन्स, नियर पेट्रोल पम्प, मथुरा, उ.प्र.-281001, फोन नं.-0565-2500727, 2501735, ई-मेल-082900@uiic.co.in

दिनांक 17.12.2021 उप महाप्रबन्धक
IRDAI पंजीयन सं० - 545 CIN. U93090TN1938GOI000108 www.uiic.co.in

कार्यालय–नगर पालिका परिषद खलीलाबाद, जनपद–संतकबीरनगर

पत्रांक–2719/न0पा0 दिनांक–16.12.2021

अल्पकालिक ई–टेण्डर सूचना

नगर पालिका खलीलाबाद को पेयजल हेतु व्यवस्था आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से पाइप लाइन विस्तार कार्य हेतु आन लाइन निविदा आमंत्रित किया जाता है, आन लाइन निविदा दिनांक 30.12.2021 को 01.00 बजे तक कार्यालय में प्राप्त करायी जायेगी। आन लाइन निविदा दिनांक 30.12.2021 को अपरान्ह 04.00 बजे से निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी निविदा उत्तर प्रदेश की ई–प्रक्योरमेन्ट की वेबसाइट htt://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद सीमान्तर्गत फर्म को ही वरीयता दी जायेगी। नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलोकन कर सकते है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
खलीलाबाद, संतकबीरनगर

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरी ग्रीन बुक एवं रजिस्ट्रेशन नं0 100044 की मूल प्रति वास्तव में खो गयी। सरिता पुत्री श्री बसंत पता ग्रा0 व पो. कमरवा मऊ उ.प्र.

सूचना

मैंने पुत्र सुनील गुप्ता व पुत्रवधू कमला गुप्ता के गलत चाल–चलन तथा नाना प्रकार से प्रताड़ित करने से परेशान होकर अपनी समस्त चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूं। इनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य में मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं है। गीता गुप्ता पत्नी श्रवण कुमार गुप्ता निवासिनी–433/332, रामनगर, बालागंज, थाना सआदतगंज लखनऊ

अपहृता की तलाश

अपहृता की तलाश

नाम – कुमारी सुनैना
पिता – श्री कैलाश
आयु – 17 वर्ष
कद – 5.3 इंच
रंग – गेहुँवा
पहनावा – काला सूट, पैरों में चप्पल

जो दिनांक 28.10.2020 को समय प्रात: 10 बजे घर से चली गई थी जिनके संबंध में कोतवाली नगर सीतापुर में मु.अ.सं. 766/20 धारा 363/366 भादवि पंजीकृत है। काफी तलाश के बाद कोई जानकारी नहीं मिली है। यदि कोई सूचना मिलती है तो कोतवाली नगर के मोबाइल नं0 9454404261 व मो.नं. 9454409322 पर सूचित करने की कृपा करें। सूचना गुप्त रखी जायेगी।

अमेठी में कल कांग्रेस निकालेगी प्रतिज्ञा यात्रा, राहुल व प्रियंका भी होंगे शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- 19 दिसंबर को रायबरेली में कांग्रेस महासचिव महिलाओं के साथ करेंगी शक्ति संवाद

केंद्र और यूपी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ़ कांग्रेस का जनअभियान लागातार जारी है। इसके तहत भाजपा भगाओ महंगाई हटाओ नारे के साथ 18 दिसंबर को अमेठी में प्रतिज्ञा पदयात्रा निकाली जाएगी। जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी शामिल होंगी। वहीं 19 दिसंबर को रायबरेली में शक्ति संवाद् होगा जहां प्रियंका गांधी महिलाओं के साथ कांग्रेस के महिला घोषणपात्र पर बातचीत करेंगी। इसके अलावा 19 दिसंबर को ही प्रतापगढ़ में किसान रैली, मेरठ में मैराथन दौड़ और शाहजहांपुर में अशफाक़उल्लाह ख़ां के शहादत दिवस पर विशेष आयोजन होगा। यूपी कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ. पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतिज्ञा यात्रा दिन में 10 बजे जगदीशपुर से शुरू होकर हरीमऊ तक जाएगी। यात्रा के समापन पर एक विशाल जनसभा होगी जिसे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के अलावा पार्टी के कई बड़े नेता भी संबोधित करेंगे।

डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि 19 दिसंबर को रायबरेली में शक्ति संवादष् का आयोजन किया गया है। रायबरेली की ज़िला अस्पताल के निकट रिफॉर्म क्लब मैदान में ये शक्ति संवाद शुरू होगा जिसमें 5 हज़ार महिलाओं की भागीदारी होगी। प्रियंका गांधी महिलाओं के साथ कांग्रेस के महिला घोषणापत्र के तमाम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगी। 19 दिसंबर को ही प्रतापगढ़ में किसान रैली होगी।

आजीविका मिशन से महिलाओं के चेहरों पर लौटी मुस्कान

- मास्क बना महिलाओं की कमाई का अहम जरिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका से प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मिशन शक्ति अभियान के साथ ही राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। स्वयं सहायता समूह के जरिए महिलाएं रोजगार की मुख्यधारा से जुड़कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। कोरोना काल में इन स्वयं सहायता समूहों ने प्रदेश में ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करने के साथ ही बड़े स्तर पर मास्क व पीपीई किट तैयार किए ।

साल 20-21 में स्वयं सहायता समूह की 20,386 सदस्यों द्वारा 1.23 करोड़ मास्क, 1,223 सदस्यों द्वारा 50,714 पीपीई किट और 559 सदस्यों द्वारा 19,921 लीटर सैनिटाइजर का उत्पादन किया गया। इस साल अब तक 15 लाख से अधिक मास्क का निर्माण समूह की महिलाओं की ओर से किया जा चुका है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक भानु गोस्वामी ने बताया कि प्रदेश सरकार की लाभकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण महिलाओं को देते हुए लघु कुटीर व्यापार से जोड़ उनको रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। जिससे अब महिलाएं अपने संग अपने आस पास की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का काम कर रही हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से मिशन के तहत पुलिसविभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, विकास भवन तथा अन्य विभागों के स्टाफको मास्क उपलब्ध कराए गए।

मास्क निर्माण से समूह के प्रति सदस्य को औसतन 6000 रुपए की मासिक आय हो रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मिशन के तहत 1 लाख 98 हजार से अधिक स्वंय सहायता समूह के सदस्यों को आजीविका की दिशा में ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है।

कार्यालय जिला पंचायत, फतेहपुर

पत्रांक–475/जि0पं0/e-tender/2021–22 दिनांक–14.12.2021

संशोधित ई–निविदा सूचना

कार्यालय के पत्र सं0 452 दिनांक 06.12.2021 (संशोधित ई–निविदा सूचना) द्वारा राज्य वित्त आयोग के सापेक्ष जनपद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में एल0ई0डी0 का क्रय एवं स्थापना के कार्यों को सम्पादित कराने हेतु मा0 अध्यक्ष महोदय, जिला पंचायत, फतेहपुर से प्राप्त स्वीकृति के क्रम में जिला पंचायत, फतेहपुर में पंजीकृत ठेकेदारों के साथ–साथ उ0प्र0 के सरकारी विभागों (सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग) में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर के आधार पर ऑन लाईन निविदा 15.12.2021 तक आमंत्रित की गयी है। मा0 अध्यक्ष महोदय की आदेश दिनांक 14.06.2021 के अनुपालन में उक्त आमंत्रित निविदाओं की तिथियों को बढ़ाते/संशोधन करते हुये निविदायें दिनांक 17.12.2021 तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का सम्पूर्ण विवरण मय शर्तों व बिल ऑफ क्वांटिटी सहित वेबसाइट http://etender.up.nic.in दिनांक 10.12.2021 समय 12:00 बजे मध्यान्ह से 17.12.2021 समय 12:00 बजे मध्यान्ह तक डाउनलोड/अपलोड/सबमिट किया जा सकता है, जिसकी तकनीकी निविदायें उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे खोली जायेगी। निविदा से संबंधित समस्त शर्ते आदि पूर्ववत् रहेंगी।

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, फतेहपुर

अध्यक्ष
जिला पंचायत, फतेहपुर

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

क्लास रूम और पाठ्यक्रमों तक सीमित न रहे शिक्षा: आनंदीबेन

● प्रदेश में रनिंग प्रोजेक्टों का अध्ययन कराएं शिक्षण संस्थान: राज्यपाल

● डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का 19वां दीक्षांत समारोह संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति राज्य विश्वविद्यालय आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षण संस्थानों को चाहिए कि वे प्रदेश भर में चल रहे रनिंग प्रोजेक्टों का अध्ययन कराएं। विद्यार्थी मौके पर जाकर प्रोजेक्ट व तकनीक तथा कार्यक्षमता के बारे में अध्ययन करें। जिससे उनको कार्यानुभव के साथ आगे के जीवन के लिए उपयोगी साबित हो सके। राज्यपाल गुरुवार को डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहीं थीं।

टॉपर्स मेधावियों को मेडल से सम्मानित करने के बाद कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि तकनीक हर जगह कारगर साबित हो रही है। साथ ही तकनीकी नवाचारों से समय की भी बचत हो रही है। राज्यपाल ने हाल में प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित बाबा विश्वनाथ धाम कारिडोर की चर्चा करते हुए कहा कि इसका निर्माण कोरोना काल होते हुए भी रिकार्ड मात्र दो वर्ष में नवीनतम तकनीकी का उपयोग करते हुए किया गया। इस पर 900 करोड़ खर्च हुए। उन्होंने बताया कि तकनीक के प्रयोग के माध्यम से नौ सौ करोड़ के प्रोजेक्ट को मात्र दो वर्षों में पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि सरयू डैम परियोजना 40 वर्षों से लंबित थी। 100 करोड़ की यह परियोजना 40 वर्ष बाद 10 हजार करोड़ में तैयार हुई। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। राम मंदिर के बनने वाले परिसर को एक हजार वर्षों तक मजबूत रखने के लिए आईआईटी, कानपुर, आईआईटी, रुड़की एवं आईआईटी मद्रास आदि संस्थानों के द्वारा भवन को चिर आयु प्रदान के लिए सुझाव दिए। विवि के छात्रों को चाहिए कि वे भ्रमण कार्यक्रम तय करके वहां किये गये कार्यों का अध्ययन करें, प्रोजेक्ट बनाएं तथा वहां अपनायी गयी तकनीकी को आत्मसात करते हुए यह संकल्प लें कि वे अपने दायित्वों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी एक बात अवश्य याद रखें कि सद्कार्य से ही व्यक्तित्व का प्रतिबिम्ब बनता है। इसलिए मानव मूल्यों एवं नैतिकता को बढ़ावा दें। राज्यपाल ने कहा कि तकनीकी शिक्षा विद्यार्थियों के लिये रोजगार और स्वरोजगार प्राप्ति की सबसे सहज राह होती है। हुनर से रोजगार तक का आसान मार्ग तकनीकी सेक्टर से ही होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को चाहिए कि वे विद्यार्थियों के कौशल विकास को निखारें तथा उन्हें रोजगारपरक तकनीकी और वोकेशनल कोर्सों से जोड़ने का कार्य करें। इससे वे रोजगार ढूंढ़ने के बजाए रोजगार देने योग्य बनेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा-दीक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि उसके ध्येय दूरगामी होते हैं। उन्होंने कहा कि ज्ञान को नौकरी पाने का साधन नहीं बनना चाहिये बल्कि उससे कहीं ज्यादा उसे लोकहित के लिये होना भी आवश्यक है। लोकहित तथा जनहित से जुड़े बगैर शिक्षा सार्थक नहीं होती। इस दौरान राज्यपाल ने 50वें विजय दिवस के अवसर पर वीर शहीदों के बलिदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा प्राथमिक विद्यालय के छात्रों एवं अनाश्रित बच्चों प्रोत्साहन उपहार के रूप में पठन पाठन सामग्री एवं फल वितरित किये। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रो एसजी धांडे को प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डाक्टर आफ साइंस की मानद उपाधि से सम्मानित करने के साथ ही परिसर में एक पौधा रोपित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनीत कंसल ने विश्वविद्यालय की विस्तृत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कुलाधिपति ने कहा कि मजबूत एवं आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हमारी वैश्विक सोच के केन्द्र में है। विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी स्थानीय संसाधनोंए अनुभवों एवं ज्ञान का उपयोग कर शोध तथा इनोवेशन के माध्यम से स्थानीय विकास को बल प्रदान करके शिक्षा को सही अर्थों में उपयोगी बनाएं। उन्होंने कहा कि अपने आस.पास के वातावरण से सीखना भी शिक्षा का एक महत्वपूर्ण अंग है। शिक्षा क्लास रूम और पाठ्यक्रमों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

53226 को मिली उपाधि

समारोह में 53226 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयीं। साथ ही 91 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गयी। डीएससी की डिग्री डॉ सौरभ गुप्ता, संयुक्त सचिव गृह मंत्रालय भारत सरकार को प्रदान गयी। इसके अलावा 92 मेधावियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्रदान किए किये गए। 92 पदकों में 1 चांसलर गोल्ड मेडल, 1 श्रीमती कमल रानी मेमोरियल पदक, स्नातक पाठ्यक्रमों में 16 स्वर्ण, 17 रजत, 18 कांस्य, परास्नातक पाठ्यक्रमों में 2 स्वण, 2 रजत एवं 2 कांस्य पदक शामिल हैं। साथ ही गवर्मेंट संस्थानों 12 स्वर्ण, 7 रजत एवं 7 कांस्य एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में 5 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं।

पीएसआईटी की राशि माथुर को मिला चांसलर मेडल

समारोह में प्राणवीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कानपुर की छात्र राशि माथुर को चांसलर गोल्ड मैडल प्रदान किया किया गया। साथ ही एसआर इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी लखनऊ की छात्रा सीलू गौतम को श्रीमती कमल रानी मेमोरियल पदक प्रदान किया गया। समारोह में पूर्व छात्र अंकित माहेश्वरी को डिस्टेंगुइस एल्युमिनस अवार्ड से सम्मानित किया गया।

आज डिजिटल एकलव्य की जरूरत

मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित आईआईटी कानपुर के पूर्व निदेशक पद्मश्री प्रो एसजी धांडे ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्चतर शिक्षा तक में समन्वय होना चाहिए। यह तभी सम्भव है जब हर विश्वविद्यालय कालेज के शिक्षक समय समय पर अपने घर के आसपास के स्कूल में जाकर पढ़ाएंगे। इसका छोटे बच्चों के कोमल मन पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था श्री एल अर्थात लांग लाइफ लर्निंग पर आधारित है। इसके आधार पर हर मनुष्य जीवन भर कुछ न कुछ सीखता है। उन्होंने एकलव्य का उदाहरण देते हुए कहा कि अंगूठा जाने के बाद एकलव्य ने अपने पैर के दम पर तीरंदाजी के सभी गुण सीखे। वास्तव में अभ्यास मनुष्य को पूर्ण रूप से दक्ष बनाता है। आज डिजिटल एकलव्यों की जरूरत है।

इंस्पेक्टरों की वरिष्ठता सूची बहाल राज्य सरकार की अपील मंजूर

● हाईकोर्ट की एकल पीठ ने की थी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

वर्ष 2016 में सूबे के इंस्पेक्टरों की बनाई गयी वरिष्ठता सूची को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने बहाल कर दिया है। पीठ के इस आदेश से बड़ी संख्या में आउट ऑफ टर्न प्रोन्नति पाकर इंस्पेक्टर बने पुलिस अधिकारियों को भारी राहत मिली है। क्योंकि इनमें से कई डिप्टी एसपी बन चुके हैं।

गुरुवार को हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने यह आदेश राज्य सरकार व कई इंस्पेक्टर की अपील को मंजूर करते हुए दिया है। इस अपील में एकल पीठ के आदेश को चुनौती दी गई थी। 20 फरवरी 2019 को हाईकोर्ट की एकल पीठ ने इंस्पेक्टरों की वरिष्ठता सूची को खारिज कर दिया था। साथ ही आउट ऑफ टर्न प्रमोशन पाने वाले इंस्पेक्टर व 990 अराजपत्रित पुलिस अधिकारियों को वन टाइम सीनियॉरिटी प्रदान करने वाले शासनादेश को भी रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ के इस आदेश से अब यह सभी शासनादेश बहाल हो गए हैं।

जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस सरोज यादव की पीठ ने अपने आदेश में कहा है कि एकल पीठ ने शासनादेशों को खारिज करते हुए विधिक त्रुटि की है। वह वर्ष 1994 के शासनादेश के उद्देश्य को समझने में असफल रही है। 20 फरवरी 2019 को एकल पीठ ने जिन याचिकाओं पर अपना आदेश पारित किया था उनमें कहा गया था कि याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति सब इंस्पेक्टर के मूल पदों पर हुई थी। बाद में उन्हें इंस्पेक्टर के पद पर नियमित प्रोन्नति मिली। 1994 में कुछ सब इंस्पेक्टरों को आउट ऑफ टर्न प्रोन्नति प्रदान की गई। लेकिन 24 फरवरी 2016 को अगली प्रोन्नति के लिए बनाई गई वरिष्ठता सूची में आउट ऑफ टर्न प्रोन्नति पाने वाले इंस्पेक्टरों को उनसे वरिष्ठ करार दे दिया गया।

तिरुपति ज्वैलर्स लूटकांड में दो लुटेरे गिरफ्तार, गहने बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अलीगंज पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर कपूरथला चौराहे के पास स्थित तिरूपति जेम्स एंड ज्वैलर्स की दुकान में दिसंबर 2021 को कर्मचारी श्रवण शर्मा को गोली मारकर लाखों का जेवर लूटने की सनसनीखेज वारदात के राजफाश का दावा किया है। क्राइम ब्रांच और अलीगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने आठ दिन में पर्दाफाश करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस को इनके पास से पांच सोने की चेन, दो अंगूठी, दो जोड़ी टाप्स, एक देशी पिस्टल व एक तमंचा के अलावा कारतूस बरामद हुए हैं।

बताते चलें कि अलीगंज क्षेत्र के कपूरथला चौराहे के पास स्थित निखिल अग्रवाल की तिरुपति जेम्स एंड ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। आठ दिसंबर 2021 को दिनदहाड़े असलहों से लैस बदमाशों ने धावा बोल दिया और लूटपाट का विरोध करने पर मड़ियांव क्षेत्र निवासी श्रवण शर्मा को गोली मारकर लाखों का सोना लूट कर भाग निकले थे।

दिनदहाड़े हुई घटना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती थी और बदमाशों की खोज में अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी प्राची सिंह की अगुवाई में पुलिस की चार टीमें गठित कर लगाई गई थी। पुलिस उपायुक्त उत्तरी प्राची सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर अलीगंज धर्मेन्द्र सिंह यादव व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने गुरुवार को कानपुर नगर जिले के बिल्हौर थाना क्षेत्र स्थित बछना गांव व हाल पता सेक्टर सी गाजीपुर निवासी हर्ष सिंह उर्फ हनी सिंह व बिहार राज्य के समस्तीपुर जिले के टोलाटारा व हाल पता गुडंबा के शिवपुरी कल्याण पुर निवासी रवि रूद्र शर्मा को गिरफ्तार किया है। जब इनके अन्य साथी अभी पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

पुलिस का दावा है कि फरार बदमाशों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस उपायुक्त उत्तरी प्राची सिंह के मुताबिक इंस्पेक्टर अलीगंज धर्मेन्द्र सिंह यादव की टीम ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से मिली तस्वीर के आधार पर छानबीन शुरू की और गुरुवार को गिरोह के दो सदस्यों हर्ष सिंह उर्फहनी सिंह व रवि रूद्र शर्मा को धर दबोचा। इस गिरफ्तारी पर खुश होकर पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर ने पुलिस टीम को शाबाशी दी।

बैंक अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग

विधि संवाददाता। लखनऊ

सीजेएम रवि कुमार गुप्ता ने धोखाधड़ी के मामले में बैंक अधिकारियों के खिलाफदाखिल मुकदमे की अर्जी पर थाना विभुतिखंड से रिपोर्ट तलब करने का आदेश दिया है। यह अर्जी मानवता वाजपेई ने दाखिल की है। उन्होंने इस अर्जी में यूनियन बैंक ऑफइंडिया की शाखा विभुतिखंड के प्रबंधक, उप प्रबंधक, ऋण प्रबंधक व सहायक ऋण प्रबंधक को विपक्षी पक्षकार बनाया है। उनका कहना है कि वर्ष 2017 में इस बैंक से किसी प्रकार का कोई लोन नहीं लिया है। वो 88 हजार के इस लोन की गारंटर भी नहीं हैं। उन्होंने लोन के दस्तावेजों पर कोई दस्तखत भी नहीं किया है। बावजूद इसके लोन का गारंटर बताकर उनके खिलाफ डीआरटी में मुकदमा दायर किया गया है। उनका आरोप है कि विपक्षीगणों ने उनके फर्जी हस्ताक्षर से कूटरचित दस्तावेज तैयार किए हैं। उन दस्तवेजों के जरिए उनसे अवैध तरीके से इस धन की उगाही करना चाहते हैं। मामले की अगली सुनवाई 17 जनवरी को होगी।

उद्यान निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमे की अर्जी दाखिल

लखनऊ (विधि संवाददाता)। सीजेएम रवि कुमार गुप्ता ने उद्यान निदेशालय के अधिकारियों के खिलाफदाखिल मुकदमे की अर्जी पर थाना हजरतगंज से रिपोर्ट तलब करने का आदेश दिया है। गुरुवार को यह अर्जी उद्यान निदेशालय के लेखाकार रामकीरत यादव ने दाखिल की। उन्होंने अर्जी में उद्यान निदेशालय के वित नियंत्रक जय मंगल राव, उद्यान निरीक्षक अविनाश चन्द्र श्रीवास्तव व प्रशासिनक अधिकारी पवन कुमार सिंह को विपक्षी पक्षकार बनाया है। इनका आरोप है कि विपक्षीगणों ने झांसी मंडल के उपनिदेशक भैरव सिंह के विरुद्ध जांच प्रकरण की पत्रावली से नोट शीट फाड़ लिया और उन्हें मारपीट कर घायल कर दिया। लिहाजा इनके खिलाफमुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया जाए। मामले की अगली सुनवाई 18 जनवरी को होगी।

फोकस्ड सैम्पलिंग के तहत लिए गए लगभग 2920 सैम्पल

लखनऊ। कोविड 19 को दृष्टिगत रखते हुए गुरुवार को फोकस्ड सैम्पलिंग के अन्तर्गत जनपद में लगभग 2920 स्कूल, कालेज के टीचर, अन्य स्टाफ, छात्राओं की सैम्पलिंग करायी गयी। वहीं जनपद में डेंगू रोग के प्रभावी नियन्त्रण हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, लखनऊ के निर्देशानुसार नगर मलेरिया इकाई एवं जिला मलेरिया अधिकारी की टीम द्वारा ऐशबाग, चित्रगुप्त नगर, कन्हैया माधोपुर द्वितीय, दौलतगंज, अलीगंज, फैजुल्लागंज चतुर्थ, चिनहट, इन्दिरानगर वार्ड के आस पास के क्षेत्रों का भ्रमण किया गया। वही आज अलीगंज क्षेत्र में 1 डेंगू धनात्मक रोगी पाया गया। आज कुल 1701 घरों तथा विभिन्न मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया।

केजीएमयू: दो साल से रिम्बर्समेंट के लिए चक्कर काट रहे विभागाध्यक्ष आज देंगे धरना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के वित्त अधिकारी कार्यालय की कार्यशैली से नाराज पैथालॉजी डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष डॉ यू एस सिंह शुक्रवार को धरना देंगे। इस बाबत गुरुवार को डॉ सिंह ने अपनी व्यथा विभागाध्यक्षों के बने व्हाट्सएप ग्रुप में साझा की है।

विभागाध्यक्ष डॉ यू एस सिंह के मुताबिक नवम्बर 2019 में उन्होंने दिल्ली के निजी हॉस्पिटल में हार्ट की बाईपास सर्जरी कराई थी। सर्जरी के एवज में डेढ़ लाख रुपये रिम्बर्समेंट का प्राविधान है। इस बाबत डेढ़ साल से वह वित्त अधिकारी कार्यालय के चक्कर काट रहे हैं मगर अभी तक भुगतान नही हो सका है। उन्होंने बताया कि वित्त अधिकारी के कहने पर दो बार मेडिकल बोर्ड भी गठित हो चुका है। बोर्ड की रिजॉर्ट के बावजूद वित्त अधिकारी कार्यालय चिकित्सा प्रतिपूर्ति नही कर रहा है। जिसके चलते उन्होंने ग्रुप में शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कल वह पहले कुलपति को ज्ञापन देंगे। फिर धरने पर बैठेंगे। उनका कहना है कि एक विभागाध्यक्ष के साथ ऐसा हो रहा है तो आम लोगों के साथ किस तरह की कार्यवाही की जाती होगी। इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

बंथरा में कार की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता। सरोजनीनगर

बंथरा इलाके में बुधवार देर शाम बाइक सवार एक युवक को सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने ठोकर मार दी। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बिजनौर के मुल्लाही खेड़ा निवासी राम मिलन का बेटा अर्जुन (30) बंथरा इलाके में खटोला स्थित एक वेयरहाउस में काम करता था। अर्जुन बुधवार देर शाम अपनी बाइक से वापस घर आ रहा था। तभी बंथरा इलाके में बनी - मोहनलालगंज रोड स्थित धावापुर के पास जुनाबगंज की ओर से जा रही तेज रफ्तार वेन्यू कार ने उसकी बाइक में सामने से टक्कर मार दी। जिससे अर्जुन की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घर बैठे कमाई का लालच देकर महिला से हड़पे पचास हजार रुपए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

निवेश कर घर बैठे पैसा कमाने का लालच दे जालसाज ने एक महिला से 50 हजार रुपये हड़प लिए। भरोसा जमाने के लिए जालसाज ने कुछ दिन मुनाफ दिया। इसके बाद इसके बाद रुपये देना बंद कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर सुशांत गोल्फसिटी पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

सुशांत गोल्फसिटी के ओमेक्स रेजीडेंसी टॉवर नम्बर. 21 निवासी मिथलेश सिंह ने बताया कि कुछ समय पहले झांसी के तलइया निवासी भरत कुमार अग्रवाल से उनकी मुलाकात हुई। भरत कुमार ने खुद को एक कम्पनी का एजेंट बताया। उसने कहा कि 10 हजार रुपये कंपनी में निवेश करेंगी तो 200 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे। जालसाज की बातों में आकर मिथलेश ने 10 हजार रुपये खाते में भेज दिये। भरोसा जमाने के लिए आरोपित भरत कुमार ने कई दिन तक 200 रुपये दिये। घर बैठे फायदा मिलता देख मिथलेश ने 40 हजार रुपये और निवेश कर दिये। सिक्योरिटी के तौर पर जालसाज ने 50 हजार रुपये का चेक घर भेजने का झांसा दिया। कई दिन बाद भी चेक घर नहीं पहुंचा, इसी बीच जालसाज ने रुपये देना भी बंद कर दिया। पीड़िता ने जालसाज से संपर्क किया तो वह टालमटोल करने लगा। कई बार कहने के बाद भी रुपये नहीं लौटाए। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी देवेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सैन्य अधिकारी से बीस हजार रुपए की लूट, विरोध पर मारपीट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग पुलिस चौकी इलाके में ऑटो रिक्शा सवार बेखौफ बदमाशों ने सैन्य अधिकारी से बीस हजार रूपए लूट लिए, विरोध करने पर मारपीट की और मौके से भाग निकले। पीड़ित ने तत्काल 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस पीड़ित को पीजीआई कोतवाली ले गई जहां उन्होंने अज्ञात ऑटो रिक्शा सवार आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। आरोप है कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया और गुरुवार सुबह जब कार्रवाई की जानकारी लेने कोतवाली पहुंचे तो पुलिस चौकी तेलीबाग जाने को कहा गया। नायब सूबेदार राम गोपाल मिश्रा सेना की सिगनल कोर में हैं और पूर्वोत्तर क्षेत्र में अग्रिम सीमा पर तैनात हैं। वह मूल रूप से गोरखपुर के रहने वाले हैं, बच्चों की शिक्षा के लिए कैंट इलाके के नजदीक स्थित डिफेंस कालोनी में किराए पर रहते हैं। नायब सूबेदार राम गोपाल मिश्रा ने बताया कि वह बुधवार को कैंट इलाके में रहने वाले मित्र के यहां गए थे। वापस लौटते समय गन्ना अनुसंधान संस्थान में स्थित एसबीआई के एटीएम से घर की जरूरत के लिए 20 हजार रुपए निकाले थे। उन्होंने बताया कि रुपए निकालने के बाद जब घर जाने के लिए बाइक स्टार्ट करना चाहा तो वह स्टार्ट नहीं हुई । नायब सूबेदार राम गोपाल मिश्रा ने बताया कि छोटी लाल कुर्ती तिराहे पर एक ऑटो को रोका, जिसमें तीन लोग पहले से मौजूद थे तो चालक ने आगे बैठा लिया। ऑटो रिक्शा से उतरने पर जब किराया देने लगे तो ऑटो रिक्शा में बैठे लोगों ने जेब में रखे पैसे भी देख लिया और चारों लोगों ने मिलकर रुपए छीन लिए, विरोध करने पर मारपीट की और भाग निकले।

जाम से परेशान व्यापारियों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। सरोजनीनगर

● चौराहो पर ट्रैफिक पुलिस तैनात करने व सिग्नल सिस्टम ठीक करने की मांग

सरोजनीनगर में कानपुर रोड पर पिछले करीब कई माह से लगातार आए दिन लग रहे जाम को लेकर जहां राहगीर काफी परेशान हैं। वहीं स्थानीय लोगों के सामने भी बड़ी समस्या खड़ी है। इस जाम से स्थानीय व्यापारियों की बिक्री बुरी तरह प्रभावित हो रही है। मरीज और एंबुलेंस समय से अस्पताल नहीं पहुंच पा रहे हैं और स्कूली बच्चों को भी आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर गुरुवार को उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की ओर से सरोजनीनगर एसडीएम को संबोधित एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

संगठन के प्रदेश वरिष्ठ संगठन मंत्री ओमप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में सरोजनीनगर आदर्श व्यापार मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र यादव बब्बू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, गौरी व्यापार मंडल अध्यक्ष विजय सिंह यादव, कोषाध्यक्ष अंबुज शर्मा, सरदार हरजीत सिंह, नादरगंज के महेश यादव और अनीश खान बल्लू सहित कई व्यापारियों ने सरोजनीनगर तहसील पहुंचकर सरोजनीनगर एसडीएम को संबोधित तीन सूत्रीय ज्ञापन नायब तहसीलदार (खुशहाल गंज) कविता ठाकुर को सौंपा।

निजीकरण के विरोध में बैंक कर्मियों ने भरी हुंकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● लखनऊ जिले की 905 शाखाओं के 10000 बैंककर्मी हड़ताल में रहे शामिल

दस लाख से अधिक बैंककर्मियों का संगठन यूनाइटेड फोरम ऑफबैंक यूनियन्स ने सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंको को निजीकरण करने की केन्द्र सरकार के प्रयासों के विरोध में दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल का आवाह्न किया है जिसके पहले दिन स्टेट बैंक मुख्य शाखा के समक्ष सैकड़ों बैंककर्मियों ने जोरदार सभा एवं प्रर्दशन किया।

सभा में ऑयबाक (आल इण्डिया बैंक आफीसर्स कन्फेडरेशन) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि जो भ्रष्ट पूँजीपती सरकारी बैंको का हजारों करोड़ रूपया वापस नही कर पा रहे हैं उनके हाथों सार्वजनिक क्षेत्रों की बैंको को बेचने की तैयारी सरकार के मानसिक दिवालियेपन को बताता है। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको में जनता का जमा 157 लाख करोड़ रूपया डुबोने का अर्न्तराष्ट्रीय षड़यन्त्र रच रही है। ऐसे में छोटे जमाकर्ता, किसान, स्वयं सहायता समूह और कमजोर वर्गो को हमारे साथ बैंक निजीकरण के विरूद्व आवाज उठाना होगा।

वहीं नेशनल कन्फेडरेशन ऑफ बैंक एम्पलॉइज के प्रदेश महामंत्री अखिलेश मोहन ने कहा कि बड़े औद्यौगिक घरानों ने राजनीतिक प्रभाव का उपयोग कर बैंको को खूब लूटा है, आज बैंकों के कुप्रबन्धन के चलते अनेक घोटाले उजागर हो रहे हैं, इस स्थिति के लिये बैंककर्मी नहीं बल्कि राजनीतिक दबाव जिम्मेदार है। सरकार उसे रोकने के बजाय बैंको का निजीकरण कर आमजन की सामान्य बैंकिग सुविधाएं छीनना चाहती है। प्रदर्शन में यूपी बैंक इम्पलाइज यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष कामरेड दीप बाजपेई ने कहा कि सरकार जनता की गाढ़ी कमाई, पूँजीपतियों के हितों के लिये, बैंको का निजीकरण करके उन्हें सौंपना चाह रही है। यह जनता के साथ धोखाधड़ी है। बैंककर्मी तथा आम जनता हरहाल में सरकार को निजीकरण करने से रोकेंगे। फोरम के जिला संयोजक अनिल श्रीवास्तव ने बताया कि हम सरकार की इन नीतियों के विरोध में एक माह से धरना, प्रदर्शन, पोस्टर कैम्पेन, मास्क धारण तथा रैली आदि के माध्यम से विरोधात्मक कार्यक्रम कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश संयोजक कामरेड वाई के अरोड़ा ने की। मीडिया प्रभारी अनिल तिवारी ने बताया कि हड़ताल से लखनऊ में लगभग 1500 करोड़ तथा प्रदेश में 20000 करोड़ का लेनदेन प्रभावित रहा। हड़ताल में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लखनऊ जिले की 905 शाखाओं के 10000 बैंककर्मी तथा प्रदेश की 14000 शाखाओं के 2 लाख बैंककर्मी शामिल रहे।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम – मिनी रत्न)
सीआईएन नं.: L74899DL1999GOI101707
आजादी का अमृत महोत्सव

आईआरसीटीसी निम्नलिखित के लिए ई–बोली/ई–आरएफपी आमंत्रित करता है:–

1) इंटीग्रेटेड रेलवे हेल्पिंग एंड इंक्वायरी सिस्टम–139 के लिए मैनेज्ड सर्विस पार्टनर के चयन के लिए। पहली प्री–बिड मीटिंग (वीसी): 20.12.2021 को 12:30 बजे, दूसरी प्री–बिड वीसी 06.01.2022 को 12:30 बजे।
जमा करने की अंतिम तिथि: 24.01.2022।

2) बिलासपुर छत्तीसगढ़ में 'रेल नीर' पैकेज्ड पेयजल संयंत्र के लिए ऑपरेटर के चयन के लिए। प्री–बिड मीटिंग: 28.12.2021 को 15:00 बजे आईआरसीटीसी कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में।
जमा करने की अंतिम तिथि: 18.01.2022 15:00 बजे तक।

3) आईआरसीटीसी/उत्तरी क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय रेलवे पर ए1 और ए श्रेणी के स्टेशनों के तहत जलपान कक्षों और जन आहार में/के माध्यम से खानपान सेवाओं के संचालन, रखरखाव और प्रावधान के लिए।
निविदा उपलब्धता: 20.12.2021, जमा करने की अंतिम तिथि: 10.01.2022 15:00 बजे तक।

4) आईआरसीटीसी/उत्तरी क्षेत्र के तहत भारतीय रेलवे के बी, सी और डी श्रेणी के स्टेशनों पर फास्ट फूड इकाइयों की स्थापना, संचालन और प्रबंधन के लिए।
निविदा उपलब्धता: 20.12.2021, जमा करने की अंतिम तिथि: 11.01.2022 को 15:00 बजे तक।

5) आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल ऐप के लिए चैटबॉट समाधान प्रदाता के चयन के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
जमा करने की अंतिम तिथि: 23.01.2022 15:00 बजे तक।

निविदा दस्तावेज विवरण के लिए वेबसाइट www.irctc.com (क्र.1 से 5 के लिए), "www.tenderwizard.com/ IRCTC" (क्र.1 से 5 के लिए) तथा eprocure.gov.in/cppp (क्र. 3 एवं 4 के लिए) पर देखें। उपरोक्त निविदा दस्तावेजों को ऑनलाइन डाउनलोड करना और जमा करना केवल "www.tenderwizard.com/ IRCTC" वेबसाइट पर ही किया जा सकता है।
शुद्धिपत्र/परिशिष्ट केवल www.irctc.com तथा "www.tenderwizard.com/ IRCTC" पर प्रकाशित किया जाएगा।
कार्यालय पता: समूह महाप्रबंधक (पी एंड टी), आईआरसीटीसी लिमिटेड 11वां तल,स्टेट्समैन हाउस, बी–148, बाराखम्बा रोड़, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली– 110001, टेली: 011–23311263–64

लोक कलाओं में हमारी परम्पराएं जीवन्त हैं

राज्यपाल ने किया भारत की लोक कलाओं का अमृत महोत्सव देशज का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को गोमती नगर स्थित डॉ राम मनोहर लोहिया पार्क में आयोजित तीन दिवसीय भारत की लोक कलाओं का अमृत महोत्सव देशज का उद्घाटन किया। 16 से 18 दिसम्बर तक चलने वाले इस महोत्सव का आयोजन भारतीय लोक कलाओं का संरक्षण एवं संवर्द्धन करने वाली संस्था सोनचिरैया द्वारा किया गया है।

अपने सम्बोधन में राज्यपाल ने समारोह की आयोजक संस्था सोनचिरैया के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि लोक कलाओं के संरक्षण, संवर्द्धन के साथ उसको नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रचार प्रसार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि लोक कलाओं में हमारी परम्पराएं जीवन्त हैं। कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने समारोह के आयोजन पर बधाई दी और कहा कि ऐसे आयोजन लोक कलाओं के संवर्धन में महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा लोक कलाओं के निरंतर विकास में गुरुओं का महत्वपूर्ण स्थान है। गुरुओं के संरक्षण में कलाकार बालपन से ही कलाओं को सीखते हैं। उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव का यह वर्ष जन जन की चेतना को स्वतंत्रता संग्राम के संघर्ष की महान गाथाओं, महापुरुषों की स्मृतियों एवं उनकी मूल प्रेरणाओं से जोड़ने का अवसर है। जिन महानायकों ने आजादी के संघर्ष को आगे बढ़ाया आज उन्हें नमन करने का समय है। आजादी के अमृत महोत्सव को हमें एक समारोह तक सीमित नहीं रखना है अपितु एक ऐसे आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की ओर अग्रसर होना है जहाँ सुविधाओं का स्तर गाँवों और शहरों में विभाजन न करे। समारोह में संस्था की सचिव तथा प्रसिद्ध लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने बताया कि यह महोत्सव सोनचिरैया संस्था के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर को अविस्मरणीय बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। इस लोक महोत्सव को भारत के स्वाधीनता संग्राम में लोक कलाकारों का योगदान की विषय वस्तु पर केंद्रित किया गया है। तीन दिवसीय महोत्सव में आज राज्यपाल के समक्ष मथुरा के कलाकार संजय शर्मा और उनकी टीम की प्रस्तुतियां, पद्मश्री सम्मान प्राप्त राजस्थानी कलाकार अनवर खान की गायकी तथा महाराष्ट्र की लोक नृत्य शैली लावणी और पुणे की लावणी कलाकार रेशमा और उनके दल की प्रस्तुति, ओडिशा राज्य का पारंपरिक नृत्य गोट्टिपुआ, उत्तर प्रदेश का पाई डंडा, राई फरवाही, करमा चरकुला और धोबिया नृत्य तथा गुजरात का प्रसिद्ध गरबा नृत्य की विहंगम प्रस्तुतियां हुई।

व्यापारियों के उत्पीड़न के मामलों को लेकर सरकार बहुत गम्भीर : मनीष कुमार गुप्ता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश व्यापारिक कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष मनीष कुमार गुप्ता ने बृहस्पतिवार को जवाहर भवन स्थित व्यापारी कल्याण बोर्ड के सभाकक्ष में प्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड प्रदेश के व्यापारियों और उद्यमियों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण किये जाने हेतु कृतसंकल्पित है और इसके लिये सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं नोडल अधिकारियों को निर्देश प्रदान किये गये हैं। श्री मनीष गुप्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार और व्यापारियों के उत्पीड़न के मामलों को प्रदेश सरकार बहुत गम्भीरता से ले रही है। दोषी अधिकारियों के खिलाफ लागातार कार्यवाही की जा रही है। नोएडा से भारी मात्रा में कर चोरी व व्यापारियों के उत्पीड़न की शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए दोषी अधिकारियों की निलंबन की कार्यवाही की गई है। मनीष गुप्ता ने कहा कि प्रदेश के सभी व्यापारी-उद्यमी बोर्ड हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। प्रदेश के प्रत्येक जनपद, प्रत्येक जोन, प्रत्येक मंडल पर 10 सर्वाधिक कर देने वाले व्यापारियो, उद्यमियों को बोर्ड द्वारा सम्मानित किया जायेगा। कोरोना काल में उद्यमियों और व्यापारियों पर दर्ज मुकदमें वापस लिये जाने के निर्देश दिये गये हैं। जीएसटी को 30 दिन के अन्दर समयबद्ध रिफण्ड किये जाने की संस्तुति प्रदान की गयी है। समयबद्ध निस्तारण न करने पर संबंधित पर कार्यवाही की जायेगी। सचल दल के द्वारा चेकिंग के लिए वाहन रोकने पर वीडियो रिकार्डिंग व फोटोग्राफी के निर्देश दिए गए हैं ।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली भारतमाता की शोभायात्रा

निगोहां। आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत भारतमाता की शोभायात्रा निकाली। निगोहा मंडल अध्यक्ष की अगुवाई में निकाली गई शोभायात्रा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता शामिल हुये। अमृत महोत्सव के अवसर पर निकाली गई यात्रा में तिरंगे के साथ रथ पर भारतमाता विराजमान थीं। इस शोभायात्रा का जगह जगह लोगों ने स्वागत किया शोभायात्रा का रथ निगोहां कस्बा समेत आसपास के आधा दर्जन से अधिक गावों में पहुंचा। इस दौरान भारत माता के जयकारों की गूंज ग्रामीण इलाको में भी सुनाई दी लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला। निगोहा कस्बा सहित आसपास के क्षेत्रों में देशभक्ति के गीतों और भारत माता के स्वरूप से माहौल राष्ट्रप्रेम से ओत प्रोत हो गया। रास्ते में लोगों ने पुष्पवर्षा की और भारत माता के जयकारे लगाए। वंदे मातरम के जयघोष गूंजते रहे।

विधान सभा चुनाव में बीजेपी महिला मोर्चा सोशल मीडिया पर संभालेगी कमान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश मीडिया और सोशल मीडिया कार्यशाला गुरुवार को पार्टी मुख्यालय पर हुई। एक दिवसीय कार्यशाला की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा सांसद राज्यसभा गीता शाक्य ने की, कार्यशाला का आयोजन दो सत्रों में किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनावों में महिला मोर्चा की भूमिका पर विस्तृत चर्चा व मीडिया की सहभागिता के साथ विजय लक्ष्य 2022 को प्राप्त करने पर मार्गदर्शन के रूप में किया गया। प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रमुख सुजाता सबद पाढे व प्रीती गांधी ने संबोधन के साथ बहनों को सोशल मीडिया के महत्व को समझाते हुए सशक्त तरीके से अपनी बात को जनता तक किस प्रकार पहुंचाया जाए व सोशल मीडिया इसका सबसे प्रमुख माध्यम बन सकता है पर प्रकाश डाला। द्वितीय सत्र में मीडिया की कार्यशाला को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नीतू डबास ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के पक्षकार के रूप में महिला मोर्चा के पदाधिकारियों व मीडिया बंधुओं के संवाद, समन्वय एवं कार्यशैली पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब वह कार्य हो रहे हैं जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की जाती थी। उत्तर प्रदेश अब भयमुक्त उत्तम प्रदेश बन चुका है सुबह उठते ही आज भी भारत के लोग अखबार पढ़ते हैं। अत: सभी मीडिया प्रभारियों व पदाधिकारियों का दायित्व है कि वह केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जनता तक पहुंचाने के लिए मीडिया को सशक्त माध्यम बनाएं। कार्यशाला में मीडिया और सोशल मीडिया में पदाधिकारियों को क्या करना चाहिए व क्या नहीं इस पर भी विस्तृत चर्चा हुई। संपूर्ण प्रशिक्षण एक दिवसीय कार्यशाला के रूप में दिया गया आगे इससे क्षेत्रीय वह मंडल स्तर तक किए जाने की रूपरेखा पर विचार करने की प्रस्तावना रखी गई।

विजय दिवस पर सैनिक स्कूल पहुंचे स्वतंत्र देव, अर्पित की श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विजय दिवस के स्वर्णिम अवसर पर कैप्टन मनोज पाण्डेय परवीर चक्र सैनिक स्कूल में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने अवध क्षेत्र भाजपा, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक सतीश सिंह के संयोजन में भारी संख्या में पूर्व सैनिकों के साथ वॉरमेमोरियल पर श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर सैनिकों को याद किया। स्वतंत्र देव सिंह ने पूर्व सैनिकों के साथ शहीद हुए वीर सैनिकों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने सदैव अपने वीरता और अदम्य साहस से शत्रुओं को धूल चटाया है, चाहे वह 1971 की जंग हो, 1999 का कारगिल का युद्ध हो, सब में दुश्मनों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए हमारे वीर सपूतों ने मां भारती का हमेशा मस्तक ऊंचा रखा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब दुश्मन हमसे आर-पार की लड़ाई में कई बार नाकाम होने के बाद छदम्य युद्ध का सहारा लिया तो उसका भी हमारे वीर जवानों ने मुंहतोड़ जबाब दिया। हालही में हुए सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक कर दुश्मन की धरती पर भी हमारे वीर जवानों ने मुंहतोड़ जबाब दिया। उन्होंनें कहा कि हिन्दुस्तान की सेना ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को परास्तकर आत्मसर्मपण के लिए मजबूर कर दिया और पाकिस्तानी जनरल नियाजी सहित 92 हजार पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बनाया।

केजीएमयू के रेडियो डायग्नोसिस विभाग का मनाया गया स्थापना दिवस

लखनऊ। किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के रेडियोडायग्नोसिस विभाग का 35 वां स्थापना दिवस गुरुवार को हाइब्रिड मोड में मनाया गया जिसमें पूरे भारत और दुनिया से विभाग के पूर्व छात्र शामिल हुए। विभागाध्यक्ष प्रो नीरा कोहली ने बताया कि पिछले 1 साल में विभाग ने कोविड के बावजूद पिछले 5 वर्षों के श्रमसाध्य प्रयास से मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे के निर्माण में काफी प्रगति की है। एमडी की सीटें 4 से बढ़कर 9 हो गई और यूपी में सरकारी क्षेत्र में यह विभाग सबसे ज्यादा एमडी सीट वाला संस्थान हो गया है। प्रो कोहली ने बताया कि इस साल फैकल्टी की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई और 8 से बढ़कर 12 हो गई है। विभाग ने मौजूदा 64 स्लाइस सीटी स्कैन के अलावा अत्याधुनिक 128 स्लाइस सीटी स्कैन का संचालन प्रारम्भ किया है। इससे कई जटिल बीमारियों के निदान में और हृदय रोगों के निदान में मदद मिलेगी।

एक मंच पर आए लूटा-लुआक्टा, दिया धरना

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों की अधिवर्षता आयु 65 वर्ष किए जाने, पुरानी पेंशन बहाली, प्रोफेसर पद के लिए एक नवंबर 2021 जारी विसंगति पूर्ण शासनादेश को निरस्त करने सहित 11 सूत्रीय मांग को लेकर लूटा और लुआक्टा एक मंच पर आ गए हैं। गुरुवार को लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ और लखनऊ विश्वविद्यालय सम्बद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित सरस्वती वाटिका पर धरना दिया। लूटा अध्यक्ष डा विनीत वर्मा ने बताया कि राज्य सरकार से ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने, कैशलेस मेडिकल सुविधा, पीएचडी इंसेंटिव सहित कई मांगों को लेकर यह धरना दिया जा रहा है। लुआक्टा अध्यक्ष डा मनोज पांडेय और महामंत्री डा अंशू केडिया के मुताबिक संगठन लगातार आंदोलन कर रहा है। आज धरना देने के बाद 17 से 23 दिसंबर तक काला फीता बांधकर विरोध करेगा।

चंद्रिका देवी मंदिर में मैहर धाम के प्रमुख ने किया पुस्तक का विमोचन

बख्शी का तालाब। शक्ति का प्रमुख केंद्र मैहर माता धाम के प्रमुख महंत श्री श्री 1008 देवी प्रसाद जी पौराणिक तीर्थ स्थल चंद्रिका देवी दर्शन को गुरुवार को पंहुचे थे । उन्होंने यहां माँ भगवती के दर्शनों के उपरांत स्वयं द्वारा लिखी गयी पुस्तक जीवन प्रकाश का विमोचन किया । इस अवसर पर मंदिर के मुख्य पुजारी सहित बीकेटी वार्ड 19 के सभासद आशा देवी व उनके पति अवधेश यादव सहित गणमान्य लोग व भक्त उपस्थित थे।

ब्लाक सभागार में आयोजित होगा सम्पूर्ण समाधान दिवस

मोहनलालगंज। तहसील बार एसोसिएशन चुनाव की वजह से शनिवार को मोहनलालगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस ब्लाक सभागार में आयोजित किया जाएगा। एसडीएम शुभी सिंह ने बताया फरियादियों को अपनी शिकायत लेकर तहसील के बजाए ब्लाक पहुंचना होगा। एसडीएम ने कहा समाधान दिवस में सभी विभागों के अधिकारी लोगों की शिकायतें सुनने के लिए ब्लाक सभागार में मौजूद रहेंगे।

वरासत और खतौनी शुद्धीकरण के लिए विशेष शिविर आज

मोहनलालगंज। वरासत और खतौनी शुद्धीकरण के लिए शुक्रवार को मोहनलालगंज तहसील सभागार में विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। एसडीएम शुभी सिंह ने जनप्रतिनिधियों और आमजन को वरासत दर्ज करने और खतौनी की गलतियां दूर करने के लिए शिविर का व्यापक लाभ उठाने की अपील की। एसडीएम ने बताया शिविर में लोगों की समस्याओं का निपटारा करने के लिए लेखपाल और राजस्व निरीक्षक मौजूद रहेंगे।

पेड़ से लटकता मिला अधेड़ का शव

मोहनलालगंज। सिसेण्डी इलाके में मनोहरापुर गांव के किनारे अधेड़ का शव पेड़ से लटकता हुआ बरामद किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार मिश्र ने बताया मनोहरापुर गांव निवासी शत्रोहन कई दिन से किसी बात को लेकर परेशान था। बृहस्पतिवार को वह घर से बिना कुछ बताए चला गया। जिसके बाद गांव के ही किनारे एक खेत में आम के पेड़ से उसका शव रस्सी के फंदे से लटकता देख लोगो ने मामले की सूचना उसके भाई सहदेव को दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सेहत पर विशेष ध्यान देने वालों के लिए एसबीआई कार्ड पल्स लॉंच

लखनऊ। भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने के एकल व्यवसाय का संचालन करने वाली सबसे बड़ी कंपनी एसबीआई कार्ड ने आज सेहत एवं तंदुरुस्ती पर केंद्रित अपनी तरह के पहले क्रेडिट कार्ड एसबीआई कार्ड पल्स के लॉंच की घोषणा की। देश भर के ग्राहकों को ध्यान में रखते हुए कई अनोखी सुविधाओं एवं फायदों वाले इस कार्ड को काफी सोच समझकर डिजाइन किया गया है ताकि अपनी सेहत और फिटनेस के प्रति बेहद सजग रहने वाले कार्डधारकों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। लॉंच के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राम मोहन राव अमारा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ एसबीआई कार्ड ने कहा आज लोगों के बीच स्वस्थ जीवन शैली को बरकरार रखने के बारे में जागरूकता बढ़ी है और इसमें कोई शक नहीं है कि कोविड.19 ने उनकी इस सोच को बढ़ावा दिया है।

सीएमएस छात्रा अंशिका वाजपेयी आईएसएस में चयनित

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस की छात्रा अंशिका वाजपेयी ने इण्डियन स्टेटिस्टिकल सर्विस (आईएसएस) परीक्षा में सफलता अर्जित की है। यह परीक्षा यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित हुई, जिसके परिणाम अभी हाल ही में घोषित किये गये हैं। आईएसएस भारत सरकार की सेन्ट्रल सिविल सर्विसेज के अन्तर्गत आने वाली सिविल सर्विस है, जिसमें यूपीएससी परीक्षा के माध्यम से पदों की भर्ती की जाती है। इण्डियन स्टेटिस्टिकल सर्विस की देश भर में मात्र 11 सीटें हैं, ऐसे में इस अत्यन्त प्रतिस्पर्धी परीक्षा में चयन हेतु अत्यन्त उच्च स्तरीय प्रतिभा, ज्ञान व मेधात्व की आवश्यकता होती है। अंशिका ने सीएमएस कानपुर रोड कैम्पस में वर्ष 2008 में कक्षा-6 में एडमीशन लिया और वर्ष 2015 में 91.25 प्रतिशत अंको के साथ 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की।

रालोद नेता हाजी यूनुस के काफिले पर हुए हमले के मामले में वांछित इनामी गिरफ्तार

लखनऊ। बुलंदशहर में रालोद नेता एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख हाजी यूनुस के काफ्लि पर हमले के मामले में वांछित और 25 हजार रुपए के पुरस्कार घोषित कुख्यात अपराधी अंकित उर्फ अरविन्द पोसवाल को एसटीएफ ने भारी मात्रा में विदेशी अवैध असलहों सहित गिरफ्तार किया है।गौरतलब है कि 5 दिसंबर को रालोद नेता हाजी यूनुस के काफ्लि पर गांव भाईपुरा से लौटने के दौरान कुछ बदमाशों ने हमला कर दिया था। गोली लगने से रालोद नेता के एक साथी की मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। कोतवाली देहात में हाजी यूनुस द्वारा छह नामजद और दस अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। देहात पुलिस द्वारा घटना के मुख्य शूटर लखन निवासी सिकंदराबाद को बीते दिनों दिल्ली के एक अस्पताल से घायलावस्था में गिरफ्तार कर लिया गया था।

कांग्रेस ने किया बांग्लादेश मुक्ति स्वर्ण जयंती विजय दिवस समारोह का आयोजन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से पार्टी मुख्यालय में बृहस्पतिवार को 50 वीं बांग्लादेश मुक्ति स्वर्ण जयंती विजय दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में वीरता पुरूस्कार प्राप्त सैनिकों, शहीद सैनिकों की वीर नारियों, युद्ध विकलांग सैनिक तथा पूर्व सैनिकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर वीरता प्राप्त पुरूस्कार विजेता, वीर नारियों और सैनिक जो सन 1971 में भाग लिए थे, उनको सम्मानित किया गया। इस समारोह में राजेश तिवारी सलाहकार मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़, बृजेंद्र कुमार सिंह, अशोक गोयल चेयरमैन पूर्व सैनिक विभाग, कर्नल भरत सिंह, सुभाष मिश्र, राजेश कुमार राय, सुरेन्द्र सिंह आदि ने 1971 के युद्ध के संबंध में अपने विचार रखे। ये सभी लोग इस युद्ध में स्वयं शामिल थे।

रुपए हड़पने व बैंक का लोन वापस न करने पर मुख्तार के करीबी बिल्डर पर मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के करीबी बिल्डर शकील हैदर ने रिटायर कानूनगो समेत दो लोगों को जमीन बेचने का झांसा देकर 70 लाख रुपये हड़प लिए। आरोपी ने बेची गई जमीनों पर बैंक से करीब 48 करोड़ 44 लाख रुपये का लोन हासिल कर लिया था जिसकी अदायगी नहीं होने पर बैंक ने रिकवरी नोटिस भेजा था। बैंक की कार्रवाई शुरू होने के बाद पीड़ितों को धोखाधड़ी का पता चला। पीड़ितों ने जिलाधिकारी कार्यालय में शिकायत की थी। इस पर जांच के निर्देश दिए गए थे। जमीन बेच कर रुपये हड़पने और बैंक से लिया गया लोन वापस नहीं लौटाने पर शकील हैदर व उसके साथियों के खिलाफ वजीरगंज कोतवाली में दो मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

भरावन निवासी शिव मोहन ने बताया कि बालागंज के बरावन कला में शकील हैदर प्लाटिंग करा रहा था। उसके साथ रईस अहमद भी था। शिव मोहन के अनुसार पांच अक्टूबर 2019 को उन्होंने करीब 12 लाख 50 हजार रुपये में जमीन खरीदी थी। इस पर निर्माण कराते हुए करीब 40 लाख रुपये उन्होंने खर्च किए थे। शिव मोहन के मुताबिक निर्माण कार्य पूरा होने से कुछ दिन पहले ही उन्हें जमीन पर यूनाइटेड बैंक ऑफ इण्डिया से 48 करोड़ 44 लाख का लोन कराए जाने का पता चला। शकील और रईस अहमद के फर्जीवाडे का पता चलने पर पीड़ितों ने एतराज जताते हुए रुपये लौटाने के लिए कहा था। इसके बाद आरोपी शकील हैदर ने पूर्व विधायक का नाम लेकर धमकी दी थी। पीड़ित के अनुसार शकील हैदर ने कागजों में हेरफेर कर जमीन अपने नाम पर दिखाते हुए लोगों को बेची थी। इसके अलावा ठाकुरगंज निवासी शिवराज सिंह से भी धोखाधड़ी की गई है। रिटायर कानूनगो शिवराज के अनुसार मार्च 2021 में उन्हें भी बाकी लोगों के साथ फर्जीवाड़ा किए जाने का पता चला था।

समाजवादी लोहिया वाहिनी में चार नए राष्ट्रीय सचिव नामित

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की स्वीकृति से प्रदीप तिवारी द्वारा समाजवादी लोहिया वाहिनी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में डॉ विनोद कुमार राजपूत कासगंज, अनूप यादव बांदा, मनमोहन सिंह यादव मेरठ तथा विजय प्रकाश शुक्ला महाराजगंज को राष्ट्रीय सचिव नामित किया गया है। मोहम्मद फ़हद द्वारा समाजवादी युवजन सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बल्लू यादव इटावा, वेदप्रकाश ओझा लखनऊ, प्रेम यादव अलीगढ़, तुषार मिश्रा गोरखपुर, शहजाद आलम मेरठ, अशोक यादव बक्शी का तालाब लखनऊ, प्रेम चौधरी आगरा राष्ट्रीय सचिव बनाये गये हैं। इनके अतिरिक्त धीरू कटियार कानपुर देहात, इंद्रेश यादव सुल्तानपुर तथा जावेद अंसारी सीतापुर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य नामित किए गए है। अरविन्द गिरि द्वारा समाजवादी युवजन सभा की प्रदेश कार्यकारिणी में सुहेल राणा सहारनपुर तथा नागेन्द्र यादव बलिया को प्रदेश सचिव नामित किया है।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र – रेउसा, सीतापुर

पत्रांकः लेखा/निविदा/ 353 /2020–2021 दिनांक : 16.12.2021

निविदा प्रपत्र (TENDER FORM)

निविदा विज्ञप्ति

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र–रेउसा सीतापुर आयोजित होने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों में आवश्यकतानुसार भोजन एवं चाय नाश्ता की आपूर्ति किये जाने हेतु आयकर एवं जी0एसटी0 में पंजीकृत फर्मों से निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं। निविदायें दो पार्ट में, जिसमें प्रथम भाग में टेक्निकल ऑफर तथा द्वितीय भाग में वित्तीय ऑफर निविदा शर्तो के अधीन ई–टेण्डर प्रक्रिया के अन्तर्गत वेब पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है।

1	निविदा आमंत्रित करने की तिथि	दि0 16.12.2021
2	निविदा ऑनलाइन प्रारम्भ करने की तिथि व समय	दि0 17.12.2021 की पूर्वाह्न 10.00 बजे से
3	निविदा ऑनलाईन अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	दि0 22.12.2021 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक
4	ऑन लाईन निविदा के संलग्न प्रपत्रों को कार्यालय में जमा करने की तिथि व समय	दि0 22.12.2021 को अपराह्न 03.00 बजे तक
5	निविदा की तकनीकी बिड खोलने की तिथि व समय	दि0 23.12.2021 को अपराह्न 1.00 बजे
6	निविदा की फाइनेन्सियल बिड खोलने की तिथि व समय	दि0 23.12.2021 को अपराह्न 2.00 बजे

निविदा की शर्ते

निविदा डालने हेतु निविदादाता खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र–रेउसा, सीतापुर के नाम से राष्ट्रीयकृत बैंक से निविदा शुल्क रूपया–200.00 (जीएसटी सहित) का बैंक ड्राफ्ट एवं अर्नेस्टमनी की धनराशि रूपया 5000.00 का एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट, खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र–रेउसा, सीतापुर के पद नाम से बन्धक करवाते हुए निविदा प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकता है।

निविदादाताओं को निविदा से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी वेब साइट etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
विकासक्षेत्र–रेउसा।

यूपी में बढ़ा सरसों की बुआई का रकबा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सरकारी कोशिशों के बीच राज्य के किसानों ने तिलहनी फसलों की बुआई में रुचि दिखाई है। सरसों की बुआई का बढ़ा रकबा इसका प्रमाण है। इस वर्ष राज्य में 9.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में किसान सरसों की खेती करने को प्राथमिकता दी है। जिसके चलते पिछले वर्ष की तुलना में सरसों की बुआई के रकबे में 35 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। तेलों के दामों में आए उछाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कृषि विभाग द्वारा किसानों को सरसों की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने के चलाए गये अभियान के यह बदलाव हुआ है। प्रदेश में एक तरह से येलो रिवॉल्यूशन (पीली क्रांति) का आगाज हुआ है।

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 7.80 लाख हेक्टेयर भूमि पर सरसों की खेती का लक्ष्य रखा गया था। यह टार्गेट हर हाल में पूरा हो। इसके लिए कृषि विभाग के अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर किसानों को सरसों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया। उनको बेहतर उपज और फसल के सम सामयिक देखरेख के बारे में जानकारी दी। इसका यह परिणाम हुआ कि राज्य में करीब 20 लाख से अधिक किसानों ने सरसों की खेती करने को प्राथमिकता दी। किसानों के ऐसे प्रयास से राज्य में 9.46 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की फसल झूम रही है। कृषि विभाग के अफसरों का दावा है कि वर्षों बाद राज्य में सरसों की बंपर फसल होगी और जल्दी ही यूपी फिर सरसों के उत्पादन में प्रमुख राज्य बन जाएगा। बीते साल राज्य में 7 लाख हेक्टेयर भूमि पर सरसों की खेती की गई थी और 10.07 लाख मीट्रिक टन सरसों का उत्पादन हुआ है।

इस वर्ष 10 लाख मीट्रिक टन से काफी अधिक सरसों का उत्पादन होने का दावा कृषि विभाग के अधिकारी कर रहे हैं। अभी देश में मध्य प्रदेश के बाद उत्तर प्रदेश तिलहन उत्पादन में दूसरे नंबर पर है। देश में कुल उत्पादन का 16 फीसद हिस्सा उत्तर प्रदेश का है। मध्य प्रदेश में 24 फीसद, महाराष्ट्र में 14 फीसद, राजस्थान में छह फीसद, आंध्र प्रदेश 10 फीसद और कर्नाटक में सात फीसद तिलहन का उत्पादन होता है। गुजरात, छत्तीसगढ़, बिहार, उड़ीसा और झारखंड सहित अन्य राज्यों में 23 फीसद उत्पादन होता है। तिलहन में रबी और खरीफ दोनों ही फसलें आती हैं। कुल उत्पादन का लगभग 64 फीसद रबी, 30 फीसद खरीफ और छह फीसद जायद की फसल में उत्पादन होता है। सरसों अनुसंधान निदेशालय के आंकड़ों के अनुसार 25 साल पहले सरसों उत्पादन में उत्तर प्रदेश का पहला स्थान था लेकिन ज्यादा उत्पादन वाली गेहूं की नई किस्मों के आने से गेहूं का क्षेत्रफल बढ़ता गया।। वर्ष 1981.82 में सरसों का क्षेत्रफल 22.76 लाख हेक्टेयर थाए जोकि पूरे देश के सरसों की खेती के क्षेत्रफल का 50 प्रतिशत था लेकिन इसके बाद सरसों के क्षेत्रफल में लगातार गिरावट आती रही। सरसों के उत्पादन घटने के पीछे दरअसल एक ही नहीं कई कारण थे। एक तो जिस तरह से गेहूं का एमएसपी बढ़ती गई, उस तरह से सरसों का नहीं बढ़ा है। अब जब किसानों की आय में इजाफा करने के लिए सरकार ने इस तरफ ध्यान दिया तो एमएसपी बढ़ी है। सरकार ने 5050 रुपये समर्थन मूल्य रखा है। जिसका संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने सरसों की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने का अभियान चलवाया। जिसका असर अब राज्य के हर जिले में दिखने लगा है। लखनऊ में सरसों की खेती तथा उत्पादन की बात करें तो नौ हजार हेक्टेयर में तिलहन की खेती होती रहे है। इस बार यह बढ़कर 15000 हेक्टेयर हो गया है।

निजीकरण के विरोध में दो दिवसीय हड़ताल

बैंकों में लटके रहे ताले, धरना-प्रदर्शन

प्रयागराज। बैंकिंग कानून संशोधन बिल तथा निजीकरण के विरोध में गुरुवार को बैंक कर्मचारियों ने दो दिवसीय हड़ताल शुरू की। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन की ओर से घोषित हड़ताल में एसबीआई बीओबी समेत अन्य सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। सभी बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी बैंक में ताला लगाकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान बैंकों में ताला लटका रहा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन की ओर से घोषित दो दिनी हड़ताल का समर्थन आज उत्तर प्रदेश बैंक ऑफ बड़ौदा इम्प्लाइज यूनियन इलाहाबाद ने भी किया। बीओबी ने भी आज बैंक के निजीकरण के विरोध में हड़ताल पर रहे। हड़ताल में सभी बैंक संगठन के अधिकारी और कर्मचारी संघ सक्रिय रूप से सहभागिता की। संगठन द्वारा मुख्य रूप से बैंकों के निजीकरण के विरोध के साथ ही सरकार बैंकों के आमजन से जुड़ाव को लेकर बैंकों की संरचना और संक्रिया के ढांचे को मजबूत करते हुए उसकी अन्य पूर्ववर्ती मांगों को पूरा करने की मांग की गई। हड़ताल के दौरान उत्तर प्रदेश बैंक ऑफ बड़ौदा इम्प्लाइज यूनियन इलाहाबाद के क्षेत्रीय सचिव सुनील कुमार सिंह जिला सचिव प्रभंजन प्रसाद प्रफुल्ल

कुमार गुप्ता सुंदर लाल कन्हैया यादव मनीष त्रिपाठी विक्रम सिंह अनिल कुमार आदि रहे। पूर्व घोषित हड़ताल में ऐक्टू से सम्बद्ध यूनियनों से जुड़े भारी संख्या में लोग हड़ताल पर रहे। लोग पहले पत्थर गिरजाघर पर इकट्ठा होकर बैंक कर्मचारियों के जुलूस में भागीदारी की। इसके बाद पुर्वांचल विधुत वितरणव खंड जार्जटाउन के केंद्रीय कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से बैक कर्मचारियों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में धरना प्रदर्शन किया। फ़िर जुलूस की शक्ल में इंदिरा भवन स्थित सेंट्रल बैंक कार्यालय पर पहुंच कर सीधे बैंक कर्मचारियों के साथ एकजुटता जाहिर किया। बैंक कर्मचारियों के हड़ताल का समर्थन करते हुए ऐक्टू पदाधिकारियों ने कहा कि तीनों काले कृषि कानून पर मुंह की खाने के बाद भी सरकार कुछ सीखने को तैयार नहीं है। जिस समय निजि बैंक दिवालिया होकर आम जनता की मेहनत की गाढ़ी कमाई लेकर फरार हो रहे है। ठीक उसी समय सरकारी बैंक अपनी कठिन मेहनत ईमानदारी के साथ लगातार मुनाफ़े में रहते हुए जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए देश और समाज को फायदा पहुंचा रहे हैं। फ़िर ऐसी स्थिति में सरकारी बैंकों के केंद्र सरकार द्वारा निजीकरण करने का निर्णय स्पष्ट रूप से आम जनता के खून पसीने की कमाई से तैयार की गई सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों को अपने पूंजीपतियों को सौंप देना चाहती है। सत्तर के दशकों में जब निजी बैंक लोगों के पैसों लेकर फरार हो रहे थे। तब उस वक़्त की तत्कालिक सरकार ने 44 से भी अधिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण सरकारीकरण किया था और उस समय सरकारी बैंकों की कुल पूंजी मात्र कुछ करोड़ रुपये थी लेकिन आज बैंक कर्मचारियों की रात दिन की मेहनत निष्ठा लगन से सरकारी बैंकों की पूंजी लाखों करोड़ों रुपए पहुँच चुकी है। ऐसी हालात में बैंक का निजीकरण यानी बैंकों को बेचना एक तरह से देश बेचने का कुकृत्य है। विरोध प्रदर्शन में इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन सम्बद्ध ऐक्टू राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा कमल उसरी अनिल वर्मा एस सी बहादुर नाथ मनोज कुमार पांडेय संजय तिवारी सैय्यद इरफ़ात अली राकेश शर्मा यूनियन से लक्ष्मी नारायण श्रीवास्तव दीपक गिरी बाबा अशोक कुमार आदि रहे।

अंबेडकरनगर में 19 को नड्डा करेंगे जन विश्वास यात्रा का भव्य शुभारम्भ

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कितना गम्भीर है उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में 19 दिसंबर से शुरू होने वाले 6 जन विश्वास यात्राओं में से एक यात्रा अंबेडकर नगर जनपद से शुरू कर रही है। जिसको भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा विशाल जनसभा को सम्बोधित करने के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

उपरोक्त बातें भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री/जनपद प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने जिला कार्यालय अटल भवन में दिन भर चले विभिन्न स्तर के पदाधिकारी और मोर्चा के पदाधिकारियों की यात्रा सम्बन्धी तैयारी बैठक में कही। उन्होंने भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी, यात्रा संयोजक दीपक तिवारी के साथ सम्पन्न पत्रकार वार्ता में कहा कि विधान सभा चुनाव के विभिन्न वर्षों में विपक्षी दलों द्वारा गुंडा और माफ़ियागीरी को समाप्त करने वाला वादा किया। परंतु माफ़ियागीरी को समाप्त करना तो दूर प्रदेश के गुंडों को संरक्षण दे कर जनता का जीना दुस्वार कर दिया।

भाजपा की सरकार जब से मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बनी तब से गुंडा या तो प्रदेश छोड़ कर चले गए या तो ऊपर चले गए या जेल में डाल दिए गए हैं। आज प्रदेश में जनता अपने आप को बहुत सुरक्षित महसूस कर रही है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार को समाप्त कर सुशाशन का राज कायम किया है।

अब राष्ट्रवाद का बिगुल बजाएंगे जगतगुरु परमहंस

अयोध्या। श्रीराम नगरी अयोध्या आंग्ल नव वर्ष के शुभारंभ पर स तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य राष्ट्रवाद महोत्सव का करेंगे आयोजन 10 हजार लोग होंगे सम्मिलित। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने बताया कि अब देश में राष्ट्रवाद के राजनीति की आवश्यकता हो जातिवाद परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति से ऊपर उठकर देश के सभी दलों को राष्ट्र की चिंता करनी चाहिए क्योंकि अगर हमारा रास्ते ही सुरक्षित नहीं है तो फ़िर हम भी सुरक्षित नहीं होंगे इसका जीता जागता उदाहरण अफ़गानिस्तान में शीघ्र ही देखने को मिला है।

अफ़गानिस्तान की राज्य सत्ता राष्ट्र को एकत्रित करके नहीं चल सकी आज उस पर आतंकवादी अराजक तत्वों का शासन है जहां पर बहन बेटियां भी सुरक्षित नहीं है शिक्षा व्यवस्था भी नष्ट हो गई है। भारत में ऐसी स्थिति ना आए इसके लिए देश के सभी लोगों को राष्ट्र के प्रति समर्पित होना पड़ेगा और यही कारण है कि 1 जनवरी को अयोध्या

तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगत गुरु परमहंस आचार्य

में राष्ट्रवाद महा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमें लगभग दस हजार लोग सम्मिलित होंगे और राष्ट्रवाद के लिए देश के कोने कोने में प्रचार सेमिनार गोष्ठी का आयोजन अयोध्या के बाद पूरे देश में करेंगे।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रवाद महा महोत्सव का एक ही मूल मंत्र होगा कि देश से जातिवाद परिवारवाद तुष्टीकरण की राजनीति को समाप्त करना है और राष्ट्र के प्रति सभी को जागरूक करके एक साथ रख की सुरक्षा समृद्धि के लिए लड़ाई लड़ना है।

युवक की गोली मारकर हत्या

- प्रेम प्रसंग के चलते गांव के ही एक व्यक्ति ने दी थी जान से मारने की धमकी
- बुधवार शाम से मृतक आकाश था लापता

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

सदर कोतवाली इलाके के त्रिकौलिया गांव में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मौत की खबर से परिवारवालों में कोहराम मचा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुख्यालय भेज दिया है। पुलिस ने घटना की छानबीन में जुट गई है।

महेवागंज चौकी क्षेत्र के त्रिकौलिया गांव निवासी आकाश वर्मा (24) पुत्र राकेश वर्मा एक लौता पुत्र था। बताते हैं कि वह शादीशुदा है। परिवार वालों का आरोप है कि आकाश का गांव की ही एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके चलते उसके पिता जान से मार देने की धमकी दी थी। बताते हैं कि पत्नी को भी प्रेम प्रसंग की जानकारी लग गई तो आपस में दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी जिसके चलते उसका मोबाइल भी टूट गया था। बुधवार शाम करीब चार बजे वह अपने घर से कहकर निकला था कि वह तिराहे पर बाजार जा रहा है और हो सकता है कि मोबाइल लेने लखीमपुर निकल जाये। बताते हैं कि

आकाश को बाजार में गोल गप्पे खाते हुए देखा गया था। उसके बाद से फ़िर उसे किसी ने नहीं देखा। देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिवार वालों ने कहा कहीं होगा आ जायेगा। गुरुवार सुबह गांव के उत्तर पश्चिम में भारत पब्लिक स्कूल के पास उसी के गन्ने के खेत में स्कूल जाने वाले रास्ते के किनारे उसका शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना घरवालों को दी। सूचना होते ही परिवारवाले घटना स्थल पर पहुंच आकाश का शव देख चीख चिल्लाने लगे। मर्डर की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है और घटना की छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने शव के पास से तमंचा बरामद किया है।इधर घटना के मामले में मृतक के पिता राकेश वर्मा ने गांव के ही एक व्यक्ति को नामजद करते हुए पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

बरेली । एक युवक की रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन से कटकर मौत हो गई पुलिस ने लाश को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी शाही थाने के गांव नरेली निवासी 20 वर्षीय विजय पाल पुत्र बाबूराम की बीती रात फतेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में धनेटा रेलवे फाटक के पास रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन से कटकर मौत हो गई स पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि विजय ने इसी साल इंटर की परीक्षा पास की थी और कल शाम को अपनी किसी काम से वह घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा घर के लोग उसे तलाशने में जुटे थे स इसी दौरान रात में रेलवे लाइन पार करते समय विजयपाल ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी ट्रेन से कटकर मौत हो गई स दुर्घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी । जो मौके पर पहुंची और मृतक के पास मिले मोबाइल फोन से दुर्घटना की सूचना उसके घरवालों को दी स जो मौके पर पहुंचे और लाश की शिनाख्त कर ली स पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी स मृतक चार भाई.बहनों में सबसे छोटा था स उसकी मां का नाम रामदेई है।

गोरखपुर में पिता-पुत्र ने फांसी लगा खुदकुशी की

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के गुलरिहा क्षेत्र में घरेलू विवाद से क्षुब्ध पिता-पुत्र ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि रामविलास पटेल (48) और उसके 22 वर्षीय पुत्र आकाश ने बुधवार देर रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि रामविलास मुंबई में काम करता था और वह करीब 15 दिन पहले अपने घर लौटा था। उन्होंने बताया कि बुधवार की शाम रामविलास का किसी बात को लेकर पत्नी शंभू देवी से झगड़ा हुआ था और इस दौरान पुलिस ने पहुंचकर मामला सुलझा दिया था। सूत्रों ने बताया कि देर शाम रामविलास ने एक बार फिर विवाद होने पर पत्नी की पिटाई शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि उसके बेटे आकाश ने बीच-बचाव की कोशिश की तो रामविलास ने उसे भी पीट दिया और इससे क्षुब्ध होकर आकाश ने कमरे में पंखे से लटक कर फांसी लगा ली। उन्होंने बताया कि इसकी खबर मिलने के बाद रामविलास ने भी गांव के बाहर एक पेड़ पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बताया कि सुबह ग्रामीणों ने रामविलास का शव पेड़ से लटकता पाकर पुलिस को खबर की पुलिस ने रामविलास और आकाश के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं और मामले की जांच की जा रही है।

मेरठ में युवक की पीट-पीटकर हत्या पुलिस का दावा, दुर्घटना में हुई मौत

मेरठ,। उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर में ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार युवक की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई जबकि पुलिस का कहना है कि एक अन्य वाहन से टक्कर में उसकी मौत हुई है। बुधवार रात को हुई इस घटना को लेकर आज सुबह पीड़ित के परिजनों ने करीब एक घंटे तक तारापुरी रोड पर शव रखकर जाम लगाकर हंगामा किया गया। पुलिस अधिकारियों के समझाने के बाद परिजन शांत हो गए। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि मरने वाले की पहचान शाहररूख उर्फ साबू (25) के रूप में की गय है। साबू यहां कबाड़ का काम करता था। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस की जांच में दुर्घटना का मामला सामने आया है। वहीं दूसरी ओर शहर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर ने बताया कि पुलिस जांच में पता चला है कि युवक की माधवपुरम में स्कूटी सवार महिला से टक्कर हुई थी। उन्होंने बताया कि महिला का केएमसी अस्पताल में उपचार चल रहा है। भटनागर ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्वाई की जाएगी। इस बीच स्थानीय मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया है कि बुधवार आधी रात को माधवपुरम चौकी के पीछे बाइक सवार को अज्ञात युवकों ने पीट-पीटकर अधमरा कर दिया और इसके बाद उसे वहीं फेंक कर फरार हो गए। इसमें कहा गया कि देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जमीनी विवाद में भिड़े दो पक्ष जमकर चले धारदार हथियार

संवाददाता। मछरेहटा सीतापुर

- मछरेहटा थाना इलाके के लक्ष्मणपुर में हुई खूनी वारदात

मछरेहटा थाना इलाके में जमीनी विवाद ने अचानक तूल पकड़ लिया और दो पक्ष आपस में भिड़ गए। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जमकर खूनी संघर्ष हुआ। जिसमें एक 13 साल की बालिका की जान चली गई। जबकि दोनों पक्षों के पन्द्रह से अधिक लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। मछरेहटा के फतेहनगर मजरा लक्ष्मणपुर में जयकरन और बरातीलाल के बीच रास्ते पर दरवाजा रखे जाने को लेकर विवाद चल रहा है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। लगभग पन्द्रह दिन पहले जय करन ने दूसरे पक्ष पर जबरन दरवाजा रखने का आरोप लगाते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था। मछरेहटा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को न्यायालय का फैसले को आने तक शांति बनाए रखते हुए इंतजार करने को कहा था। बुधवार रात इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ। जमकर लाठी-डंडे व धारदार हथियार चले। जिससे दोनों पक्षों के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी मछरेहटा में भर्ती कराया गया। काजल, सत्रोहन और नरेंद्र की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से डाक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ भेज दिया। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान 13 वर्षीया काजल पुत्री हरिश्चंद्र की मौत हो गई। थाना अध्यक्ष मछरेहटा मुकेश वर्मा ने बताया दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रास केस दर्ज किया गया है, जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

रंजिश में जिपंस सहित आठ डकैती में फंसे

संवाददाता। फर्रुखाबाद

कमालगंज थाना पुलिस नें न्यायालय के आदेश पर चुनावी रंजिश के चलते डकैती डालनें के मामले में जिला पंचायत सदस्य समेत आठ लोगों के खिलाफ गुरुवार को मुकदमा दर्ज कर छानबीन कर दी है। सपा नेता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होनें के बाद जनपद में राजनैतिक गलियारे में हलचल बढ़ गयी है।थाना क्षेत्र के गाँव बीबीपुर निवासी अमर सिंह की पत्नी शांति देवी नें न्यायालय में याचिका दायर की। जिसमे कहा कि उनका बेटा प्रवीन उर्फत्यागी महाराज पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहा था। इस मामले में गाँव के ही जितेन्द्र उर्फरिंकू कटियार मेरे बेटे को चुनाव लड़ने से रोंकना चाहते थे और उन्होंने मेरे बेटे पर चुनाव ना लड़ने को लेकर दबाव डाला। दबाब ना मानने पर नाराज रिंकू कटियार नें उनके बेटे को देख लेनें की धमकी दी। इसी रंजिश के चलते 31 मार्च को आरोपी उनके घर जा धमके और दरबाजे पर धक्का देकर कुंडी खटखटाई और 10-12 लोग लाठी डंडो और तमंचों से लैस होकर घर में घुस आये और मुझे गाली देते हुए कहा कि बुढिया तेरा लड़का कहा है।

अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की को लेकर प्रदर्शन

संवाददाता। सीतापुर

मीडिया कर्मियों को केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा अपषब्द कहे जाने को लेकर सीतापुर कांग्रेस पार्टी ने विरोध प्रदर्षन कर नारेबाजी की है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी की व केन्द्रीय मंत्री को बर्खास्त किए जाने की मांग करते हुए सिटी मजिस्टेज्ट पूजा मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में मंत्री किसानों को कुचल रहे है और केन्द्र व प्रदेश की सरकारे मौन है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त किया जाए। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष विनीत दीक्षित, नगर अध्यक्ष संतोष भार्गव, सुभाष राजवंशी, विपिन राजवंशी, आमोद मिश्रा, राजकिशोर सिंह, बनवारी लाल कनौजिया, रमेश कुमार सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सात दशक पुरानी परंपरा पर कोरोना का ग्रहण

- बाराही देवी मेला और विकास प्रदर्शनी का आयोजन न होने से लोगों में दिखी नाराजगी

संवाददाता। जालौन (उरई)

गंगा जमुनी तहजीब की प्रतीक श्री बाराही देवी मेला एवं विकास प्रदर्शनी की परंपरा नगर में 7 दशक से ज्यादा पुरानी है। कोरोना संक्रमण के कारण 7 दशक पुरानी यह परम्परा पिछले साल टूट गयी थी जो इस वर्ष भी जारी हैं। इस वर्ष इसका आयोजन न होने से लोगों में नाराजगी है।

कोतवाली के पीछे स्थित फौजी पड़ाव में हर वर्ष श्री बाराही देवी मेला एवं विकास प्रदर्शनी का आयोजन होता है। देश की स्वतंत्रता के पूर्व से शुरू हुई यह परंपरा पिछले वर्ष तक चली। मेला परिसर में स्थित श्री बाराही देवी माता का मंदिर तथा सैयद बाबा की मजार हिन्दू मुस्लिम एकता को दर्शाती है। नगर पालिका की स्थापना के पहले भी मेला का आयोजन होता था। 1952 नगर पालिका की स्थापना के बाद इसका आयोजन व्यवस्थित ढंग से नगर पालिका द्वारा कराया जाने लगा था। नगर पालिका में मेला के आयोजन के लिए एक समिति

आयोजन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते स्थानीय लोग।

आयोजन को लेकर क्या कहते हैं क्षेत्रीय लोग

जालौन। राघवेन्द्र राजावत इस आयोजन से बच्चों के साथ क्षेत्रीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है तथा स्वस्थ मनोरंजन होता था। लोकगीतों के साथ कवि सम्मेलन व नृत्य कला का मनोहारी कार्यक्रम देखने को मिल जाते थे। सुनील त्रिपाठी इस आयोजन के माध्यम से कुस्ती, कबड्डी, बॉलीबाल जैसे खेलों की प्रतियोगिता में भाग लेने तथा क्षेत्रीय ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिल जाता है। इसके अलावा घर गृहस्थी का सामान कम कीमत पर मिल जाता था। राहुल उड़गेकर मेला एवं विकास प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को स्वस्थ मनोरंजन होता है तथा मौत का कुंआ, सर्कस, झूला आदि का लाभ बच्चों को आसानी से वर्ष में एक बार मिल जाता था। विनय निगम का कहना था कि सात दषक से ज्यादा समय से चली आ रही परम्परा के टूटने से मायूसी है। कोरोना के संक्रमण के कारण इस परम्परा के टूटने से आसपास के ग्रामीणों मनोरंजन, सस्ते घरेलू सामान मिलने तथा लोगों को रोजगार मिल जाता था। इस आयोजन के न होने से लोगों को कमी खल रही है। डीडी सिंह ईओ मेला ग्राउंड नगर पालिका के पास नहीं है। फौजी पड़ाव पर मेला लगता है। मेरा लगाने की अनुमति संबंधित विभाग से नहीं मिल पा रही है।

पुरानी परम्परा टूट चुकी है। इस वर्ष भी परम्परा शुरू न होने से लोगों में नाराजगी है।

पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में मिली जीत की स्वर्ण जयंती पर सैनिकों को किया नमन:मथुरा। भारत-पाकिस्तान के बीच वर्ष 1971 के युद्ध विजय की स्वर्ण जयंती के अवसर पर मथुरा स्थित सेना की स्ट्राईक-। कोर ने बसंतर दिवस (स्ट्राईक। कोर विजय दिवस को इस नाम से भी पुकारती है) पर इस युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की शहादत को याद कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। रक्षा सूत्रों के अनुसार समारोह की शुरुआत कोर वॉर मेमोरियल पर माल्यार्पण के साथ हुई, इसके बाद फर्स्ट डे कवर और बसंतर डे ट्रॉफी जारी की गई। पत्र सूचना कार्यालय द्वारा जारी विग्यप्ति के अनुसार इस कोर के लिए यह घटना इसलिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान स्ट्राईक-।

भविष्य की चिंता

तेज टीकाकरण आवश्यक

भारतीय कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख वी.के. पाल ने कहा है कि हमारे वैक्सीन प्लेटफार्मों को कोविड-19 के बदलते स्वरूपों के अनुसार स्वयं को तेजी से ढालना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि भविष्य में भारतीय वैक्सीनें निष्प्रभावी भी हो सकती हैं। एक प्रकार से उनका कहना है कि यदि वायरस एक समय में समाप्त न होकर अपना रूप बदल लेता है तो वैक्सीनों की प्रभावशीलता घट सकती है। ऐसी स्थिति में फौरन नई और बेहतर वैक्सीनें खोजना जरूरी हो सकता है जो उभरते स्वरूपों से निपट सकती हों। अब तक आम आदमी की समझ से भारत को वयस्क जनसंख्या के 70 प्रतिशत या उससे अधिक के टीकाकरण की जरूरत है ताकि हर्ड इम्युनिटी प्राप्त हो सके जिससे महामारी पर लगाम लग सके। इसके बाद लोगों को हर साल एक टीके की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन अब ओमीक्रान स्वरूप को देखते हुए स्थिति इतनी सरल नहीं रह गई है। यह स्वरूप भले ही डेल्टा या डेल्टा प्लस जितना खतरनाक न हो, पर यह बहुत तेजी से फैलता है। दूसरे, यह स्वरूप ऐसे समय उभरा है जब दुनिया एक और लाकडाउन बर्दाश्त नहीं कर सकती है जिसने अर्थव्यवस्था को बरबाद कर दिया है। इसका अर्थ है कि स्कूलों को खोलना और उनको खुले रखना होगा, अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुनः शुरू करनी होगी तथा लोगों को फैक्ट्रियों या कार्यालयों में काम करने से रोका नहीं जाएगा। इसलिए हम स्कूली बच्चों, वृद्ध जनसंख्या, अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों, यात्रियों तथा भीड़ भरे स्थानों में काम करने वाले लोगों की इम्यूनिटी बढ़ाने के तरीके खोज रहे हैं। इनमें स्वास्थ्यरक्षा, पुलिस, धार्मिक क्षेत्र, शिक्षा, वाणिज्य व बिक्री, परिवहन, विनिर्माण व अतिथि सत्कार क्षेत्र शामिल हैं।

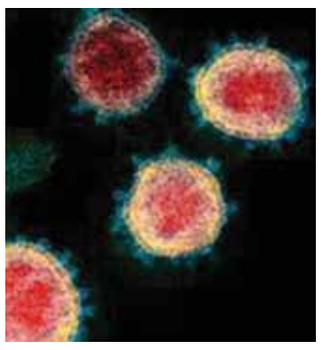

हमारी जनसंख्या के ये हिस्से सर्वाधिक उत्पादक होने के साथ ही वायरस व उसके प्रसार के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। चाहे कोवैक्सिन या कोवीशील्ड या बूस्टर खूराक हो, सवाल है कि क्या वे वायरस व उसके संक्रमण से इतनी सफलतापूर्वक निपट सकती हैं कि लोग स्वास्थ्य पर जोखिम उठाए बिना आर्थिक गतिविधि में लगे रह सकते हैं? क्या हमारे वैज्ञानिकों को नए स्वरूपों से निपटने के लिए नई वैक्सीनों की खोज करनी चाहिए या भावी वैक्सीनों और बूस्टरों को इस तरह तैयार करना चाहिए कि वे देश में महामारी पर नियंत्रण बनाए रख सकें? लेकिन सवाल यह भी है कि इस प्राथमिकता पर फैसला कौन करेगा? वैज्ञानिकों ने हमें बताया है कि भारत ने इस जून में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त कर ली थी जब देश ने महामारी के स्तर पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया था और वह नियंत्रण अभी तक बना हुआ है। लेकिन यह स्तर बनाए रखना इस बात पर निर्भर है कि सरकार वायरस पर नियंत्रण के लिए टेस्ट और ट्रेस का कितनी कठोरतापूर्वक पालन करती है। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि लोग सुरक्षा व्यवहारों का उल्लंघन न करने की क्षमता कहां तक प्रदर्शित करते हैं। ऐसा न होने पर वह स्थिति पैदा हो सकती है जब वायरस के नए स्वरूप के नए व उभरते पाजिटिव मामले किसी दिन इम्युनिटी प्राप्त लोगों की संख्या से अधिक हो सकते हैं।

ऐसा होने पर हर्ड इम्युनिटी वाली सुरक्षा स्थिति टूट सकती है। ऐसे में हमें कोरोनावायरस वैश्विक महामारी की एक और लहर का सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान समय में हमारे सामने वैक्सीन प्लेटफार्मों तथा तेजी से प्रतिक्रिया करने वाली वैक्सीनों के विकास में निवेश करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। भविष्य में आने वाले अगले वायरस या उसके स्वरूपों से निपटने के लिए ऐसा करना जरूरी होगा।

दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के संदर्भ में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है।

प्रकाश साहू यशोबंदा परिदा पार्थना अग्रवाल

पिछले कुछ महीनों में, देश ने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात और बाढ़ का सामना किया है और साथ ही साथ कोविड-19 महामारी का भी सामना किया है। एक ओर जहां भारत सरकार कोविड-19 संक्रमण के प्रसार को रोकने और आर्थिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाएं जैसे चक्रवात और बाढ़ सरकार के वित्तीय बोझ को बढ़ा रही हैं। आबादी के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरे भी पैदा कर रहे हैं। हाल ही में, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिणी राज्यों में मानसून के बाद की बाढ़ ने मानव जीवन और संपत्ति पर कहर बरपाया है, जो राज्यों में एक सतत समस्या बन गई है। लगभग छह वर्षों के बाद, उत्तर-पूर्वी मानसून के नेतृत्व में भारी बारिश ने दक्षिणी भारतीय राज्य तमिलनाडु को प्रभावित किया है, जिससे विनाशकारी बाढ़ आई है और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार राज्य भर में 18 लोगों की जान चली गई है। वहीं, आंध्र प्रदेश के कई हिस्से भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिससे फसलों सहित संपत्ति का नुकसान हुआ है और 34 लोगों की मौत हुई है। प्रभावित जिलों से प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भारी बारिश के साथ बाढ़ से लगभग 1500 घरों को नुकसान पहुंचा है, और अनुमानित फसल नुकसान लगभग रु। आंध्र प्रदेश राज्य भर में 8 लाख हेक्टेयर कृषि और बागवानी फसलों में फैले 3000 करोड़ ने लगभग 58,000 लोगों को निकालने के लिए मजबूर किया।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 1953 और 2017 के बीच तमिलनाडु में बाढ़ से राज्य को लगभग 27,326 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें से सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 24,061 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, इसके बाद 3,120 करोड़ रुपये की फसल क्षति हुई है। और 145 करोड़ रुपये में घर। इस अवधि के दौरान, 3,705 लोग मारे गए, 56 मिलियन लोग प्रभावित हुए, 2.32 मिलियन हेक्टेयर फसल क्षेत्र तबाह हो गए, और 5.49 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए। हर साल, बाढ़ के कारण तमिलनाडु को लगभग 635 करोड़ रुपये का नुकसान होता है, और राज्य में 94.54 करोड़ रुपये की फसल के नुकसान के साथ 81 मौतें होती हैं।

तमिलनाडु में बाढ़, सूखा, बिजली, चक्रवात, ओलावृष्टि और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आवर्ती घटनाएं हैं। अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण, राज्य अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है और प्राकृतिक आपदा आवृत्तियों, क्षतियों और मृत्यु दर में वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, उच्च स्तर की सामाजिक आर्थिक भेद्यता, अपर्याप्त शमन उपाय, तेजी से शहरीकरण, और कृषि क्षेत्र पर उच्च निर्भरता ने प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान को और बढ़ा दिया है। मानसून के दौरान लगातार और भारी वर्षा जैसे प्राकृतिक कारकों के अलावा, मानव निर्मित कारकों ने भी तमिलनाडु और पूरे देश में बाढ़ के कारण क्षति को बढ़ाने में योगदान दिया है। अनियोजित विकास, तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण, बाढ़ नियंत्रण प्रणालियों की विफलता, खराब जल निकासी सुविधाएं, वनों की कटाई, और अनियोजित जलाशय संचालन बाढ़ के नुकसान को बढ़ा रहे हैं। नतीजतन, शहरी बाढ़ मानव निर्मित त्रासदी के रूप में प्रकट हो सकती है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में चक्रवाती गतिविधि से जुड़ी भारी बारिश के कारण 1943, 1976, 1985, 1998, 2002, 2005 और 2015 में विनाशकारी बाढ़ आई है। 2015 दक्षिण भारत की बाढ़ नवंबर-दिसंबर 2015 में वार्षिक पूर्वोत्तर मानसून द्वारा उत्पन्न भारी वर्षा के परिणामस्वरूप हुई, जिसने दक्षिण भारतीय राज्यों तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कोरोमंडल तट क्षेत्र को प्रभावित किया। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2015 में शहर और उसके उपनगरीय इलाकों में आई बाढ़ ने 421 लोगों की जान ले ली और 3.04 मिलियन आबादी प्रभावित हुई। इसके अलावा, 0.38 मिलियन हेक्टेयर फसल तबाह हो गई, और 3.01 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे कुल 25,913 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया और कई दिनों तक शहर को ठप कर दिया।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अलावा, बाढ़ भारत के अन्य राज्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। सार्वजनिक और निजी संपत्तियों के नुकसान और प्रभावित और मारे गए आबादी के आधार पर, भारत चीन (इमरजेंसी इवेंट्स डेटाबेस (श्वरू-ष्ठ्रञ्ज)) के बाद दुनिया का दूसरा सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित देश है। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, 1953-2017 की अवधि में बाढ़ के कारण 107,535 लोग मारे गए और 2,088 मिलियन लोग प्रभावित हुए। इस अवधि के दौरान, बाढ़ से फसलों, घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे सहित 3,78,247 करोड़ रुपये, फसल को 1,11,225 करोड़ रुपये, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 2,12,060 करोड़ रुपये और घरों को 53,774 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा, हर साल, देश को जीडीपी का लगभग 0.46त्न बाढ़ और सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 0.18त्न (परिदा एट अल।, 2021) के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ का प्रभाव सरकारी आपदा प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार के वित्तीय दबाव को भी बढ़ाता है।

इसके अलावा, लगातार बाढ़ ग्रामीण कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बढ़ती गरीबी, ग्रामीण असमानता और फसल क्षति और आय हानि के कारण भोजन की कमी। इसी तरह, शहर की खराब योजना और बुनियादी ढांचे में निवेश की कमी के कारण शहरी बाढ़ शहर के निवासियों के लिए एक आम खतरा बन गई है। तेजी से शहरीकरण, शहरों और कस्बों में जलमार्गों के मनमाने अतिक्रमण, खराब जल निकासी सुविधाओं और अवैध निर्माण के कारण शहरी बाढ़ बढ़ रही है। इसके अलावा, खराब कचरा प्रबंधन नालों और नहरों को अवरुद्ध करके परेशानी को दूर कर रहा है, जबकि अनियोजित सड़क परियोजनाएं बाढ़ के प्रवाह को कम कर रही हैं। बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त आपदा अनुकूलन उपाय और बेहतर आपदा प्रबंधन नीतियां आवश्यक हैं। पहला, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बाढ़ आपदाओं के दौरान पुनर्वास और निकासी पर अधिक खर्च से बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी। दूसरा, बेहतर बाढ़ चेतावनी प्रणाली, विशेष रूप से तटीय जिलों में, और वर्षा और बाढ़ का सटीक पूर्वानुमान समय पर उपायों और आपदा प्रभावों को कम करने की अनुमति दे सकता है। तीसरा, बाढ़-पूर्व उपायों जैसे कि नदी तटबंधों का निर्माण और रखरखाव, नहरों, सड़कों, पुलों, नदी संपर्क, और निचले इलाकों में बहुउद्देश्यीय आश्रयों के निर्माण जैसे आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे को विकसित करना, बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद कर सकता है।

अंत में, चूंकि शहरी बाढ़ की समस्या अधिक गंभीर होती जा रही है, और हर साल नुकसान बढ़ रहा है, शहरी बाढ़ के मुद्दे पर शहरी बाढ़ 2010 पर एनडीएमए दिशानिर्देशों के उचित कार्यान्वयन के साथ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना जारी की गई 1991, बाद में 2011 और 2019 में संशोधित किया गया, जिसका उद्देश्य तटीय क्षेत्र प्रबंधन मुद्दों को संबोधित करना था। हालांकि, यह वर्षों से तटीय क्षेत्रों में विकास को विनियमित करने में सक्षम नहीं है। इसलिए तटीय शहरों में सीआरजेड मानदंडों का सख्ती से क्रियान्वयन समय की मांग है।

साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों, उनके कारणों और शमन उपायों के बारे में व्यापक सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। इसके अलावा, सरकार को उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए जिला-वार बाढ़ बाढ़ मानचित्रण भी करना चाहिए और जलमार्गों और जल निकायों के साथ-साथ अतिक्रमण हटाने में सभी विभागों या एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना चाहिए। कुल मिलाकर, मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के मामले में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है। आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015-30 के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क को प्रभावी ढंग से लागू करने का समय प्राथमिक भूमिका में राज्य के साथ आपदा जोखिम को कम करने और स्थानीय सरकार और निजी क्षेत्र सहित अन्य हितधारकों के साथ साझा जिम्मेदारी पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य विकास लाभ को आपदा के जोखिम से बचाना है।

केरल के राज्यपाल व मुख्यमंत्री में टकराव

जे एस राजपूत
(लेखक शिक्षा एवं सामाजिक सद्भाव हेतु कार्यरत हैं)

केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे उप-कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में कुलपति के विशेषाधिकारों को अपने आधीन कर लें। यह कह कर उन्होंने बड़ा धमाका किया है। आरिफ मुहम्मद खान को संवैधानिक निष्ठा में कठोरता से विश्वास करने वाला व्यक्ति माना जाता है। इसे देखते हुए उनकी स्थिति उन लोगों के बीच वास्तव में परेशानी से भरी हो सकती है जो वैचारिक रूप से लोकतंत्र और उसके सिद्धान्तों में विश्वास नहीं रखते हैं। राज्य सरकार द्वारा लगातार अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां पूरी करने में अनावश्यक व अनुचित हस्तक्षेप को देखते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखा कि वे राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति की शक्तियां प्रयोग करने के इच्छुक नहीं हैं। यह विधिक प्राविधान है, लेकिन उन पर लगातार संबंधित विश्वविद्यालय कानूनों के खिलाफ काम करने का दबाव डाला जा रहा है। इस प्रकार उनसे अपनी चेतना के खिलाफ काम करने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, वे इस स्थिति से गंभीरतापूर्वक व्यथित हैं, लेकिन उन्होंने गांधीवादी दृष्टिकोण का पालन करते हुए मुख्यमंत्री से कुलपति की शक्तियां स्वयं ग्रहण करने का अनुरोध किया है। इसके अनेक संभावित परिणाम हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उनके बीच कोई विवाद नहीं है और राज्यपाल को नैतिक व मानसिक दबाव से दूर रखा गया है।

आरिफमुहम्मद खान की सुस्थापित पहचान एक ऐसे विद्वान बुद्धिजीवी की है जो सत्ता के साथ जुड़े वेतन व भत्तों से प्रभावित नहीं होते हैं। उनको ऐसे राजनेता की तरह देखा जाता है जो वास्तव में सेक्युलर तथा लोकतांत्रिम हैं। उन्होंने शाहबानो मामले में अपनी यह पहचान स्पष्ट रूप से दिखाई थी। सभी युवा और वृद्ध समान रूप से जानते हैं कि उनके विचार समझदारी और समग्रता से भरे हैं तथा वे सभी मनुष्यों के बीच व्यापक एकता की मूल अवधारणा का प्रचार करते हैं। उनके अनुसार सारी दुनिया एक परिवार है। वे राजीव गांधी की कैबिनेट में सबसे युवा मंत्री थे और उन्होंने तलाकशुदा मुस्लिम महिला को मासिक भत्ता देने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मजबूती से बचाव किया था। लेकिन राजीव गांधी दबाव के सामने झुक गए और उन्होंने संविधान संशोधन कर मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया। इससे भविष्य में भी मुस्लिम तलाकशुदा महिलायें एक मामूली धनराशि से भी वंचित हो गई थीं। आरिफ मुहम्मद खान ने सिद्धान्तनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाते हुए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। इस मामले में पूरा देश उनके साथ था। उनकी बौद्धिक, विद्वतापूर्ण व आध्यात्मिक खोज पर राजनीति कभी हावी नहीं हुई। समय बीतने के साथ उन्होंने विद्वानों, अकादमीशियनों व बुद्धिजीवियों के बीच सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। जब एक पत्रकार ने उनसे व्यंग्यात्मक ढंग से पूछा कि 'भारत में मुसलमानों का क्या भविष्य है?', उनका जवाब था, 'वही जो बाकी भारत का है।' उनका यह जवाब एकदम सटीक है।

किसी भी देश की प्रगति की गति उसके वित्तीय संसाधनों से अधिक उसकी संज्ञानात्मक पूंजी पर निर्भर करती है। यह विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर भी निर्भर है। आमतौर पर माना जाता है कि उप-कुलपतियों की नियुक्ति एक सुपरिभाषित प्रक्रिया और क्रियाविधि के माध्यम से होती है। केरल और पश्चिम बंगाल को छोड़ कर अधिकांश राज्यों में इस प्रक्रिया का कठोरता से पालन कोरोना काल में भी हुआ। लोगों के साक्षात्कार लिए गए और कुछ मामलों में आफलाइन व आनलाइन, दोनों तरीके अपनाए गए। इस प्रक्रिया की एक पवित्रता है और अधिकांश मुख्यमंत्री इसे बनाए रखते हैं। केरल के राज्यपाल को भी इसकी उम्मीद थी। भला इस पद पर बैठा कोई व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी से कैसे इनकार कर सकता है? उनको पूरी उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में उनकी सहायता करेंगे। यह भी स्पष्ट है कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राज्यपाल मुख्यमंत्री की मजबूरियों को समझते हैं। वे उनके प्रति पूरी सौजन्यता दिखाने के लिए तैयार थे, लेकिन वे यह केवल निष्ठा और नैतिकता की सीमाओं के भीतर रह कर ही कर सकते थे। अपनी चेतना पर भारी दबाव के बावजूद वे इस बात से सहमत हैं कि मुख्यमंत्री की इच्छाओं को महत्व दिया जाना चाहिए और वे उनके पसंदीदा उप-कुलपतियों को दूसरा कार्यकाल देने के लिए भी सहमत थे। लेकिन उनको यह उम्मीद भी थी कि सरकार भावी नियुक्तियों के बारे में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करे। लेकिन कुछ ही दिनों में उनकी उम्मीदें उस समय टूट गईं जब सरकार ने केवल एक व्यक्ति का नाम सुझा कर कुलपति से उनको संस्कृत विश्वविद्यालय का उप-कुलपति बनाने को कहा। आरिफमुहम्मद खान और उनके उल्लेखनीय योगदानों को जानने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात पर विश्वास नहीं करेगा कि वे किसी ऐसे व्यक्ति को सहन करेंगे जो कहीं भी स्थापित प्रक्रियाओं और संबंधित नैतिक मानकों के उल्लंघन का प्रयास कर रहा हो।

पिछले पांच दशक से अधिक समय से देश केरल के स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम की प्रशंसा करता रहा है। उसकी प्रशंसा इसलिए भी होती है कि उसने उच्च साक्षरता दरें प्राप्त करने में अन्य राज्यों का नेतृत्व किया है। लेकिन दुर्भाग्य से यही बात केरल में उच्च शिक्षा के बारे में नहीं कही जा सकती है। यह भारत की एकता में विविधता की सोच में विशिष्ट स्थान रखती है जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से सभी धर्मों और विश्वासों का सम्मान करती है। 2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार, केरल में 54.73 प्रतिशत हिंदू, 26.56 प्रतिशत मुसलमान तथा 18.38 प्रतिशत ईसाई हैं। जब इस्लाम शुरुआती वर्षों में केरल में आया तब वहां ईसाइयत अच्छी तरह स्थापित हो चुकी थी। इतने सालों से वे एकसाथ रहते, काम करते तथा साथ-साथ प्रगति करते रहे हैं। केरल उन देशों के लिए एक माडल का काम कर सकता है जो गंभीर जनसंख्या संरचना परिवर्तन से गुजर रहे हैं। यह एक धर्म, भाषा, संस्कृति और नस्ल से मिश्रित जनसंख्या में परिवर्तन है जिसमें सभी प्रकार की विविधतायें हों। केरल के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक योगदान से भला कौन परिचित नहीं है। केरल से ज्ञान के समुद्र निकले हैं। केरल के अलावा यह बात और बेहतर तरीके से कहां समझी जा सकती है कि भारतीय समाज तथा ज्ञान के सृजन व उसके प्रसार की व्यवस्था में कुलपति का सर्वाधिक सम्मानपूर्ण स्थान है।

कुलपति को ज्ञान, मूल्यों व नैतिकता का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण राजाओं और शासकों को उसके पैरों की धूल ग्रहण कर प्रसन्नता होती थी। हमें उसकी स्तर और क्षमता के उप-कुलपतियों की आवश्यकता है। केरल के राज्यपाल द्वारा अपने विशेषाधिकार मुख्यमंत्री को सौंपने का प्रस्ताव अकादमिक दुनिया की आंखें खोलने वाला हो सकता है। उसे ऐसा परिवेश बनाना चाहिए जहां अकादमिक स्वायत्तता और अकादमिक मामलों में पारदर्शिता का किसी प्रकार उल्लंघन न हो। यही भारत की प्रगति की कुंजी है।

आप की बात

डीजे का घातक शोर

हिसार के गांव पेटवाड़ में हुई सतरोल खाप की पंचायत ने खाप में आने वाले करीब 42 गांवों में डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगा दी है। डीजे बजाने पर 5100 रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं उक्त व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। सतरोल खाप के प्रवक्ता फुलकुमार पेटवाड़ ने बताया कि सतरोल खाप में आने वाले सभी गांवों के मौजिज लोगों को पंचायत के माध्यम से आदेश दे दिए हैं कि गांव में किसी भी विवाह समारोह व पार्टियों समेत अन्य कार्यक्रमों में डीजे बजाने पर रोक लगा दें, क्योंकि डीजे के कारण हमारी हरियाणवीं संस्कृति धुलती जा रही है। डीजे पर बजने वाले गानों में फूहड़पन व अश्लीलता होती है, जिसके कारण हमारे बच्चों में संस्कारों में कमी आती जा रही है। सतरोल खाप के बुद्धिजीवी लोगों ने मिलकर फैसला किया है कि इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए हमें इस पर रोक लगानी होगी। इसके लिए ग्राम सभा के सदस्यों को सूचित कर दिया है कि अगर गांव में कोई भी व्यक्ति डीजे बजाता है तो उससे डीजे बजाने पर 51 सौ रुपए जुर्माना वसूला जाएगा और जो व्यक्ति जुर्माने की राशि नहीं देगा उसका सामाजिक रूप से बहिष्कार किया जाएगा।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

स्मार्ट एडमिनिस्ट्रेशन

उप्र के मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में आयोजित उत्कर्ष समारोह में गांवो की सरकार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2020 से अब तक गांवो में 5200करोड़ रुपये विकास कार्यो में खर्च किये गए।42478 ग्रामपंचायत भवनों का लोकार्पण करते हुये ग्राम सचिवालय की स्थापना करके लोगो की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान हो। उन्हें शहरों की ओर न भागना पड़े।इन सचिवालय में ग्राम सचिव से लेकर मिशन शक्ति की महिला बीट अधिकारियों की भी नियुक्ति की जाएगी । गांवो में विकास की गंगा बहाने के लिये ग्राम प्रधान से लेकर जिला पंचायत सदस्यों का मानदेय और भत्तों को योगी ने बढ़ा दिया है।मुख्यमंत्री योगी ने पंचायत प्रतिनिधियों से स्मार्ट गांव बनाने का आवाहन किया। उन्होंने कहा जब स्मार्ट शहर बन सकते है तो स्मार्ट गांव क्यो नही? गांवो में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराकर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी को सबसे पहले प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों, प्रशासनतन्त्र और ब्लाक से गाँवो तक लोकसेवकों की नियुक्ति की ओर ध्यान देना चाहिये। प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय और उनकी जवाबदेही तय करना चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

सही दिशा में एक कदम

भारतीय नागरिक की पहचान के लिए आज एक आधार, एक मतदाता परिचय पत्र की कॉफी मान्यता है एवं अगर इन दोनों को आपस में लिंक कर दिया जाता है तो यह एक बड़ी महत्वपूर्ण बात होगी फिर यह बात भी सही है कि आजकल पैन कार्ड , राशन कार्ड भी आधार से जोड़ने की प्रक्रिया तय है तो फिर मतदाता परिचय पत्र को अगर आधार से जोड़ा जा रहा है तो यह भी उचित ही है ऐसे में फर्जी मतदाताओं को पहचानने में काफी सहायता मिल सकेगी। आज वैसे भी काफी अधिक घुसपैठिए हमारे देश में नकली कागजात बनाकर रहने लगते हैं तब इस तरह से नया महत्वपूर्ण दस्तावेज अब बनाना पड़ेगा तब इससे फर्जी लोगों की भी तुरंत पहचान हो सकेगी ।हमारे यहां जब भी कोई अच्छा काम करने की बात आती है तो विपक्षी दल इस में सबसे पहले अड़ंगा लगाते हैं अतः उन्हें भी क्षेत्र में आगे बढ़कर ऐसे कामों में सरकार की मदद देने की महती भूमिका निभाना होगी। ऐसे में फिर आपराधिक छवि वाले व्यक्ति भी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे और ना ही वोट डाल सकेंगे। तब ऐसे कामों का सभी को समर्थन करना चाहिए।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

मैं स्विज़ बैंक में पैसा जाना बंद करवा दूंगा जिससे कि वह पैसा महिलाओं की जब में जा सके।।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

वास्तविकता यह है कि ओमीक्रान कई देशों में फैल चुका है मगर अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

– **टेड्रोस एधानोम**
महानिदेशक डब्लूएचओ

गोवा, उत्तर प्रदेश और पंजाब और संपूर्ण भारत से भाजपा का सूरज अस्त होना प्रारम्भ हो गया है। उन्होंने जनता को ठगा है।

– **ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

1971 में पाक का ऑपरेशन सर्चलाइट सामूहिक अत्याचार का उदाहरण

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पाकिस्तान पर भारत की जीत की 50वीं बरसी पर बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तानी सेना द्वारा 1971 में चलाया गया ऑपरेशन सर्चलाइट हाल के इतिहास में सामूहिक अत्याचारों और नृशंस हत्याओं के सबसे भयानक उदाहरणों में से एक है। जयशंकर इस विजय दिवस की स्मृति में तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों की भूमिका के सम्मान के लिए इस अर्द्धसैनिक बल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। विदेश मंत्री ने अपने मुख्य भाषण में कहा कि सीमा सुरक्षा बल ने बांग्लादेश की मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और देश उन अधिकारियों और लोगों को सलाम करता है जिनके संकल्प और वीरता ने 1971 में इतिहास रचा। बीएसएफ के साथ भारतीय सेना की इस जीत से बांग्लादेश का जन्म हुआ। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ‘ऑपरेशन सर्चलाइट वास्तव में हाल के इतिहास में सामूहिक अत्याचारों और क्रूर हत्याओं के सबसे भयानक उदाहरणों में से एक है। लेकिन बांग्लादेश के लोग बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के वीर नेतृत्व में इस क्रूर हमले के खिलाफ उठ खड़े हुए। जयशंकर ने कहा कि पूर्वी पड़ोसी के लोगों और स्वतंत्रता सेनानियों के लिए भारत में सहज समर्थन था और ‘लोकतांत्रिक अधिकारों को बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के लोगों के समर्थन में हमारे राजनीतिक, राजनयिक और सैन्य प्रयासों को अब अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि 4,000 किलोमीटर से अधिक लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा की रक्षा करने वाला बीएसएफ, भारत-बांग्लादेश दोस्ती में एक ‘प्रमुख हितधारक’ था। उन्होंने कहा कि 1965 में गठित बल 1971 के युद्ध के समय भी शैशवावस्था में था। उन्होंने कहा हम में से कोई भी मार्च 1971 में बांग्लादेश के लोगों के खिलाफ पाकिस्तानी सेना द्वारा शुरू किए गए नरसंहार अभियान को कभी नहीं भूल सकता।

दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 85 नए मामले सामने आए, चार महीने में सबसे ज्यादा

भाषा। नई दिल्ली

दिल्ली में बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 85 नए मामले सामने आए, जो चार महीने में सबसे अधिक हैं और संक्रमण दर 0.15 प्रतिशत रही। यहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसके अलावा, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि दिल्ली में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के अब तक 10 मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन कोई भी मामला गंभीर नहीं हैं। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि फिलहाल 40 लोगों को लोक नायक अस्पताल में विशेष सुविधा में भर्ती कराया गया है। इस अस्पताल में ओमीक्रोन के संदिग्ध रोगियों को पृथक किया जा रहा है और उनका इलाज चल रहा है। दिल्ली में मंगलवार तक ओमीक्रोन के छह मामले थे। बुधवार को यह संख्या बढ़कर आठ और बृहस्पतिवार को 10 हो गई। बृहस्पतिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 85 नए मामले सामने आए हैं, जो चार महीने से ज्यादा समय में सबसे अधिक हैं। इस साल एक अगस्त को दिल्ली में संक्रमण के 85 मामले सामने आए थे। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में कहा गया है कि दिल्ली में कोरोना संक्रमित पाए गए लोगों की कुल संख्या अब 14,41,935 हो गई। अब तक 14.16 लाख लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। बुलेटिन के अनुसार मृतकों की संख्या अब भी 25,100 है। बीते दिन 56,027 नमूनों की जांच की गई। उपचाराधीन रोगियों की संख्या 475 है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के और पांच नए मामले आने के साथ ही इससे संक्रमित लोगों की संख्या आठ हो गई है।

परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों ने ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह को भोपाल में श्रद्धांजलि अर्पित की।

फरीदाबाद में लापता किशोर का शव बरामद

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद से तीन दिन पहले गायब हुए 14 वर्षीय किशोर का शव पुलिस ने बृहस्पतिवार को बरामद किया है और इस मामले मे एक ऑटो चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि किशोर के पिता ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसका 14 साल का बेटा श्याम 13 दिसंबर की शाम से लापता है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह बताया कि सीसीटीवी फुटेज की सहायता से पता चला कि इसके पीछे एक आटो चालक का हाथ है। उन्होने बताया कि रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के माध्यम से पुलिस टीम ऑटो ड्राइवर उधेद्र तक पहुची।

डिजिटल शिक्षा हो जाएगी बेहद आसान और सुलभ

नोएडा। दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए एस चांद एण्ड कंपनी के एडटेक स्टार्ट-अप कॉनवर्जिया ने होम लर्निंग ऐप लर्नपिलवस के लिए आधुनिक, प्रीपेड कार्ड का विकल्प पेश किया है। ऐडटेक स्पेस में अपनी तरह की अनूठी वैल्यू बेस्ड लर्निंग उपलब्ध कराना इसका मुख्य उद्देश्य है। जो किफायती हो और साथ ही ऐप के इस्तेमाल के लिए भुगतान करना भी बेहद आसान हो। लर्नपिलवस के प्रीपेड रीचार्ज कार्ड दिल्ली, पंजाब, महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु सहित 20 राज्यों में उपलब्ध हैं। लर्नर को सिर्फ काउंटर पर जाकर कार्ड खरीदना होता है। इस पर स्क्रैच कर लॉगइन करना होता है और ऐप का उपयोग करने के लिए पासवर्ड डालना होता है। इसमें एस चांद ग्रुप के व्यापक वितरण नेटवर्क का उपयोग किया गया है ताकि उन उपभोक्ताओं को लर्नपिलवस के समाधान खरीदने के आसान विकल्प प्राप्त हों जो रीटेल आउटलेट्स पर जाकर किताबें स्टेशनरी आदि खरीदते हैं।

ओडिशा ने 6,131 शिक्षकों को नियुक्त किया

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने माध्यमिक विद्यालय के 6,131 नवयुक्ति शिक्षकों को बृहस्पतिवार को शामिल किया। यह नियुक्तियां 5टी पहल के तहत चल रहे स्कूल कायाकल्प कार्यक्रम के तहत की गई है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने यहां कलिंग स्टेडियम मे आयोजित एक कार्यक्रम मे शिक्षकों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा, शिक्षा जनता की सामूहिक आकांक्षा है। शिक्षक शिक्षा प्रणाली की आत्मा है जबकि छात्र अनंत संभावनाओ के प्रतीक है। पटनायक ने कहा कि पहले चरण मे अब तक राज्य के 1,075 स्कूलों का कायाकल्प किया गया है, सभी सरकारी और सहायता प्राप्त उच्च माध्यमिक विद्यालयो को इसी तरह चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। कुल 6,131 शिक्षकों को पिछले 47 दिन मे नियुक्ति पत्र दिए गए है, जिनमे से 829 शिक्षक हिंदी के और 796 संस्कृत के है।

कहलगांव एनटीपीसी में धूप घड़ी लगाई गई

भागलपुर। बिहार के एनटीपीसी कहलगांव मे पृथ्वी पर सूर्य के प्रकाश से समय को दर्शाने वाले एक सौर घड़ी (धूप घडी) बृहस्पतिवार को लगाई गई। कहलगांव एनटीपीसी (राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड) के मुख्य महाप्रबंधक अरिदम सिन्हा ने बृहस्पतिवार को तीन मेगावाट वाली इस विशिष्ट सौर परियोजना का परिसर मे उद्घाटन करते हुए कहा कि यह सौर घड़ी लोगो को सूर्य के समय के विभिन्न पहलुओं और पृथ्वी और सूर्य के बीच अंतर संबंध को समझने मे मदद करेगी। उन्होने बताया कि यह धूप घड़ी इस सिद्धांत पर काम करता है कि दिन मे जैसे-जैसे सूर्य पूर्व से पश्चिम की तरफ जाता है, उसी तरह किसी वस्तु की छाया पश्चिम से पूर्व की तरफ चलती है। उन्होने कहा कि सूर्य की स्थिति और धूप के कारण पृथ्वी पर पड़ने वाली छाया के आधार पर यह घडी समय बताने मे मदद करती है। इस धूप घड़ी को विकसित करने के लिए एनटीपीसी के सिविल इंजीनियरिंग विंग के कर्मियो की प्रशंसा करते हुए सिन्हा ने कहा, यह एक विरासत है।

नमाज विवाद : पूर्व रास सदस्य शीर्ष अदालत पहुंचे, अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

भाषा। गुरुग्राम (हरियाणा)

राज्यसभा के एक पूर्व सदस्य ने उच्चतम न्यायालय का रुख कर यहां नमाज विवाद को लेकर हरियाणा के पुलिस महानिदेशक और मुख्य सचिव के खिलाफ कार्वाई की मांग है। उनके इस कदम पर एक दक्षिणपंथी संगठन ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन पर लोगों को भड़काने का आरोप लगाया और शुक्रवार को खुले में नमाज अदा किए जाने के खिलाफ चेतावनी दी। याचिका मोहम्मद अदीब ने दायर की है, जो गुरुग्राम निवासी हैं। उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी पर आरोप लगाया है कि वे घृणा अपराधों का कारण बनने वाले साम्प्रदायिक एवं हिंसक भावनाओं पर रोक लगाने के अदालत के निदेर्शों का अनुपालन करने में नाकाम रहे हैं। याचिका के जरिए मुख्य सचिव संजीव कौशल, डीजीपी पी.के. अग्रवाल और अन्य के खिलाफ कार्वाई की मांग की है। अदीब ने कहा, राज्य का साम्प्रदायिक तानाबाना तार-तार कर दिया गया और अदालत के कई बार के निर्देशों के बावजूद उन्होंने इसे होने दिया। उन्होंने कहा, दुखद है कि हमने राज्य मशीनरी की ओर से गंभीर निष्क्रियता देखी है। उन्होंने कहा, मैंने सख्त कार्वाई की उम्मीद के साथ बुधवार को न्यायालय का रुख किया। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संयुक्त हिंदू संघर्ष समिति ने उन पर और एक वृत्तचित्र निर्माता पर लोगों को गुमराह करने तथा उकसाने का आरोप लगाया। संगठन ने शुक्रवार को खुले में नमाज अदा करने के खिलाफ चेतावनी भी दी।

बंगाल में दुर्गा पूजा नहीं होने देने का आरोप लगाने वालों को शर्म आनी चाहिए: ममता

भाषा। कोलकाता

यूनेस्को द्वारा कोलकाता की दुर्गा पूजा को विरासत का दर्जा दिए जाने के एक दिन बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को विपक्षी दल भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने उनकी सरकार पर त्योहार के आयोजन में बाधा उत्पन्न करने का आरोप लगाया था उनका सिर शर्म से झुक जाना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधानसभा चुनाव के दौरान आरोप लगाया था कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) तुष्टीकरण की राजनीति करती है और दुर्गा पूजा जैसे त्योहारों के आयोजन में व्यवधान डालती है। बनर्जी ने कहा, कुछ लोगों ने मेरे खिलाफ झूठ फैलाया था। उन्होंने कहा कि मैं राज्य में दुर्गा पूजा के आयोजन की अनुमति नहीं देती हूं। आज, उनका झूठ उजागर हो गया है। उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए। हमने जो हासिल (यूनेस्को का विरासत का दर्जा) किया है उसके लिए मैं गर्व और सम्मानित महसूस कर रही हूं। यूनेस्को ने बुधवार को घोषणा की थी कि कोलकाता की दुर्गा पूजा को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल किया गया है।

त्विक न्यूज

भाजपा विधायक मिलिंद नाइक पर लगे यौन शोषण के आरोपों की होगी जांच : प्रमोद सावंत

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा है कि राज्य सरकार यौन शोषण मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मिलिंद नाइक के कथित तौर पर शामिल होने के कांग्रेस पार्टी के आरोपो की जांच करेगी। इस बीच, गोवा के शहरी विकास मंत्री के रूप मे कार्यरत नाइक ने बुधवार को पणजी मे मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के बाद राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। गोवा की कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष गिरीश चोडांकर ने नाइक पर अपने मंत्री पद का दुरुपयोग कर एक महिला का यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संकल्प अमोनकर ने नाइक के खिलाफ पुलिस मे शिकायत भी दर्ज कराई थी और पीड़ित महिला तथा विधायक के बीच कथित बातचीत का ऑडियो भी जारी किया था।

कांग्रेस के जन रावत का नाम के इस्तेमाल पर भाजपा को कड़ी आपत्ति

देहरादून। भाजपा ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी की रैली मे दिवंगत प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत के नाम का राजनीतिक इस्तेमाल किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कांग्रेस से जनता से माफी मांगने को कहा। कांग्रेस ने यहां परेड ग्राउंड मे आयोजित रैली मे दिवंगत सैन्य अधिकारी का एक बड़ा कट आउट लगाया और उन्हे श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। रैली मे दिए अपने संबोधन मे भी राहुल गांधी ने जनरल रावत, उनकी पत्नी तथा अन्य सैन्यकर्मियो को याद किया। इसके बाद, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन मे जनरल रावत की शहादत पर राजनीति करने के लिए कांग्रेस की कड़ी आलोचना की। उन्होने कहा कि कांग्रेस को जनता से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि उसके एक बड़े नेता ने 2017 मे जनरल रावत सड़क का गुंडा कहा था। उन्होने कहा कि जनरल रावत की अगुवाई मे पाकिस्तान के खिलाफ की गई सर्जिकल स्ट्राइक पर भी कांग्रेस ने सवाल उठाते हुए उसके सबूत मांगे थे।

पंजाब के सभी रेस्तरां को हलाल और झटका मांस का उल्लेख करने को कहा जाए: अल्पसंख्यक आयोग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने बृहस्पतिवार को पंजाब सरकार से कहा कि राज्य के होटलो और रेस्तरां को कहा जाए कि वो अपने यहां परोसे जाने वाले मांस के हलाल या झटका होने का उल्लेख करे ताकि ग्राहको को भोजन करने से पहले इसके बारे मे पता चल सके। अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा ने पंजाब के मुख्य सचिव अनिरुद्ध तिवारी को पत्र लिखा है। उन्होने कहा है कि यह बात संज्ञान मे आई है कि पंजाब के होटल एवं रेस्तरां मे हलाल मांस परोसा जा रहा है, जबकि हलाल मांस सिख धर्म मे प्रतिबंधित है। पंजाब मे सिख समुदाय बहुसंख्यक है। आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि राज्य के होटलो और रेस्तरां को परामर्श दिए जाए कि वो अपने यहां परोसे जाने वाले मांस के हलाल या झटका होने का उल्लेख करे ताकि खाने वालो के पास विकल्प हो।

विद्याज्ञान 2022-23 शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश शुरू

नोएडा। उत्तर प्रदेश के मेधावी, आर्थिक रूप से पिछड़े ग्रामीण छात्रों को सर्वोत्तम शैक्षिक अवसर देने के लिए विद्याज्ञान लीडरशिप अकादमी अपने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत कर चुकी है। जिसका प्रवेश फॉर्म निरूशुल्क उपलब्ध होगा। विद्याज्ञान, जो कि शिव नादर फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित एक निःशुल्क आवासीय विद्यालय है। बुलंदशहर और सीतापुर के अपने दो परिसरों में कक्षा 6 और 7 में पढ़ने के लिए छात्रों का चयन करेगा। किसी भी जानकारी के लिए आवेदक टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-102-1784 पर कॉल कर सकते हैं। 2009 में स्थापित, विद्याज्ञान ने पिछले एक दशक में कई छात्रों और उनके परिवारों के जीवन को बदल दिया है। विद्याज्ञान 2021 बैच के मनु चौहान ने 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति पर, दुनिया के शीर्ष तीन विश्वविद्यालयों में से एक अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त किया है।

भारतीय युवाओं की स्किलिंग करेंगे

नई दिल्ली। हीरो वायर्ड भारत की प्रीमियम ईडटेक कंपनी, ने राष्ट्रीय कौशल विकास निगम एनएसडीसी के साथ साझेदारी की है। ताकि पेशेवरों और उच्च शिक्षा के उम्मीदवारों को इंटर्नशिपए इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स और वित्तीय सहायता की पेशकश की जा सके। इस साझेदारी का उद्देश्य उभरती और प्रासंगिक तकनीकों जैसे ड्रोन परिनियोजन और गेम डिजाइनिंग में नवीन प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना है। टेक्नोलॉजी इनोवेशन पार्टनर के रूप में हीरो वायर्ड लर्नर सर्टिफिकेशन को होस्ट करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाकर एनएसडीसी को सपोर्ट करेगा। यह रणनीतिक साझेदारी विभिन्न क्षेत्रों में अग्रिम कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाने के एनएसडीसी के विजन को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। यह साझेदारी हीरो वायर्ड को कौशल परिदृश्य को बदलने में एनएसडीसी के मिशन में सक्रिय भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगी।

नगालैंड के मुख्यमंत्री ने आईएलपी आवेदकों के लिए पोर्टल लांच किया

कोहिमा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने इनर लाइन परमिट पोर्टल लांच कर उसमें आवेदकों की और श्रेणियों को भी शामिल किया। इस अवसर पर रियो ने कहा कि पर्यटकों के लिए ऑनलाइन आईएलपी जारी करने की प्रक्रिया नवंबर 2019 से ही काम कर रही है, जबकि इसके नए मॉड्यूल में अन्य श्रेणियों जैसे उद्यमियों, व्यापारियों, कामगारों, पादरियों और छात्रों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को अधिक प्रभावी और सरल तरीके से सेवाएं उपलब्ध कराने के लक्ष्य से उक्त प्रयास कर रही है।

किसी जाति विशेष का होने के कारण नहीं बल्कि 36 कौमों के प्यार से मुख्यमंत्री बना

भाषा। जयपुर

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह किसी जाति विशेष का होने के कारण नहीं बल्कि 36 कौमों के प्यार व विश्वास के कारण ही राज्य के मुख्यमंत्री बने हैं। वे यहां डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। डॉ. आंबेडकर के नाम पर विश्वविद्यालय स्थापित करने के अपने सपने का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा, मुझे लगता है कि इस सपने को पूरा करने के लिए ही राज्य की जनता ने मुझे तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाया है। उन्होंने मुस्कुराते हुए आगे कहा, जाति-पाति के हिसाब से तो मैं मुख्यमंत्री बन नहीं पाता। मेरी जाति का एक ही विधायक है और वह मैं खुद ही हूं। अगर राज्य की 36 कौम मुझे प्यार नहीं करतीं, मुझ पर विश्वास नहीं करतीं तो मैं आज आपके सामने खड़े होकर दो बातें कहने की स्थिति में नहीं होता। गहलोत ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना, मूल कर्तव्यों और इसके मूलभूत तत्वों की समझ आमजन मे विकसित हो जाए तो गरीबी-अमीरी, वर्गभेद सहित देश की कई समस्याएं स्वत: ही दूर होने लगेंगी।

दिल्ली दंगे: 10 अभियुक्तों के खिलाफ आरोप तय किए

नई दिल्ली। दिल्ली की एक स्थानीय अदालत ने फरवरी 2020 में हुए दंगों के मामले में 10 लोगों के खिलाफ आरोप तय करते हुए कहा कि वे हिंदू समुदाय में भय व दहशत पैदा करने और उन्हें देश छोड़ने की धमकी देने के उद्देश्य से बनाई गई गैरकानूनी सभा के सदस्य थे। 10 आरोपियों ने 25 फरवरी 2020 को दिल्ली के भागीरथी विहार इलाके में हिंसा और लूटपाट की और हिंदू समुदाय के सदस्यों की संपत्तियों को आग लगा दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र भट ने गवाहों के बयानों पर भरोसा करते हुए कहा, पेश की गई सामग्री प्रथम दृष्टया खुलासा करती है कि आरोपी एक गैरकानूनी सभा के सदस्य थे।

सड़कों व भवनों से ब्रिटिश सैनिकों व अधिकारियों के नाम हटाए जाएं

भाषा। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को रक्षा संपदा महानिदेशालय (डीजीडीई) से कहा कि रक्षा छावनी बोर्ड की जिन सड़कों और इमारतों के नाम ब्रिटिश सैनिकों व अधिकारियों के नाम पर हैं, उन्हें बदलकर वीर भारतीय सैनिकों व आधुनिक भारत के निर्माताओं के नाम पर रखा जाना चाहिए। रक्षा मंत्रालय के अधीन काम करने वाला डीजीडीई पूरे भारत में लगभग 62 छावनी बोर्ड का प्रबंधन करता है। इन छावनी बोर्ड में करीब 20 लाख लोग रहते हैं। सिंह ने यहां डीजीडीई के एक कार्यक्रम में अपने भाषण में कहा कि भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी छावनी बोर्डों में कई सड़कों और इमारतों का नाम उन ब्रिटिश अधिकारियों व सैनिकों के नाम पर रखा गया है, जो ब्रिटेन के प्रति वफादार थे। मंत्री ने कहा, मैं यहां सभी को सुझाव देना चाहूंगा कि रक्षा मंत्रालय के साथ-साथ डीजीडीई को ऐसी सभी सड़कों और इमारतों का नाम हमारे बहादुर सैनिकों और आधुनिक भारत के निर्माताओं के नाम पर रखने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह काम जल्द से जल्द किया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं यह सुझाव इतिहास को विकृत करने के इरादे से या किसी हीन भावना अथवा दुर्भावना के कारण नहीं दे रहा हूं। उन्होंने कहा हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि क्षेत्र और देश के लिए किसी भी तरह का सराहनीय काम करने वाले ब्रिटिश सैनिकों और अधिकारियों के नाम (इमारतों और सड़कों पर) कायम रहने चाहिए और अगली पीढ़ी को उनके बारे में बताया जाना चाहिए।

वियतनाम-भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है : लोकसभा अध्यक्ष

भाषा। नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि वियतनाम भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है और भारत-प्रशांत लक्ष्यों के लिए एक प्रमुख सहभागी है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और वियतनाम के बीच व्यापार एवं वाणिज्यिक संस्थाओं के माध्यम से आपस में वस्तुओं और सेवाओं का व्यापारिक आदान-प्रदान और अधिक होना चाहिए जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों की श्रृंखला और मजबूत हो। लोकसभा सचिवालय के बयान के अनुसार, वियतनाम की नेशनल असेंबली (संसद) के अध्यक्ष महामहिम वुओंग दिन्ह हुए के नेतृत्व में भारत के दौरे पर आए एक संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने आज संसद भवन परिसर में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि वियतनाम में भारत के निवेशक भी मौजूद हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान प्रदान कर रहे हैं। बिरला ने जोर देकर कहा कि हम भारत-वियतनाम की संसदीय कूटनीति को और मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से हम भारत-वियतनाम मैत्री समूह का गठन कर रहे हैं ताकि हमारे प्रतिनिधिगण निरंतर आपसी चर्चा के माध्यम से दोनों देशों की संसदों के आपसी संबंधों को नया आयाम दे सकें।

बिरला ने विश्वास व्यक्त किया कि टिकाऊ विकास और हरित अर्थव्यवस्था में सहयोग दोनों देशों के मध्य भावी साझेदारी के लिए नया अवसर है। उन्होंने याद दिलाया कि भारत और वियतनाम के प्रधानमंत्रियों ने सीओपी-26 की बैठक के दौरान जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं जिसके अच्छे परिणाम होंगे लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2016 में भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी की वियतनाम यात्रा तथा दिसंबर 2020 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच डिजिटल शिखर सम्मेलन से भारत-वियतनाम संबंधों को एक नई दिशा मिली है। बिरला ने संतोष व्यक्त किया कि राजनीतिक आदान-प्रदान से लेकर रक्षा, व्यापार, वाणिज्य, तथा सांस्कृतिक क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं।

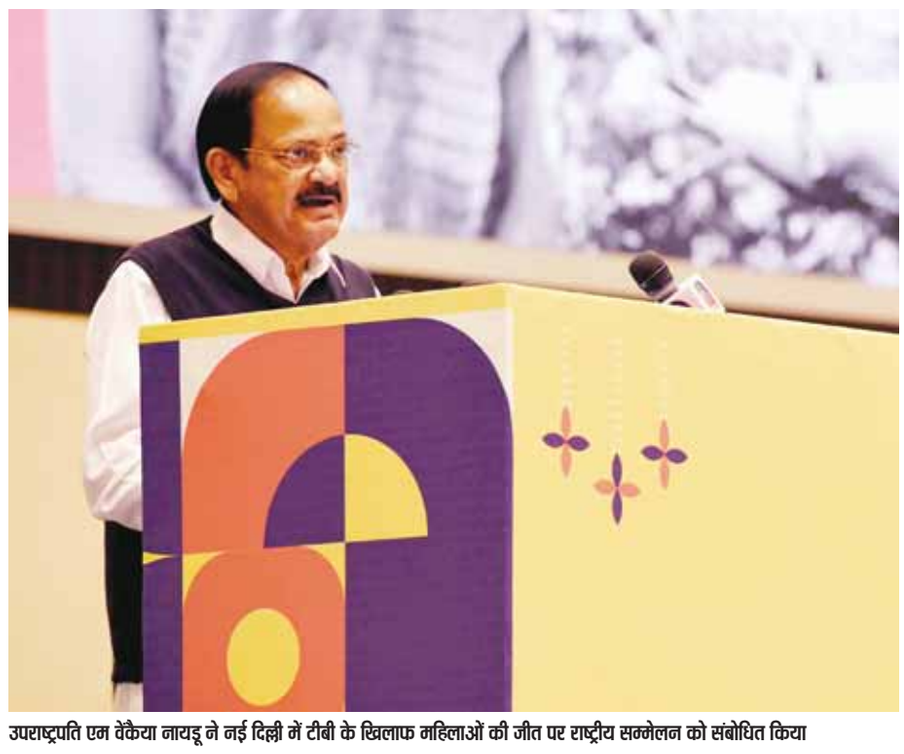

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने नई दिल्ली में टीबी के खिलाफ महिलाओं की जीत पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया

मजिस्ट्रेट अदालत ने पहली नजर में गलती प्रतीत होने पर राहुल को सम्मन किया है

मानहानि मामला

भाषा। मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाकर कमांडर इन तीफ वाली टिप्पणी करने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने वाले भाजपा कार्यकर्ता ने बृहस्पतिवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि स्थानीय अदालत ने यह तय करने के बाद कि साक्ष्यों के मद्देनजर पहली नजर में दोष प्रतीत होता है, कांग्रेस नेता को सम्मन किया है। बंबई उच्च न्यायालय ने सम्मन को चुनौती देने वाली गांधी की याचिका पर सुनवाई के लिए बृहस्पतिवार को 18 जनवरी, 2022 की तारीख तय की और मजिस्ट्रेट अदालत को निर्देश दिया कि वह 25 जनवरी तक मानहानि के मामले की सुनवाई करने से बचे।

स्थानीय अदालत ने मानहानि के मामले में राहुल गांधी को 25 नवंबर को पेश होने का निर्देश दिया था। कांग्रेस नेता के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने वाले महेश श्रीश्रीमल का दावा है कि वह 1997 से ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महाराष्ट्र प्रदेश समिति के सदस्य हैं। श्रीश्रीमल ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे में प्रधानमंत्री मोदी को निशाना बनाकर 2018 में की गई टिप्पणी को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

गांधी ने उन्हें जारी सम्मन को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर रखी है। कांग्रेस नेता ने मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त करने और उनकी याचिका लंबित रहने के दौरान निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया है। पिछले महीने न्यायमूर्ति एस. के. शिंदे की एकल पीठ ने स्थानीय अदालत को मानहानि मामले की सुनवाई से बचने का निर्देश दिया था, इसका तात्पर्य यह हुआ कि राहुल गांधी को अब इस मामले में निचली अदालत में पेश होने की जरूरत नहीं है। श्रीश्रीमल ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालय में एक हलफनामा देकर गांधी की याचिका खारिज करने का अनुरोध किया है।

जनता को जानने का हक है कि समीर वानखेड़े दोहरी जिंदगी जी रहे हैं : मलिक

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नवाब मलिक ने बंबई उच्च न्यायालय से कहा कि उन्होंने समीर वानखेड़े के खिलाफ इसलिए बोला क्योंकि जनता को जानने का हक है कि एससीबी अधिकारी ने किस प्रकार अपनी जाति के बारे में झूठ बोलकर यह नौकरी हासिल की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता ने दो दिन पहले दायर हलफनामे में कहा कि वह चाहते हैं कि लोगों को पता चले कि नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के जोनल निदेशक वानखेड़ हिन्दू और मुसलमान के रूप में दोहरी जिंदगी जी रहे हैं।

हलफनामे में कहा गया है, मेरे द्वारा प्रकाशित दस्तावेज दिखाते हैं कि कैसे गैरकानूनी तरीके से समीर वानखेड़े ने यह नौकरी पाई और अपना कर्तव्य निभाते हुए किस प्रकार के गलत कार्य किए हैं। हलफनामे में कहा गया है, इसलिए जनता को इससे जुड़ी सच्चाई जानने का अधिकार है।

मलिक ने समीर वानखेड़े के पिता ज्ञानदेव द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि के मुकदमे के जवाब में हलफनामा दायर किया है। मलिक ने नवंबर में समीर वानखेड़े के खिलाफ कई ट्वीट किए थे, जिनमें तमाम आरोपों के साथ यह भी कहा था कि वानखेड़े जन्म से मुसलमान हैं और उन्होंने केन्द्र सरकार में नौकरी पाने के लिए खुद को अनुसूचित जाति का बताया और फर्जी जाति प्रमाणपत्र जमा किया। इसके बाद ज्ञानदेव ने मलिक के खिलाफ मुकदमा दायर किया।

ज्ञानदेव ने मलिक के आरोपों से इंकार किया है और दावा किया कि राकांपा नेता उन्हें और उनके परिवार को निशाना बना रहे हैं क्योंकि मादक पदार्थों से जुड़े एक मामले में समीर वानखेड़े के नेतृत्व वाली एक टीम ने मंत्री के दामाद को गिरफ्तार किया है।

जम्मू में स्वर्णिम विजय दिवस के बलिदान स्तम्भ के अवसर पर शहीदों के परिजनों को मेडल देते हुए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा।

गोवा में भाजपा विधायक अलीना सल्दान्हा ने दिया इस्तीफा

पणजी। गोवा में भाजपा विधायक अलीना सल्दान्हा ने पार्टी तथा राज्य विधानसभा से बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया और दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अब वैसा संगठन नहीं रहा, जो 2012 में उनके शामिल होने के दौरान था। सल्दान्हा 2012 में अपने पति के निधन के बाद भाजपा में शामिल हुईं थी। उन्होंने गोवा विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा।

सल्दान्हा (69) के अलावा हाल ही में विभिन्न दलों के चार अन्य विधायक भी 40 सदस्यीय गोवा विधानसभा से इस्ताफा दे चुके हैं। अलीना सल्दान्हा के पति मैथनी सल्दान्हा, मनोहर पंकिर के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में मंत्री थे। 2012 में मैथनी के निधन के बाद अलीना सल्दान्हा ने कोर्टालिम विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था और जीत भी हासिल की थी। उन्होंने 2017 में भी भाजपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़कर जीत दर्ज की थी।

अलीना सल्दान्हा ने पत्रकारों से कहा, मैंने सही कारणों के चलते इस्तीफा दिया है....क्योंकि यह पार्टी अब वैसी नहीं है जैसी दिवंगत मैथनी सल्दान्हा और मेरे इसमें शामिल होने के समय थी। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी अपने सारे सिद्धांत भूल गई है और इस तटीय राज्य में अव्यवस्था है। सल्दान्हा ने कहा, किसी को नहीं पता कि पार्टी में कौन आ रहा है और कौन जा रहा है। राज्य की पूर्व पर्यावरण मंत्री अलीना सल्दान्हा ने कहा कि उन्होंने बुधवार को पार्टी की एक बैठक में भाग लेने के बाद भाजपा छोड़ने का फैसला किया, जिसमें पार्टी के एक वरिष्ठ नेता की एक बात ने मुझे यह एहसास कराया कि यह समय है कि मैं पार्टी छोड़ दूं। अरविंद केजरीवाल नीत आप में शामिल होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी उन्होंने इस संबंध में काई निर्णय नहीं किया है।

एचुरी ने जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को हटाने की मांग की

नई दिल्ली। माकपा के महासचिव सीताराम एचुरी ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से आग्रह किया वह भारतीय संविधान के खिलाफ कथित तौर पर बोलने के लिए जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पंकज मित्थल को हटाएं। एचुरी ने कोविंद को लिखे पत्र में दावा किया कि गत पांच दिसंबर को जम्मू में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध एक कार्यक्रम में मित्थल ने संविधान के खिलाफ बात की थी। मीडिया में व्यापक रूप से खबरें आईं कि मित्थल ने अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद की ओर से आयोजित संगोष्ठि को संबोधित किया और कहा कि संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों को जोड़ने से भारत की आध्यात्मिक छवि संकीर्ण हुई है। माकपा महासचिव ने कहा कि मित्थल का आचरण मुख्य न्यायाधीश जैसे अहम संवैधानिक पद की गरिमा के अनुकूल नहीं था।

मोदी सरकार विनाशकारी, प्रधानमंत्री को सिर्फ चुनाव हारने का डर : चिदंबरम

भाषा। गुवाहाटी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार को विनाशकारी बताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को केवल एक चीज चुनाव हारने का डर है और उन्हें अपनी पार्टी के सहयोगियों सहित किसी और चीज की परवाह नहीं है। कांग्रेस की असम इकाई के कार्यकर्ताओं के लिए यहां तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश तेजी से नीचे जा रहा है और अगर मौजूदा सरकार बनी रहती है तो देश गंभीर संकट में होगा।

उन्होंने कहा, यह एक विनाशकारी सरकार है। अपनी बड़ी विफलताओं को छिपाने के लिए, इस सरकार ने धर्म का सहारा लिया है। धर्म का पक्ष लेने का एक और कारण चुनाव जीतने के लिए देश को धार्मिक आधार पर बांटना है। उन्होंने कहा, मोदी को किसी भी चीज - अपनी पार्टी, सांसदों, मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, न्यायाधीशों, ईश्वर या किसी और का कोई डर नहीं है।

चिदंबरम ने कहा, उन्हें केवल एक चीज का डर है - चुनाव हारने का। किसी भी परिस्थिति में वह चुनाव हारना नहीं चाहते हैं। मुझे खुशी है कि उन्हें कम से कम कुछ डर तो है। देश को बचाने का एकमात्र तरीका हर चुनाव में मोदी को हराना है। कांग्रेस नेता ने कहा, चीन के भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने और सीमा पर गांवों के निर्माण के साथ देश के लिए और अधिक खतरे आने वाले हैं, कश्मीर में युवा आतंकवाद की ओर लौट रहे हैं और अर्थव्यवस्था गिर रही है।

वर्ष 1977 में जबरदस्त चुनावी हार के बाद पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पुनरुत्थान का उल्लेख करते हुए, पूर्व केंद्रीय गृह और वित्त मंत्री ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एक बार फिर से जीतने के बारे में आश्वस्त होने के लिए कहा। उन्होंने कहा, हम 1996, 1998, 1999 में भी हार गए थे। 1999 में, हम एक करिश्माई नेता, अच्छे वक्ता और स्वयंसेवक अटल बिहारी वाजपेई से हार गए थे। लेकिन हम सोनिया गांधी और कांग्रेस की राज्य इकाइयों की कड़ी मेहनत के कारण 2004 में फिर से उनसे जीत गए।

चिदंबरम ने कहा, इसलिए, मैं आपको बताना चाहता हूं कि पिछले साढ़े सात वर्षों में यह निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए कि नरेन्द्र मोदी अजेय या अपराजेय हैं। हमें विश्वास करना चाहिए कि हमारा (राजनीति का) विचार सही है और उनका (मोदी का) गलत है। अगर आप खुद को विश्वास दिला पाएंगे, तभी आप दूसरों को विश्वास दिला पाएंगे।

त्विक न्यूज

मुंबई पुलिस ने अदालत की अनुमति के बाद 14.65 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ किए नष्ट

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अदालत की अनुमति के बाद मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) द्वारा जब्त किए गए 14.65 करोड़ रुपए के 3,092 किलोग्राम मादक पदार्थों को नष्ट कर दिया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मादक पदार्थ रोधी प्रकोष्ठ (एएनसी) ने 26 मामलो मे इन मादक पदार्थो को जब्त किया था। मादक पदार्थ निपटान समिति की सिफारिश के बाद, पैनल के सदस्यो की मौजूदगी मे नवी मुंबई के तलोजा मुंबई वेस्ट मैनेजमेंट लिमिटेड की एक भट्टी मे बुधवार को इन मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। इन नष्ट किए गए मादक पदार्थों मे 3,000 किलोग्राम गांजा, 3.297 किलोग्राम चरस, 24 ग्राम कोकीन, 866.5 ग्राम मेफेड्रोन, 159.5 ग्राम हेरोइन और 84.687 किलोग्राम ऐम्फ्रेटमाइन शामिल था। अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित दवा कोडीन कफ सिरप की 11,271 बोतले और 124.440 किलोग्राम कॉयर (नारियल फाइबर) को भी नष्ट किया गया है।

एसटीएफ ने दो को गिरफ्तार कर जाली नोट जब्त किए

कोलकाता। कोलकाता पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने दो लोगो को गिरफ्तार किया है और उनके पास से चार लाख रुपए मूल्य की जाली भारतीय मुद्रा जब्त की गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होने कहा कि एसटीएफ ने गुप्त सूचना के आधार पर एस्पलेनेड बस स्टैंड के निकट डफरिन रोड पर दो लोगो गिरफ्तार किया, जो कोटा से संचालित जाली मुद्रा गिरोह के सदस्य है। उनके पास से 500-500 रुपए के 800 जाली नोट जब्त किए गए है, जिनका कुल मूल्य चार लाख रुपए है। अधिकारी ने का, उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओ के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कांग्रेस ने गोवा विस चुनाव के लिए पहली सूची जारी की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अपने आठ उम्मीदवारो की पहली सूची जारी कर दी जिसमे पूर्व मुख्यमंत्री दिगम्बर कामत और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कई वरिष्ठ नेताओ के नाम शामिल है। पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक की ओर से जारी उम्मीदवारो की सूची के अनुसार, कामत को मढ़गांव विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। वह इसी सीट से वर्तमान मे विधायक भी है। इसके साथ ही, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओ एलेक्सियो लॉरिको को वास्टोरिम विधानसभा क्षेत्र और सुधीर कानोलकर को मापुसा विधानसभा क्षेत्र से टिकट दिया गया है। कांग्रेस राज्य मे गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन मे चुनाव लड़ेगी। राज्य की 40 सदस्ईय विधानसभा के लिए अगले साल फरवरी-मार्च मे विधानसभा चुनाव होना है।

विस्फोट एक व्यक्ति की मौत, 15 अन्य झुलसे

गोधरा (गुजरात)। गुजरात के पंचमहल जिले मे बृहस्पतिवार को एक रासायनिक संयंत्र की इकाई मे विस्फोट होने के बाद आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई और 15 अन्य झुलस गए। पंचमहल की पुलिस अधीक्षक लीना पाटिल ने बताया कि घोघंबा तालुका मे रंजीतनगर गांव के पास स्थित गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएफएल) के रासायनिक विनिर्माण संयंत्र मे विस्फोट सुबह करीब 10 बजे हुआ। घटनास्थल पर तलाश एवं बचाव कार्य का जायजा लेने पहुंची अधिकारी ने कहा, विस्फोट के बाद आग लगने से एक कर्मचारी की मौत हो गई और 15 से 16 अन्य लोग झुलस गए। उन्हे अलग-अलग अस्पतालो मे भर्ती कराया गया है। उनमे से कई बुरी तरह झुलस गए है। संयंत्र मे अन्य लोगो की तलाश जारी है। आग पर काबू पा लिया गया है।

गोवा के पूर्व मंत्री रोहन खुंटे भाजपा में शामिल होंगे

पणजी। गोवा के पूर्व मंत्री रोहन खुंटे ने कहा कि वह भाजपा मे शामिल होगे। एक दिन पहले ही उन्होने विधायक पद से इस्तीफा दिया था। पत्रकारो से कहा, मैने पोरवोरिम का विकास सुनिश्चित करने और समावेशी तथा एकता की संस्कृति को आत्मसात करने के लिए भाजपा मे शामिल होने का फैसला किया है। मै शुक्रवार को पणजी के महालक्ष्मी मंदिर मे भाजपा मे शामिल हो जाऊंगा। पोरवोरिम विधानसभा क्षेत्र के निर्दलीय विधायक के तौर पर बुधवार को इस्तीफा दे दिया था।

सीआरपीएफ के अधिकारी ने आत्महत्या की

गरियाबंद (छत्तीसगढ़)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित गरियाबंद जिले मे सीआरपीएफ के एक अधिकारी ने अपने सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। जिले के बिंद्रानवागढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत दौंपारा गांव स्थित सीआरपीएफ के 65वी बटालियन के शिविर मे सहायक उप निरीक्षक उदयवीर सिंह ने खुद को गोली मार ली है। बुधवार को जब सीआरपीएफ के अधिकारी और जवान शिविर मे थे तब सिंह ने अपने एके-47 रायफल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य जवान सिंह के कमरे की ओर भागे। बाद मे जवानो ने सिंह को अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सको ने सिंह को मृत घोषित कर दिया। सिंह उत्तर प्रदेश के निवासी थे।

कोलकाता में जनरल आफिसर कमांडिंग-इन-चीफ मनोज पाण्डेय की याद में विजय दिवस पर अवसर पर सलामी देते जवान।

जबरन वसूली मामले में परमबीर का कथित सहआरोपी मुंबई में गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह और अन्य की कथित संलिप्तता वाले जबरन वसूली मामले में आरोपी एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार अपराह्न में यहां गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि उपनगरीय गोरेगांव पुलिस थाने में दर्ज जबरन वसूली मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने आरोपी विनय सिंह को एक कैफे से गिरफ्तार किया। इस मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है जिसमें परमबीर सिंह, बर्खास्त सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वाजे और रियाज भाटी आरोपियों में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि परमबीर सिंह को गिरफ्तारी से अदालत का संरक्षण प्राप्त है, जबकि भाटी फरार है। परमबीर सिंह को महाराष्ट्र सरकार ने उनके खिलाफ आपराधिक मामलों को लेकर निलंबित कर दिया है।

व्यवसाई बिमल अग्रवाल की एक शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें उन्होंने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सिंह के इशारे पर वाजे पर जबरन वसूली करने का आरोप लगाया था। शिकायत के अनुसार, एक अन्य आपराधिक मामले में जेल में बंद वाजे ने गोरेगांव में व्यवसाई द्वारा संचालित दो रेस्तरां-सह-बार पर छापे नहीं मारने के लिए व्यवसाई से 9 लाख रुपए और दो महंगे मोबाइल फोन लिए थे।

अधिकारी ने बताया कि विनय सिंह ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी जिसे खारिज कर दिया गया था और उच्चतम न्यायालय ने उसे पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने को कहा था। डीसीपी (डिटेक्शन -1) नीलोत्पल ने कहा कि अपराध शाखा के अधिकारियों को उपनगरीय कांदिवली में एक कैफे में विनय सिंह के आने के बारे में गुप्त सूचना मिली थी और तदनुसार उसे पकड़ने के लिए एक टीम भेजी गई थी।

म्यांमा ने मणिपुर के पांच उग्रवादियों को भारत प्रत्यर्पित कियाः पुलिस

इंफाल। म्यांमा सरकार ने प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के पांच मणिपुरी विद्रोहियों को भारत प्रत्यर्पित किया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उग्रवादियों को बुधवार को भारतीय वायु सेना की विशेष उड़ान से बीर टिकेंद्रजीत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उग्रवादियों की पहचान सलम सोमेंद्रो उर्फ देवानी, टी. कलासना उर्फ कोइरेंग, नोंगमैथेम नरेंद्र उर्फ नोरा उर्फ बेनर, ताओरेम रोहेन उर्फ अंगम और लोइतोंगबाम राजकुमार उर्फ अबी के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि देवानी उग्रवादी संगठन में एक स्वयंभू कैप्टन है। गिरफ्तार उग्रवादियों को जांच के सिलसिले में मणिपुर पुलिस की हिरासत में रखा गया है। पीएलए के उग्रवादियों को म्यांमा पुलिस ने पिछले साल अगस्त में उत्तर पश्चिमी म्यांमा के मोनिवा में चिंदविन नदी पुल पर गिरफ्तार किया था, जब वे इलाज के लिए जा रहे थे।

पीएम आज अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन को संबोधित करेंगे

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को वाराणसी में आयोजित अखिल भारतीय महापौर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे और वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इसे संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सम्मेलन की थीम नया शहरी भारत (न्यू अर्बन इंडिया) है और इसमें विभिन्न राज्यों के महापौर भाग लेंगे। पीएमओ ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में जीवन की सुगमता सुनिश्चित करना प्रधानमंत्री का हमेशा से प्रयास रहा है और इसी के मद्देनजर छिन्न-भिन्न शहरी अवसंरचनाओं और सुविधाओं की कमी जैसी समस्याओं के समाधान के लिए कई योजनाओं और पहलों की शुरुआत की गई। बयान में पीएमओ ने कहा कि इस कड़ी में उत्तर प्रदेश पर विशेष ध्यान दिया गया है और इस का नतीजा वहां के शहरी परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन के रूप में देखने को मिला है। पीएमओ के मुताबिक, केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की प्रमुख उपलब्धियों तथा विकास कार्यों की झलक बताने के लिए एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है। 17 दिसंबर को इसका उद्घाटन होगा और फिर 18 तथा 19 दिसंबर को इसे आम लोगों के लिए खोला जाएगा।

संपत्ति विवाद सुलझाने के लिए ललित मोदी व उनकी मां के लिए दो पूर्व जजों को किया नियुक्त

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने आईपीएल के पूर्व प्रमुख ललित मोदी और उनकी मां तथा उद्योगपति के के मोदी की पत्नी बीना मोदी के बीच लंबे समय से चल रहे संपत्ति विवाद को सुलझाने के लिए बृहस्पतिवार को शीर्ष अदालत के दो सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को मध्यस्थ नियुक्त किया। शीर्ष अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के उस फैसले के खिलाफ ललित मोदी की अपील पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कहा गया था कि बीना मोदी की अपने बेटे के खिलाफ दायर मध्यस्थता विरोधी रोक याचिका विचार करने योग्य है।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीशों न्यायमूर्ति विक्रमजीत सेन और न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ के नामों को मध्यस्थ के रूप में मंजूरी दी। पीठ ने कहा, अंततः दोनों पक्ष न्यायाधीश विक्रमजीत सेन और न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ के तहत मध्यस्थता के लिए सहमत हो गए हैं। हमारा सुझाव है कि दोनों पक्ष हैदराबाद में मध्यस्थता केंद्र की सुविधाओं का उपयोग करें। वे ऑनलाइन मध्यस्थता के लिए अनुरोध कर सकते हैं।

पीठ ने कहा, हम पक्षों को गोपनीयता कायम रखने का निर्देश देते हैं, और मध्यस्थों से यह आश्वासन लेने का अनुरोध करते हैं कि इस कार्यवाही में तीन महीने की अवधि के अंदर तेजी लाएं। इससे पहले, बीना मोदी ने याचिका दायर की थी। याचिका में विवाद को लेकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक ललित मोदी द्वारा सिंगापुर में शुरू की गई मध्यस्थता कार्यवाही पर रोक लगाने का अनुरोध किया गया था।

उच्चतम न्यायालय ने पहले पक्षों को मध्यस्थता का सुझाव दिया था और उनसे अपनी पसंद के मध्यस्थों के नाम देने को कहा था। उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पिछले साल दिसंबर में माना था कि सिंगापुर में मध्यस्थता कार्यवाही शुरू करने के ललित मोदी के कदम को चुनौती देने वाली बीना मोदी की याचिका पर फैसला करना उसका अधिकार क्षेत्र में है।

विश्व हिन्दू परिषद ने भारत में तबलीगी जमात पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग उठाई

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बृहस्पतिवार को मांग उठाई कि सरकार भारत में तबलीगी जमात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाए। साथ ही विहिप ने दारुल उलूम देवबंद और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर निशाने साधते हुए आरोप लगाया कि ए तबलीगी जमात को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर से मदद पहुंचाते हैं। विहिप ने एक बयान में यह भी मांग की कि दिल्ली स्थित निजामुद्दीन मरकज इमारत और तबलीगी जमात के बैंक खातों को सील किया जाए और इसके आर्थिक जरियों और संसाधनों के बारे में पता लगाया जाना चाहिए। विहिप ने आरोप लगाया, ना केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया तबलीगी जमात और इसके निजामुद्दीन मरकज के गैर-कानूनी कामों के कारण आज गंभीर परेशानी में है। बयान में मांग की गई कि भारत में तबलीगियों, तबलीगी जमात और इज्तिमा (धार्मिक जुटान) पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया जाए। सऊदी अरब ने तबलीगी जमात और अल-अहबाब को समाज के लिए खतरा और आतंकवाद का द्वार करार देते हुए इन संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

अगरतला में 1971 के युद्ध के 50 साल पूरे होने पर मनाया विजय दिवस।

सरकारी बैंक कर्मियों की हड़ताल से देश भर में सेवाएं प्रभावित

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के दौरान रांची में प्रदर्शन करते बैंक कर्मी

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लाखों कर्मचारियों ने सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में बृहस्पतिवार को दो दिन की हड़ताल शुरू कर दी जिससे देश भर में बैंकों का कामकाज प्रभावित रहा। ग्राहकों को हड़ताल की जानकारी देने के साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे सरकारी बैंकों की कई शाखाएं बृहस्पतिवार को बंद रहीं। शुक्रवार को भी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।यह हड़ताल अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी संगठन (एनओबीडब्ल्यू) सहित नौ बैंक संघों मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने बुलाई है।शाखाओं में जमा और निकासी, चेक समाशोधन और ऋण मंजूरी जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, कई जगहों पर एटीएम सही तरह से काम कर रहे थे।एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम के मुताबिक बृहस्पतिवार को 18,600 करोड़ रुपए के 20.4 लाख चेक से जुड़ा लेनदेन नहीं हो सका। एसबीआई सहित सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को पहले ही सूचित कर दिया था कि हड़ताल के कारण उनकी शाखाओं में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे निजी क्षेत्र के बैंकों में कामकाज सामान्य दिनों की तरह रहा। हालांकि अंतर-बैंक चेक समाशोधन प्रभावित हुआ।उधर, महाराष्ट्र में यूएफबीयू के राज्य समन्वयक देवीदास तुलजापुरकर ने कहा कि मुंबई के आजाद मैदान में 5,000 बैंक कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक सभी वर्ग के अधिकारी हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। चेन्नई में बैंक कर्मचारियों के एक वर्ग ने काला बैज पहनकर विरोध प्रदर्शन किया और केंद्र के कदम के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। वहीं राजस्थान की राजधानी जयपुर में बैंक कर्मचारियों ने अंबेडकर सर्किल के पास एसबीआई कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। वेंकटचलम ने कहा, "सरकारी बैंक सामान्य रूप से हमारे देश के आर्थिक विकास में और विशेष रूप से समाज के वंचित वर्गों तथा देश के पिछड़े क्षेत्रों के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करते हैं। उन्होंने कहा, "सरकारी बैंकों ने कृषि, लघु व्यापार, लघु व्यवसाय, लघु उद्योग, छोटे पैमाने के उद्योगों (एसएसआई), परिवहन और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान में एक अहम भूमिका निभाई है"एआईबीओसी के महासचिव सौम्य दत्ता ने कहा कि देश भर में करीब सात लाख बैंक कर्मचारी दो दिन की हड़ताल में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार के रवैए के कारण हो रहे हड़ताल से बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की एक लाख से अधिक शाखाओं का कामकाज प्रभावित हुआ है। वेंकटचलम ने कहा कि कांग्रेस, द्रमुक, भाकपा, माकपा, तृणमूल कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना समेत कई राजनीतिक दलों ने हड़ताल का समर्थन किया है। गौरतलब है कि फरवरी में पेश केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्र की विनिवेश योजना के तहत दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। निजीकरण की सुविधा के लिए, सरकार ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 को संसद के मौजूदा सत्र के दौरान पेश करने और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है। सरकार ने इससे पहले 2019 में आईडीबीआई में अपनी अधिकांश हिस्सेदारी एलआईसी को बेचकर बैंक का निजीकरण किया था और साथ ही पिछले चार वर्षों में 14 सरकारी बैंकों का विलय किया है।

क्विक न्यूज

एसबीआई कार्ड पल्स लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में क्रेडिट कार्ड जारी करने के एकल व्यवसाय का संचालन करने वाली सबसे बड़ी कंपनीए एसबीआई कार्ड ने सेहत एवं तंदुरुस्ती पर केंद्रित अपनी तरह के पहले क्रेडिट कार्ड एसबीआई कार्ड पल्स के लॉन्च की घोषणा की। देश भर के ग्राहकों को ध्यान में रखते हुएए कई अनोखी सुविधाओं एवं फायदों वाले इस कार्ड को काफी सोच-समझकर डिजाइन किया गया है। ताकि अपनी सेहत और फिटनेस के प्रति बेहद सजग रहने वाले कार्डधारकों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। इतना ही नहींए श्एसबीआई कार्ड पल्सइस उद्योग जगत द्वारा जारी किया गया इकलौता ऐसा क्रेडिट कार्ड है,जो ग्राहकों को कार्डधारक बनने के लिए आवश्यक शुल्क का भुगतान करने पर उपहार के रूप में नॉइज़ कलरफिट पल्स स्मार्टवॉच प्रदान करता है। जिसकी कीमत 4,999 रुपये है।

बांग्लादेश 50 करोड़ डॉलर की कर्ज सुविधा के तहत भारत से रक्षा वस्तुओं का आयात करेगा

ढाका। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश जल्द ही भारत से रक्षा उत्पादों का आयात करेगा। उन्होंने कहा कि यह आयात भारत की तरफ से दी गई 50 करोड़ डॉलर की कर्ज सुविधा के तहत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कई चिन्हित उपकरणों पर तेजी से काम किया जा रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने के लिए अपने समकक्ष एम अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर बांग्लादेश की राजकीय यात्रा पर है। इस दौरान श्रृंगला की यह टिप्पणी आई। उन्होंने कहा कि कर्ज सहायता के तहत कई मदों की पहचान की गई है और उन पर तेजी से काम किया जा रहा है। बांग्लादेश 50 करोड़ डॉलर के एलओसी के तहत भारत से रक्षा वस्तुओं का आयात करेगा। भारत ने 2019 में रक्षा संबंधी उत्पादों की खरीद के लिए बांग्लादेश को 50 करोड़ डालर की ऋण सुविधा प्रदान की थी।

विंटर सर्विस कैम्प चलाएगा इसुजु

चेन्नई। इसुजु मोटर्स इंडिया पूरे देश में इसुजु आई-केयर विंटर सर्विस कैम्प चलाएगा। यह कैम्प कंपनी की इसुजु डी मैक्स पिक अप्स और एसयूवी रेंज के लिये है। इस सर्विस कैम्प का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतरीन लाभ और देशभर में इस मौसम में परेशानी मुक्त ड्राइविंग का अनुभव प्रदान करने के लिये प्रीवेंटिव मेंटेनेंस चेक्स प्रदान करना है। 13 से 24 दिसंबर के बीच श्इसुजु केयर की एक पहल, विंटर सर्विस कैंप का इंतजाम इसुजु के सभी अधिकृत डीलर सर्विस आउटलेट्स पर किया जायेगा। इस अवधि के दौरानए ग्राहक अपने वाहनों के लिये विशेष ऑफर्स और लाभ भी ले सकते हैं। यह विंटर सर्विस कैम्प सभी अधिकृत सर्विस फैसिलिटी पर आयोजित किया जायेगा। सर्विस बुकिंग के लिये ग्राहक नजदीकी इसुजु डीलर आउटलेट पर कॉल कर सकते हैं या वेबसाइट पर जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये ग्राहक 1800 4199 188 टोल.फ्री पर संपर्क कर सकते हैं।

सरकार बहुत जल्द खनन क्षेत्र में और सुधार लेकर आ सकती है: जोशी

नई दिल्ली। कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार खनन क्षेत्र में बहुत जल्द कुछ और सुधार लेकर आ सकती है। जोशी ने बृहस्पतिवार को कहा कि समय के साथ खनन क्षेत्र से संबंधित नियमों में भी कई संशोधन किए गए है और खान मंत्रालय उद्योग की मांग के अनुसार आगे भी सुधार लाता रहेगा। उन्होंने कहा, बहुत जल्द, हम कुछ और सुधार ला सकते है और मुझे लगता है कि उनमें से कुछ को हम सार्वजनिक मंच पर रखेंगे और राज्यो तथा हितधारकों के साथ विचार विमर्श करेंगे। मंत्री ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा खान मंत्रालय के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय खनन शिखर सम्मेलन में यह बात कही।उन्होंने कहा कि सरकार खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2015, लेकर आई है जो नीलामी के माध्यम से वास्तविक संसाधनों का प्रावधान करता है और इस वर्ष भी कई प्रमुख संशोधन पेश किए गए।

एनआईपीएल, वेस्टर्न यूनियन ने घरेलू बैंक खातों में पैसे भेजने की सुविधा बेहतर करने के लिए समझौता किया

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की विदेशी शाखा एनआईपीएल ने विदेशों से भारत में बैंक खातों में तत्काल पैसों के हस्तांतरण की सुविधा बेहतर करने के लिए वेस्टर्न यूनियन के साथ एक समझौता किया है।

बाजार में चार सत्रों से जारी गिरावट पर विराम, सेंसेक्स 113 अंक मजबूत

मुंबई,भाषा

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर बृहस्पतिवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 113 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के बांड खरीद कार्यक्रम को तेजी से समाप्त करने की घोषणा के बाद भी वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त में रहे। कारोबारियों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में तेजी से भी धारणा को मजबूती मिली। हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रहने से तेजी पर अंकुश लगा।उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 113.11 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,901.14 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 27 अंक यानी 0.16 प्रतिशत चढ़कर 17,248.40 अंक पर बंद हुआ।सेंसेक्स के शेयरों में 2.61 प्रतिशत की बढ़त के साथ सर्वाधिक लाभ में बजाज फाइनेंस रही। इसके अलावा, इन्फोसिस, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और नेस्ले इंडिया में भी तेजी रही।दूसरी तरफ, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज ऑटो, सन फार्मा, इंडसइंड बैंक और एसबीआई में 1.51 प्रतिशत तक की गिरावट रही। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, घरेलू बाजार हल्की तेजी के साथ बंद हुए... विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली जारी रहने और खुदरा गतिविधियों में नरमी से घरेलू बाजार में सुस्ती रही।

नीलामी नियमों में संशोधन से खनिज ब्लॉक बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि खनिज नीलामी नियमों में संशोधन से प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा जिससे ब्लॉक की बिक्री में अधिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) नियम, 2015 (एमईएमसी नियम) और खनिज (नीलामी) नियम, 2015 (नीलामी नियम) में संशोधन करने के लिए खनिज (खनिज सामग्री साक्ष्य) द्वितीय संशोधन नियम, 2021 और खनिज (नीलामी) चतुर्थ संशोधन नियम, 2021 को अधिसूचित किया है।संशोधन नियम राज्यों, उद्योग संगठनों, खनिकों, अन्य संबंधित पक्षों और आम जनता के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद तैयार किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा कि एमईएमसी नियमों में संशोधन से नीलामी में हिस्सा लेने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति समग्र लाइसेंस की खातिर नीलामी के लिए उस उपयुक्त ब्लॉक का प्रस्ताव देने में सक्षम होगा, जहां उपलब्ध भू-विज्ञान डेटा के आधार पर ब्लॉक की खनिज क्षमता की पहचान की गई है।किसी भी राज्य द्वारा गठित एक समिति प्रस्तावित ब्लॉक की खनिज क्षमता का आकलन करेगी और नीलामी के लिए खदान की सिफारिश करेगी। इसके अलावा, नीलामी नियम में संशोधन यह प्रावधान करता है कि अगर किसी व्यक्ति द्वारा प्रस्तावित ब्लॉक को नीलामी के लिए अधिसूचित किया जाता है, तो उस व्यक्ति को उन प्रस्तावित ब्लॉक की नीलामी में बोली संबंधी सुरक्षा राशि का केवल आधा जमा करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा।

पूर्व तेल सचिव तरुण कपूर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड के चेयरमैन पद की दौड़ में शामिल

नई दिल्ली। पूर्व तेल सचिव तरुण कपूर, ओएनजीसी के वर्तमान एवं पूर्व चेयरमैन और इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के एक पूर्व निदेशक सहित 12 से अधिक लोगों ने तेल एवं गैस नियामक पीएनजीआरबी के चेयरमैन के पद के लिए आवेदन दिया है। पिछले महीने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव के रूप में सेवानिवृत्त हुए कपूर उन 13 व्यक्तियों की सूची में सबसे प्रमुख नाम हैं जिन्होंने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) के चेयरमैन के पद के लिए आवेदन दिया है। तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक सुभाष कुमार तथा उनके पूर्ववर्ती शशि शंकर भी दौड़ में शामिल हैं।

उप्र राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण की अनुरक्षण शुल्क के भुगतान के लिए एकमुश्त समाधान योजना

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा उद्यमियों की अनुरक्षण शुल्क एवं उसपर देय ब्याज की लम्बित देयताओं की प्राप्ति तथा औद्योगिक क्षेत्रों की अवस्थापना सुविधाओं की सुदृढ़ अनुरक्षण व्यवस्था किये जाने के उद्देश्य से अनुरक्षण शुल्क के भुगतान हेतु प्रथम बार 'एकमुश्त समाधान योजना' उपलब्ध कराई गई है। इस योजना का सर्वाधिक लाभ प्राधिकरण के पूरे प्रदेश में स्थित 154 औद्योगिक विकास क्षेत्रों के उद्यमियों को प्राप्त होगा। इस योजना से न केवल कोविड-19 के कारण आई मन्दी के प्रभाव से उद्यमियों को उबारने में बल्कि क्षेत्रीय अवस्थापना सुविधाओं के त्वरित उच्चीकरण एवं अनुरक्षण में भी सहयोग होगा जिसके फलस्वरूप औद्योगिक क्षेत्रों में उद्यमियों को बेहतर उद्योगपरक माहौल उपलब्ध होगा। एकमुश्त समाधान योजना दिनॉक 20.12.2021 से आरम्भ की जा रही है। योजना अवधि में उद्यमियों द्वारा अपने पूर्ण बकाया अनुरक्षण शुल्क का भुगतान किये जाने की दशा में भुगतान की तिथि तक उसपर देय ब्याज में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी। छूट के उपरान्त देय धनराशि को एकमुश्त अथवा 25 प्रतिशत अपफ्रन्ट भुगतान के साथ तीन मासिक व्याज रहित किस्तों में भुगतान किए जाने की सुविधा उपलब्ध होगी। योजना दिनॉक 20.02.2022 तक लागू रहेगी। उद्यमियों द्वारा योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निवेश मित्र पोर्टल से बकाया देयों की धनराशि तथा अनुमन्य छूट का विवरण प्राप्त करते हुए आनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध होगी। उद्यमियों को योजना का लाभ लेने के लिए प्राधिकरण के किसी भी कार्यालय में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। पोर्टल में प्रदर्शित अनुरक्षण शुल्क तथा देय ब्याज की बकाया धनराशि के विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि का निराकरण कराने की सुविधा भी उद्यमियों को दिनॉक 10.02.2022 तक आनलाईन उपलब्ध होगी। योजना का विवरण प्राधिकरण की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

डीआरटी, डीआरएटी के समक्ष दायर याचिकाओं पर विचार करें

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को उच्च न्यायालयों से कहा कि रिक्तियों के कारण वे ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) और ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरण (डीआरएटी) के समक्ष दायर याचिकाओं पर विचार करें। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एक बार न्यायाधिकरणों का गठन हो जाने के बाद मामले उच्च न्यायालयों से उनके पास वापस चले जाएंगे।

पीठ ने कहा, यह हमारे संज्ञान में लाया गया है कि डीआरटी, डीआरएटी में सदस्यों की नियुक्ति न किए जाने से संबंधित समस्याएं हैं। फिलहाल समस्या को हल करने के लिए हम उच्च न्यायालयों से उन आवेदनों पर विचार करने का अनुरोध करते हैं, जिन्हें डीआरटी, डीआरएटी के तहत दायर किया जाना है। न्यायाधिकरण के गठन के बाद, मामलों को वापस वहां लाया जा सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत ने कहा फिलहाल वह समिति से नियुक्तियों में तेजी लाने को कहेगी। न्यायालय ने इससे पहले देश भर में न्यायाधिकरणों में नियुक्तियों के लिए एक स्वतंत्र निकाय की जरूरत पर बल देते हुए राष्ट्रीय न्यायाधिकरण आयोग के गठन की जरूरत को दोहराया था।

भारत नवाचार में दुनिया की अगुवाई करेगा: के गोपालकृष्णन

भाषा। कोझीकोड

इंफोसिस के सह-संस्थापक के गोपालकृष्णन ने कहा कि इस सदी में विकास का मॉडल उपभोग पर नहीं बल्कि नवाचार पर आधारित होगा और भारत 21वीं सदी में नवाचार में दुनिया का नेतृत्व करेगा उन्होंने यहां आईआईएम कोझीकोड में डिजिटल नवाचार एवं परिवर्तन केंद्र (सीडीआईटी) के उद्घाटन समारोह के दौरान यह टिप्पणी की। यह केंद्र उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों में अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देगा और समन्वय स्थापित करेगा। यहां जारी एक बयान में कहा गया कि इंफोसिस के सह-संस्थापक के गोपालकृष्णन बुधवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे। समारोह वीडियो कांफ्रेंस के जरिए आयोजित किया गया था। अपने उद्घाटन भाषण में, गोपालकृष्णन ने इस पहल के लिए आईआईएम कोझीकोड को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि उद्योग इस केंद्र की गतिविधियों में एक सक्रिय भागीदार बनेगा। क्योंकि यह केंद्र अकादमिक एवं उद्योग गतिविधि दोनों के बीच तालमेल स्थापित करता है। उन्होंने कहा कि इस सदी में विकास का मॉडल उपभोग पर नहीं बल्कि नवाचार पर आधारित होगा। भारत 21वीं सदी में नवाचार में दुनिया का नेतृत्व करेगा और यह सदी निश्चित रूप से भारत की सदी होगी।

नई दिल्ली में आईएमएफ चीफ अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलतीं हुईं

पेज एक का शेष

सरकार ने...

से होने वाली प्राप्तियां सम्मिलित हैं। राजस्व प्राप्तियों की 453097.56 करोड़ रुपये की राशि में राज्य के अपने कर राजस्व से 208655 करोड़ रुपए, केंद्रीय करों से राज्यांश से 126383.61 करोड़ रुपए, करेतर राजस्व से 23406.48 करोड़ रुपये तथा केंद्रीय योजनाओं के लिए भारत सरकार से सहायता अनुदान के रूप में 94652.47 करोड़ रुपये के अनुमान सम्मिलित हैं। लोक ऋणों से 89174 करोड़ रुपये की अनुमानित प्राप्तियों के अंतर्गत भारत सरकार से 2500 करोड़ रुपये तथा अन्य स्रोतों से 86674 करोड़ रुपये के ऋण के अनुमान सम्मिलित हैं। उन्होंने कहा कि अंतरिम बजट में कुल 545370.69 करोड़ रुपये का व्यय अनुमानित है जिसमें 415198.95 करोड़ रुपये का व्यय राजस्व लेखे तथा 130174.74 करोड़ रुपये का व्यय पूंजी लेखे के लिए है। यूपी सरकार ने अपने दूसरे अनुपूरक बजट में खेल खिलाड़ियों के अलावा भूतपूर्व खिलाड़ियों का भी ध्यान रखा है। सरकार ने अनुपूरक बजट में 10 करोड़ रुपए खेल के लिए दिए हैं। गोरखपुर, लखनऊ व सैफई के स्पोर्ट्स कॉलेज को अनुदान दिया गया है। गोरखपुर के स्पोर्ट्स कॉलेज को 140.95 लाख रुपए, लखनऊ के कॉलेज को 131.87 लाख रुपए, सैफई के कॉलेज को 139.85 लाख रुपए दिए जाएंगे। खेल के नाम पर सैयद मोदी मेमोरियल ऑल इंडिया प्राइजमनी कम्पटीशन के नाम पर 125 लाख रुपए दिए जाने हैं। इस अनुपूरक में भूतपूर्व खिलाड़ियों व पहलवानों को वित्तीय सहायता के लिए 7.80 लाख रुपए की व्यवस्था की है। वहीं स्पोर्ट्स हॉस्टल के लिए भी 328 लाख रुपए की व्यवस्था की है। बालकों के स्पोर्ट्स हॉस्टल के लिए 244.60 लाख और बालिकाओं के हॉस्टल के लिए 84.93 लाख रुपए रखे गए हैं। खेलकूद निदेशालय के लिए 125 लाख रुपए दिए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने अनुपूरक बजट में उत्तर प्रदेश गौरव सम्मान के लिए भी एक लाख रुपए का प्राविधान किया है। इस योजना की घोषणा फरवरी में पेश किए गए बजट में की गई थी। इसे यूपी दिवस पर दिया जाना है। इस योजना के तहत प्रत्येक वर्ष अधिकतम 5 व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित व्यक्ति को 11 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार ने तैयारियां शुरू कर दी हैं और जिलों में आवेदन मांगे जा रहे हैं। शाहजहांपुर स्थित स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय के देखभाल व रखरखाव के लिए अनुपूरक बजट में एक लाख रुपए रखे गए हैं। योगी सरकार ने यूपी के जरूरतमंद गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले किसानों, वृद्धजनों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन राशि बढ़ा दी है। अब इन लाभार्थियों को पांच सौ रुपये प्रतिमाह के बजाए एक हजार रुपये की मासिक पेंशन मिलेगी। यह बढ़ी हुई पेंशन पहली दिसम्बर 2021 से लागू होगी। इन लाभार्थियों के बैंक खातों में हर तिमाही पेंशन की राशि भेजी जाती है। इसके साथ ही कुष्ठ रोगियों की पेंशन में भी पांच सौ रुपये की बढ़ोत्तरी की गयी है। अब उन्हें 2500 रुपये मासिक के बजाए 3000 रुपये पेंशन मिलेगी।

शिवपाल से...

के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात की। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इस मुलाकात के दौरान गठबंधन की बात तय हुई। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय दलों को साथ लेने की नीति सपा को निरंतर मजबूत कर रही है और सपा और अन्य सहयोगियों को ऐतिहासिक जीत की ओर ले जा रही है। वहीं दूसरी ओर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने भी ट्वीट कर स्पष्ट कर दिया कि दोनों दल गठबंधन के साथ ही चुनाव लड़ेंगे। दोनों दलों के बीच फिलहाल सीटों को लेकर अभी कोई निर्णय साफ नहीं हुआ है लेकिन यह माना जा रहा है कि शिवपाल सिंह यादव द्वारा करीब एक दर्जन सीटों की मांग अखिलेश यादव के समक्ष रखी गई हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट...

चुनौती दी थी। इसके बाद प्राथमिकी में नामजद लोगों ने साजिश रची और अदालत की अनुमति से याचिका वापस ले ली। अधिकारियों ने कहा कि 24 अगस्त, 2017 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के समक्ष एक और रिट याचिका दायर की गई थी। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी में आगे आरोप लगाया गया कि याचिका पर 25 अगस्त, 2017 को न्यायमूर्ति शुक्ला की खंडपीठ द्वारा सुनवाई की गई और उसी दिन एक अनुकूल आदेश पारित किया गया। न्यायमूर्ति शुक्ला ने 2017-18 के शैक्षणिक सत्र के लिए निजी कॉलेजों को छात्रों को प्रवेश देने की अनुमति देने के लिए शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व वाली पीठ द्वारा पारित आदेशों की कथित तौर पर अवहेलना की थी। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश दीपक मिश्रा ने मामले का संज्ञान लिया और आरोपों पर गौर करने के लिए तीन सदस्ईय आंतरिक समिति का गठन किया। सूत्रों ने कहा कि सीबीआई को कुदुसी पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी की जरूरत नहीं है क्योंकि वह कथित अपराध के समय सेवानिवृत्त न्यायाधीश थे और एक निजी व्यक्ति की क्षमता से काम कर रहे थे। उच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, शुक्ला 5 अक्टूबर 2005 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जुड़े थे और 17 जुलाई 2020 को सेवानिवृत्त हुए थे।

एचएएल का हवाई इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम की आपूर्ति के लिए बीईएल के साथ अनुबंध

बेंगलुरु। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने एलसीए तेजस एमके।ए लड़ाकू विमान के हवाई इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के निर्माण एवं आपूर्ति के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (बीईएल) के साथ 2,400 करोड़ का अनुबंध किया है। बीईएल ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि 2023 से 2028 तक पांच वर्षों के अनुबंध में डिजिटल फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर, एयर डेटा कंप्यूटर, हथियार कंप्यूटर की आपूर्ति शामिल है। इसके अलावा इस अनुबंध के तहत बीईएल द्वारा रडार चेतावनी रिसीवर (आरडब्ल्यूआर) से संबंधित एलआरयू से संबंधित महत्वपूर्ण एवियोनिक लाइन रिप्लेसेबल यूनिट्स (एलआरयू) और हेड अप डिस्प्ले की भी आपूर्ति की जाएगी। एचएएल के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है जो कंपनी ने आत्मनिर्भर भारत अभियान को बढ़ावा देने वाली किसी भी भारतीय कंपनी को दिया है।

क्रिप्टोकरेंसी उभरते बाजारों के लिए एक चुनौती, विनियमन की जरूरत: गोपीनाथ

भाषा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने पर जोर देते हुए कहा कि उन पर प्रतिबंध लगाना हमेशा चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि वे विदेशी बाजारों से संचालित होते हैं। गोपीनाथ ने क्रिप्टोकरेंसी को विनियमित करने के लिए एक वैश्विक नीति और समन्वित कार्वाई का भी सुझाव दिया।

उन्होंने बुधवार को आर्थिक शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मुझे लगता है कि उभरते बाजारों के लिए क्रिप्टोकरेंसी खासतौर से एक चुनौती है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में क्रिप्टोकरेंसी और परिसंपत्तियों को अपनाना अधिक आकर्षक लगता है। भारत अनियमित क्रिप्टोकरेंसी से पैदा होने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए संसद में एक विधेयक लाने पर विचार कर रहा है।

इस समय देश में क्रिप्टोकरेंसी पर कोई विशेष नियम या कोई प्रतिबंध नहीं है। गोपीनाथ, जो अगले साल की शुरुआत में आईएमएफ की उप प्रबंध निदेशक बनने वाली हैं, ने कहा कि विनियमन के लिए दुनिया भर के देश अलग-अलग कोशिश कर रहे हैं, हालांकि प्रतिबंध लगाने को लेकर स्पष्ट रूप से चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी देश सीमा-पार जटिल लेनदेन को देखते हुए क्रिप्टोकरेंसी की समस्या को अपने दम पर हल नहीं कर सकता है और इसके लिए तत्काल एक वैश्विक नीति की आवश्यकता है।

कोहली के मामले को बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए: सौरव गांगुली

बोर्ड अध्यक्ष ने कोहली की प्रेस कांफ्रेंस पर टिप्पणी से इनकार किया

●कहा हम इससे निपट लेंगे

भाषा। कोलकाता

टेस्ट कप्तान विराट कोहली के सार्वजनिक रूप से विरोधाभासी बयान देकर भारतीय क्रिकेट में तूफान लाने के एक दिन बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि बोर्ड इससे निपटेगा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने कहा था कि जब उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने के अपने इरादे के बारे में बताया तो उन्हें कभी कप्तान बने रहने के लिए नहीं कहा गया। यह गांगुली के कुछ दिन पहले दिए गए बयान के बिलकुल विपरीत था जिन्होंने कहा था कि कोहली को आग्रह किया गया था कि वह पद नहीं छोड़ें। गांगुली ने गुरुवार को स्थानीय मीडियाकर्मियों से कहा कि कोई बयान, प्रेस कांफ्रेंस नहीं।

हम इससे निपटेंगे, यह बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए। इस तरह की चर्चा थी कि बीसीसीआई ने कोहली की विस्फोटक प्रेस कांफ्रेंस के बाद चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को मीडिया को संबोधित करने को कहा गया था लेकिन बोर्ड ने अंतत: कोई बयानबाजी नहीं की।

बुधवार को कोहली के बयान से प्रशासकों के साथ उनका तनाव उभरकर सामने आया था। कोहली ने गांगुली के बयान के संदर्भ में कहा था, जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है।

कोहली ने कहा कि जब मैंने टी-20 कप्तानी छोड़ी तो मैंने पहले बीसीसीआई से संपर्क किया और उन्हें अपने फैसले के बारे में बताया और पदाधिकारियों कि सामने अपना नजरिया रखा। भारतीय कप्तान ने गांगुली के कुछ दिन पहले के बयान से बिलकुल विपरीत जानकारी देते हुए कहा कि मैंने कारण बताए कि आखिर क्यों मैं टी-20 कप्तानी छोड़ना चाहता हूं और मेरे नजरिए को अच्छी तरह समझा गया। कुछ गलत नहीं था, कोई हिचक नहीं थी और एक बार भी नहीं कहा गया कि आपको टी-20 कप्तानी नहीं छोड़नी चाहिए।

इससे पहले गांगुली ने कहा था कि कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार नहीं करने के कारण चयनकर्ताओं को सीमित ओवरों के प्रारूप में रोहित को एकमात्र कप्तान बनाना पड़ा क्योंकि दो प्रारूपों में दो अलग कप्तान होने से नेतृत्व क्षमता का टकराव हो सकता था।

बड़े दौरे से पहले किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं : कपिल देव

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि कप्तानी के मसले पर बीसीसीआई से मतभेद उजागर करता विराट कोहली का बयान गलत समय पर आया है जिससे दक्षिण अफ्रीका के अहम दौरे से पहले अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। दक्षिण अफ्रीका खानगी से पहले मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान को गलत बताया कि बोर्ड ने उनसे टी-20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए कहा था। इस बयान से कोहली और बीसीसीआई के बीच तनाव जगजाहिर हो गया है।

कपिल ने कहा कि इस समय किसी पर अंगली उठाना सही नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा सामने है और उस पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि बोर्ड अध्यक्ष तो बोर्ड अध्यक्ष है हालांकि भारतीय टीम का कप्तान होना भी बड़ी बात है।

एक दूसरे के बारे में हालांकि सार्वजनिक तौर पर खराब बोलना अच्छा नहीं है। चाहे वह सौरव हो या कोहली। कपिल ने कोहली से हालात पर नियंत्रण करके देश के बारे में सोचने की अपील की।

विराट कोहली मसले को लेकर जल्दबाजी मे नहीं है बीसीसीआई

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय कप्तान विराट कोहली की तूफानी प्रेस कांफ्रेंस से स्तब्ध भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस संकट से निपटने के लिए विकल्पों पर विचार कर रहा है जबकि यह भी सुनिश्चित करेगा कि मैदान के बाहर के नाटकीय घटनाक्रम से महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला से पहले टीम का ध्यान भंग नहीं हो।

भारतीय टेस्ट कप्तान कोहली ने तीन मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि उन्हें कभी टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने के लिए नहीं कहा गया। उनका बयान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के बयान के विपरीत था जो उन्होंने मीडिया में दिया था।

अतीत में बामुश्किल ही ऐसे मामले देखने को मिले हैं जब भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार और मौजूदा कप्तान तथा अध्यक्ष पद पर काबिज पूर्व कप्तान के बयानों में विरोधाभास हो। पता चला है कि बुधवार को जो हुआ उससे बीसीसीआई में कोई भी खुश नहीं है लेकिन वे समझते हैं कि मामले के तुरंत हल के लिए उनकी कोई भी कड़ी प्रतिक्रिया नुकसानदेह हो सकती है। कोहली आज शाम दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए जबकि कोलकाता में बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वह कोई सार्वजनिक बयान नहीं देंगे। पता चला है कि गांगुली और सचिव जय शाह सहित बीसीसीआई के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बुधवार को जूम कॉल पर बात की जहां सामूहिक रूप से फैसला किया गया कि कोई भी प्रेस कांफ्रेंस नहीं करेगा और ना ही प्रेस विज्ञप्ति जारी करेगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि विशेषज्ञ का नजरिया जाना गया कि इस संवेदनशील मामले से कै से निपटा जाए क्योंकि इससे अध्यक्ष के कार्यालय का सम्मान जुड़ा है।

पहले दिन आस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी

डेविड वार्नर और लाबुशेन ने दूसरे विकेट की साझेदारी में 172 रन जोड़े

दूसरा एशेज टेस्ट

●आस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 221 रन बनाए

एपी। एडीलेड

शतकीय साझेदारी के दौरान डेविड वार्नर और मार्नस लाबुशेन

नए कप्तान पैट कमिंस के कोरोना वायरस से जुड़ी चिंताओं के कारण अंतिम समय में हटने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन-रात्रि एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के खिलाफ दबदबा बनाते हुए दो विकेट पर 221 रन बनाए।

मार्नस लाबुशेन दो जीवनदान का फायदा उठाकर स्टंप के समय 95 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95) के साथ दूसरे विकेट के लिए 172 रन जोड़े। दिन का खेल खत्म होने पर कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ 18 रन बनाकर लाबुशेन का साथ निभा रहे थे। दोनों तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

स्मिथ 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद पहली बार आस्ट्रेलिया की कप्तानी कर रहे हैं। मैच की पूर्व संध्या पर रेस्टोरेंट में रात्रिभोज के दौरान कमिन्स को कोविड-19 पॉजिटिव व्यक्ति का करीबी संपर्क माना गया जिसके कारण वह मैच से बाहर हो गए। स्मिथ ने टॉस जीता और इसके बाद लगभग सब कुछ आस्ट्रेलिया के पक्ष में रहा।

अनुभवी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की वापसी के बावजूद इंग्लैंड पूरे दिन में सिर्फ दो विकेट हासिल कर पाया। आस्ट्रेलिया ने आठवें ओवर में ब्रॉड की गेंद पर मार्कस हैरिस (03) का विकेट गंवाया जिनका विकेटकीपर जोस बटलर ने शानदार कैच लपका। बटलर ने हालांकि इसके बाद 21 और 95 रन के स्कोर पर लाबुशेन के कैच छोड़े। वार्नर ने खाता खोलने के लिए 20 गेंद ली। आस्ट्रेलिया ने पहले सत्र में धीमी बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 54 रन बनाए जबकि दूसरे सत्र में 28 ओवर में बिना विकेट गंवाए 84 रन जोड़े। वार्नर और लाबुशेन ने रात के सत्र में भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए छठी शतकीय साझेदारी की। पिछले हफ्ते गाबा में 156 रन जोड़ने वाली इस जोड़ी की यह लगातार दूसरी शतकीय साझेदारी है। वार्नर हालांकि बेन स्टोक्स की बाहर जाती शॉर्ट गेंद पर कवर्स में ब्रॉड को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 167 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके मारे।

स्टोक्स इससे पहले 35वें ओवर में दुर्भाग्यशाली रहे थे जब उनकी गेंद पर बटलर ने लाबुशेन का कैच टपका दिया था। गुरुवार को हालांकि अधिकांश नाटकीय घटनाक्रम मैच से पहले हुआ। टॉस से तीन घंटे पहले क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि कमिंस नहीं खेल सकेंगे जो बुधवार की रात एक रेस्टोरेंट में रात्रिभेज दौरान कोरोना संक्रमित किसी व्यक्ति के करीबी संपर्क में आ गए थे। उनकी कोरोना जांच रिपोर्ट हालांकि नेगेटिव आई है।

आस्ट्रेलिया के लिए स्मिथ पिछले तीन टेस्ट में तीसरे कप्तान हैं। टिम पेन ने चार साल पहले एक महिला सहकर्मी को अश्लील संदेश भेजने का मामला प्रकाश में आने के बाद पिछले महीने कप्तानी छोड़ दी थी।

टेस्ट श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

भाषा। जोहानिसबर्ग

एयरपोर्ट से बाहर निकलते भारतीय टीम के सदस्य

कप्तान विराट कोहली की अगुवाई में भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए गुरुवार को यहां पहुंची। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कप्तान कोहली और टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा सहित कई खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए हैं।

कोहली की अगुवाई वाली टीम इस दौरे के लिए मुंबई से रवाना हुई। इस दौरे के आखिर में जनवरी में तीन वनडे मैचों की श्रृंखला भी खेली जाएगी। कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए इस दौरे में होने वाले टी-20 मैचों को अभी स्थगित कर दिया गया था। दोनों टीम पूरी श्रृंखला के दौरान जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में रहेंगी। सलामी बल्लेबाज और सीमित ओवरों की टीम के नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा मुंबई में अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें दौरे से हटना पड़ा। उनकी जगह गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल को चुना गया। इस दौरे से पहले कोहली ने संवाददाता सम्मेलन में यह कहकर खलबली मचा दी थी कि बोर्ड ने उन्हें कभी टी-20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए नहीं कहा था। वह संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी-20 विश्व कप के बाद सबसे छोटे प्रारूप के कप्तान पद से हट गए थे। उन्हें इस महीने के शुरू में वनडे टीम की कप्तानी से भी हटा दिया गया था। टेस्ट श्रृंखला का पहला मैच सेंचुरियन में खेला जाएगा जबकि अन्य दो टेस्ट जोहानिसबर्ग और केपटाउन में होंगे। रोहित के चोटिल होने के बाद टेस्ट टीम का उप कप्तान घोषित नहीं किया गया है। रोहित को खराब फॉर्म में चल रहे अजिंक्य रहाणे की जगह उप कप्तान नियुक्त किया गया था।

लखनऊ टीम के कोच की दौड़ में सबसे आगे एंडी फ्लावर

कोलकाता। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में लखनऊ टीम के मुख्य कोच के पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। फ्लावर ने पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है।

पिछले दो सत्र में पंजाब के कप्तान रहे केएल राहुल के लखनऊ टीम से जुड़ने की संभावना है। इस बारे में पूछने पर टीम के एक अधिकारी ने बताया कि हम कई नाम सुन रहे हैं। आज ही किसी ने लिखा कि गैरी कर्स्टन कोच बनने जा रहे हैं। हम कुछ लोगों से बातचीत कर रहे हैं लेकिन जब तक करार नहीं हो जाता, हम पुष्टि नहीं कर सकते।

फ्लावर 2020 आईपीएल से पहले पंजाब टीम से जुड़े और मुख्य कोच अनिल कुंबले के साथ पिछले दो सत्र में काम किया था। फ्लावर और कर्स्टन के अलावा लखनऊ टीम के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के भी नाम सुनने में आ रहे हैं।

अवनि को पैरालंपिक पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण सम्मान

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज अवनि लेखरा को गुरुवार को टोक्यो खेलों में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने के लिए 2021 पैरालंपिक पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ महिला पदार्पण सम्मान दिया गया। वर्ष 2012 में कार दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी में चोट का सामना करने वाली जयपुर की 20 साल की अवनि ने टोक्यो पैरालंपिक की महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिग एसएच। स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

उन्होंने पैरालंपिक रिकॉर्ड तोड़ने के अलावा विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की थी। अवनि ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्टैंडिंग एसएच। स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता ओर खेलों के इतिहास में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। उन्हें इस उपलब्धि के लिए देश के सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यान चंद खेल रत्न से भी सम्मानित किया गया।

कोहली के बयान पर गांगुली को तस्वीर साफ करनी चाहिए : गावस्कर

भाषा। नई दिल्ली

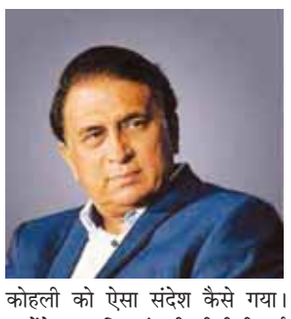

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि कप्तानी के मसले पर विराट कोहली के विरोधाभासी बयान पर सौरव गांगुली ही तस्वीर साफ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष से पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास कैसे आया। कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने के बाद गांगुली ने कहा था कि बीसीसीआई ने इस स्टार बल्लेबाज से फैसले पर पुनर्विचार के लिए कहा था। गांगुली ने हालांकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवानगी से पहले प्रेस कांफ्रेंस में इसका खंडन किया।

गावस्कर ने कहा कि कोहली का बयान शायद बीसीसीआई के लिए नहीं है। मुझे लगता है कि उस व्यक्ति से सवाल पूछा जाना चाहिए कि कोहली को ऐसा संदेश कैसे गया। उन्होंने कहा कि गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष हैं और उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास क्यो है। वह ही इसके बारे में जवाब दे सकेंगे। कोहली ने यह भी कहा था कि चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम के चयन से 90 मिनट पहले उन्हें बताया कि वह वनडे टीम के कप्तान नहीं हैं। गावस्कर ने कहा कि चयन समिति के अध्यक्ष ने कोई गलती नहीं की। गावस्कर ने कहा कि यहां क्या विवाद है। चयन समिति के अध्यक्ष ने उन्हें साफ तौर पर बता दिया कि अब वनडे कप्तानी उनके पास नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति को इसका अधिकार है।

कप्तान के पास मतदान का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि ऐसा तो नहीं है ना कि मीडिया से उन्हें पता चला या एक सवारी विमान के कमांडर ने इसकी घोषणा की। उसे चयन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि वह अब कप्तान नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति के अध्यक्ष और उनके बीच संवाद हुआ और ऐसा ही होना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई को भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचने के लिए स्पष्ट संवाद रखना चाहिए।

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज स्थगित

भाषा। कराची

शाइ होप

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कैरेबियाई टीम में कोविड-19 के कई पॉजिटिव मामले पाए जाने के बाद गुरुवार को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला स्थगित कर दी। पीसीबी और सीडब्ल्यूआई ने कराची में तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान संयुक्त बयान जारी करके कहा कि बुधवार को आरटी-पीसीआर परीक्षणों के परिणाम आने के बाद कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों की संख्या नौ पहुंच गई है। संयुक्त बयान में कहा गया है, टीम के हितों तथा वनडे के लिए वेस्टइंडीज दल में सीमित संसाधनों को देखते हुए वनडे श्रृंखला को जून 2022 तक स्थगित करने पर सहमति बनी। यह श्रृंखला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है।

पाकिस्तान ने तीसरा टी-20 जीतकर क्लीन स्वीप किया

कराची। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और कप्तान बाबर आजम के बीच बड़ी शतकीय साझेदारी की मदद से पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को तीसरे और अंतिम टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में सात विकेट से हराकर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान के सामने 208 रन का लक्ष्य था।

रिजवान ने 45 गेंदों पर 10 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 87 रन बनाए जबकि बाबर ने 53 गेंदों पर 79 रन की पारी खेली जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल हैं। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 158 रन की साझेदारी की जिससे पाकिस्तान ने तीन विकेट खोकर सात गेंद शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर दिया।स्थगित कर दी गई है।

चिर प्रतिद्वंद्वी पाक से आज भिड़ेगा भारत

एशियाई चैंपियन्स ट्राफी हॉकी

●सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को जीत की जरूरत

भाषा। ढाका

दिलप्रीत सिंह

धीमी शुरुआत के बाद अपनी लय हासिल करने वाली मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम शुक्रवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई चैंपियन्स ट्राफी पुरुष हॉकी टूनामेंट में अपने तीसरे राउंड रोबिन मैच में भी प्रयोग करना जारी रखेगी।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। उसने पहले मैच में कोरिया को वापसी का मौका दिया और आखिर में यह मैच 2-2 ड्रा छूटा। कोरिया के प्रदर्शन से चकित भारतीय टीम बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ पूरी तरह से बदली हुई नजर आई और उसने एकतरफा मुकाबले में 9-0 गोल से जीत दर्ज की। स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह ने मैदानी गोल से हैट्रिक जमाई, जबकि जरमनप्रीत सिंह ने भी दो गोल किए। इस मैच में भी ग्राहम रीड की कोचिंग वाली भारतीय टीम ने पेनल्टी कार्नर में उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह और वरुण कुमार की सीधी फ्लिक के बजाय अलग अलग तरीके आजमाकर प्रयोग किए थे।

बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरू से आखिर तक दबदबा बनाए रखा तथा पाकिस्तान के खिलाफ भी वह ऐसा ही प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में भारतीय रक्षापंक्ति ने अच्छा खेल दिखाया जबकि कप्तान मनप्रीत सिंह ने मध्यपंक्ति में अहम भूमिका निभाई है। अग्रिम पंक्ति ने भी टूर्नामेंट में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ललित उपाध्याय ने तीन गोल किए हैं जबकि टोक्यो ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पाने वाले आकाशदीप सिंह ने भी बुधवार को एक गोल दागा।

लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत शुक्रवार को सहज होकर खेल सकता है और वह भी पाकिस्तान के खिलाफ जिसका हॉकी में शानदार रिकार्ड रहा है हालांकि पिछले कुछ वर्षों से उसके खेल में गिरावट आई है। पाकिस्तान ने ओलंपिक में तीन स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं और टोक्यो ओलंपिक के क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद वह विश्व हॉकी में अपने पैर जमाने के लिए बेताब होगा। मस्कट में एशियाई चैंपियन्स ट्राफी 2018 में फाइनल बारिश की भेंट चढ़ जाने के कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। रिकार्ड को देखकर पाकिस्तान का पलड़ा भारी लगता है।

आत्महत्या के मामलों से स्तब्ध बिंद्रा ने एनआरएआई को मदद की पेशकश की

भाषा। नई दिल्ली

उभरते हुए खिलाड़ियों की आत्महत्या के कई मामलों से स्तब्ध ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने अपनी फाउंडेशन के जरिए तनाव के इस समय में निशानेबाजों की मदद की पेशकश की है। गुरुवार को 26 साल की निशानेबाज कोनिका लायक बंगाल के हावड़ा जिले में अपने आवास पर फांसी से लटकी मिली और उन्होंने सुसाइड नोट भी छोड़ा है।

निशानेबाजी समुदाय में हाल के महीनों में यह कथित तौर पर आत्महत्या का चौथा मामला है जिससे गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

हाल में युवा पिस्टल निशानेबाज खुशप्रीत कौर संधू ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कम स्कोर बनाने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। खुशप्रीत ने लीमा में पिछली विश्व चैंपियनशिप में जूनियर भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था।

सिंधू और श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में

विश्व चैंपियनशिप बैडमिंटन

भाषा। हुएलवा (स्पेन)

गत चैंपियन पीवी सिंधू और किदांबी श्रीकांत ने गुरुवार को यहां अपने प्रीक्वार्टर फाइनल एकल मुकाबलों में सीधे गेम में जीत के साथ बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दुनिया की सातवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने 10वें नंबर की थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 48 मिनट चले प्रीक्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-14, 21-18 से हराया। छठी वरीय सिंधू की पोर्नपावी के खिलाफ आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है जबकि तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताइ चू यिंग से भिड़ेंगी जिन्होंने स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को 21-10, 19-21, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। पुरुष एकल में 12वें वरीय श्रीकांत ने चीन के गैर वरीय गुआंग झू ल्यू को 21-10, 21-15 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। भारतीय जोड़ियों को हालांकि महिला और पुरुष युगल प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शिकस्त का सामना करना पड़ा। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी को जोंगकोलफान किंतिथराकुल और रविंदर प्राजोंगजाई की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ 13-21 15-21 से हार झेलनी पड़ी। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी भी पुरुष युगल में ओंग यु सिन और तियो ई ई की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ 20-22 21-18 15-21 की शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

बंगाल और यूपी राष्ट्रीय हॉकी के क्वार्टर फाइनल में

पुणे। बंगाल और उत्तर प्रदेश ने अपने अपने मुकाबले जीतकर हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ओडिशा, झारखंड, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र ने भी अपने मुकाबले जीते। दिन के पहले मैच में ओडिशा ने गोवा को पूल एफ के मैच में 14-0 गोल से हराया।

पूल एफ के एक अन्य मैच में बंगाल ने गुजरात को 19-0 गोल से हराया। अभिषेक प्रताप सिंह (दूसरे, 12वें, 14वें, 25वें, 34वें, 37वें और 39वें मिनट) ने सात गोल दागे जबकि नितीश न्युपेन (21वें, 35वें, 53वें मिनट) ने हैट्रिक बनाई।

उत्तर प्रदेश ने पूल जी में असम को 6-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की। टीम की ओर से मोहम्मद आमिर खान (पहले और सातवें मिनट) और मोहम्मद सैफ खान (आठवें और 43वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे जबकि ऋषभ साहू (21वें मिनट) और दीपक पटेल (50वें मिनट) ने एक-एक गोल किया।

बांग्लादेश में भव्य विजय दिवस परेड का आयोजन

विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

भाषा। ढाका

बांग्लादेश द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में अपनी जीत के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे कार्यक्रम के तहत बृहस्पतिवार को विजय दिवस परेड में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। इस परेड में शानदार एरोबेटिक्स और रक्षा साजो-सामान का प्रदर्शन करते हुए सैन्य शक्ति को दर्शाया गया।

राष्ट्रीय परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम अब्दुल हामिद और प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ-साथ मंत्री, राजनयिक और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। परेड में भारतीय सेना के तीनों अंगों से 122 सदस्यीय दल ने भी हिस्सा लिया।

भारतीय सेना ने जैसे ही मार्च पास्ट किया, परेड देखने आए लोगों ने उनका उत्साहवर्धन किया और 1971 के बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में भारत के योगदान को स्वीकार किया। विजय दिवस परेड के अवसर पर भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की विंग कमांडर टी आशा ज्योतिर्मई ने यहां बांग्लादेश वायु सेना के स्काई डाइवर के साथ एक संयुक्त स्काई डाइविंग का प्रदर्शन किया।

अपनी तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर यहां आए राष्ट्रपति कोविंद बांग्लादेश के विजय दिवस की स्वर्ण जयंती के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। राष्ट्रपति हामिद और प्रधानमंत्री हसीना ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर राष्ट्रपति कोविंद व प्रथम महिला सविता कोविंद का स्वागत किया।

राष्ट्रपति भवन ने ट्वीट किया, राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने ढाका के राष्ट्रीय परेड ग्राउंड में विजय दिवस परेड में भाग लिया। भारतीय सशस्त्र बलों के 122 सदस्यीय त्रि-सेवा दल ने भी विजय दिवस समारोह में हिस्सा लिया। कोविंद समारोह में शामिल होने वाले अकेले विदेशी राष्ट्राध्यक्ष थे। प्रधानमंत्री शेख हसीना को परेड ग्राउंड पर मार्च-पास्ट, फ्लाईपास्ट, एरोबेटिक्स प्रदर्शन, विभिन्न रेजिमेंट के शस्त्रों के प्रदर्शन और सशस्त्र बलों की टुकड़ियों की सराहना करते हुए देखा गया।

भारत के अलावा, रूस और भूटान के सैन्य दल भी परेड में शामिल हुए। मार्च-पास्ट के दौरान उनका भव्य सैन्य बैंड भी साथ था। बांग्लादेश की आजादी के बाद यह पहला मौका था जब विदेशी सैनिकों ने विजय दिवस समारोह में भाग लिया। एक सैन्य बैंड सहित 122 सदस्यों के साथ परेड में शामिल होने वाला भारतीय दल सबसे बड़ा था। अमेरिका और मैक्सिको ने सैन्य पर्यवेक्षक समूहों को भेजा, जिन्होंने परेड में भाग लिया।

बांग्लादेश की सेना, नौसेना, वायु सेना और अन्य अर्धसैनिक इकाइयों के साथ-साथ गैर-सैन्य और उपयोगिता सेवाओं व मंत्रालयों के 23 दल परेड में शामिल हुए। सशस्त्र बलों ने एक प्रभावशाली मार्च-पास्ट और फ्लाई-पास्ट के साथ-साथ नेशनल परेड स्क्वायर में आयोजित समारोह में अपने रक्षा साजो-सामान और हथियारों का भी प्रदर्शन किया।

इस साल 26 जनवरी को नई दिल्ली में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में एक बांग्लादेशी त्रि-सेवा दल ने भी भाग लिया। इससे पहले राष्ट्रपति हामिद और प्रधानमंत्री हसीना ने सावर स्थित राष्ट्रीय स्मारक पर माल्यार्पण कर मुक्ति संग्राम के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। आज के ही दिन 1971 में 93,000 पाकिस्तानी सैनिकों का नेतृत्व कर रहे लेफ्टिनेंट जनरल आमिर अब्दुल्ला खान नियाजी ने ढाका में लेफ्टिनेंट जनरल जगजीत सिंह अरोड़ा के नेतृत्व में भारतीय सेना के समक्ष आत्मसमर्पण किया था।

राष्ट्रपति कोविंद ढाका के जीर्णोद्धार किए गए रमणा काली मंदिर का उद्घाटन करेंगे

भाषा। ढाका

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जीर्णोद्धार किए गए ऐतिहासिक श्री रमणा काली मंदिर का शुक्रवार को उद्घाटन करेंगे। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने इसे दोनों देशों के लिए बेहद भावुक क्षण बताया। गौरतलब है कि 1971 में पाकिस्तानी सेना ने इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था, जिसका जीर्णोद्धार किया गया है।

कोविंद बांग्लादेश के राष्ट्रपति एम. अब्दुल हामिद के न्योते पर अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर ढाका आए हुए हैं।

इस दौरान वह 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश की आजादी की स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लेंगे। श्रृंगला ने कहा कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 17 दिसंबर को श्री रमणा काली मंदिर का उद्घाटन करेंगे। पाकिस्तान की सेना ने 1971 के ऑपरेशन सर्चलाइट में मंदिर को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया था।

श्रृंगला ने बुधवार को पत्रकारों से कहा था, ऐसे में यह बहुत ही समुचित है कि हम ठीक 50 साल बाद हम जीर्णोद्धार के उपरांत रमणा काली मंदिर का उद्घाटन करने जा रहे है और यह सिर्फ सांकेतिक नहीं है, यह दोनों देशों के लिए बहुत भावनात्मक पल है। ढाका ट्रिब्यून में प्रकाशित खबर के अनुसार, राष्ट्रपति कोविंद ने मंदिर समिति के सदस्यों के साथ विचारों के आदान-प्रदान में भी रुचि दिखाई है। ऑपरेशन सर्चलाइट , 1971 में पाकिस्तानी सेना ने मंदिर को पूरी तरह से तोड़ दिया था। कुछ खबरों के अनुसार, मंदिर को आग लगा दी गई थी और इस घटना में श्रद्धालुओं और मंदिर में रहने वाले तमाम लोग मारे गए थे। भारत ने मंदिर के जीर्णोद्धार का पूरी तरह समर्थन किया।

कोविंद ने बांग्लादेश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को भेंट की मिठाई

ढाका। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बांग्लादेशी समकक्ष अब्दुल हामिद और प्रधानमंत्री शेख हसीना को राष्ट्रपति भवन की बेकरी में बनी मिठाइयां, केक और नमकीन सद्भावना के तौर पर भेंट किए हैं। इससे दोनों पड़ोसी देशों के रिश्तों को अपनेपन का स्पर्श मिलेगा और शीर्ष नेताओं के संबंध प्रगाढ़ होंगे।

सीरिया के लोगों को सीमा पार से सहायता मिलना जरूरी है : संयुक्त राष्ट्र प्रमुख

एपी। न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र के महसचिव एंतोनियो गुतारेस का कहना है कि विद्राहियों के नियंत्रण वाले उत्तर-पि78श्चम सीरिया में तुर्की के रास्ते पहुंचाई जाने वाली संयुक्त राष्ट्र की मानवीय सहायता की कड़ी निगरानी की जा रही है और वह बेहद महत्वपूर्ण बना हुआ है। गुतारेस ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद मानवीय सहायता पहुंचाई जा रही है और सेवाएं दी जा रही हैं, पूरे देश में यह सैद्धांतिक और पारदर्शी तरीके से किया जा रहा है। गुतारेस ने उक्त बातें एक रिपोर्ट में कही हैं जो संयुक्त राष्ट्र में आंतरिक रूप से दी गई है, एसोसिएट प्रेस को यह रिपोर्ट प्राप्त हुई है। सीरिया काउंसिल का सदस्य नहीं है, लेकिन उसने सीमा पार से आने वाले काफिलों को राजनीतिक और गैरजरूरी बताया है। पिछले साल तीन अन्य क्रासिंग के रास्ते आपूर्ति बंद कराने के लिए वीटो धमकी का उपयोग करने वाले करीबी सहयोगी रूस ने इस साल गर्मियों में कहा था कि मानवीय सहायता संघर्ष वाले रास्तों से सीरिया भेजी जानी चाहिए ताकि पूरे देश पर सरकार की सम्प्रभुता को बल मिल सके।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों, अमेरिका, यूरोपियों और अन्य का कहना है कि सीमा पार से होने वाली आपूर्ति महत्वपूर्ण है और उन्हें रोकने का अर्थ है कि लाखों की संख्या में सीरियाइयों पर इसका भयंकर दुष्प्रभाव होगा। हालांकि यह समझौता समाप्त होने से महज एक दिन पहले परिषद ने जुलाई में फिर से समझौता कर लिया। सदस्य बाब अल-हावा के रास्ते 10 जनवरी, 2022 तक आपूर्ति जारी रखले पर तैयार हो गए। साथ ही अगर गुतारेस अभियान की पारदर्शिता और सीरिया के भीतर सहायता आपूर्ति पर ठोस रिपोर्ट देते हैं तो इस समझौते की अवधि स्वत: छह महीने के लिए बढ़ जाएगी। इस नई रिपोर्ट में गुतारेस ने विस्तार में बताया है कि किस प्रकार सीमा पार से आने वाली खेपों की जांच हो रही है और उनोंका पता लगाया जा रहा है। वह इसे दुनिया के, सबसे करीब से निगरानी करने वाले अभियानों में से एक बताते हैं।

इजराइल ने सैन्य ठिकानों पर दागी मिसाइलें : सीरिया

दमिश्क। सीरिया की सेना ने दावा किया है कि इजराइल ने बृहस्पतिवार को तड़के उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइलों से हमला किया, जिसमें एक सैनिक की मौत हो गई और सैन्य ठिकानों को क्षति पहुंची। सीरिया के सरकारी मीडिया ने एक सैन्य अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी। सैन्य अधिकारी ने कहा कि इजराइल के कब्जे वाले गोलन हाइट्स से दागे गए रॉकेटों का सीरियाई वायु रक्षा प्रणाली ने समय रहते पता लगाकर अधिकतर मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया।

दक्षिणी फिलीपींस के कागायन डी ओरो शहर में टाइफून के कारण आई बाढ़ के दौरान एक लड़की की सहायता करता तटरक्षक

रूस के साथ तनाव बढ़ने के बीच ईयू, पूर्व सोवियत देशों के नेताओं ने की मुलाकात

एपी। ब्रसेल्स

रूस के साथ तनाव बढ़ने के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं ने बुधवार को यूक्रेन और चार अन्य पूर्व सोवियत गणराज्यों के अपने समकक्षों से मुलाकात की और राजनीतिक, व्यापार, ऊर्जा और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया।

यूरोपीय संघ के ईस्टर्न पार्टनरशिप में आर्मेनिया, अजरबैजान, बेलारूस, जॉर्जिया, मोल्दोवा और यूक्रेन शामिल हैं। बेलारूस के राष्ट्रपति एलेक्जेंडर लुकाशेंको इस मंच का बहिष्कार कर रहे हैं क्योंकि पिछले साल उनके पुन: निर्वाचन में कथित धोखाधड़ी को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्वाई की खबरों के बाद यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगाए थे।

बेलारूस का झंडा शिखर सम्मेलन की मेज पर उस जगह लगा है, जहां लुकाशेंको बैठने वाले थे। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेएन ने कहा, कमरे में एक कुर्सी खाली है और मुझे उम्मीद है कि यह कुर्सी जल्द ही एक वैध, लोकतांत्रिक रूप से चुने गए बेलारूसी नेता से भर जाएगी।

ईस्टर्न पार्टनरशिप की स्थापना 2008 में रूस द्वारा जॉर्जिया में सैनिकों को भेजे जाने के बाद की गई थी,इस कदम से पूरी दुनिया हैरान रह गई थी। साझेदारी का उद्देश्य छह देशों के बीच संबंधों को सुधारना और गहरा करना है, इनमें से अधिकांश रूस के साथ सीमा साझा करते हैं और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ऊर्जा के गढ़ हैं।

शिखर सम्मेलन की अंतिम घोषणा के अनुसार, बैठक का उद्देश्य समान मूलभूत मूल्यों पर आधारित रणनीतिक, महत्वाकांक्षी और दूरंदर्शी साझेदारी के लिए मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है।

ब्रसेल्स में पांच घंटे की बातचीत के बाद जारी किए गए घोषणा पत्र में भाग लेने वाले 32 देशों ने कहा कि वे समाज में लोकतंत्र और कानून के शासन को और मजबूत करने के अपने संयुक्त दृढ़ संकल्प से बंधे हैं।

राष्ट्रीय अभिलेखागार ने कैनेडी की हत्या की जांच से जुड़े दस्तावेज किए सार्वजनिक

वाशिंगटन। राष्ट्रीय अभिलेखागार ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की 1963 में की गई हत्या के मामले की, सरकार की जांच से संबंधित लगभग ।,500 दस्तावेजों को बुधवार को सार्वजनिक कर दिया।

राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस संबंध में अक्टूबर में समय सीमा तय की थी, जिसके तहत ही इन गोपनीय केबल , आंतरिक ज्ञापनों और अन्य दस्तावेजों को सार्वजनिक किया गया। यह कदम एक संघीय कानून को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, जो सरकार के पास मौजूद दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से जुड़ा है। अभी तत्काल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन दस्तावेजों के खुलासे के बाद 22 नवंबर, 1963 को बंदूकधारी ली हार्वे ओसवाल्ड द्वारा डलास में कैनेडी की हत्या किए जाने के मामले को लेकर आम लोगों की सोच में कोई बदलाव आ सकता है या नहीं। दस्तावेजों में केन्द्रीय खुफिया एजेंसी के केबल और ज्ञापन शामिल हैं, जिनमें ओसवाल्ड के द्वारा किए गए खुलासे पर चर्चा का ब्यौरा है। हालांकि, इनमें मैक्सिको सिटी में सोवियत संघ और क्यूबा के दूतावासों के दौरे के साथ-साथ हत्या के बाद के दिनों में, कैनेडी की हत्या में क्यूबा की भागीदारी की आशंका के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं कहा।

बाइडन ने कैरोलिन कैनेडी मिशेल क्वान को राजदूत के तौर पर नामित किया

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को घोषणा की कि वह पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा प्रशासन के दौरान जापान में राजदूत के रूप में सेवा देने वार्ली, दिवंगत राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी की बेटी कैरोलिन कैनेडी को ऑस्ट्रेलिया में राजदूत के तौर पर और प्रसिद्ध अमेरिकी ओलंपिक स्केटर मिशेल क्वान को बेलीज में अपने मुख्य दूत के रूप में सेवा करने के लिए नामित कर रहे हैं। कैनेडी ने 2020 में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की प्राथमिक प्रक्रिया में अपेक्षाकृत पहले ही बाइडन को अपना समर्थन दे दिया था। अपने समर्थन की घोषणा करने के लिए बोस्टन ग्लोब के एक संपादकीय में उन्होंने एक लोक सेवक के रूप में लंबे करियर के लिए बाइडन की प्रशंसा की थी और जब वह राजदूत थीं तब उपराष्ट्रपति के रूप में बाइडन के तोक्यो दौरे को याद किया था। कैनेडी ने एक बयान में प्रशांत महासागर में सोलोमन द्वीपवासियों और ऑस्ट्रेलिया के तट पर नजर रखने वालों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अगस्त 1943 में जापानियों द्वारा चालक दल की मोटर टारपीडो नाव को डुबो दिए जाने के बाद उनके पिता की जान बचाई थी। कैनेडी ने कहा कि अगर मेरे नाम को मंजूरी मिली, तो मैं इस कर्ज को चुकाने के लिए कड़ी मेहनत करूंगी। मैं अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करने, वैश्विक स्वास्थ्य में सुधार और इस भयानक महामारी के दौरान टीके की पहुंच बढ़ाने तथा तत्काल जलवायु संकट को दूर करने के वास्ते ऑस्ट्रेलिया सरकार के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हूं। मैं ऑस्ट्रेलिया के लोगों, इस दिलचस्प देश को जानने और अमेरिका के बारे में अपनी पसंद को उनके साथ साझा करने के लिए उत्साहित हूं।

बाइडन ने कैनेडी परिवार की एक अन्य सदस्य, पेशे से वकील, और सांसद टेड कैनेडी की विधवा विक्टोरिया कैनेडी को ऑस्ट्रिया में अपने राजदूत के रूप में नियुक्त किया। सीनेट में अक्टूबर में उनके नाम की पुष्टि की जा चुकी है।।

ओमीक्रोन 70 गुना तेजी से संक्रमित कर रहा, लेकिन गंभीरता काफी कम

अध्ययन

भाषा। बीजिंग

कोरोना वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप, डेल्टा और कोविड-19 के मूल स्वरूप की तुलना में 70 गुना तेजी से संक्रमित करता है लेकिन इससे होने वाले रोग की गंभीरता काफी कम है। एक अध्ययन में यह कहा गया है। अध्ययन में इस बारे में प्रथम सूचना दी गई है कि ओमीक्रोन स्वरूप किस तरह से मानव के श्वसन तंत्र को संक्रमित करता है।

हांगकांग विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि ओमीक्रोन, डेल्टा और मूल सार्स-कोवी-2 की तुलना में 70 गुना तेजी से संक्रमित करता है। अध्ययन से यह भी प्रदर्शित होता है कि फेफड़े में ओमीक्रोन से संक्रमण मूल सार्स-कोवी-2 की तुलना में काफी कम है, जिससे रोग की गंभीरता कम होने का संकेत मिलता है।

अनुसंधानकर्ताओं ने ओमीक्रोन का अलग तरह से संचरण होने और इससे होने वाले रोग की गंभीरता सार्स-कोवी-2 के अन्य स्वरूपों से भिन्न रहने को समझने के लिए एक्स-वीवो कल्चर का उपयोग किया। यह पद्धति फेफड़े के इलाज के लिए फेफड़े से निकाले गए उत्तक का उपयोग करती है। हांगकांग विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर माइकल चान ची वाई और उनकी टीम ने ओमीक्रोन को अन्य स्वरूपों से सफलतापूर्वक अलग किया तथा अन्य स्वरूप से होने वाले संक्रमण की तुलना मूल सार्स-कोवी-2 से की। टीम ने पाया कि ओमीक्रोन मानव में मूल सार्स-कोवी-2 और डेल्टा स्वरूप की तुलना में कहीं अधिक तेजी से प्रतिकृति बनाता है।

अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि संक्रमण के 24 घंटे बाद ओमीक्रोन स्वरूप ने डेल्टा और मूल सार्स-कोवी-2 की तुलना में करीब 70 गुना अधिक प्रतिकृति बनाई।

ओमीक्रोन ने मानव के फेफड़े की कोशिका में मूल सार्स-कोवी-2 वायरस की तुलना में 10 गुना से भी कम प्रतिकृति बनाई, जिससे पता चलता है कि इससे होने वाले रोग की गंभीरता कम है। चान ने एक बयान में कहा के यह जिक्र करना जरूरी है कि मानव में रोग की गंभीरता न सिर्फ वायरस की प्रतिकृति द्वारा निर्धारित होती है बल्कि संक्रमण के प्रति शरीर की प्रतिरक्षा से भी निर्धारित होती है।

ब्रिटेन में ओमीक्रोन के मामलों में वृद्धि के बीच जश्न व कार्यक्रम में कमी करने का आग्रह

लंदन। ब्रिटेन में लोगों से क्रिसमस पूर्व जश्न एवं कार्यक्रमों में अधिक भीड़भाड़ से बचने का प्रयास करने और कोविड-19 के तेजी से फैलने वाले स्वरूप ओमीक्रोन के मद्देनजर संक्रमण के मामलों में वृद्धि का प्रबंधन करने का आग्रह किया जा रहा है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने हाल के समय में लॉकडाउन पाबंदियां बढ़ाने की किसी योजना से इनकार किया है। देश में वर्तमान समय में घर से काम करने के साथ ही मास्क लगाने और बड़े कार्यक्रमों के लिए कोविड-19 टीकाकरण प्रमाणपत्र जरूरी किया गया है।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सरकार के बूस्टर डोज दृष्टिकोण को दोहराया। जॉनसन के नेतृत्व में मंत्रियों और विशेषज्ञों की एक टीम ने लोगों को सलाह दी कि समारोहों में शामिल होने से पहले कोविड-19 जांच कराएं।

ब्रिटेन में बुधवार को कोविड-19 के 78,610 मामले सामने आए। यह संख्या पिछले साल महामारी शुरू होने के बाद से देश में सबसे ज्यादा है। जॉनसन ने कहा किजाने से पहले ध्यान से विचार करें। उन्होंने कहा कि आइए ओमीक्रोन का कड़ाई से मुकाबला करें। आइए इसके प्रसार की गति को धीमा करें। मास्क पहनें, यदि आप किसी ऐसे कार्यक्रम में जा रहे हैं जहां आपको बहुत से लोगों से मिलने की संभावना है तो जांच कराएं। यदि आप बुजुर्ग या जोखिम वाले रिश्तेदारों से मिलने जा रहे हैं तो भी जांच कराएं। ब्रिटेन के मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), प्रोफेसर क्रिस व्हिट्टी ने जनता से आग्रह किया कि ऐसे लोगों के साथ मुलाकात नहीं करें जिनसे मिलना जरूरी नहीं है। उन्होंने आशंका जताई कि आने वाले हफ्ते में ब्रिटेन में कोविड-19 के और अधिक रिकॉर्ड टूटेंगे। सलाह विशेष रूप से वर्ष के ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब क्रिसमस से संबंधित जश्न और कार्यक्रम पूरे ब्रिटेन में आयोजित होते हैं। स्वास्थ्य मंत्री गिलियन कीगन ने लोगों से आग्रह किया, एक समझदार विकल्प चुनें। यदि आप किसी कार्यक्रम में जा रहे हैं, तो जांच कराएं।

एपी से जुड़े स्वतंत्र पत्रकार को इथियोपिया में हिरासत में लिया

एपी। नैरोबी

इथियोपिया में समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से जुड़े एक स्वतंत्र वीडियो पत्रकार को राजधानी अदीस अबाबा में पुलिस ने हिरासत में लिया है। एपी ने बुधवार को यह जानकारी दी। रिपोर्टिंग यात्रा कर घर लौटने के बाद 28 नवंबर को आमिर अमन कियारो को देश की नई युद्ध-संबंधी आपातकालीन शक्तियों के तहत हिरासत में लिया गया है। अभी उन्हें आरोपित नहीं किया गया है। इथियोपिया के मीडिया प्राधिकरण, प्रधानमंत्री कार्यालय, विदेश मंत्रालय और अन्य सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों ने कियारो को हिरासत में लिए जाने के बाद उसके संबंध में जानकारी मांगने के एपी के लगातार अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। सरकारी मीडिया ने बुधवार को संघीय पुलिस का हवाला देते हुए उनकी हिरासत की सूचना दी और कहा कि उन पर एक आतंकवादी समूह का साक्षात्कार लेकर उसके उद्देश्यों की पूर्ति करने का आरोप है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थानीय पत्रकार थॉमस एंगिडा और अदिसु मुलुनेह को भी हिरासत में लिया गया है। संघीय पुलिस निरीक्षक टेस्फाए ओलानी ने सरकारी मीडिया को बताया कि पत्रकारों ने आपातकालीन कानून और इथियोपिया के आतंकवाद विरोधी कानून का उल्लंघन किया और जिसके लिए उन्हें सात से 15 साल तक की जेल हो सकती है।

एक बयान में एपी की कार्यकारी संपादक जूली पेस ने आग्रह किया कि कियारो को मुक्त किया जाए। उन्होंने कहा, एसोसिएटेड प्रेस बेहद चिंतित है कि उसके स्वतंत्र पत्रकार आमिर अमन कियारो को इथियोपिया सरकार ने हिरासत में लिया है, उन पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है, जो निराधार है। कियारो एक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

जुमा को वापस जेल भेजे जाने पर किसी भी संभावित अराजकता के लिए तैयार :मंत्री

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा के मेडिकल पैरोल को अवैध करार दिए जाने और अदालत की अवमानना पर 15 महीने की कैद की सजा पूरी करने के लिए उन्हें वापस जेल भेजे जाने के एक अदालती आदेश से उत्पन्न होने वाली किसी भी संभावित अराजकता को लेकर देश के सुरक्षा अधिकारी तैयार हैं। प्रिटोरिया में उच्च न्यायालय ने यह फैसला सुनाया कि देश के पूर्व राष्ट्रपति जुमा को अदालत की अवमानना करने और सितंबर में दी गई मेडिकल पैरोल को अवैध घोषित करते हुए उसे अमान्य करार देने को लेकर अपनी कैद की सजा पूरी करने के लिए जेल लौटना पड़ेगा। जुमा (79) ने खुद को अधिकारियों के सुपुर्द करने के बाद जुलाई में अपनी कैद की सजा शुरू की थी, लेकिन उन्हें दो महीने बाद विवादास्पद परिस्थितियों में सुधार सेवाओं के तत्कालीन राष्ट्रीय आयुक्त ने मेडिकल पैरोल पर रिहा कर दिया था।

पाकिस्तान में कॉलेज की छात्रा से सामूहिक बलात्कार के जुर्म में चार लोगों को मौत की सजा

भाषा। लाहौर

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कॉलेज की, 20 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार और लूटपाट करने के दोषियों को एक अदालत ने मौत की सज़ा सुनाई है। अभियोजन पक्ष ने बताया कि इस साल जनवरी में नासिर अहमद, मोहम्मद वसीम, उमर हयात और फाकिर हुसैन भावलपुर जिले में स्थित एक गांव के एक मकान में घुसे, लड़की से सामूहिक बलात्कार किया और नकद तथा सोने के ज़ेवरात लेकर फरार हो गए।

मामले में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, लूटपाट के बाद संदिग्ध लड़की को एक कमरे में ले गए जहां उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। हालांकि पीड़िता के माता-पिता उसे छोड़ने की मिन्नतें करते रहे। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राना अब्दुल हकीम ने बुधवार को यह फैसला सुनाया है।

कुछ महीने पहले मुल्तान के शुजाबाद इलाके में चार हथियार बंद लुटेरों ने एक नव विवाहिता के साथ उसके पति के सामने सामूहिक बलात्कार किया। लेकिन पुलिस अब तक आरोपियों को पकड़ नहीं पाई।

चीन में कोयले की खान में पानी भरने के बाद 22 खनिक फंसे

बीजिंग। चीन के शहर शीआओई में एक कोयले की खान में पानी भर जाने के बाद उसमें 22 लोग फंस गए हैं। खान में अवैध खनन किया जा रहा था।

स्थानीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि हादसा शन्शी प्रांत में शीशीन्झुआंग टाउनशिप के डुशीगोओ गांव में स्थित कोयले की एक खान में बुधवार रात करीब 11 बजे हुआ।

दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 के रिकार्ड मामलों के बावजूद लॉकडाउन पाबंदी निम्न स्तर पर बनी रहेगी

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका में कोविड महामारी की चौथी लहर के बीच संक्रमण के 26,976 नए मामले सामने आने के बावजूद लॉकडाउन पाबंदी पांच-स्तरीय रणनीति में सबसे निचले स्तर पर बनी रहेगी। यह घोषणा कोविड-19 रोधी प्राधिकार ने बृहस्पतिवार को की। नेशनल कोरोना वायरस कमांड काउंसिल ने इस बात की पुष्टि की कि देश अब चौथी लहर की चपेट में है। इसने दक्षिण अफ्रीका के लोगों से अपील की कि वे सामाजिक दूरी बनाए रखने के साथ ही मास्क पहनें तथा वायरस के प्रसार से बचने के लिए बड़े कार्यक्रमों के आयोजन से बचें। एनसीसीसी ने एक बयान में कहा कि नई लहर पिछली लहरों की तुलना में तेजी से फैल रही है लेकिन अस्पताल में भर्ती होने और मौतों की दर अपेक्षाकृत कम है। इसने कहा कि संक्रमण के मामले मुख्य रूप से कोविड-19 के ओमीक्रोन स्वरूप के चलते फैल रहे हैं। इसने कहा कि देश में महामारी के प्रसार को रोकने के लिए शुरू की गई कोविड-19 लॉकडाउन पाबंदी पांच-स्तरीय रणनीति में सबसे निचले स्तर पर बनी रहेगी। दक्षिण अफ्रीका में कल रात से कोविड-19 के 26,976 नए मामले सामने आए जिससे देश में इसके कुल मामले बढ़कर 3,231,031 हो गए। वहीं इस अवधि के दौरान 54 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मृतक संख्या बढ़कर 90,226 हो गई।

इंडोनेशिया में ओमीक्रोन का पहला मामला सामने आया

जकार्ता। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो ने देश के लोगों एवं सरकारी अधिकारियों को विदेश यात्रा से परहेज करने का बृहस्पतिवार को आग्रह किया। विडोडो ने यह अपील देश में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप का पहला मामला सामने आने के बाद किया। जकार्ता के एक अस्पताल का एक सफाई कर्मी ओमीक्रोन से संक्रमित मिला है। मरीज में कोई लक्षण नहीं है और उसे एथलीट विलेज इमरजेंसी अस्पताल में पृथकवास में रखा गया है।

'शोभा शिवरामकृष्णन' का कहना है कि भारतीय स्कूल वैश्विक मानकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित कर रहे हैं

भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई गुना बदलाव आया है। शिक्षा आवश्यकताओं, पर्यावरण और प्रतिस्पर्धा में परिवर्तन ने स्कूलों को शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित करने की आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया है। उनके पाठ्यक्रम का उन्नयन इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल ऐसे पाठ्यक्रम को लागू कर रहे हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में सहायता करते हुए छात्रों के लिए शिक्षा को इंटरैक्टिव, आकर्षक और सार्थक बनाने के लिए प्रासंगिक, अद्यतन और इमर्सिव है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने शिक्षा प्रणाली में कई सुधार देखे हैं और महामारी के कारण, ऑनलाइन कक्षाओं, मिश्रित शिक्षा और एक मिश्रित शिक्षा मॉडल के उद्भव के साथ शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव आया है। स्कूल शैक्षिक सामग्री वितरित कर रहे हैं जो वैश्विक मानकों और पाठ्यक्रम के अनुरूप है जो महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान और निर्णय लेने के कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। शिक्षण, मूल्यांकन और प्रशिक्षण का एक नया तरीका भी छात्रों को वैश्विक स्तर पर चमका रहा है जिससे उनका आत्मविश्वास और अवसरों में वृद्धि हो रही है।

पहले भारत में, अधिकांश शिक्षण रटने के तरीकों के माध्यम से होता था, जहां विषयों को समझने के बजाय उन्हें याद रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। हालांकि, वर्षों से यह शिक्षण पद्धति विकसित हुई है और आज स्कूल वैचारिक समझ और अनुभवात्मक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो छात्रों को अनुसंधान और विभिन्न व्यावहारिक साधनों के माध्यम से सीखना सुनिश्चित करता है जो उनके सीखने को वास्तविक दुनिया की स्थितियों में लागू करने में सहायता करते हैं।

पाठ्यचर्या को प्रमुखता दी जाती है

स्कूल पाठ्यक्रम और कक्षाओं, पेन-पेपर मूल्यांकन जैसे लंबवत एकीकृत स्टैक से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इन पहलुओं की तुलना में शिक्षा के लिए बहुत कुछ है।

वैश्विक शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेते हुए, भारत के स्कूलों ने छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले अपने इन-हाउस पाठ्यक्रम का निर्माण शुरू कर दिया है। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अधिक छात्रों के साथ, स्कूलों ने सामग्री के साथ-साथ अपने शिक्षण विधियों को भी बदल दिया है। इस परिवर्तन ने छात्रों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रमुखता प्राप्त करने में सफल बनाया है।

अकादमिक पाठ्यक्रम के साथ, कई स्कूलों में छात्रों को अतिरिक्त सूक्ष्म पाठ्यक्रम जैसे बागवानी, कविता, उद्यमिता और बहुत कुछ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो उन्हें आराम करने और साझा रुचियों का पता लगाने में मदद करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों में जीवन कौशल

का निर्माण भी करते हैं।

समावेशी शिक्षा और शिक्षा के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण दुनिया भर के स्कूलों के बराबर होने के लिए कई शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किए गए अन्य परिवर्तन हैं। छात्रों को नए और विविध सीखने के अनुभवों से अवगत कराया जाता है जो भागीदारी को सक्षम बनाता है, बाधाओं को दूर करता है और विभिन्न सीखने की जरूरतों और प्राथमिकताओं का अनुमान लगाता है।

बुनियादी ढांचे में सुधार

एक ऑफ़लाइन शिक्षा मॉडल में स्कूलों को बच्चे का दूसरा घर माना जाता है। नए स्थानों के साथ एक अच्छा स्कूल बुनियादी ढांचा सीखने में छात्रों की प्रगति में सकारात्मक योगदान देता है। प्रकाश और वेंटिलेशन जैसी अच्छी प्राकृतिक स्थितियां, आयु-उपयुक्त सीखने के स्थान लचीले सीखने के अवसर प्रदान करते हैं जिन्हें छात्र अनुकूलित और वैयक्तिकृत कर सकते हैं। सीखने के स्थानों के बीच कनेक्शन जो नेविगेट करने में आसान हैं, अतिरिक्त सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, आज के स्कूलों को छात्रों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उनके समग्र विकास में सहायता करते हैं।

प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा

प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और यह सीखने का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसे पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, एक निर्देशात्मक वितरण प्रणाली के रूप में, संपूर्ण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में शामिल किया गया है। शिक्षा निष्क्रिय और प्रतिक्रियाशील से उन्नत और संवादात्मक तरीकों की ओर बढ़ गई है। बच्चे छह-सात साल की उम्र में कोडिंग सीख रहे हैं। एआई, आईओटी और रोबोटिक्स जैसी नए जमाने की प्रौद्योगिकियां स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गई हैं। छात्रों को इन विषयों में अपनी रुचि के क्षेत्र में परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे वे विश्व स्तर पर अपने आयु वर्ग के बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

तकनीकनीत शिक्षा

महामारी की शुरुआत के साथ, स्कूलों ने वर्चुअल लर्निंग का सहारा लिया है और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म का कुशलतापूर्वक उपयोग किया है। इसने भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार किया है जहां स्कूल स्तर पर दूरस्थ शिक्षा को कभी भी एक विकल्प के रूप में नहीं माना जाता था। नए तकनीक के नेतृत्व वाले शिक्षा मॉडल ने छात्रों के लिए नए अवसर भी खोले हैं जहां वे विदेशी विश्वविद्यालयों में आवेदन कर सकते हैं और अपने गृह शहर से दूर अध्ययन कर सकते हैं। शिक्षा के इस ऑनलाइन मोड ने युवा छात्रों को उनके विकास में सहायता के लिए अपनी पसंद के अतिरिक्त पाठ्यक्रम लेने में सक्षम बनाया है।

एनईपी एक स्वागत योग्य बदलाव है

एनईपी की शुरूआत ने भारतीय शिक्षा प्रणाली की छवि को बदल दिया है। एनईपी का उद्देश्य सीखने को अधिक समावेशी, जीवंत और व्यावहारिक बनाना है। नीति के अनुसार, छात्रों के लिए विषयों के चुनाव में लचीलापन बढ़ा है। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यक्रम और व्यावसायिक विषयों को समान महत्व प्रदान करना है। एनईपी सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए भी निर्बाध अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सरकार सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान कर रही है और उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार कर रही है।

संक्षेप में, एनईपी का उद्देश्य भारतीय लोकाचार में निहित एक वैश्विक सर्वोत्तम शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जहां जीवन के सभी क्षेत्रों के बच्चे लाभान्वित हों और बढ़े हुए अवसर प्राप्त करें जिससे भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव आए। हालांकि, इस परिवर्तन को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना है ताकि बच्चों को अपने सपनों का पता लगाने और उन्हें पूरा करने के अधिक अवसर मिल सकें।

(लेखिक एक्या स्कूल लर्निंग सेंटर की प्रमुख हैं।)

अगला कदम

वीर दास अपनी अगली अंतरराष्ट्रीय परियोजना में एक अमेरिकी देश संगीत कॉमेडी श्रृंखला में विकसित और अभिनय करेंगे, जहां ब्रुकलिन नाइन नाइन के एंडी सैमबर्ग कार्यकारी निर्माता हैं :

वीर दास फॉक्स के लिए एक नए शो के लेखन और कार्यकारी निर्माता बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शीर्षक कंट्री ईस्टर्न, श्रृंखला एक एकल कैम कॉमेडी श्रृंखला है जिसमें दास भी होंगे। यह शो भारत के एक युवा धनी व्यक्ति के बारे में है जो अपने परिवार के साथ अमेरिकी चला जाता है। मेम्फिस, टेनेसी में अपने जीवन के पुनर्निर्माण के प्रयास में, वह अपने जुनून को आगे बढ़ाने और एक देशी संगीत गायक बनने का फैसला करता है। एकमात्र मुद्दा यह है कि वह इसमें बुरा है।

श्रृंखला के बारे में बात करते हुए, दास ने कहा, ''यह एक रोमांचक ब्रांड नई परियोजना है जिस पर काम चल रहा है और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रृंखला अब विकसित की जा रही है। श्रृंखला का लेखन वर्तमान में जारी है। मैं ऐसे बेहद प्रतिभाशाली नामों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं, जिनमें से प्रत्येक के पास काम का एक स्पष्ट शरीर है। यह एक अनोखी कॉमेडी है और मैं जल्द ही इस सीरीज को फिल्माने के लिए उत्सुक हूं।''

दास सैम लेबोर्न के साथ इस शो का सह-लेखन करने के लिए तैयार हैं, जो कि श्रोता भी हैं। लेबोर्न हाल ही में जोई की असाधारण प्लेलिस्ट पर इपी था और उसने ब्लैकिश, कोगर टाउन और अरेस्टेड डेवलपमेंट जैसे शो लिखे हैं। पार्टी ओवर हियर, लोनली आइलैंड के एंडी सैमबर्ग, अकिवा शेफ़र और जोर्मा टैकोन और सीबीएस स्टूडियो द्वारा स्थापित प्रोडक्शन कंपनी। फॉक्स एंटरटेनमेंट और सीबीएस स्टूडियो शो का सह-निर्माण करेंगे। इसने हाल ही में हुलु के लिए प्रशंसित कॉमेडी पेन15 का निर्माण किया है और सैमबर्ग अभिनीत समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म, पाम स्प्रिंग्स का भी निर्माण किया है।

दास जल्द ही जूड अपाटो द्वारा निर्देशित हॉलीवुड फिल्म द बबल में भी नजर आने वाले हैं।

अवसर के अनुरूप

शेफ पूजा ढींगरा की किताब, कमिंग होम, उनके जीवन के सबसे कठिन समय का दस्तावेज है, कहना है आलिया अश्विन का :

''जीवन वही होता है जब आप अन्य योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं।''

यदि हम महामारी के वर्षों को देखें तो जॉन लेनन के शब्द हममें से अधिकांश के लिए कठिन नहीं हो सकते। हम में से प्रत्येक के पास बड़ी योजनाएँ थीं जब 2020 में मध्यरात्रि की शुरुआत हुई और शेफ पूजा ढींगरा कोई अपवाद नहीं थीं। उसकी बेकरी 'ली-15 पैटीसेरी' एक सकारात्मक मोड़ पर थी, शेफ ने जूम कॉल पर चर्चा की कि कैसे महामारी ने उसे व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से गहराई से प्रभावित किया। ''मार्च 2020 में, हमने वास्तव में अपनी 10 वीं वर्षगांठ मनाई थी, और पहली बार मैंने अपने जीवन में अपने आप से कहा, आपने जो हासिल किया है उस पर आपको गर्व होना चाहिए।''

फिर, जीवन और महामारी हुई। ढींगरा के लिए, महामारी का मतलब ऐसे निर्णय लेना था जो उसने कभी नहीं सोचा था कि उसे करना होगा। ''दुनिया भर में एक घातक वायरस था, रेस्तरां की दुनिया प्रभावित हुई और मुझे एहसास हुआ कि हमें अपना आधा कारोबार बंद करना होगा। लेकिन यह अथाह था ... यह आत्मा को कुचलने वाला था'', ढींगरा कहती हैं और निर्णय लेने के बाद से डेढ़ साल की जगह के बावजूद अफसोस की धुंध अभी भी स्पष्ट है। उनकी नवीनतम पुस्तक कमिंग होम उनके जीवन के सबसे कठिन समय के उनके अनुभव का दस्तावेजीकरण करती है।

उस समय शायद उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके कैफे को बंद करने से कितना व्यक्तिगत टोल लगेगा, ''मेरा हर छोटा टुकड़ा इस जगह में था। इसे बंद करना अकल्पनीय था। पहले दो महीने मेरे जीवन के सबसे काले दिनों में से कुछ थे जब मुझे न केवल अपने व्यवसाय के लिए बल्कि अपने स्वास्थ्य और जीवन के लिए भी डर था।'' फिर, बेकिंग के शिल्प का प्यार था, कुछ ऐसा जो 15 साल की उम्र से उसकी खुशी और सांत्वना थी। ''मैं एक अधीर बच्ची थी, और मेरी बुआ सबसे पहले मुझे रसोई में ब्राउनी सेंकने के लिए एक तरीके के रूप में ले गईं। मेरी ऊर्जा को चैनलाइज़ करें। जब मुझे पहली बार पता चला कि मक्खन, चीनी, आटा, अंडे जैसी सरल सामग्री एक साथ कैसे जा सकती है, तो यह जादुई था, और इसने मुझे अधिक से अधिक सेंकना करने के लिए आकर्षित किया, शेफ याद करती हैं।''

अब, महामारी की चपेट में आकर, अपनी बेकरी श्रृंखला को बंद करना पड़ा, जो न केवल एक व्यवसाय था, बल्कि उसकी पहचान के लिए कुछ आंतरिक था, उसका मुकाबला करने का तंत्र शुरू हुआ। ''मैंने एक सप्ताह से अधिक समय तक अपने फोन से हर सोशल मीडिया ऐप को हटा दिया और मैं सो गया और मैंने दोस्तों को देखा। मैं भूल गया कि वह कौन सा दिन था, कौन सा समय था।

मुझे पता था, मुझे यात्रा करनी है'', ढींगरा ने अपनी नई किताब कमिंग होम में उल्लेख किया है।

लेकिन इन कठिन समय से गुजरने से वह और मजबूत हुई। ''इसने (महामारी) ने मुझे यह भी एहसास कराया कि आप डर की जगह से काम नहीं कर सकते। तो, मेरे लिए, यह एक बड़ा, जैसे, मानसिक परिवर्तन भी था, और संकट में अवसर खोजने वाले के बारे में था।''

ढींगरा के लिए, यह महामारी बेकिंग के लिए उसके प्यार को फिर से खोजने के बारे में थी। इस समय के दौरान उनकी यात्रा दृढ़ता की है। वह नए साल के लिए अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को विश्व प्रभुत्व के रूप में वर्णित करती है। वह अन्य देशों में अपने कैफे ली-15 को देखना, अधिक कुकबुक लिखना और पॉडकास्ट देखना बहुत पसंद करेगी। उनका एक निजी लक्ष्य अगले साल माउंट फ़ूजी पर चढ़ना है।

2 | न्यूज-व्यूज
आजीविका मिशन से महिलाओं के चेहरों पर लौटी मुस्कान

6 | अभिमत
दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

12 | विविध
भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 12 अंक 60
लखनऊ, शुक्रवार, 17 दिसंबर, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

कोहली के मामले को बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए
स्पोर्ट्स-11

सरकार ने पेश किया 8479 करोड़ का अनुपूरक बजट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- निराश्रित महिलाओं, वृद्धावस्था और दिव्यांगजन पेंशन राशि 1000 रुपए हुई
- असंगठित क्षेत्र के करीब ढाई करोड़ मजदूरों और करीब 60 लाख पंजीकृत मजदूरों को दिसंबर से मार्च तक मिलेंगे 500 रुपए प्रति माह

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन योगी सरकार ने विधानसभा चुनाव 2022 के पहले गुरुवार को 8 हजार 479 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट विधानसभा में पेश किया। बजट में किसानों व बुजुर्गों के लिए पेंशन सहित प्रदेश के कई हिस्सों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने, खेल व काशी विश्वनाथ के लिए भी धन आवंटित किया गया है। सरकार ने गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले किसानों, वृद्धजनों, विधवाओं और दिव्यांगजनों की पेंशन राशि बढ़ा दी है।

अनुपूरक बजट में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति के लिए पावर कॉरपोरेशन को 10 अरब रुपए, हर घर बिजली योजना के लिए अलग से 185 करोड़ रुपयेए खेल विभाग को 10 करोड़ रुपये, काशी विश्वनाथ दर्शन के लिए 10 करोड़ रुपये, किसान और वृद्धावस्था पेंशन के लिए 670 करोड़ रुपये, सूचना विभाग के लिए 150 करोड़ रुपये और यूपी गौरव सम्मान के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विधानसभा सत्र के दौरान गरीबों, मजदूरों, जरूरतमंदों और महिलाओं के लिए खजाना खोला दिया। मुख्यमंत्री ने निराश्रित महिलाओं, वृद्धावस्था और दिव्यांगजन पेंशन की राशि पांच सौ से एक हजार रुपए बढ़ाने और कुष्ठरोगियों को तीन हजार रुपए प्रति माह, असंगठित क्षेत्र के करीब ढाई करोड़ मजदूरों और करीब 60 लाख पंजीकृत मजदूरों को दिसंबर माह से मार्च तक पांच सौ प्रति माह देने की

घोषणा की है। सदन में अपने अभिभाषण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हर कुष्ठ रोगी को प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना से भी लाभान्वित करने और आयुष्मान भारत की राशि खर्च होने के बाद गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली महिलाओं को पांच लाख अतिरिक्त राशि देने की घोषणा की।

इस दौरान प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने वर्ष 2022-23 के एक भाग के लिए लेखानुदान प्रस्तुत किया। वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने अपने भाषण में कहा कि 2022-2023 में 544836.56 करोड़ रुपये की प्राप्तियां होंगी जिसमें 453097.56 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्तियां, 91739 करोड़ रुपये की पूंजी लेखे की प्राप्तियां, जिसमें 89174 करोड़ रुपये की लोक ऋणों से प्राप्तियां और 2565 करोड़ रुपये की ऋणों और अग्रिमों की वसूली से होने वाली प्राप्तियां सम्मिलित हैं।

अब केवल राम राज्य चाहिए: योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा सत्र के दौरान विपक्ष को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अब इस देश को केवल राम राज्य चाहिए। उन्होंने कहा कि यही विपक्ष कभी राम से परहेज करता था, आज राम को अपना बताने की बात करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदुवंश के नाम पर यह लोग वोट मांगते हैं लेकिन जन्माष्टमी पर्व पर इन लोगों ने पाबंदी लगा दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आस्था का सम्मान करना और आतंकवादियों को ठोकना हमारा काम है। योगी ने कहा कि कहते हैं, समाजवाद ला रहे हैं, यही समाजवाद है। अंधेरा लाना समाजवाद है। गुंडागर्दी समाजवाद है, माफियागीरी समाजवाद है। आतंकवादियों को प्रश्रय देना अगर समाजवाद है, तो ऐसे समाजवाद को तिलांजलि देना ही अच्छा है और उसको तिलांजलि देने के लिए लोगों को तैयार होना ही होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आचार्य रजनीश ने एक बात कही थी कि जो नया समाजवाद है, समाजवाद अमीरों को गरीब बनाता है, गरीबों को गुलाम बनाता है, बुद्धिजिवियों को बेवकूफ बनाता है। केवल अपने स्वार्थ के लिए अपने नेताओं को शक्तिशाली बनाता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज के युग का जो सबसे बड़ा अंधविश्वास है, वह समाजवाद है और इसके कई बहरुपिया ब्रांड है। परिवारवाद समाजवाद, माफियावादी समाजवाद, अराजकतावादी समाजवाद, दंगावादी समाजवाद, आतंकवादी समाजवाद अब ये सभी जो बहरुपिए ब्रांड हैं, प्रदेश की जनता भी अब इस चीज को मानने लग गई है कि समाजवाद एक रेड अलर्ट है और इस रेड अलर्ट से अब मुक्ति मिलनी ही चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को, 1971 के युद्ध में पाकिस्तान पर भारत की जीत और बांग्लादेश के निर्माण के अवसर पर मनाए जा रहे 50वें विजय दिवस पर नई दिल्ली में राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

शाह आज लखनऊ में रैली को करेंगे संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य भण्डारण निगम एवं उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के 155 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का लोकार्पण 17 दिसंबर को अपरान्ह 3 बजे इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में किया जायेगा। इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ, सहकारिता राज्य मंत्री भारत सरकार बीएल वर्मा, सहकारिता राज्य मंत्री उप्र डॉ. संगीता बलवंत, प्रमुख सचिव सहकारिता बीएल मीणा, उप्र कोऑपरेटिव बैंक लि के प्रबंध निदेशक वरुण कुमार मिश्र व राज्य भण्डारण निगम के प्रबंध निदेशक श्रीकांत गोस्वामी सहित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा अमित शाह शुक्रवार को लखनऊ के रमाबाई रैली स्थल में दोपहर 1 बजे निषाद पार्टी एवं बीजेपी द्वारा आयोजित की गई सरकार बनाओ, अधिकार पाओ रैली में प्रतिभागिता करेंगे। रैली में गृह मंत्री के साथ मुख्यमंत्री, निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद सहित प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, दिनेश शर्मा उपस्थित रहेंगे।

मोदी कल गंगा-एक्सप्रेस-वे की रखेंगे आधारशिला

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पीएमओ ने एक बयान में कहा कि देश भर में तेज गति से संपर्क प्रदान करने को लेकर प्रधानमंत्री की दूरदृष्टि ही इस एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रेरणा रही है। करीब 594 किलोमीटर लंबा व छह लेन का यह एक्सप्रेस-वे 36,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित किया जाएगा। मेरठ के बिजौली गांव के पास से शुरू होकर एक्सप्रेस-वे प्रयागराज के जुदापुर दांडू गांव तक जाएगा। यह मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज से होकर गुजरेगा। पीएमओ ने कहा कि पूरी तरह से निर्मित होने के बाद, यह राज्य के पश्चिमी और पूर्वी क्षेत्रों को जोड़ने वाला, उत्तर प्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे बन जाएगा। एक्सप्रेस-वे पर शाहजहांपुर में 3.5 किमी लंबी हवाई पट्टी निर्मित की जाएगी, जो वायु सेना के विमानों को आपातकालीन उड़ान भरने और उतरने में सहायता प्रदान करेगी। एक्सप्रेस-वे के साथ एक औद्योगिक गलियारा बनाने का भी प्रस्ताव है। पीएमओ ने कहा, एक्सप्रेस-वे से औद्योगिक विकास, व्यापार, कृषि, पर्यटन आदि क्षेत्रों को बढ़ावा मिलेगा। इससे क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

शिवपाल से मिले अखिलेश गठबंधन को लेकर हुई चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गुरुवार को प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अपने चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात करने लखनऊ स्थित उनके आवास पर पहुंचे। करीब आधा घंटे चली इस मुलाकात के बाद समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मध्य गठबंधन होना लगभग तय है। दोनों नेताओं के बीच होने वाले गठबंधन को लेकर अखिलेश यादव ने ट्वीट कर बयान भी जारी कर दिया। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को घेरने के लिए आखिरकार सपा मुखिया अखिलेश यादव और शिवपाल एक मंच पर आने के लिए तैयार हो गए। अखिलेश यादव गुरुवार को चाचा शिवपाल यादव से मुलाकात करने लखनऊ स्थित उनके आवास पर पहुंचे। करीब आधा घंटे चली इस मुलाकात के बाद समाजवादी पार्टी और प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के गठबंधन के अटकलें बढ़ गई हैं। पिछले कई मौकों पर शिवपाल यादव की तरफ से गठबंधन की बात कही जाती रही है, लिहाजा आज की मुलाकात, चुनावों से पहले एक बड़ा सियासी घटनाक्रम माना जा रहा है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट करके प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं अपने चाचा शिवपाल सिंह यादव से मुलाकात की।

सरकारी बैंक कर्मियों की हड़ताल से कामकाज प्रभावित

भाषा। नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लाखों कर्मचारियों ने सरकारी बैंकों के निजीकरण के विरोध में बृहस्पतिवार को दो दिन की हड़ताल शुरू कर दी जिससे देश भर में बैंकों का कामकाज प्रभावित रहा। ग्राहकों को हड़ताल की जानकारी देने के साथ भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ इंडिया जैसे सरकारी बैंकों की कई शाखाएं बृहस्पतिवार को बंद रहीं। शुक्रवार को भी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

यह हड़ताल अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और राष्ट्रीय बैंक कर्मचारी संगठन (एनओबीडब्ल्यू) सहित नौ बैंक संघों मंच यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने बुलाई है। शाखाओं में जमा और निकासी, चेक समाशोधन और ऋण मंजूरी जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, कई जगहों पर एटीएम सही तरह से काम कर रहे थे। एआईबीईए के महासचिव सी एच वेंकटचलम के मुताबिक बृहस्पतिवार को 18,600 करोड़ रुपए के 20.4 लाख चेक से जुड़ा लेनदेन नहीं हो सका।

एसबीआई सहित सरकारी बैंकों ने ग्राहकों को पहले ही सूचित कर दिया था कि हड़ताल के कारण उनकी शाखाओं में सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक जैसे निजी क्षेत्र के बैंकों में कामकाज सामान्य दिनों की तरह रहा। हालांकि अंतर-बैंक चेक समाशोधन प्रभावित हुआ। उधर, महाराष्ट्र में यूएफबीयू के राज्य समन्वयक देवीदास तुलजापुरकर ने कहा कि मुंबई के आजाद मैदान में 5,000 बैंक कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया।

जम्मू-कश्मीर में मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकवादी मारे गए

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बुधवार देर रात जिले के रेडवानी इलाके की घेराबंदी करके एक तलाशी अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलीबारी किए जाने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में तब्दील हो गया। प्रवक्ता ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के हुई गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादियों की पहचान आमिर बशीर डार और आदिल यूसुफ शान के रूप में हुई है, जो लश्कर-ए-तैयबा की शाखा द रेसिस्टेंस फ्रंट से थे। उन्होंने कहा, पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मारे गए दोनों आतंकवादी कई आतंकी अपराधों में शामिल समूहों का हिस्सा थे जिनमें सुरक्षा बलों पर हमले और नागरिकों पर अत्याचार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों के पास से दो पिस्तौल, दो मैगजीन, पिस्तौल की सात गोलियां और एक ग्रेनेड सहित अन्य सामग्री बरामद की गई है।

बाजार

सेंसेक्स	57,901	113	
निफ्टी	17,248	27	
सोना	47,405	209	/10g
चांदी	60,179	617	/kg

क्विक न्यूज

अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति स्वतः नहीं: शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकारी कर्मचारी की मृत्यु के बाद अनुकंपा के आधार पर किसी आश्रित की नियुक्ति स्वतः नही हो सकती, बल्कि यह परिवार की वित्तीय स्थिति, मृतक पर आर्थिक निर्भरता और परिवार के अन्य सदस्यो के व्यवसाय सहित विभिन्न मानको की कड़ी जांच पर आधारित होती है। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति वी. रमासुब्रमण्यम की पीठ ने कहा कि यदि अनुकंपा नियुक्ति सेवा की शर्तो मे से एक है और किसी भी प्रकार की जांच के बिना किसी कर्मचारी की मृत्यु पर स्वतः हो जाती है, तो इसे कानून मे निहित अधिकार के रूप मे माना जाएगा। पीठ ने कहा, लेकिन ऐसा नही है। अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति स्वतः नही होती है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

भाषा। नई दिल्ली

सीबीआई ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस एन शुक्ला के खिलाफ भ्रष्टाचार के एक मामले में अपने आदेशों में एक निजी मेडिकल कॉलेज को कथित तौर पर फायदा पहुंचाने के लिए आरोपपत्र दाखिल किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश पर मुकदमा चलाने के लिए सरकार से अनुमति मिलने के बाद शुक्ला के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया है।

सीबीआई ने अन्य आरोपियों के साथ दिसंबर 2019 में भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) और भ्रष्टाचार निवारण कानून के प्रावधानों के तहत न्यायमूर्ति शुक्ला के खिलाफ मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने अपनी प्राथमिकी में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति शुक्ला के अलावा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आई एम कुद्दुसी, प्रसाद शिक्षा ट्रस्ट के भगवान प्रसाद यादव और पलाश यादव, ट्रस्ट और भावना पांडे और सुधीर गिरी को भी नामजद किया था।

प्राथमिकी में कई अन्य आरोपियों के नाम भी आरोपपत्र में शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि कि प्रसाद इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज को मई 2017 में घटिया सुविधाओं और आवश्यक मानदंडों को पूरा नहीं करने के कारण छात्रों को दाखिला देने से रोक दिया गया था। इसके साथ ही 46 अन्य मेडिकल कॉलेजों को भी इसी आधार पर प्रतिबंधित कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि रोक के फैसले को ट्रस्ट ने एक रिट याचिका के जरिए उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी।

लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 21 साल करने की तैयारी

भाषा। नई दिल्ली

- संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ही आ सकता है विधेयक

सरकार ने लड़कियों के विवाह की न्यूनतम कानूनी आयु को 18 साल से बढ़ाकर पुरुषों के बराबर 21 साल करने का फैसला किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को पुरुषों एवं महिलाओं के विवाह की न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, सरकार बाल विवाह (रोकथाम) अधिनियम, 2006 को संशोधित करने संबंधी विधेयक संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में ला सकती है।

उन्होंने कहा कि यह प्रस्तावित विधेयक विभिन्न समुदायों के विवाह से संबंधित पर्सनल लॉ में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रयास कर सकता है ताकि विवाह के लिए आयु में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। मौजूदा कानूनी प्रावधान के तहत लड़कों के विवाह लिए न्यूनतम आयु 21 साल और लड़कियों के लिए 18 साल निर्धारित है। विवाह से जुड़ी न्यूनतम आयु में एकरूपता लाने का यह निर्णय उस समय किया गया है जब इससे एक साल पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सरकार इस बारे में विचार कर रही है कि महिलाओं के लिए न्यूनतम आयु क्या होनी चाहिए। यह निर्णय समता पार्टी की पूर्व अध्यक्ष जया जेटली की अध्यक्षता वाले कार्यबल की अनुशंसा के आधार पर लिया गया है। इस निर्णय के बारे में जया जेटली ने कहा कि दो प्रमुख कारणों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, यहि प्रत्येक क्षेत्र में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण की बात करते हैं तो

फिर विवाह में ऐसा क्यों नहीं कर सकते। यह बहुत ही विचित्र बात है कि लड़की 18 साल की आयु में शादी के योग्य हो सकती है, जबकि इस कारण उसके कॉलेज जाने का अवसर खत्म हो जाता है।

दूसरी तरफ, लड़के के पास अपने जीवन और जीविका के लिए तैयार होने का 21 साल की आयु तक अवसर होता है। जेटली ने कहा कि लड़कियां को भी कमाने और पुरुषों के बराबर होने का अवसर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हमने बहुत सारे लोगों की राय ली, लेकिन इसमें युवा प्रमुख रूप से शामिल थे। हमने विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और ग्रामीण इलाकों में युवाओं से बात की और इनकी राय यही थी कि शादी की आयु 22 या 23 साल होनी चाहिए। सभी धर्म के मानने वालों की समान राय थी और यह बहुत ही सुखद बात थी। जेटली ने बताया कि कार्यबल ने अपनी रिपोर्ट पिछले साल दिसंबर में प्रधानमंत्री कार्यालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और नीति आयोग को सौंपी थी। इस कार्यबल में नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी.के. पॉल, उच्च शिक्षा, स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, विधाई कार्य विभागों के सचिव, नजमा अख्तर, वसुधा कामत और दीप्ति शाह जैसे शिक्षाविद भी शामिल थीं। उधर, ऑक्सफैम इंडिया की प्रमुख विशेषज्ञ अमिता पित्रे ने कहा कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 5 की रिपोर्ट से पता चलता है कि अब 18 साल की कम उम्र में लड़कियों के शादी करने की संख्या 23 प्रतिशत हो गई जो इससे पहले के सर्वेक्षण में 27 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा, आज भी 50 से 60 प्रतिशत शादियां 21 साल की उम्र से पहले होती हैं। ऐसे में न्यूनतम आयु 21 साल करने से भविष्य में ऐसी सभी शादियां अपराध की श्रेणी में आ जाएंगी।

उच्च और मध्य वर्ग में अब शादियां आमतौर पर 21 साल से अधिक उम्र में ही होती हैं। पापुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने कहा कि इस मामले में कानूनी कदम यह बीमारी की जड़ की बजाय लक्षणों का उपचार करने जैसा है। उसने एक बयान में कहा, कम उम्र की शादियों या जबरन विवाह के पीछे कई प्रमुख कारण मसलन लैंगिक असमानता, पुरातन सामाजिक व्यवस्थाएं, वित्तीय असुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी और रोजगार के अवसर का अभाव हैं।

पिछली सरकारों में नियुक्तियों में होती थी पैसों की वसूली: योगी

शिक्षा, गन्ना, सिंचाई, सचिवालय और प्रशासनिक अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर नियुक्तियों के नाम पर पैसों की भारी वसूली किये जाने का आरोप लगाते हुये कहा पिछले पांच वर्ष के दौरान हमारी सरकार ने अपने परिश्रम से बहुत कुछ बदला है। सरकार बदलने तब तक कुछ नहीं बदलता जब तक अधिकारियों को सकारात्मक और अच्छे वातावरण न मिले। यह मौका सरकार ने दिया। सरकार ने सभी चयन करने वाली संस्थाओं को पूरी पारदर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इसके साथ चयनित अभ्यर्थियों को बिना भय और राजनीतिक दबाव के प्रदेश की जनता के लिए काम कर सके इसका वातावरण तैयार किया गया। पिछली सरकारों ने इस प्रदेश को बिना रीढ़ की हड्डी बना दिया था। हम आप जैसे चयनित लोगों के साथ देश में प्रदेश को नम्बर एक पर लाने की मंशा रखता हूं। हमारी सरकार ने केन्द्र की 50 योजनाओं को लागू करके देश का नम्बर वन की जगह पर खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बाते राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2020 के चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 34 जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, 173 समीक्षा अधिकारी, सिंचाई विभाग के 208 सहायक अभियंता और 236 आशुलिपिक, 58 उपजिलाधिकारी, 43 वरिष्ठ प्रवक्ता जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान और गन्ना विभाग के 398 गन्ना पर्यवेक्षक 10 ज्येष्ठ गन्ना पर्यवेक्षक को नियुक्ति पत्र दिए।

मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकार में ऐसी कोई चयन संस्था नहीं थी जो नियुक्ति के नाम पर पैसा न वसूलती हो। पहले 42 से 65 लाख रुपये लेकर एसडीएम की नियुक्ति का काम किया जा रहा था। इसकी सीबीआई जांच अभी चल रही है। पहले जो योग्य थे उनसे भी पैसा लिया जाता था। यह पुलिस, प्रशासनिक सभी नियुक्तियों में पैसा लिया जा रहा है। केवल नियुक्ति ही नहीं पोस्टिंग पर भी खूब धांधली होती थी। हमारी सरकार में पूरी ईमानदार और प्रतिबद्धता के साथ नियुक्तियां की जा रही हैं। हमें जैसे लगा कि कोई चयनित संस्था गड़बड़ कर रही है तो जेल भेजने का काम भी हमने किया। अगर परीक्षा में कुछ गड़बड़ हुआ तो उस परीक्षा को रद्द करके फिर से उसे आयोजित करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें कोरोना महामारी की वजह से दो वर्ष काम करने का मौका ही नहीं मिला। लेकिन तीन वर्ष के कार्यकाल में यह प्रदेश देश की दो नम्बर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। आज हमारी कानून व्यवस्था देश के लिए एक नजीर बना हुआ है। सभी माफिया जो सत्ता का संचालन करते थे या जेल में हैं या मारे मारे घूम रहे हैं। आज की स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि कोई भी निवेश करने वाला वहीं जाता है जहां अच्छी कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश होता है। प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय दो गुनी हुई है। भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को लागू किया गया है। चाहे वह स्टार्टअप, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना में 15 स्थान के मुकाबले एक नम्बर पर है। आज धारणा बदली है प्रदेश के नाम आते ही कानून व्यवस्था, उन्नति विकास के नाम पर सराहना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हम सपा सरकार की तरह काम करते तो ज्यादातर स्कूलों में ताले लटकते मिलते। हमने एक लाख 30 हजार विद्यालयों की कायाकल्प बदलने का काम किया है। आज विद्यालय हैं जहां स्मार्ट क्लास हैं, शौचालय हैं, लाइब्रेरी है, साफ सफाई है। बच्चों को यूनिफार्म, स्कूल बैग, स्वेटर दिए। हमने सभी बालिकाओं को जूते-मोजे समेत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई। आज यह बच्चे भी अच्छा स्वेटर जूते मोजे पहन सकते हैं, अच्छी पढ़ाई कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में महाराष्ट्र में आधी चीनी मिलें बंद हो गई। हमारी सरकार ने प्रदेश में कोरोना काल के समय सभी 121 चीनी मिलों का संचालन किया। सुरक्षा के लिए हेल्प डेस्क बनाया, कोरोना जांच कराई सभी सावधानियां बरती गईं।

पीएम के सम्बोधन में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुये सीएम

लखनऊ। प्राकृतिक खेती-राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्बोधित में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सरकारी आवास से वर्चुअल माध्यम से शामिल हुये। यह सम्मेलन आणंद गुजरात में आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक कृषि पर आधारित यह राष्ट्रीय सम्मेलन देश में कृषि सेक्टर, खेती किसानों के लिए महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन से 8 करोड़ से अधिक किसान तकनीकी माध्यम से देश के हर कोने से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती पर आधारित यह सम्मेलन कृषि के विभिन्न आयाम, फूड प्रोसेसिंग, नैचुरल फार्मिंग इत्यादि विषय पर 21वीं सदी में भारतीय कृषि का कायाकल्प करने में सहायक सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से जुड़े इस प्राचीन ज्ञान को हमें न सिर्फ सीखने की जरूरत है बल्कि आधुनिक समय में तराशने की जरूरत है। इस दिशा में हमें नए सिरे से शोध करने होंगे। प्राचीन ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक फ्रेम में ढालना होगा। उन्होने देश के हर राज्य एवं राज्य सरकार आग्रह किया कि वो प्राकृतिक खेती को जनआंदोलन बनाने के लिए आगे आएं।

गृह राज्यमंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस आक्रामक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखीमपुर हिंसार कांड में केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस के विधायकों ने बृहस्पतिवार को लगातार दूसरे दिन विधानसभा तक मार्च किया। मार्च में बड़ी तादाद में कांग्रेस के कार्यकर्ता भी शामिल हुए। पुलिस ने इस मार्च को रोकने की कोशिश की लेकिन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में मार्च विधानसभा तक गया। जहां मुख्यद्वार पर कांग्रेस विधानमंडल दल के सदस्यों ने टेनी की बर्खास्तगी की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की और धरना दिया। आज पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट ने साबित किया है कि लखीमपुर नरसंहार एक साजिश का नतीजा था लेकिन इस साजिश के सूत्रधार केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी को पीएम मोदी और गृहमंत्री अमितशाह बचाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस विधायकों ने टेनी की गिरफ्तारी को लेकर कल भी विधानसभा मार्च किया था और आज पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालय पर कांग्रेस कमेटियों की ओर से प्रदर्शन किया गया। लल्लू ने कहा कि भाजपा की केन्द्र एवं प्रदेश की सरकार अजय कुमार मिश्रा टेनी को अनैतिक संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता के संरक्षण की वजह से आरापितों का मनोबल आसमान पर है। सत्ता का अहंकार सिर चढ़कर बोल रहा है। यही वजह है कि सवाल पूछने वाले टीवी पत्रकार को भी धमकाने से गृहराज्यमंत्री बाज़ नहीं आये।

कानून-व्यवस्था को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेरा

विधानसभा की कार्यवाही

- सदन के भीतर सरकार के खिलाफतख्तियां लहराई गयी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधान मंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन गुरुवार को विधानसभा में विपक्ष ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा और केंद्रीय गृहराज्यमंत्री अजय मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग पर विपक्ष अड़ गया। वेल में आकर सपा और कांग्रेस ने हंगामा किया। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही को दो बार स्थगित करनी पड़ी। सदन की कार्यवाही जैसे ही 11 बज शुरू हुई वैसे ही सपा, कांग्रेस और सुभासपा के सदस्य कानून व्यवस्था तथा लखीमपुर खीरी की घटना पर केन्द्रीय ग्रह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर वेल में आ गए। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। शोर शराबे और हंगामें के चलते प्रश्नकाल नहीं हो सका और सभी प्रश्न उत्तरित मान लिए गए। इसी हंगामे के कारण संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने खन्ना ने 5 लाख 45 हजार करोड़ का लेखानुदान और 8500 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया। शोरशराबे और हंगामें के चलते सदन की कार्यवाही पहले आधे घंटे फिर 12.20 मिनट के लिए दो बार स्थगित की गयी। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष रामगोबिन्द चौधरी ने चंदौली के सकलडीहा के विधायक प्रभुनाथ नाथ यादव व सपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान की गयी पुलिस कार्यवाही के विरोध में और कांग्रेस ने लखीमपुर की घटना को लेकर केन्द्रीय ग्रहराज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर वेल में आकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

केंद्रीय गृहराज्यमंत्री के मसले पर सत्ता पक्ष व विपक्ष में तीखी-नोंकझोंक

लखनऊ। विधान सभा में गुरूवार को केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी को लेकर विपक्ष ने सरकार पर सवालों पर तीखे हमले किए। विपक्ष इस मसले पर नियम-56 के तहत चर्चा कराए जाने की मांग की जा रही थी जो सरकार ने अस्वीकार दी लेकिन जब विवाद अधिक हो गया विधानसभाध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित की सहमति के बाद नियम 56 के तहत स्वीकत सूचनाओं पर चर्चा शुरू हुई। कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में तीन अक्तूबर की घटना का उल्लेख करते हुए राज्यसरकार पर आरोपियों को बचाए जाने का आरोप लगाया साथ ही उन्होंने मांग की कि इस घटना के मुख्य आरोपी आशीष मिश्र के पिता अजय मिश्र टेनी जो कि केन्द्र में गृहराज्यमंत्री है को बर्खास्त किया जाए।

उन्होंने कहा कि उक्त घटना के बाद जो विपक्ष के जो नेता पीड़ित परिवारों कों सांत्वना देने जा रहे थे उन्हे भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। उन्होंने कहा कि जब तक गृहराज्यमंत्री को बर्खास्त हुए बिना उक्त घटना में न्याय की उम्मीद नहीं की जा सकती। जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जो मामला न्यायालय में विचाराधीन है उस पर सदन में चर्चा नहीं की जा सकती। चूंकि इस प्रकरण को सदन के संज्ञान में लाया गया है और पूर्व में इसमें राज्य सरकार द्वारा जो कार्रवाई की गयी है उससे अवगत कराना भी अपरिहार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में राज्य सरकार कोर्ट के हस्तक्षेप के बिना तत्परता दिखाते हुए जो कार्रवाई की उसी का नतीजा है कि आज गृहमंत्री का पुत्र जेल में है और घटना की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी गठित की गयी है। पीड़ित परिवारों को मुआवजा दिया गया। संसदीय कार्यमंत्री के इस जवाब से अंसतुष्ट कांग्रेस के सदस्यों ने सरकार पर आरोपियों को बचाए जाने का आरोप लगाते हुए सदन से वाकआउट किया। नियम 56 में समाजवादी पार्टी के चंदौली के सकलडीहा क्षेत्र के विधायक प्रभुनाथ यादव ने कानून व्यवस्था और किसानो की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं पर किए गए लाठीचार्ज की घटना का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस के अधिकारियों ने उनके साथ भी अभद्रता की। जवाब में संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे सपा कार्यकर्ताओं ने स्वयं पुलिस वालों के साथ अभद्रता की, उनके अधिकारियों के साथ हाथापाई की गयी। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि विरोध प्रदर्शन के नाम पर किसी को कानून हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती। नेता प्रतिपक्ष की मांग और विधानसभाध्यक्ष के निर्देश पर सरकार ने इस प्रकरण पर जांच कराए जाने का आश्वासन दिया।

लखीमपुर खीरी कांड को लेकर सपा सदस्यों का हंगामा

विधान परिषद की कार्यवाही

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन आज विधान परिषद की कार्यवाही भारी हंगामे के बीच चली। कार्यवाही शुरु होते ही समाजवादी पार्टी ने लखीमपुर खीरी केस की एसआइटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने और गृह राज्यमंत्री टेनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर वेल में आकर नारेबाजी व हंगामा किया।

प्रश्नकाल प्रहर प्रारम्भ होने पर सपा के नरेश उत्तम ने लखीमपुर खीरी में किसानों की हत्या के मामले को उठाया। सपा सदस्य मामले की एसआईटी जांच रिपोर्ट पर चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। मामले को लेकर उत्तेजित सपा के सभी सदस्य उत्तेजित हो गये तथा नारेबाजी करते हुये वेल में आ गये। भारी शोर शराबे के कारण सदन की कार्यवाही को 15 मिनट के स्थगित करना पड़ा। इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर सबसे पहले नेता सदन ने वित्तीय वर्ष 2021-2022 के द्वितीय अनुपूरक अनुदानों की मांगों तथा वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आय व्ययक अन्तरिम को भी प्रस्तुत किया। प्रश्नकाल समाप्त होने पर ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह के निधन पर अपनी शोक संवेदना व्यक्त की। सम्पूर्ण सदन ने मृत आत्मा की शांति के लिए कुछ क्षण खड़े होकर मौन धारण किया।

शून्यकाल के दौरान सपा के अमित यादव ने प्रवीन सोलंकी प्रभारी निरीक्षक थाना कटरा शाहजहांपुर द्वारा अभद्रतापूर्वक व्यवहार किये जाने पर विषेषाधिकार हनन की सूचना दी। जिस पर सभापति ने यह प्रकरण नेता सदन को दिखवा लेने के निर्देश दिये। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने गोण्डा के देवीपाटन मण्डल में शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा निर्धारित कार्यक्रम में अनुपस्थित होकर अपमानित करने पर विषेषाधिकार हनन का मामला उठाया।

सपा के शतरूद्र प्रकाश ने ग्राम विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार द्वारा सभापति निर्देश का पालन न करने पर विषेषाधिकार हनन उठाया। जिसपर सभापति ने नेता सदन को एक माह में इस पर कार्यवाही कराने के निर्देश दिये। कांग्रेस के दीपक सिंह ने राजधानी लखनऊ के अन्तर्गत हजरतगंज चौराहे से बापूभवन चौराहे तक रात्रि 10 बजे से प्रात: 8 बजे तक बन्द किये जाने पर आर्टिकल 19 के उल्लंघन के किये जाने के संबंध में औचित्य के प्रश्न की सूचना दी। शिक्षक दल के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने अम्बेडकर नगर में स्थित सुभाष राष्ट्रीय इण्टर कालेज के प्रबन्धक द्वारा शिक्षकों एवं कर्मचारियों को समय से वेतन भुगतान न किये जाने के संबंध में सूचना दी। सभापति ने सूचना को अग्राह्य किया। सपा के अहमद हसन, राम सुन्दर दास निषाद एवं अन्य सदस्यों ने प्रदेश में कानून व्यवस्था समाप्त होने तथा लखनऊ महानगर के अन्तर्गत तिरूपति ज्वैलर्स प्रतिष्ठान में दिनदहाड़े लूटपाट के संबंध में सूचना दी। सूचना की ग्राह्यता पर सपा के मिस्बाहुद्दीन, वासुदेव यादव, डा मान सिंह यादव एवं राम सुन्दर दास निषाद एवं भाजपा के जल शक्ति मंत्री डा महेन्द्र सिंह ने विचार व्यक्त किये। नेता सदन ने सदन को तथ्यों से अवगत कराया। अधिष्ठाता जयपाल सिंह व्यस्त ने सूचना पर कार्यस्थगन अस्वीकार कर सरकार को कार्यवाही के निर्देश दिये।

69 हेड जेल वार्डर उप कारापाल के पद पर प्रोन्नत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा अपराध नियंत्रण पर प्रभावी कार्यवाही के राज्य सरकार द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं, वहीं कारागार विभाग में कार्यरत कर्मियों को भी समय से पदोन्नतियां प्रदान की जा रही हैं। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि आज उत्तर प्रदेश कारागार सेवा संवर्ग में हेड जेल वार्डर के पद पर तैनात 69 कार्मिकों को उप कारापाल के पद पर प्रोन्नत किया गया है। प्रदेश के जिन 69 हेड जेल वार्डर को उप कारापाल के पद पर पदोन्नति प्रदान की गयी है उन अधिकारियों में विश्वनाथपुरी, अबसार अहमद, हरिप्रसाद मिश्रा, अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव, लालचन्द ओझा, राम प्रवेश चैरसिया, मो एहसान, राम प्रकाश सिंह, महेन्द्र सिंह, लालाराम, उमेश बाबू, जगवीर सिंह चौहान, मुन्नालाल, पुरूषोत्तम सरन, प्रेम नारायण, श्यामा चरण, आनन्द कुमार, सुरेन्द्र कुमार गौतम, नरेन्द्र कुमार, मोतीलाल, अमर सिंह, धर्मेन्द्र सिंह हैं। इसी कड़ी में राजेन्द्र कुमारी, सुखवती देवी, कृष्णा कुमारी, कमलेश देवी, मिथलेश भदौरिया, मनोरमा सिंह, लक्ष्मी देवी, रेनू वैदिक, किरन देवी, कुसुम, शारदा देवी, रीता सागर, शीला देवी, संयोगिता यादव, रत्ना सिंह, रामसिया, गीतारानी, माया सिंह, आरती शर्मा, सुलेखापाल, रोशनआरा, रीना तिवारी, आदि को भी प्रोन्नति प्रदान की गई है।

युनाइटेड इंडिया इन्श्योरेन्स कंपनी लि.
क्षेत्रीय कार्यालय, आरिफ चैम्बर्स-1, द्वितीय एवं तृतीय तल, कपूरयला, अलीगंज, लखनऊ-226024, फोन : 0522-4241167

सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर प्रदेश में स्थित 5 माइक्रो कार्यालय, अट्टारा, कबरई, रोजा, नयोरिया हुस्सा एवं कोसी को दिनांक 31.01.2022 से बंद किया जा रहा है। जनसामान्य से आग्रह है कि वे युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कं० लि० के नजदीकी कार्यालय से सम्पर्क कर सकते हैं।

क्र.	नाम	बीमाधारकों की सेवा हेतु वैकल्पिक कार्यालय
1.	अट्टारा	मण्डल कार्यालय-झांसी, फ्लोर नं.1, नंदनपुरा चौराहा, शिवपुरी रोड, झांसी, उ.प्र.-284003 फोन नं.-0510-2380197, 2380179, ई-मेल-082200@uiic.co.in
2.	कबरई	मण्डल कार्यालय-झांसी, फ्लोर नं.1, नंदनपुरा चौराहा, शिवपुरी रोड, झांसी, उ.प्र.-284003 फोन नं.-0510-2380197, 2380179, ई-मेल-082200@uiic.co.in
3.	रोजा	मण्डल कार्यालय-शाहजहाँपुर, सिंह हॉस्पिटल बिल्डिंग, फ्लोर नं. 0, सदर बाजार, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242001, फोन नं.-05842-222161, 223019, ई-मेल-082600@uiic.co.in
4.	नयोरिया हुस्सा	मण्डल कार्यालय-शाहजहाँपुर, सिंह हॉस्पिटल बिल्डिंग, फ्लोर नं. 0, सदर बाजार, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242001, फोन नं.-05842-222161, 223019, ई-मेल-082600@uiic.co.in
5.	कोसी	मण्डल कार्यालय-मथुरा, फ्लोर नं. 0, सिविल लाइन्स, नियर पेट्रोल पम्प, मथुरा, उ.प्र.-281001, फोन नं.-0565-2500727, 2501735, ई-मेल-082900@uiic.co.in

दिनांक 17.12.2021 उप महाप्रबन्धक
IRDAI पंजीयन सं० - 545 CIN. U93090TN1938GOI000108 www.uiic.co.in

कार्यालय-नगर पालिका परिषद खलीलाबाद, जनपद-संतकबीरनगर

पत्रांक-2719/न0पा0 दिनांक-16.12.2021

अल्पकालिक ई-टेण्डर सूचना

नगर पालिका खलीलाबाद को पेयजल हेतु व्यवस्था आयोग के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से पाइप लाइन विस्तार कार्य हेतु आन लाइन निविदा आमंत्रित किया जाता है, आन लाइन निविदा दिनांक 30.12.2021 को 01.00 बजे तक कार्यालय में प्राप्त करायी जायेगी। आन लाइन निविदा दिनांक 30.12.2021 को अपरान्ह 04.00 बजे से निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी निविदा उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्योरमेन्ट की वेबसाइट htt://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। नगर पालिका परिषद खलीलाबाद सीमान्तर्गत फर्म को ही वरीयता दी जायेगी। नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में उपस्थित होकर अवलो. कन कर सकते है।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
खलीलाबाद, संतकबीरनगर

कार्यालय जिला पंचायत, फतेहपुर

पत्रांक-475/जि0पं0/e-tender/2021-22 दिनांक-14.12.2021

संशोधित ई-निविदा सूचना

कार्यालय के पत्र सं0 452 दिनांक 06.12.2021 (संशोधित ई-निविदा सूचना) द्वारा राज्य वित्त आयोग के सापेक्ष जनपद की विभिन्न ग्राम पंचायतों में एल0ई0डी0 का क्रय एवं स्थापना के कार्यों को सम्पादित कराने हेतु मा0 अध्यक्ष महोदय, जिला पंचायत, फतेहपुर से प्राप्त स्वीकृति के क्रम में जिला पंचायत, फतेहपुर में पंजीकृत ठेकेदारों के साथ-साथ उ0प्र0 के सरकारी विभागों (सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग) में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रतिशत दर के आधार पर ऑन लाईन निविदा 15.12.2021 तक आमंत्रित की गयी है। मा0 अध्यक्ष महोदय की आदेश दिनांक 14.06.2021 के अनुपालन में उक्त आमंत्रित निविदाओं की तिथियों को बढ़ाते/संशोधन करते हुये निविदायें दिनांक 17.12.2021 तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का सम्पूर्ण विवरण मय शर्तों व बिल ऑफ क्वांटिटी सहित वेबसाइट http://etender.up.nic.in दिनांक 10.12.2021 समय 12:00 बजे मध्यान्ह से 17.12.2021 समय 12:00 बजे मध्यान्ह तक डाउनलोड/अपलोड/सबमिट किया जा सकता है, जिसकी तकनीकी निविदायें उसी दिन अपरान्ह 3:00 बजे खोली जायेगी। निविदा से संबंधित समस्त शर्ते आदि पूर्ववत् रहेंगी।

अपर मुख्य अधिकारी **अध्यक्ष**
जिला पंचायत, फतेहपुर **जिला पंचायत, फतेहपुर**

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मेरी ग्रीन बुक एवं रजिस्ट्रेशन नं0 100044 की मूल प्रति वास्तव में खो गयी। सरिता पुत्री श्री बसंत पता ग्रा0 व पो. कमरवा मऊ उ.प्र.

सूचना

मैंने पुत्र सुनील गुप्ता व पुत्रवधू कमला गुप्ता के गलत चाल-चलन तथा नाना प्रकार से प्रताड़ित करने से परेशान होकर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूं। इनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य में मेरा कोई वास्ता व सरोकार नहीं है। गीता गुप्ता पत्नी श्रवण कुमार गुप्ता निवासिनी-433/332, रामनगर, बालागंज, थाना सआदतगंज लखनऊ

अपहृता की तलाश

अपहृता की तलाश

नाम - कुमारी सुनैना
पिता - श्री कैलाश
आयु - 17 वर्ष
कद - 5.3 इंच
रंग - गेहुँवा
पहनावा - काला सूट, पैरों में चप्पल

जो दिनांक 28.10.2020 को समय प्रात: 10 बजे घर से चली गई थी जिनके संबंध में कोतवाली नगर सीतापुर में मु.अ.सं. 766/20 धारा 363/366 भादवि पंजीकृत है। काफी तलाश के बाद कोई जानकारी नहीं मिली है। यदि कोई सूचना मिलती है तो कोतवाली नगर के मोबाइल नं0 9454404261 व मो.नं. 9454409322 पर सूचित करने की कृपा करें। सूचना गुप्त रखी जायेगी।

अमेठी में कल कांग्रेस निकालेगी प्रतिज्ञा यात्रा, राहुल व प्रियंका भी होंगे शामिल

- 19 दिसंबर को रायबरेली में कांग्रेस महासचिव महिलाओं के साथ करेंगी शक्ति संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र और यूपी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ़ कांग्रेस का जनअभियान लागातार जारी है। इसके तहत भाजपा भगाओ महंगाई हटाओ नारे के साथ 18 दिसंबर को अमेठी में प्रतिज्ञा पदयात्रा निकाली जाएगी। जिसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी शामिल होंगी। वहीं 19 दिसंबर को रायबरेली में शक्ति संवाद् होगा जहां प्रियंका गांधी महिलाओं के साथ कांग्रेस के महिला घोषणपात्र पर बातचीत करेंगी। इसके अलावा 19 दिसंबर को ही प्रतापगढ़ में किसान रैली, मेरठ में मैराथन दौड़ और शाहजहांपुर में अशफाक़उल्लाह ख़ां के शहादत दिवस पर विशेष आयोजन होगा। यूपी कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग के वाइस चेयरमैन डॉ. पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रतिज्ञा यात्रा दिन में 10 बजे जगदीशपुर से शुरू होकर हरीमऊ तक जाएगी। यात्रा के समापन पर एक विशाल जनसभा होगी जिसे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के अलावा पार्टी के कई बड़े नेता भी संबोधित करेंगे।

डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि 19 दिसंबर को रायबरेली में शक्ति संवादष् का आयोजन किया गया है। रायबरेली की ज़िला अस्पताल के निकट रिफॉर्म क्लब मैदान में ये शक्ति संवाद शुरू होगा जिसमें 5 हज़ार महिलाओं की भागीदारी होगी। प्रियंका गांधी महिलाओं के साथ कांग्रेस के महिला घोषणापत्र के तमाम बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करेंगी। 19 दिसंबर को ही प्रतापगढ़ में किसान रैली होगी जिसे गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल संबोधित करेंगे। इसके अलावा मेरठ में लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान के तहत मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया है।

आजीविका मिशन से महिलाओं के चेहरों पर लौटी मुस्कान

- मास्क बना महिलाओं की कमाई का अहम जरिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका से प्रदेश की ग्रामीण महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मिशन शक्ति अभियान के साथ ही राज्य ग्रामीण अजीविका मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं से महिलाओं को सीधे तौर पर लाभ मिल रहा है। स्वयं सहायता समूह के जरिए महिलाएं रोजगार की मुख्यधारा से जुड़कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं। कोरोना काल में इन स्वयं सहायता समूहों ने प्रदेश में ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करने के साथ ही बड़े स्तर पर मास्क व पीपीई किट तैयार किए ।

साल 20-21 में स्वयं सहायता समूह की 20,386 सदस्यों द्वारा 1.23 करोड़ मास्क, 1,223 सदस्यों द्वारा 50,714 पीपीई किट और 559 सदस्यों द्वारा 19,921 लीटर सैनिटाइजर का उत्पादन किया गया। इस साल अब तक 15 लाख से अधिक मास्क का निर्माण समूह की महिलाओं की ओर से किया जा चुका है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक भानु गोस्वामी ने बताया कि प्रदेश सरकार की लाभकारी योजनाओं की जानकारी ग्रामीण महिलाओं को देते हुए लघु कुटीर व्यापार से जोड़ उनको रोजगार के नए अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। जिससे अब महिलाएं अपने संग अपने आस पास की महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का काम कर रही हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ओर से मिशन के तहत पुलिसविभाग, स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, विकास भवन तथा अन्य विभागों के स्टाफको मास्क उपलब्ध कराए गए।

मास्क निर्माण से समूह के प्रति सदस्य को औसतन 6000 रुपए की मासिक आय हो रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मिशन के तहत 1 लाख 98 हजार से अधिक स्वंय सहायता समूह के सदस्यों को आजीविका की दिशा में ऋण उपलब्ध कराया जा चुका है।

निजीकरण के विरोध में बैंकों में ताले, लेन-देन प्रभावित

- बैंक हड़ताल : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन का दो दिनी हड़ताल, दर्जनों राष्ट्रीयकृत बैंकों का ताला नहीं खुले, छह सौ करोड़ के लेन-देन पर प्रभाव
- दो राष्ट्रीयकृत बैंकों के निजीकरण का विरोध

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

केंद्र सरकार द्वारा बजट सत्र के दौरान संसद दो राष्ट्रीयकृत बैंकों के निजीकरण करने संकेत समेत वर्तमान शीत कालीन सत्र में इससे संबंधित बिल लाने की घोषणा के विरोध में यूनाइटेड फोरम आफबैंक यूनियंस ने 16 एवं 17 दिसंबर को दो दिवसीय हड़ताल करने का एलान किया है। संगठन के उपाध्यक्ष गिरिधर गोपाल ने बताया कि 16 एवं 17 दिसंबर 2021 सुबह नौ बजे से यूनियन बैंक आफइंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय में विशाल धरना प्रदर्शन और जुलूस निकाला जा रहा। इस दौरान दोनों दिन बैंक बंद रहेंगे। यूनियन बैंक अधिकारी संघ यूनियन बैंक आफइंडिया के पूर्वी उत्तर प्रदेश में पदस्थापित बैंक अधिकारियों का संगठन है और संख्या दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा बैंक अधिकारी संघ है। यूनियन बैंक अधिकारी संघ द्वारा दोनों दिन बिल के विरोध में विशाल धरना प्रदर्शन और जुलूस निकाला जा रहा है गुरुवार को यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के विरोध में बैंक कर्मियों ने बैंकों में तालाबंद कर सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इस विरोध में यूनियन बैंक, स्टेट बैंक, पीएनबी, इंडियन बैंक व केनरा बैंक समेत अन्य कर्मी शामिल हैं। बैंक कर्मियों का हड़ताल 17 दिसंबर को भी रहेगा। गुरुवार को बैंक कर्मचारियों ने होटल रिवर व्यू के समीप यूबीआई के रिजनल बैंक शाखा के पास एकत्रित होकर नारेबाजी की। उधर, हड़ताल से बेखबर उपभोक्ताओं के बैंक पहुंचने पर उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों का कहना है कि निजी क्षेत्र के बैंक सरकारी योजनाओं के प्रति उदासीन रहते हैं व निजी क्षेत्र के बैंक औद्योगिक घरानों के हित में शाखाएं खोलते हैं, जो देश के हित में नहीं है बैंकिंग कानून संशोधन बिल तथा निजीकरण के विरोध में बैंककर्मियों के आंदोलन का दायरा बढ़ने लगा है। 16 और 17 दिसंबर को प्रस्तावित हड़ताल का सीटू ने भी समर्थन किया है। बैंकों का निजीकरण देश की आर्थिक संप्रभुता पर बड़ा कुठाराघात है। प्रदेश अध्यक्ष रविशंकर मिश्र ने कहा कि बैंकों के निजीकरण से देश की खुशहाली भी जाएगी। बैठक में समीर भट्टाचार्य, मोहन सिंह, समीर गांगुली, अखिल विकल्प, विकास स्वरूप थे। हड़ताल से पहले पदाधिकारियों ने इस बाबत प्रधानमंत्री को भी पत्र लिखा था।

इन बैंकों ने किया समर्थन-

सरकार की बैंकिंग नीतियों और अर्थव्यवस्था को लेकर अगले बजट में प्रस्तावित सुधारों का बैंकिंग सेक्टर में विरोध शुरू हो गया है। गुरुवार को यूनाइटेड फोरम आफबैंक यूनियंस के आह्वान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के विरोध में बैंक कर्मियों ने बैंकों में तालाबंद कर सरकार के विरोध में नारेबाजी की। इस विरोध में यूनियन बैंक, स्टेट बैंक, पीएनबी, इंडियन बैंक व केनरा बैंक, इंडियन बैंक सहित अन्य बैंक शामिल हैं। बैंक कर्मियों का हड़ताल 17 दिसंबर को भी रहेगा। उधर, हड़ताल से बेखबर उपभोक्ताओं के बैंक पहुंचने पर उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों का कहना है कि निजी क्षेत्र के बैंक सरकारी योजनाओं के प्रति उदासीन रहते हैं व निजी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी हड़ताल पर

गाजीपुर। केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के लिए सरकार संसद के मौजूदा सत्र मे बैंक राष्ट्रीय करण कानून मे संसोधन हेतू प्रस्ताव लेकर आ रही हैए जिसके मुताबिक सरकार दो बैंकों में अपनी 51 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकती है। और बैंक को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी कर रही है। सरकार के इस कदम के विरोध में यूनाइटेड फोरम आफबैंक यूनियन के अहवान पर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारी हड़ताल पर 16 ए 17 दिसंब 'को दो दिवसीय हड़ताल पर हैण् यूनियन बैंक आफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय कार्यालय गाजीपुर अधिकारी कर्मचारियों की यूनियनों ने प्रदर्शन किया तथा सरकार से निजी करण की घोषणा वापस लेने की मांग कीण् हड़ताल के दौरान विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की 300 से ज्यादा शाखाओं में में ताले लटके रहे तथा 200 करोड़ से ज्यादा का कारोबार प्रभावित हुआण् अधिकतर ए टी एम मे भी नगदी खत्म हो गयी हैण् प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए यूनियन बैंक स्टाफएसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय सहायक महामंत्री संतोष कुमार यादव ने सरकार से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजी करण का प्रस्ताव को तत्काल वापस लेने की मांग की उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं इनके निजी करण से देश का आर्थिक और सामरिक ढांचा चरमरा जाएगा तथा अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने आम जनमानस की आशाओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य किया है तथा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी बैंकिंग सुविधाओं को मुहैया कराया है इनके निजी करण से बैंकिंग सेवाएं आम जनमानस के पहुंच से बाहर हो जाएंगे।

एलआईसी कर्मियों की ओर से बैंक हड़ताल का समर्थन किया गया

वाराणसी- गुरुवार को एलआईसी वाराणसी मंडल के मुख्यालय में टक्प्प। मंडल संगठन द्वारा गेट मीटिंग कर बैंकों में हो रहे 2 दिवसीय हड़ताल का समर्थन व्यक्त किया गया। एलआईसी मण्डल संगठन के साथियो द्वारा जोरदार नारेबाजी कर बैंकों के निजीकरण, बैंक मर्जर, श्रम कानून में जबरदस्ती बदलाव, बैंक बेचना इत्यादि माँगों के समर्थन में एलआईसी कर्मी द्वारा प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कामरेड नारायण चटर्जी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ और सभा में बिनोद कुमार श्रीवास्तव, राकेश गुजराती, शैलेन्द्र मेहरोत्रा, वीरेश चंद्र मजूमदार, सुमंत कुमार, जितेंद्र कुमार, विमल राज, आरती श्रीवास्तव, संगीता गुप्ता, रीता, राजीव कन्नौजिया, लाल जी गुप्ता, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। और 200 की संख्या में कर्मचारी उपस्थित होकर बैंक हड़ताल का समर्थन किए।

क्विक न्यूज

किसानों के हक पर कुठाराघात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : मनोज डब्लू

सैयदराजा, चंदौली। अबकी बार सैयदराजा विधानसभा के किसानों के लिए धान को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचना लोहे के चने चबाने जैसा होगा। वर्तमान में क्षेत्र में लगातार बंद हो रहे क्रय केंद्रों की स्थिति को देखकर किसानों द्वारा कही जा रही है। जिला प्रशासन ने खरीद के लिए खोले गए रनिया, ककरही, सुढ़ना में स्थापित क्रय केंद्रों का संचालन बुधवार से बंद कर दिया। वहीं जमुड़ा में स्थापित क्रय केंद्र को घोसवां में सिफ्ट करने की कार्यवाही प्रशासन की ओर से की गयी। ऐसे में इन क्रय केंद्रों पर टोकन लेकर नंबर लगाने नवाले किसान अब अपनी उपज बेचने के लिए ना भटके इसके लिए सपा के राष्ट्रीय सचिव मनोज डब्लू धान की उपज को ट्रैक्टर.ट्राली पर लादकर कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी कार्यालय को घेरने का काम किया। अफसरों से बातचीत में बंद क्रय केंद्रों को बहाल करने की मांग की। हालांकि जिला प्रशासन ने क्रय केंद्रों को पुनः खोलने में असमर्थता जाहिर की और बंद क्रय केंद्र पर नंबर लगाने वाले किसानों की समस्या के समाधान के लिए चौबीस घंटे का वक्त मांगा। उनके इस आंदोलन से जिला प्रशासन के हाफपांव फूल गए और जिलाधिकारी ने पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू व डिप्टी आरएमओ को बुलाकर बातचीत की।

गृहमंत्री के बर्खास्त को लेकर कांग्रेस पार्टी का मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वन पर बीजेपी सरकार के केंद्रीय गृहमंत्री अजय मिश्रा टोनी को बर्खास्त करने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिव कुमार सिंह पटेल एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजन पाठक के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। गया मुख्य अतिथि के रुप में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं पूर्वांचल के प्रभारी मसूद खान ने कहा कि लखीमपुर में किसान नरसंहार के आरोपी गृह मंत्री अजय मिश्रा टोनी को तत्काल बर्खास्त किया जाए अगर बीजेपी की सरकार बर्खास्त नहीं किया जाता तो कांग्रेस पार्टी के लोग इससे बड़ा आंदोलन करेंगे। मसूद खान ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार अजय मिश्रा टोनी को बचाने का पूरा प्रयास कर रही है या घोर निंदनीय है जिस तरह से प्रेस के साथियों के साथ अजय मिश्रा टोनी ने धक्का-मुक्की किया है। यह घोर निदंनीय है इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए मसूद खान ने कहा कि होने वाले 2022 के विधानसभा के चुनाव में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश के प्रभारी श्रीमती प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी सरकार बनाएगी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मिर्जापुर के प्रभारी सत्यवीर सिंह ने कहा कि जब से बीजेपी की सरकार केंद्र और प्रदेश में आई है जनता की आवाज को दबाने का प्रयास करती है। बीजेपी सरकार लोकतंत्र की हत्या कर रही है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने भी कहा कि लोकतंत्र में पहली बार ऐसा हो रहा है कि बीजेपी सरकार के गृह मंत्री को केंद्र की बीजेपी सरकार बचाने का पूरा प्रयास कर रही है यह घोर निंदनीय है अजय मिश्रा टोनी को तत्काल बर्खास्त किया जाए। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष शिव कुमार सिंह पटेल ने कहा किबीजेपी की सरकार तानाशाही कर रही है किसानों के हत्यारे को मंत्री बनाए हुए हैं और किसानों पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है धान की खरीदारी नहीं हो पा रही है किसानों को खाद नहीं मिल पा रहा है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजन पाठक ने भी आलोचना करते हुए कहा कि बीजेपी के केंद्रीय गृह मंत्री को बर्खास्त किया जाए। इस कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता छोटे खान ने किया मुख्य रूप से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता राम सिंह जिला पंचायत के सदस्य शिव शंकर चौबे राजधर दुबे अमिताभ पांडे सुधाकर भूपेन्द्र शुक्ला सतीश मिश्रा श्रीमती कंचन पांडे अमर दुबे अखिलेश सिंह आकांक्षा पांडे आयुषी शुक्ला शिवराज शर्मा अशोक धरकार राजेश मिश्रा ज्योति रमेश प्रजापति पप्पू जफर इकबाल संजय यादव दिनेश कोल अत्ताउल्लाह सिद्दीकी संगीता तिवारी अर्चना चौबे शबनम अंसारी कुंज बिहारी उपाध्याय संदीप मिश्रा दिलीप मौर्य रवि शंकर तिवारी अश्वनी दुबे मोनू पटेल अशोक गुप्ता चंद्रशेखर सिंह सिराज अहमद गोपाल कृष्ण द्विवेदी कमर शाहिद अंसारी राजेंद्र विश्वकर्मा विजय दुबे पहाड़ी मनीष पांडे अशोक गुप्ता संतोष यादव आबरूनिशा सिराज अहमद मुस्ताक आयुष मिश्रा आर्यन मिश्रा श्याम उपाध्याय रियाज अहमद नरेंद्र भारती राजेंद्र शर्मा चंपा देवी सविता देवी रेशमा कमला मीणा राजकुमारी पूनम लक्ष्मी आदि लोग उपस्थित थे।

पुरूष नसबन्दी पखवाड़ा में फिर महिलाओं ने मारी बाजी

मिर्जापुर। जिले में 22 नवंबर से 11 दिसंबर के बीच चले पुरुष नसबन्दी पखवाड़ा के दौरान 5 पुरुषों ने नसबंदी अपनाई। यह जानकारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर राजीव सिंघल ने दी है। मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर राजीव सिघल ने बताया कि हमेशा की तरह समय समय पर जिले में नसबन्दी पखवाड़ा पुरूषों के लिए चलाया जाता रहा है। लेकिन हमेशा की तरह इस बार मार भी पखवाड़े में 954 महिलाओं ने नसबन्दी कराकर फिर बाजी मारी है। जबकि पखवाड़े में केवल पांच पुरूषों ने ही नसबन्दी कराकर अपनी भूमिका को दर्ज कराया है। जनसंख्या विस्फोट की दिक्कतों के बीच आबादी पर नकेल कसने के अभियान में महिलाओं की अपेक्षा पुरूष की सहभागिता बहुत ही कम होती है। पुरूष आज के दौरान में भी नसबन्दी कराने से भागते है। इसलिए पखवाड़े के दौरान नसबन्दी कराने पर प्रोत्साहन राशि के रूप में विभाग की ओर से 3000 रूपये भी दिया जाता है। पिछले वर्ष 43 पुरूषों ने नसबन्दी कराकर अपनी सहभागिता को दर्ज कराया। 01 अप्रैल 2021 से अब तक 20 पुरूषों ने ही नसबन्दी कराया है। जिले की महिलाएं परिवार नियंत्रण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्ज करा रही है पर पुरूष अपने अनेक भ्रान्तियों की जाल में फंसकर इससे किनार करते रहते है। परिवार नियंत्रण कार्यक्रम में यह चिंता का विषय बना हुआ है। लेकिन कोविड 19 के इस दौर में जनसंख्या नियन्त्रण के लिए पुरूष वर्ग को जागरूक करने के साथ ही साथ परिवार नियोजन के अभियान में उनकी हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के लिए पुरूष नसबन्दी पखवाड़ा दो चरणों में चलाया गया। प्रथम चरण के अभियान में दम्पत्यिों से सम्पर्क होगा और दूसरे चरण में नसबन्दी करने का अभियान चलाया जायेगा।

दिव्यांगों के कृत्रिम अंग, जांच व ऑपरेशन पंजीयन प्रारंभ

गाजीपुर। भारत विकास परिषद शाखा की बैठक संरक्षक विजय सर्राफ के महाजन टोली आवास पर संपन्न हुई जिसमें नारायण सेवा संस्थान उदयपुर के सौजन्य से परिषद की वरुणा शाखा वाराणसी द्वारा वि शाल निशुल्क दिव्यांग जांच, ऑपरेशन चयन एवं कृत्रिम अंग, हाथ .पाँव नाप शिविर का आयोजन 9 जनवरी 2022 को समर्पण अशोक विहार कॉलोनी पहाड़िया, वाराणसी पर प्रातः 9.00 बजे से किया गया है। उसी संदर्भ में निर्णय लिया गया कि गाजीपुर शाखा द्वारा विभिन्न स्थानों पर 13 दिसंबर से 2 जनवरी 2022 तक प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक दिव्यांग जनों का पंजीयन किया जाए ताकि 9 जनवरी को वाराणसी में संपन्न होने वाले शिविर में उन्हें भेजा जा सके। पंजीयन स्थान निम्न वत है, दुर्गा स्टोर प्रकाश चौक, मोबाइल नंबर 9415 35 0 497, श्यामलाल सुखदेव प्रसाद मोबाइल नंबर 94 15209 249 अनिल कुमार उपाध्याय, चंद्रा सीमेंट एजेंसी चंदन नगर कॉलोनी गेट, रौजा 94 1597 2562ए रवी मेडिकल स्टोर संत तुलसीदास कॉलोनी मोबाइल नंबर 9415 887683 एसंजय कुमार परिषद कार्यालय बड़ी बाग 9415209206।

पांच दिवसीय रोवर्स रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

धानापुर, चंदौली। शहीद हीरा सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पांच दिवसीय रोवर्स व रेंजर्स प्रगतिशील प्रशिक्षण शिविर का उदघाटन गुरुवार को डॉक्टर सुभाष राम ने दीप प्रज्जवलन कर किया। प्रोण् सरोज कुमार पांडेय, डॉ प्रवीण कुमार भारती, डा. सुनील कुमार पांडेय ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात झंडा गीत प्रस्तुत किया गया। इस शिविर में सभी अथिति का स्वागत डॉ नौशाद अहमद ने किया। जिला संयोजक स्काउट गाइड आयुक्त सैय्यद अली अंसारी ने छात्रों को मुख्य नियमएप्रतिज्ञाए सिदांत, बाया हांथ मिलना सिखाए। इस अवसर पर डा ध्रुव भूषण सिंह, प्रो पूनम निर्मल, प्रो किरन यादव, डा ज्ञानेंद्र,डा सत्यप्रकाश, डॉप्रवेश कुमार, डॉ प्रदीप वर्मा,डा प्रशांत दिनेश,अमित, नंद लाल, उपेंद्र,उपस्थित रहे।

कोषागार कर्मचारी संघ चुनाव सम्पन्न

मिर्जापुर। कोषागार कर्मचारी संघ की पुरानी कमेटी को भंग करके नयी कमेटी का गठन किया गया। जिसमें 10 पदाधिकारियों समेत 04 कार्यकारिणी सदस्यों को चुना गया। उसके बाद पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से संतोष कुमार कन्नौजिया को कर्मचारी संघ का अध्यक्ष मनोनीत किया। अध्यक्ष बनाने के बाद उनसे कर्मचारियों के मिलने का देर शाम तक ताता लगा रहा। ये जिले में अपनी अलग पहचान की वजह से काफी चर्चित व प्रख्यात है। इन्होने हमेशा लोगों का मदद व असहायों को आर्थिक रूप से मदद किया करते है।

उद्योग पलायन करेंगे : दीपक बजाज

पड़ाव, चंदौली। यूपी रोलर फ्लोर मिलर्स एसोसिएशन एक बैठक कटेसर स्थित होटल में सम्पन्न हुई। जिसमें संस्था के अध्यक्ष प्रमोद वैश्य ने कहा कि हाल ही में राज्य कृषि उत्पादन परिषद उत्तर प्रदेश सरकार ने मंडी स्थल के बाहर मंडी शुल्क पुनः लागू कर दिया है जिससे रोलर मिलिंग उद्योग पर अनावश्यक बोझ बढ़ेगा। इससे व्यापारियों की दिक्कतें और बढ़ेगा एवंग उत्पीड़न होगा तथा इंस्पेक्टर राज भी बढ़ेगा। वहीं संस्था के उपाध्यक्ष दीपक बजाज ने अपने संबोधन में कहा कि पूरे देश मे लगभग 1100 रोलर फ्लोर मिले हैं जिसमे से 270 से अधिक रोलर फ्लोर मिले केवल उत्तर प्रदेश में है।

मऊ में निजीकरण के खिलाफ सड़क पर उतरे बैंक कर्मी

संवाददाता। मऊ

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स द्वारा सरकारी बैंको को बेचे जाने के फैसले के विरोध में तथा निजीकरण के लिए संसद में सूत्रीबद्ध बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक वापस लेने की मांग को लेकर राष्ट्रव्यापी आह्वान पर गुरुवार को जिले के सभी बैंक कर्मचारी दो दिवसीय हड़ताल पर रहे। बैंक कर्मचारियों की हड़ताल से पूरे दिन बैंकों के ताले नहीं खुले। इस दौरान बैंक कर्मचारियों ने अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए जमकर नारेबाजी किया।

साथ ही साथ सरकार को चेताया कि अगर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो आरपार का आंदोलन किया जाएगा। राष्ट्रव्यापी आह्वान पर दो दिवसीय हड़ताल के तहत गुरुवार की सुबह जिले के सभी बैंक अधिकारियों व कर्मचारियों ने बैंक शाखाओंए मुख्य प्रशासनिक कार्यालयों मंडल कार्यालय पंजाब नेशनल बैंकए क्षेत्रीय कार्यालय यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के समक्ष जमकर प्रदर्शन व नारेबाजी किया। हड़ताली बैंक कर्मियों का जत्था नगर क्षेत्र के गाजीपुर तिराहा स्थित बैंक ऑफबड़ौदा शाखा के समक्ष का रामअवतार सिंह के नेतृत्व में सामूहिक प्रदर्शन करते हुए धरना दिए। हड़ताली बैंक कर्मियों ने सामूहिक प्रदर्शन करते हुए सरकारी बैंको को बेचे जानेए संसद में प्रस्तावित बैंकिंग कानून सुधार विधेयक को जनविरोधी करार देते हुए अपना आशय प्रकट किया। उण्प्रण् बैंक इम्प्लाईज यूनियन के उपजिला मंत्री कक बाला जी मोदी ने हड़ताल के पहले गुरुवार को शत-प्रतिशत बैंक अधिकारियों एवं कर्मचारियों उपस्थिति एवं एकजुटता का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने सरकार की जनविरोधी बैंकिंग सुधार की आतुरता की शक्त आलोचना करते हुए कहा कि सरकार बैंको में 157 लाख करोड़ की जनता के जमाधन को निजी हाथों में सौंपना चाहती है। बैंक अधिकारी इन्द्रजीत कुमार ने सरकार द्वारा बैकों के निजीकरण करने की कार्रवाई निंदा करते हुए कहा कि इससे न सिर्फ बैंको में जमा जनता की बचत को खतरे में डाल देगी अपितु एक विकासील देश में कृषि तथा छोटेए मझोले उद्योगों तथा ढ़ाचागत आधार शिला के विकास में सरकारी बैंकों की समय परीक्षित भूमिका को समाप्त कर देनें का खामियाजा आत्मनिर्भर विकास के योजनाओं को भुगतना पड़ेगा। आंचलिक सचिव स्टेट बैंक स्टाफ एसोसिएशन वाराणसी परिक्षेत्र रविकांत राय ने कहा कि किसी भी कीमत पर बैंकों का निजीकरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

बैंक कर्मचारी नेता विक्रम राम ने हड़ताली बैंक कर्मियों को आंदोलन को पूरी तरह से सफल बनाने पर बधाई दिया। साथ ही साथ चेतावनी दिया कि सरकार की जनविरोधी नीतिगत कार्यवाहियों के मद्देनजर हम एक कठिन दौर से गुजर रहे हैं। सभा की अध्यक्षता करते हुए यूनाइटेड फोरम बैंक यूनियन्स मऊ के संयोजक का रामअवतार सिंह ने हड़ताली बैंक कर्मियों के उत्साह एवं अनुशासन की सराहना किया। सभा को मुख्य रुप से रविकांत राय, आनंद राय, लालधर, प्रकाश, शिवानंद, दयावन्त गुड्डू, अखिलेश तिवारी,नरेन्द्र कुमार सिंह, आतिफ उस्मानी, श्रीनिवास राव, अभिषेक कुमारए दिलीप मौर्यए आकाक्षा सिंह, मेघा त्रिपाठी, ललिता विश्वकर्मा, अनुप पाण्डेय, कैलाश, केदार नाथ, धर्मराज, सुधीर जायसवाल, बजरंगीए सोनू गुप्ता, श्रीनाथ, वीरबहादुर यादव, गजेन्द्र सिंह यादव, अभिमन्यु प्रसाद, अरविन्द यादव, रणधीर कुमार, मृत्युंजय कुमार, अशोक कुमार, अल्वेश वर्मा, रामप्रवेश, रोशन, मनोज कुमार, पुष्पेन्द्र, मुकुन्द प्रसादए रविकान्त राय, भारतेन्दु चौबे, मु अजहर, भोदी आदि ने सम्बोधित किया।

महाविद्यालय की प्रबंधक ने विजेताओं को पुरस्कृत कर उत्साहबर्धन किया

गुरसहायगंज (कन्नौज)। नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित अमतुन्ना मानो महिला महाविद्यालय में चल रहे पांच दिवसीय वार्षिक प्रतियोगिता के अंतर्गत दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. पूजा श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। इस दौरान विद्यालय की प्रबन्धक रिजवाना सिददीकी नें कहा कि युवा प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करके अपनी प्रतिभा का आंकलन कर निखार लायें। गुरुवार को स्थानीय एबी महाविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय वार्षिक प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित 500 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में बालिका वर्ग से सुमेधा ने प्रथम स्थान, सीमा ने द्वितीय स्थान, रचिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तो वहीं बालक वर्ग से मोहम्मद अकबर प्रथम, मोहम्मद फैजान द्वितीय, फैजान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वही 200 मीटर दौड़ में बालिका वर्ग से सुमेधा ने प्रथम, कोमल ने द्वितीय, देवकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 1000 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से मोहम्मद अकबर प्रथम व मोहम्मद फैजान द्वितीय स्थान पर रहे। इस दौरान विद्यालय की प्रबंधक रिजवाना सिददीकी ने कहा कि खेलों से युवाओं की बौद्धिक क्षमता का विकास होता है। खेल प्रभारी रूबी वर्मा ने कहा कि अध्ययन के साथ साथ खेलकूद विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए अनिवार्य है।

भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद ने विश्वनाथ धाम प्रसाद का किया वितरण

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

- घर- घर दस्तक देकर भाजपा कार्यकर्ता कर रहे प्रसाद वितरण, साथ में दी जा रही है धाम के इतिहास से जुडी पुस्तिका

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने मलदहिया चौराहे के निकट स्थित नीलकॉटेज कॉलोनी के बूथ संख्या 302 पर बाबा विश्वनाथ धाम के महाप्रसाद के घर घर वितरण कार्य का शुभारंभ किया और नीलकॉटेज, सेवा बस्ती सहित आस पास की सभी कॉलोनियों प्रसाद व पुस्तिका का वितरण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता हाथों में प्रसाद के डब्बे और पुस्तिका लिए उत्साह पूर्वक घर घर वितरण कर रहे थे प्रसाद पाकर लोग अत्यंत खुश नजर आ रहे थे। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद श्रीवास्तव ने कहा कि 13 दिसम्बर को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री एवं वाराणसी के लोकप्रिय सांसद नरेन्द्र मोदी ने बाबा के धाम का स्वरुप बदलकर बाबा विश्वनाथ से मां गंगा का साक्षात्कार कराते हुए बाबा विश्वनाथ धाम के लोकार्पण का कार्य किया है उसका प्रसाद वाराणसी संसदीय क्षेत्र के प्रत्येक घर घर में वितरण हो इस निमित हम सब आज इस प्रसाद को घर घर पहुंचा रहे है। क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री श्रीवास्तव ने कहा कि विश्वनाथ धाम के प्रसाद के साथ विश्वनाथ धाम के इतिहास से जुडी पुस्तिका भी लोगो को वितरित की जा रही है जिसमें विदेशी आक्रांताओ द्वारा मंदिर पर आक्रमण कर नष्ट करने का उल्लेख है। 1780 में इंदोर की महारानी देवी अहिल्या बाई ने विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोध्दार करवाया था तब से आज तक 241 वर्ष हो गये किसी ने भी मंदिर की तरफ ध्यान नही दिया। हम सबका सौभाग्य है कि वाराणसी को नरेंद्र मोदी जी जैसा सांसद और देश को प्रधानमंत्री मिला जिसने 2 हजार स्कवायर मीटर के विश्वनाथ मंदिर को 50 हजार स्कवायर मीटर का भव्य स्वरुप देते हुए विश्वनाथ धाम मे बदलकर पुरी दुनियां में काशी का और भारत का गौरव बढ़ाया। इस प्रसाद वितरण में 15 हजार कार्यकर्ता लगे हुए है जो मंडल, सेक्टर(शक्ति केंद्र) एवं बूथो तक प्रसाद पहुचाने का कार्य कर रहे है। इस अवसर पर क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी नवरतन राठी,महानगर महामंत्री नवीन कपूर, कार्यक्रम के सह संयोजक उदय प्रताप सिंह, सिद्धनाथ, जगदीश

विवाहिता व श्रमिक ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

बीजपुर/सोनभद्र। स्थानीय थानाक्षेत्रान्तर्गत स्थित ग्राम सभा नेमना में गुरुवार की अलसुबह घर से कुछ ही मीटर की दूरी पर स्थित एक पेड़ में फांसी लगाकर एक विवाहिता ने आत्महत्या कर ली। प्रभारी निरीक्षक बीजपुर भैया शिव प्रसाद सिंह ने बताया कि नेमना निवासिनी विवाहिता लगभग 32 वर्षीया श्यामा देवी पत्नी रामरक्षा गुर्जर ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस बात की जानकारी मृतिका के पति रामरक्षा गुर्जर ने गुरुवार की सुबह थाना में आकर तहरीर देकर पुलिस को अवगत कराया कि उसकी पत्नी घर से नाराज होकर बुधवार की सुबह ही घर से निकल गयी थी। गुरुवार की सुबह घर से कुछ दूरी पर मौजूद पेड़ में साड़ी के फंदे से उसका शव लटकता हुआ पाया गया। दूसरा मामला बुधवार की देर सायं ग्राम सभा बीजपुर का है। जहाँ बीजपुर बाजार परिक्षेत्र स्थित मोटर गैरेज के समीप किराए के मकान में रह रहे एक श्रमिक ने कमरे में लगे सीलिंग फैन से फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार स्थानीय एनटीपीसी स्टेशन में कार्यरत एक संविदा श्रमिक किराए के मकान में अपने पत्नी के साथ रह रहा था। जब बुधवार की सायं संविदा श्रमिक लगभग 25 वर्षीय दिनेश सोनी पुत्र आत्माराम सोनी अपने काम से घर वापस आया तो पत्नी घर पर नहीं थी।

विजय के बावजूद शत्रु देश के साथ हम उदार होते हैं : डा. नीरजा

संवाददाता। गाजीपुर

- स्व. विपिन रावत को श्रंद्धाजलि के साथ अमृत महोत्सव का समापन

आजादी का अमृत महोत्सव देश 75वीं वर्षगांठ के रूप में मनाया गया। अमृत महोत्सव आयोजन समिति के तत्वाधान में 16 दिसम्बर को रामलीला लंका मैदान वंदे मातरम राष्ट्र गीत के साथ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. नीरजा माधव डीप्टी डायरेक्टर आकाशवाणी गोरखपुर व कार्यक्रम के अध्यक्ष डा.राघवेन्द्र पाण्डेय प्राचार्य पी जी कालेज गाजीपुर और विशिष्ट अतिथि बब्बन राम सेवानिवृत्त कर्नल ने संयुक्त रूप में भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। विशिष्ट अतिथि बब्बन राम ने देश की सुरक्षा में लगे सेना के जवानों के महत्व को बताकर सभी में जोश और उत्साह भर दिया और श्रोताओं ने जय हिन्द के नारे लगाकर देशभक्ति का वातावरण बना दिया। गोरखपुर की उप निदेशक डा निरिजा माधव ने कहा की आज का दिन भारतीय इतिहास का वह ऐतिहासिक दिन है जिस दिन 1971 के भारत पाक युद्ध में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को नत मस्तक करते हुए 93500 पाकिस्तानी सैनिकों ने तिरंगें झंडे के निचे आत्मसमर्पण किया था। भारतीय सभ्यता और संस्कृति रही है हम किसी के उपर हमला नही करत, हमारे सैनिक वीरता के साथ साहस और शौर्य से युद्ध लड़ते है और उन्होंने रामायण काल का वर्णन करते हुए कहा की भारत की पुरातन संस्कृति यह भी रही की हमने जब कभी कोई युद्ध लड़कर किसी देश और उसकी सीमाओं को जीता उसे अपनाया नही।

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम – मिनी रत्न)
सीआईएन नं.: L74899DL1999GOI101707
आजादी का अमृत महोत्सव

आईआरसीटीसी निम्नलिखित के लिए ई-बोली/ई-आरएफपी आमंत्रित करता है:-

1) इंटीग्रेटेड रेलवे हेल्पिंग एंड इंक्वायरी सिस्टम-139 के लिए मैनेज्ड सर्विस पार्टनर के चयन के लिए। पहली प्री-बिड मीटिंग (वीसी): 20.12.2021 को 12:30 बजे, दूसरी प्री-बिड वीसी 06.01.2022 को 12:30 बजे।
जमा करने की अंतिम तिथि: 24.01.2022।

2) बिलासपुर छत्तीसगढ़ में 'रेल नीर' पैकेज्ड पेयजल संयंत्र के लिए ऑपरेटर के चयन के लिए। प्री-बिड मीटिंग: 28.12.2021 को 15:00 बजे आईआरसीटीसी कॉर्पोरेट कार्यालय, नई दिल्ली में।
जमा करने की अंतिम तिथि: 18.01.2022 15:00 बजे तक।

3) आईआरसीटीसी/उत्तरी क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय रेलवे पर ए1 और ए श्रेणी के स्टेशनों के तहत जलपान कक्षों और जन आहार में/के माध्यम से खानपान सेवाओं के संचालन, रखरखाव और प्रावधान के लिए।
निविदा उपलब्धता: 20.12.2021, जमा करने की अंतिम तिथि: 10.01.2022 15:00 बजे तक।

4) आईआरसीटीसी/उत्तरी क्षेत्र के तहत भारतीय रेलवे के बी, सी और डी श्रेणी के स्टेशनों पर फास्ट फूड इकाइयों की स्थापना, संचालन और प्रबंधन के लिए।
निविदा उपलब्धता: 20.12.2021, जमा करने की अंतिम तिथि: 11.01.2022 को 15:00 बजे तक।

5) आईआरसीटीसी वेबसाइट और मोबाइल ऐप के लिए चैटबॉट समाधान प्रदाता के चयन के लिए प्रतिष्ठित फर्मों से ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की जाती हैं।
जमा करने की अंतिम तिथि: 23.01.2022 15:00 बजे तक।

निविदा दस्तावेज विवरण के लिए वेबसाइट **www.irctc.com** (क्र.1 से 5 के लिए), **"www.tenderwizard.com/ IRCTC"** (क्र.1 से 5 के लिए) तथा **eprocure.gov.in/cppp** (क्र. 3 एवं 4 के लिए) पर देखे। उपरोक्त निविदा दस्तावेजों को ऑनलाइन डाउनलोड करना और जमा करना केवल **"www.tenderwizard.com/ IRCTC"** वेबसाइट पर ही किया जा सकता है।

शुद्धिपत्र/परिशिष्ट केवल **www.irctc.com** तथा **"www.tenderwizard.com/ IRCTC"** पर प्रकाशित किया जाएगा।

कार्यालय पता: समूह महाप्रबंधक (पी एंड टी), आईआरसीटीसी लिमिटेड 11वां तल,स्टेट्समैन हाउस, बी-148, बाराखम्बा रोड़, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली- 110001, टेली: 011-23311263-64

निजीकरण का विरोध, हड़ताल कर बैंकों से निकले कर्मचारी

संवाददाता। फर्रुखाबाद

केंद्रीय आह्वान पर जिले भर में विभिन्न बैंकों की शाखाओं में कर्मियों ने दो दिवसीय हड़ताल शुरू हो गई है। यूनाइटेड फ़ोरम आफ बैंक यूनियंस के आह्वान निजीकरण के विरोध में बैंककर्मियों ने प्रदर्शन किया। इसके तहत जिले में आज व कल बैंककर्मियों की हड़ताल रहेगी। बैंककर्मियों ने दो टूक कहा कि निजीकरण देश के हित में नहीं है। इसलिए ऐसा नहीं होना चाहिए।

गुरुवार को इंडियन ओवरसीज बैंक कर्मचारियों ने बैंकिंग के एमेंडमेंट बिल-2021 के विरोध में शहर के ठंडी सड़क स्थित पीएनबी के सामने प्रदर्शन किया। इसके साथ ही बैंककर्मी आज व कल दो दिन की हड़ताल पर चले गए। बैंक कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार इस बिल को वापस नहीं लेती तो उनकी हड़ताल आगे भी जारी रहेगी। बैंककर्मियों ने कहा कि इस बिल के पास होने पर सरकार 76 प्रतिशत इक्विटी बेच सकेगी। ये बैंकों पर सरकार के नियंत्रण को बदलकर प्राइवेट हाथों में देना होगा। सभी बैंक कर्मचारी इसका विरोध करते हैं।

जिला मंत्री केदार शाह ने कहा बैंकों का निजीकरण देशहित में नहीं है। विगत में कई प्राइवेट बैंक फेल हो चुके हैं। इसमें आम जनता का पैसा भी डूबा है। सरकारी बैंकों में सरकार जनता के धन की सुरक्षा की गारंटी लेती है, लेकिन प्राइवेट होने पर शाखाओं में कमी होगी। इससे आम जनता को बैंकिंग सुविधाएं कम मिलेंगी। निजीकरण से बैंकों के दरवाजे धीरे-धीरे आम आदमी के लिए बंद होते चले जाएंगे। अभी सरकार सेंट्रल बैंक आफ इंडिया व इंडियन ओवरसीज बैंकों के निजीकरण का प्रस्ताव ला रही है, लेकिन यह निश्चित है कि भविष्य में धीरे-धीरे सारे बैंकों का निजीकरण होगा, क्योंकि यह सरकार की नीति है।

भारत माता और वंदेमातरम से गूंजा नगर का कोना-कोना

फर्रुखाबाद। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत गुरुवार को नगर में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमे भारत माता की शोभायात्रा को भी शामिल किया गया। चित्र के साथ निकली यात्रा में शामिल लोगों ने वंदेमातरम और भारत माता का जयकारा लगाया। जगह-जगह पुष्प वर्षा की गयी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक प्रवीण के नेतृत्व में बाजे-गाजे के साथ तिरंगा यात्रा निकाली गई। भारत माता की झांकी के साथ निकाली यात्रा में भारत माता के जयकारे से पूरा नगर गूंज उठा। शहर के टाउन हाल से निकाली गयी तिरंगा यात्रा तिकोना, चौक, घुमना, लाल दरवाजा होते हुए स्वराज कुटीर पंहुची। रथ पर सवार भारत माता के स्वरूप की जगह-जगह आरती उतारी गयी। यात्रा में सरस्वती शिशु मन्दिर सेनापति, सरस्वती बालिका इंटर कालेज श्याम नगर, एनएकेपी कालेज, कनोडिया बालिका वि ालय के छात्र-छात्राओं नें 150 मीटर लम्बा तिरंगा शहर में फैराया। एनसीसी के छात्र भी भारत माता का जयघोष कर रहे थे।

कटरी गोलीकाण्ड मामले में 19 लोगों पर कार्रवाई

● गंगा कटरी में विगत दिन जमीन पर कब्जे को लेकर हुई थी फायरिंग

गुरसहायगंज (कन्नौज)। गंगा नदी के बीच कटरी की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर बुधवार को हुई फायरिंग के मामले में कोतवाली पुलिस द्वारा छापामार कार्रवाई की गई है। जिसमें कोतवाली पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लेकर शांतिभंग सहित 19 लोगों पर कार्रवाई की है। उधर कोतवाली पुलिस पर छापामार कार्रवाई के दौरान घर में घुसकर महिलाओं से अभद्रता करने एवं तोड़फोड़ करने का भी आरोप लगाया गया है। गंगा कटरी की जमीन पर हुए विवाद में चली गोलियों के विवाद में कोतवाली पुलिस द्वारा गुरगुजपुर, बहबलपुर, मधवापुर एवं चियासर आदि गांव में गुरुवार को छापामार कार्रवाई की गई। छापामार कार्रवाई के दौरान कोतवाली पुलिस द्वारा अमित दुबे पुत्र गिरीश चंद्र दुबे, डब्लू वर्मा पुत्र वेद राम वर्मा, लालू वर्मा पुत्र वेदराम वर्मा, गोपाल वर्मा पुत्र योगेंद्र वर्मा निवासीगण चियासर एवं उसी गांव के समर पाल सिंह पुत्र भीकम सिंह को हिरासत में ले लिया। उधर कोतवाली पुलिस द्वारा ग्राम मधवापुर में भी छापामार कार्रवाही की गई। जहां कोतवाली पुलिस द्वारा घर में घुसकर तोड़फोड़ करने एवं महिलाओं से अभद्रता करने का आरोप लगाया गया है। बताते चलें की बुधवार को गंगा की कटरी की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर दो पक्ष आमने सामने पहुंच गए थे। अवैध कब्जे के प्रयास को लेकर दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हुई थी। क्योंकि मामला हरदोई एवं कन्नौज सीमा का है। जिसको लेकर दोनों जनपदों की पुलिस ने लगभग पल्ला झाड़ लिया था। लेकिन जैसे ही मामला मीडिया की सुर्खियों में आया और खबर उच्चाधिकारियों के पास पहुंची। तो पुलिस प्रशासन हरकत में आया और छापामार कार्रवाई शुरू कर दी।

छह सूत्रीय मांगों को लेकर कार्यकत्रियों ने दिया धरना

पुखरायां, कानपुर। छः सूत्रीय मांगों को लेकर गुरूवार को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने बाल विकास परियोजना कार्यालय अमरौधा में एक दिवसीय धरना दिया। जिसमें सरकारी विरोधी जमकर नारेबाजी की गई। चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो परियोजना का कामकाज ठप कर दिया जाएगा। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संघर्ष समिति की ब्लाक अध्यक्ष रीता सचान ने बताया कि हमें मानदेय नहीं वेतन दिया जाए। प्रोत्साहन राशि का एरियर दिया जाए। अन्य विभागों के कार्य से मुक्ति दिलाई जाए। कोरोना काल में सेवानिवृत्त हुई आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को एकमुश्त पांच लाख रूपए, पेंशन एवं परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी दी जाए। 10 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुकी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को शीघ्र प्रमोशन दिया जाए। हाल ही में दिये गए खराब मोबाइल वापस करके नए दिये जाएं। उपाध्यक्ष पूनम सचान, कोषाध्यक्ष प्रेमादेवी, पूनम देवी, मंजूलता, अनुपमा सचान, किरन देवी, ममता देवी, पुष्पा सचान, राजन देवी, कृष्णा देवी, गीता, गीता देवी, अनीता, माया देवी एवं अमिता मौजूद रहीं।

आयुक्त की समीक्षा बैठक में कानपुर देहात रहा अव्वल

कानपुर देहात। कानपुर मंडल के आयुक्त डॉ. राजशेखर की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार माती में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता के 37 कार्यक्रमों मुख्यमंत्री की घोषणाओं से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की गई। इस दौरान प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की प्रगति में सुधार लाने एवं लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी गई। समीक्षा में कानपुर देहात की प्रगति समस्त 37 बिन्दुओं पर अति उत्तम पायी गई। जनपद पूरे मंडल प्रथम स्थान पर कायम है। जबकिं प्रदेश स्तर पर 28 वें पायदान पर स्थापित हो गया है। इस उपलब्धि के लिए जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय एवं सभी सम्बंधित अधिकारियों की पीठ थपथपाई गई। उन्होंने सभी उपस्थित जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि कानपुर देहात जनपद की प्रगति आख्या से प्रेरणा लें। 50 लाख से अधिक वाली परियोजनाओं को समयबद्ध पूर्ण करें।

सपा सरकार बनने पर मिलेगी फ्री बिजली, लोन होगा माफः अरविंद

● पूर्व विधायक ने महापरिवर्तन जनसभा में युवाओं सहित जनता से किया आवाहन

गुरसहायगंज (कन्नौज)। उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिएए इस बार विधानसभा चुनाव आया है। कहां कि जब 2022 में सपा की सरकार बनेगी। तब महिलाओं को समाजवादी पेंशन तीन हजार व वृद्धा पेंशन चार हजार और 300 यूनिट बिजली फ्री और किसानों का लोन भी माफ होगा। ताहपुर को 50 बेड़ का सरकारी हॉस्पिटल देंगे।

यह बात गुरूवार को ग्राम ताहपुर में आयोजित महापरिवर्तन जनसभा के दौरान पूर्व सपा विधायक अरविंद सिंह यादव ने कही। कहा कि नौजवानों को डरने और दबने की जरूरत नही है। क्योंकि जिस ओर जवानी चलती है उस ओर जमाना चलता है। इस बार नौजवान समाजवादी पार्टी के साथ है। जिला अध्यक्ष कलीम खान ने कहा कि इस बार उत्तर प्रदेश में परिवर्तन होने जा रहा है और भाजपा का सफाया होगा। जनसभा का संचालन आदिल परवेज ने किया। इससे पूर्व आयोजक प्रधान गौरव पटेल व राजन गुप्ता द्वारा अतिथियों का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर पूर्व सांसद राम बक्स वर्मा, पूर्व ब्लाक सोनू यादव, विजय द्विवेदी, विधानसभा महासचिव प्रभाकर यादव, इंजीनियर अनिल पाल, कंचन, कुक्कू चौहान, उमेश पाल, विधानसभा प्रभारी हारून सिददीकी, रीपू यादव, प्रधान किताब सिंह, प्रधान रामसेवक वर्मा, प्रधान अमर सिंह वर्मा, कन्हैया लाल वर्मा, उमरपुर प्रधान दिनेश चंद्र वर्मा, पूर्व प्रधान ओंमकार, अमित यादव आदि मौजूद रहे।

पचहत्तर जिलों में प्रचार-प्रसार पर निकले साइकिल यात्री का हुआ स्वागत

गुरसहायगंज (कन्नौज)। सपा की सरकार बनानें के लिये पचहत्तर जिलों में प्रचार-प्रसार के लिये साईकिल से भ्रमण पर निकले इटावा के युवा का वित्तविहीन शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष नें स्वागत कर उनके द्वारा किये जा रहे प्रचार-प्रसार की सराहना करते हुये हौसला बढाया।शुक्रवार को क्षेत्र के ग्राम तेराजाकेट स्थित बीजेपी इण्टर कालेज के निकट माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक महासभा के जिलाध्यक्ष अमित यादव नें समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर ग्राम मोहटी (इटावा) से साईकिल पर सवार होकर विधानसभा चुनाव 2022 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाकर उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिये 75 जिलों में समाजवादी विचारधारा का प्रचार-प्रसार करनें निकले युवा अनूप यादव का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उन्होनें साईकिल यात्री अनूप का हौसला बढाते हुये कहा कि सपा की सरकार बननें पर प्रदेश में रुके हुए विकास कार्यों को पुनः गति मिलेगी। इस अवसर पर कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रंजिश में जिपंस रिंकू कटियार सहित आठ डकैती में फंसे

संवाददाता। फर्रुखाबाद

कमालगंज थाना पुलिस नें न्यायालय के आदेश पर चुनावी रंजिश के चलते डकैती डालनें के मामले में जिला पंचायत सदस्य समेत आठ लोगों के खिलाफ गुरुवार को मुकदमा दर्ज कर छानबीन कर दी है। सपा नेता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होनें के बाद जनपद में राजनैतिक गलियारे में हलचल बढ़ गयी है।

थाना क्षेत्र के गाँव बीबीपुर निवासी अमर सिंह की पत्नी शांति देवी नें न्यायालय में याचिका दायर की। जिसमे कहा कि उनका बेटा प्रवीन उर्फ त्यागी महाराज पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहा था। इस मामले में गाँव के ही जितेन्द्र उर्फ रिंकू कटियार मेरे बेटे को चुनाव लड़ने से रोंकना चाहते थे और उन्होंने मेरे बेटे पर चुनाव ना लड़ने को लेकर दबाव डाला। दबाब ना मानने पर नाराज रिंकू कटियार नें उनके बेटे को देख लेनें की धमकी दी। इसी रंजिश के चलते 31 मार्च को आरोपी उनके घर जा धमके और दरबाजे पर धक्का देकर कुंडी खटखटाई और 10-12 लोग लाठी डंडो और तमंचों से लैस होकर घर में घुस आये और मुझे गाली देते हुए कहा कि बुढिया तेरा लड़का कहा है आज उसे मजा चखा देता हूँ। देखते ही देखते कुछ लोगों नें चारपाई पर लेटे मेरे बेटे को उठा लिया और हमला बोल दिया और शोर मचाने पर घर में तोड़फोड़ शुरू कर दी। बक्सा तोड़कर चुनाव की तैयारी के लिए रखे 10 लाख रूपये लूट लिए इसके साथ ही सोनें व चांदी के जेबरात लूट ले गये।

बल्ब की रोशनी में मैंने गाँव के जितेन्द्र उर्फ रिंकू कटियार, उनके भाई हैप्पी कटियार, पूरन कटियार, गौतम शंखवार, जहानगंज के गाँव सिरौंज निवासी पप्पू उर्फ उमेश यादव तथा जहानगंज क्षेत्र के बाबी दुबे व कटियार थे। आरोपी जाते-जाते चुनाव लड़ने पर हत्या की धमकी व तमंचे लहराते हुए चले गये। इस सम्बन्ध में थाना पुलिस व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के गुहार लगाये जाने के बाद भी उनकी नही सुनी गयी। थानाध्यक्ष नें बताया कि न्यायलय के आदेश पर जिला पंचायत सदस्य सहित आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। साक्ष्य के आधार पर कार्यवाही की जायेगी।

वन विभाग की जमीन का चिह्नांकन कर पौधारोपण कराने के निर्देश

नवाबगंज फर्रुखाबाद। डिप्टी वन रेंजर की शिकायत पर राजस्व कर्मियों ने वन की जमीन की नापजोख कर चिह्नांकन किया। वन रेंजर ने चिह्नित की गई जमीन पर खाई बनवाकर पौधारोपण कराने के निर्देश दिए। विकास खंड मोहम्मदाबाद की ग्राम पंचायत सिकंदरपुर नगला विनायक के मजरा गांव ममरेजपुर में गाटा संख्या 56 में 0.332 हेक्टेयर (लगभग चार बीघा) जमीन वन विभाग की सुरक्षित है। उसी जमीन पर ग्रामीणों द्वारा कब्जा कर फसल आदि की जा रही थी। वन की जमीन पर कब्जा होने से डिप्टी वन रेजर राजकुमार ने मामले की शिकायत उपजिलाधिकारी सदर से कर वन की जमीन की नापजोख कर चिह्नांकन कराने की मांग की थी।

अमृत महोत्सव में हजारों ने शिरकत की

उन्नाव। आज़ादी अमृत महोत्सव समिति द्वारा आयोजित सामूहिक वंदे मातरम कार्यक्रम में हजारों लोगों ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर आए पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ ने लोगो मे राष्ट्रवाद का जोश भरने का काम किया। उन्होंने हिन्दू समाज से जागरूक एवम सशक्त होने की अपील की। उन्होंने बताया किस तरह देश के असली इतिहास पर पर्दा डालने का काम किया गया। सच्चे नायकों को इतिहास में जगह नही दी गई जबकि लुटेरे विदेशी आक्रांताओं के महिमामंडन से किताबें भर दी गई। उन्होंने भारतीय राजनीति में सेकुलरिज्म के नाम पर चलाए जा रहे फ्रॉड व तुष्टिकरण की मुहिम पर भी प्रहार किया। हिन्दू समाज को लव जिहाद व लैंड जिहाद से सावधान किया। आयोजन समिति के संयोजक के तौर पर विमल द्विवेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया व आगंतुकों का स्वागत किया। समिति द्वारा अतिथियों से शहीद परिवारों, स्वतंत्रता संग्राम परिवारों, महापुरुषों से जुड़े सामाजिक संगठनों व पूर्व सैनिकों को सम्मानित कराया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शतरुद्र प्रताप सदस्य बोर्ड ऑफ गवर्नर नेहरू युवा केंद्र, प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. अशोक दुबे, विभाग प्रचारक आलोक, संरक्षक जितेंद्र, आशीष सिंह, मंच के जिलाध्यक्ष अजय त्रिवेदी, अवनीश तिवारी, शिव सेवक त्रिपाठी, अविनाश द्विवेदी, मनीष अवस्थी, विक्रम द्विवेदी सहित सभी जनपद के सामाजिक संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र - रेउसा, सीतापुर

पत्रांकः लेखा/निविदा/ 353 /2020—2021 दिनांक : 16.12.2021

निविदा प्रपत्र (TENDER FORM)

निविदा विज्ञप्ति

कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र—रेउसा सीतापुर आयोजित होने वाले विभिन्न प्रशिक्षणों में आवश्यकतानुसार भोजन एवं चाय नाश्ता की आपूर्ति किये जाने हेतु आयकर एवं जी0एसटी0 में पंजीकृत फर्मों से निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं। निविदायें दो पार्ट में, जिसमें प्रथम भाग में टेक्निकल ऑफर तथा द्वितीय भाग में वित्तीय ऑफर निविदा शर्तो के अधीन ई—टेण्डर प्रक्रिया के अन्तर्गत वेब पोर्टल पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है।

1	निविदा आमंत्रित करने की तिथि	दि0 16.12.2021
2	निविदा ऑनलाइन प्रारम्भ करने की तिथि व समय	दि0 17.12.2021 की पूर्वाह्न 10.00 बजे से
3	निविदा ऑनलाईन अपलोड करने की अंतिम तिथि व समय	दि0 22.12.2021 को पूर्वाह्न 11.00 बजे तक
4	ऑन लाईन निविदा के संलग्न प्रपत्रों को कार्यालय में जमा करने की तिथि व समय	दि0 22.12.2021 को अपराह्न 03.00 बजे तक
5	निविदा की तकनीकी बिड खोलने की तिथि व समय	दि0 23.12.2021 को अपराह्न 1.00 बजे
6	निविदा की फाइनेन्सियल बिड खोलने की तिथि व समय	दि0 23.12.2021 को अपराह्न 2.00 बजे

निविदा की शर्तें

निविदा डालने हेतु निविदादाता खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र—रेउसा, सीतापुर के नाम से राष्ट्रीयकृत बैंक से निविदा शुल्क रूपया—200.00 (जीएसटी सहित) का बैंक ड्राफ्ट एवं अर्नेस्टमनी की धनराशि रूपया 5000.00 का एफ0डी0आर0/बैंक ड्राफ्ट, खण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासक्षेत्र—रेउसा, सीतापुर के पद नाम से बन्धक करवाते हुए निविदा प्रक्रिया में प्रतिभाग कर सकता है।

निविदादाताओं को निविदा से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी वेब साइट etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

खण्ड शिक्षा अधिकारी
विकासक्षेत्र—रेउसा।

टीम का सहयोग न करने पर महिला आयोग सदस्य ने जताई नाराजगी

फर्रुखाबाद। लखनऊ से आई महिलाओं की टीम सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा महिलाओं को जागरूक करने के लिए ब्लाक कार्यालय पहुंची। टीम के सदस्यों ने राज्य महिला आयोग सदस्य से शिकायत की कि ब्लाक कर्मचारी उनका सहयोग नहीं कर रहे। इस पर महिला आयोग सदस्य ने ब्लाक कर्मचारियों से नाराजगी जताई। गुरुवार सुबह 10 बजे महिलाओं की टीम शमसाबाद ब्लाक कार्यालय पहुंच गई। कर्मचारियों से ब्लाक में मौजूद स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बाहर बैठाने के लिए कहा। ब्लाक कर्मचारियों ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया और कहा कि अपना कार्यक्रम करो और जाओ। इसी बीच राज्य महिला आयोग की सदस्य डा. मिथलेश अग्रवाल ब्लाक कार्यालय पहुंचीं। टीम के सदस्यों ने महिला आयोग की सदस्य से ब्लाक कर्मचारियों द्वारा सहयोग न किए जाने की शिकायत की। इस पर महिला आयोग सदस्य ने ब्लाक कर्मियों से नाराजगी जताई। इसके बाद स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को कुर्सी डालकर बैठाया गया। टीम के सदस्यों ने उन्हें जानकारी दी। डा. मिथलेश अग्रवाल ने भी महिलाओं को जानकारी दी।

पांच दिन से लापता स्टेशनरी व्यापारी का नहीं लग रहा सुराग

बांगरमऊ उन्नाव। पाँच दिन से लापता बाप को सीसीटीवी फुटेज के सहारे ढूंढते हुए बेटा उत्तराखंड से बांगरमऊ आ पहुंचा । लेकिन यहां भी सीसीटीवी फुटेज में सिर्फ लापता की कार ही नजर आयी। सीसीटीवी फुटेज के सहारे पुत्र और परिजन उन्नाव की ओर रवाना हो गए । उत्तराखंड के नैनीताल जनपद अन्तर्गत शहर हल्द्वानी निवासी संजीव कुमार अग्रवाल पुत्र पूरणमल अग्रवाल हल्द्वानी के एक बड़े स्टेशनरी व्यापारी है। संजीव के पुत्र शोभित के मुताबिक कोरोना काल में करीब डेढ़ वर्ष तक विद्यालय बंद रहने के कारण धंधा ठप सा हो गया। इसी के चलते पिता मानसिक तनाव में रहते थे। प्रतिदिन की भांति बीते 10 दिसंबर को दोपहर पिता ने अपनी फोर्ड कार निकाली और घर से चले गए। किन्तु देर शाम तक वह घर नहीं लौटे। परिजनों ने उनके मोबाइल फोन पर किया तो मोबाइल फोन का स्विच ऑफ मिला। रात भर खोजने के बाद परिजनों ने सुबह कोतवाली में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद परिजनो ने आसपास के जिलों में स्थित रिश्तेदारी में खोजबीन की। लेकिन कहीं भी सुराग नहीं लगा।

क्विक न्यूज

गोवंश ले जाते एक गिरफ्तार

पुखरायां, कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के मांवर गांव के पास झांसी-कानपुर हाइवे पर पुलिस ने ट्रक में गोवंश लिए जा रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।
पुलिस चौकी देवीपुर के इंचार्ज भूपेंद्र सिंह ने बताया कि नई बस्ती इटावा निवासी इरशाद के बन्ने ट्रक में गोवंश लादकर कानपुर ले जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर ट्रक की तलाशी लेने पर गोवंश बरामद हुए हैं। उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वही दो लोग मौका पाकर फरार हो गए हैं। जिनकी तलाश की जा रही है।

मारपीट का मुकदमा दर्ज, भेजा जेल

पुखरायां, कानपुर, देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के करियापुर गांव में आपसी रंजिश के मारपीट हो गई है। पुलिस ने शांति भंग के आरोप में जेल भेजा है।
करियापुर निवासी बलवान ने बताया कि पड़ोसी राजेंद्र आएदिन शराब पीकर गाली गलौज करता है। जब वह अपनी ठिलिया लेकर घर की तरफजा रहा था रास्ते में राजेंद्र ने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी है। वहीं जेब में रखें 1200 रुपए छीन लिये हैं। पुलिस चौकी अमरौधा के इंचार्ज भारत सिंह यादव ने बताया कि राजेंद्र को गिरफ्तार कर शांति भंग के आरोप में जेल भेजा है।

आज आयोजित होगा पेंशनर्स दिवस

कानपुर देहात। जिला मुख्यालय माती के कलेक्ट्रट सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में पेंशनर्स दिवस आयोजित किया जाएगा। वरिष्ठ कोषाधिकारी के0के0 पाण्डेय ने बताया कि 17 दिसम्बर को अपरान्ह 12 बजे पेंशनर्स दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिसमें कोविड-19 की रोकथाम हेतु प्रोटोकाल का ध्यान रखा जाएगा। जनपद के समस्त विभागों के अधिकारी तथा पेंशनर्स संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहेगें। समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु कार्यवाही की जायेगी।

आवास योजनाओं की जनसुनवाई आज

कानपुर देहात। नगर पंचायत सिकंदरा में शुक्रवार को आवास योजनाओं की जनसुनवाई की जाएगी। जिसमें लाभार्थियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाएगा।
डूडा के परियोजना अधिकारी हर्ष अरविन्द ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत नगर निकाय सिकन्दरा में 17 दिसम्बर को जनसुनवाई का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसमें क्षेत्रीय नगर एवं पर्यावरण अध्ययन केन्द्र लखनऊ से संयुक्त निदेशक डॉ. अंजुलि मिश्रा, अपर निदेशक डॉ0 एके सिंह, सलाहकार मनीष कुमार सिंह सम्बोधित करेंगे। नगर निकाय अध्यक्ष, अधिशाषी अधिकारी, पार्षद, हितभागी एवं डूडा से परियोजना अधिकारी एवं सीएलटीसी प्रतिभाग करेंगे।

बैठक में मनरेगा योजना के श्रम बजट का खींचा गया खाका

फतेहपुर। ग्राम पंचायतो के विकास हेतु मनरेगा योजना के श्रम बजट के सदुपयोग को लेकर आज डीआरडीए में उपायुक्त मनरेगा की अध्यक्षा में बैठक हुई। जिसमें वित्तीय वर्ष 2022-2023 के विकास कार्यों हेतु मनरेगा योजना से कराएं जाने वाले कार्यों का खाका खींचा गया। जिसमें पूरे वर्ष श्रम एवं सामग्री पर कितना व्यय किया जाएगा। इसकी विस्तृत जानकारी जिला लेखाकार अजीत जोगी ने दी। बैठक में उपायुक्त मनरेगा अशोक कुमार गुप्ता ने आवश्यक दिशा-निर्देश और शासन की मंशा के अनुरूप धन का सदुपयोग करने के कड़े निर्देश दिए। इस मौके पर प्रमुख रूप से लेखाकार मो0 फुरकान अंसारी, कमल किशोर, संतोष दिवाकर, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी प्रीती सिंह, आशीष कुमार आदि मौजूद रहे।

चेयरमैन प्रतिनिधि के समर्थन में उतरी मौर्य उत्थान समिति, दिया ज्ञापन

फतेहपुर। मौर्य उत्थान समिति की जिला इकाई द्वारा कलेक्ट्रेट पहुंच कर प्रदेश के राज्यपाल को संबोधित 03 सूत्रीय एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जिला प्रशासन द्वारा राजनैतिक द्वेषवश नगर पालिका परिषद के सभासद एवं चेयरमैन प्रतिनिधि रजा मोहम्मद एवं उनके सहयोगियों के विरूद्ध उत्पीड़नात्मक कार्यवाही की जा रही है, जो पूरी तरह से अनुचित है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रशासन द्वारा एक छोटी सी सामान्य घटना को तूल देकर गलत तरीके से फर्जी मुकदमें दबाव बनाकर कायम कराएं गए हैं, जिन्हें तत्काल वापस लिया जाए। समिति ने समस्त घटनाक्रम की जांच किसी स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एजेंसी से कराई जाए। यह भी कहा गया कि राजनैतिक दबाव वश द्वेष पूर्ण ढंग से एवं विधि विरूद्ध तरीके से की जा रही समस्त कार्यवाही रोकी जाए। इस मौके पर प्रमुख रूप से श्रवण कुमार मौर्य, महेश मौर्य, जगदीश मौर्य एडवोकेट, राम सजीवन, प्रदीप कुमार मौर्य, वीरेंद्र मौर्य, हरिश्चंद्र मौर्य आदि तमाम सजातीय बंधु मौजूद रहें।

कांग्रेसियों ने की टेनी को बर्खास्त करने की मांग

फतेहपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिला व शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र उर्फटेनी को बर्खास्त करने की मांग की। एसआईटी की जांच में स्पष्ट हो जाने के बावजूद भी केंद्र सरकार द्वारा अजय मिश्र उर्फटेनी का जिस तरीके से बचाव किया जा रहा है व उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं किया जा रहा है। इसको देखते हुए समस्त कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया। राष्ट्रपति से मांग किया कि अजय मिश्र को जल्द से जल्द मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाये। शहर अध्यक्ष मोहसिन खान ने कहा कि यदि राज्य मंत्री की बर्खास्तगी नहीं होती है तो आगे और वृहद आन्दोलन करेंगे क्योंकि वर्तमान में चाहे केंद्र की सरकार हो या राज्य सरकार हो, यह अपराधियों को पूरा संरक्षण देने का काम कर रही है। इस दौरान प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष सुधाकर अवस्थी, संतोष कुमारी शुक्ल, राजीव लोचन निषाद, शिवाकान्त तिवारी, नीलम भारती, विकास मिश्र, पंकज सिंह गौतम, बीरेंद्र सिंह चौहान, इसरत खान, चंद्र प्रकाश लोधी, ओम चंद्र मिश्र, सुरेश तिवारी, विनीत मौर्य, विवेक मिश्र, सिकन्दर घोषी, अभय शुक्ल, राजन तिवारी, महबूब आलम, बीरेंद्र गुप्त, अशोक दुबे, बृजेश मिश्र, कल्लू कोरी, अंकित, सन्दीप साहू आदि मौजूद रहे।

व्यापारिक प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी लगाने का अनुरोध

फतेहपुर। पुलिस लाइन मनोरंजन कक्ष में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक नवनियुक्त सीओ सिटी दिनेश चन्द्र मिश्रा की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में व्यापारियों की सुरक्षा के विषयों में चर्चा करते सुरक्षा हेतु समस्त व्यापारिक प्रतिष्ठानों के मुख्य द्वार व अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने का अनुरोध किया। साथ ही अन्य समस्याओं में शहर के अन्दर हेलमेट के नाम दो पहिया वाहनों के चालान व अतिक्रमण शुलभ यातायात सहित तहसीलों,कस्बो के व्यापारिक प्रतिष्ठानों के व्यापारियों के ऊपर अतिक्रमण के नाम पर चालान जैसी समस्याओं पर चर्चा करते निस्तारण पर कार्य करने हेतु आमराय से अवगत होते कार्ययोजना को अन्तिम रूप दिया गया। सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक में उपस्थित नवनियुक्त कोतवाली प्रभारी अरुण चतुर्वेदी ने अपना परिचय देते समाजहित, जनहित के कार्यो में कार्य करने की वचनवद्धाता को स्वीकार किया। व्यापार मण्डल जुड़े पदाधिकारियों ने समस्याओं की जानकारी देते निस्तारण की बात कही। सीओ सिटी ने सभी का आभार व्यक्त करते समस्त समस्याओं के निस्तारण हेतु आश्वस्त किया। इस अवसर पर उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा, जिलाध्यक्ष अनिल वर्मा, नगर अध्यक्ष मनोज साहू, चंद्रप्रकाश, बब्लू गुप्ता, प्रेमदत्त उमराव, मनोज मिश्रा, कृष्ण कुमार तिवारी, अर्मेन्द्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ

चौडगरा (फतेहपुर)। जनपद के मलवाँ विकास खंड के अलीपुर स्थित वाणी इंटरनेशनल अकैडमी में तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुरेंद्र सिंह गौतम थानपुर, के साथ रामशरण सिंह परिहार डीआइओएस महेंद्र प्रताप सिंह सरस्वती प्रतिमा में दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रतियोगिता में दौड 100 मीटर मैं हिमांशु सिंह कक्षा 10, सूरत सिंह कक्षा 11 हर्षित कुमार 11 ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्राओं की दौड प्रतियोगिता में शारदा सिंह, अनीता सिंह, पलक चंदेल ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय में नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उत्कृष्ट छात्रों को मेडल पहनाकर डीआइओएस महेंद्र प्रताप सिंह ने परिचय लिया। कार्यक्रम का संचालन छात्रा प्रगति गुप्ता व दिशा ओमर नें किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से सर्वोदय इंटर कॉलेज गोपालगंज के प्रधानाचार्य जवाहर सिंह राठौर, विद्यालय प्रबंधक वीरेंद्र सिंह, प्रधानाचार्य शिवेंद्र कुमार, शिक्षक ध्रुवेंन्द्र प्रताप सिंह, पंकज, आलोक सिंह, सुरेंद्र कुमार, सोहन, दिव्या अवस्थी आदि मौजूद रहीं।

रंजिश के चलते दंपति को पीटा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। रंजिश को लेकर दबंगों ने दंपति के साथ गाली गलौज की और मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। क्षेत्र के ग्राम झूसीनागर निवासी सतेंद्र सिंह पुत्र कलेक्टर सिंह ने दी तहरीर में बताया है कि गांव के सतवीर और उसके पुत्र राजन, टुईया ने पुरानी रंजिश को लेकर उसके दरवाजे पर आकर गाली गलौज की। मना करने पर उसे व बीच-बचाव करने आई उसकी पत्नी रामबेटी को भी लाठी-डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। कोतवाली पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

निजीकरण के विरोध में दो दिवसीय हड़ताल

बैंकों में लटके रहे ताले, धरना-प्रदर्शन

प्रयागराज। बैंकिंग कानून संशोधन बिल तथा निजीकरण के विरोध में गुरुवार को बैंक कर्मचारियों ने दो दिवसीय हड़ताल शुरू की। यूनाइटेड फोरम ऑफबैंक यूनियन की ओर से घोषित हड़ताल में एसबीआई बीओबी समेत अन्य सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। सभी बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी बैंक में ताला लगाकर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान बैंकों में ताला लटका रहा। यूनाइटेड फोरम ऑफबैंक यूनियन की ओर से घोषित दो दिनी हड़ताल का समर्थन आज उत्तर प्रदेश बैंक ऑफ बड़ौदा इम्प्लाइज यूनियन इलाहाबाद ने भी किया। बीओबी ने भी आज बैंक के निजीकरण के विरोध में हड़ताल पर रहे। हड़ताल में सभी बैंक संगठन के अधिकारी और कर्मचारी संघ सक्रिय रूप से

सहभागिता की। संगठन द्वारा मुख्य रूप से बैंकों के निजीकरण के विरोध के साथ ही सरकार बैंकों के आमजन से जुड़ाव को लेकर बैंकों की संरचना और संक्रिया के ढांचे को मजबूत करते हुए उसकी अन्य पूर्ववर्ती मांगों को पूरा करने की मांग की गई। हड़ताल के दौरान उत्तर प्रदेश बैंक ऑफ बड़ौदा इम्प्लाइज यूनियन इलाहाबाद के क्षेत्रीय सचिव सुनील कुमार सिंह जिला सचिव प्रभंजन प्रसाद प्रफुल्ल कुमार गुप्ता सुंदर लाल कन्हैया यादव मनीष त्रिपाठी विक्रम सिंह अनिल कुमार आदि रहे। पूर्व घोषित हड़ताल में ऐक्टू से सम्बद्ध यूनियनों से जुड़े भारी संख्या में लोग हड़ताल पर रहे। लोग पहले पत्थर गिरजाघर पर इकट्ठा होकर बैंक कर्मचारियों के जुलूस में भागीदारी की। इसके बाद पुर्वांचल विधुत वितरणव खंड जार्जटाउन के केंद्रीय कार्यालय के बाहर शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से बैंक कर्मचारियों के राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में धरना प्रदर्शन किया। फ़िर जुलूस की शक्ल में इंदिरा भवन स्थित सेंट्रल बैंक कार्यालय पर पहुंच कर सीधे बैंक कर्मचारियों के साथ एकजुटता जाहिर किया। बैंक कर्मचारियों के हड़ताल का समर्थन करते हुए ऐक्टू पदाधिकारियों ने कहा कि तीनों काले कृषि कानून पर मुंह की खाने के बाद भी सरकार कुछ सीखने को तैयार नहीं है। जिस समय निजि बैंक दिवालिया होकर आम जनता की मेहनत की गाढ़ी कमाई लेकर फ़रार हो रहे है। ठीक उसी समय सरकारी बैंक अपनी कठिन मेहनत ईमानदारी के साथ लगातार मुनाफ़े में रहते हुए जनता के विश्वास पर खरे उतरते हुए देश और समाज को फ़ायदा पहुंचा रहे हैं।

एनटीपीसी सीएसआर ने मण्डलस्तरीय बालक क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

एनटीपीसी टांडा नैगम सामाजिक दायित्व के तहत दो दिवसीय मण्डल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ समारोहपूर्वक एकलव्य स्टेडियम में किया गया। बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारम्भ समारोह के मुख्य अतिथि संजय कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक, एनटीपीसी टांडा एवं विशिष्ट अतिथि वीरेन्द्र सिंह, जिला विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक, संजय कुमार सिंह ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारा प्रमुख कार्य ज्यादा से ज्यादा विद्युत उत्पादन करके देश के विकास को गति प्रदान करना है। इसके साथ-साथ हम अपने नैगमिक सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत परियोजना के आसपास के ग्रामीणजनों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए गाँवों में समुचित प्रकाश, शुद्ध पेयजल, सड़क, शौचालय आदि बुनियादी ढाँचे के विकास हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हैं।

परिषदीय विद्यालयों के बच्चों को खेल के प्रति आकर्षित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष जनपदीय एवं मंडलीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के आयोजन में सीएसआर के तहत सम्यक् योगदान दिया जा रहा है। छात्र-छात्राओं को समुचित खेल का अवसर प्रदान करना है बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास स्वाभाविक रूप से हो सके। इसके साथ-साथ खेल के माध्यम से सभी बच्चों में परस्पर सौहार्द एवं भाईचारे की भावना का विकास भी स्वाभाविक रूप से हो सके। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष रामसागर पति त्रिपाठी, सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), अयोध्या मंडल ने अपने संबोधन में एनटीपीसी मुख्य महाप्रबंधक का धन्यवाद किया एवं अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

भाजपा ने श्रद्धांजलि यात्रा निकाली

अयोध्या। भाजपा महानगर सैनिक प्रकोष्ठ के तत्वाधान में सीडीएस जनरल विपिन रावत व उनके साथ हेलीकाप्टर दुर्घटना में शहीद हुए सैन्य अधिकारियों को श्रद्धांजलि देने के लिए यात्रा निकाली गयी। प्रकोष्ठ के महानगर के संयोजक प्रदीप सिंह फौजी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि यात्रा पूरा क्षेत्र के कर्मा चौराहा स्थित पुष्पराज डिफेंस एकेडमी से निकली जो कोडरी चौराहा मसौधा नाका फत्तेहगंज चौक रिकाबगंज होते हुए पार्टी कार्यालय पहुंची। यहां श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। जहां दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।

यात्रा में शामिल बच्चों ने अपने हाथों में तिरंगा ले रखा था। इससे पहले यात्रा को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि सीडीएस विपिन रावत द्वारा किये गये देश के प्रति योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। उनका साहसए दूरदर्शिता व अनुभव हमें सदा याद आयेंगे। राष्ट्रहित सर्वोपरि के भाव के साथ हम अपना तन मन धन देश के प्रति समर्पित करके उन्हें श्रद्धांजलि देंगें। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि सीडीएस बिपिन रावत का निधन हमारे देश के लिए अपूर्णीय क्षति है।

हमारे बीच में नहीं है परन्तु उनका देश के प्रति समर्पण व विचार हमें सदा प्रेरणा देते रहेंगे। इस अवसर पर कैप्टन जेपी द्विवेदी अरविंद सिंह अखण्ड प्रताप सिंह डिम्पल राम कुमार सिंह राजू रवि सोनकर राघवेन्द्र पाण्डेय अशोक कसौधन रवि शर्मा अमित तिवारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्रामक रोगों के बढ़ने से अस्पताल में हों भर्ती: प्रयागराज। स्वास्थ्य बीमाकर्ताओं ने गैर कोविड दावों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। क्योंकि अस्पताल में भर्ती होने की लागत बढ़ गई है। जिससे यह संकेत मिलता है कि प्रीमियम में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। पॉलिसीबाजार डॉट कॉम के प्रमुख स्वास्थ्य बीमा अमित छाबड़ा ने कहा हम गैर कोविड कॉलों की संख्या में वृद्धि देख रहे हैं।

डॉ. आशीष सचान ने रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाला

प्रयागराज। रेल अधिकारी डा आशीष सचान ने रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद का दायित्व संभाल लिया। डॉ. आशीष सचान 2011 सिविल सेवा परीक्षा बैच के एक आईआरपीएस अधिकारी हैं। चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में उप मुख्य कार्मिक अधिकारी कार्य केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी और संयुक्त सचिव फेडरेशन ऑफ ऑफिसर्स एसोसिएशन का प्रभार संभाल रहे थे। डा आशीष सचान ने बीटेक कृषि इंजीनियरिंग एम टेक मृदा और जल संरक्षण इंजीनियरिंग और डॉक्टरेट मृदा और जल संरक्षण इंजीनियरिंग किया। पहली पोस्टिंग सहायक कल्याण अधिकारी के रूप में थी। प्रतिष्ठित करियर में चितरंजन लोकोमोटिव वर्क्स में लाइजेन अधिकारी ओबीसी वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी नागरिक सुरक्षा अधिकारी महासचिव सांस्कृतिक संघ बैडमिंटन खेल के सचिव एचआरएमएस विशाखा समिति के सदस्य विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे।

अब राष्ट्रवाद का बिगुल बजाएंगे जगतगुरु परमहंस

अयोध्या। श्रीराम नगरी अयोध्या आंग्ल नव वर्ष के शुभारंभ पर स तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगद्गुरु परमहंस आचार्य राष्ट्रवाद महोत्सव का करेंगे आयोजन 10 हजार लोग होंगे सम्मिलित। जगतगुरु परमहंस आचार्य ने बताया कि अब देश में राष्ट्रवाद के राजनीति की आवश्यकता हो जातिवाद परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति से ऊपर उठकर देश के सभी दलों को राष्ट्र की चिंता करनी चाहिए क्योंकि अगर हमारा रास्ते ही सुरक्षित नहीं है तो फिर हम भी सुरक्षित नहीं होंगे इसका जीता जागता उदाहरण अफ़गानिस्तान में शीघ्र ही देखने को मिला है।

अफ़गानिस्तान की राज्य सत्ता राष्ट्र को एकत्रित करके नहीं चल सकी आज उस पर आतंकवादी अराजक तत्वों का शासन है जहां पर बहन बेटियां भी सुरक्षित नहीं है शिक्षा व्यवस्था भी नष्ट हो गई है।

तपस्वी छावनी पीठाधीश्वर जगत गुरु परमहंस आचार्य

भारत में ऐसी स्थिति ना आए इसके लिए देश के सभी लोगों को राष्ट्र के प्रति समर्पित होना पड़ेगा और यही कारण है कि 1 जनवरी को अयोध्या में राष्ट्रवाद महा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमें लगभग दस हजार लोग सम्मिलित होंगे और राष्ट्रवाद के लिए देश के कोने कोने में प्रचार सेमिनार गोष्ठी का आयोजन अयोध्या के बाद पूरे देश में करेंगे।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष पहुंचे अयोध्या पूर्व अध्यक्ष ज्ञानदास का लिया आशीर्वाद

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में पहुंचे वर्तमान अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी पूर्व अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत ज्ञान दास जी महाराज का लिया आशीर्वाद। महंत ज्ञान दास जी महाराज के शिष्य संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास जी महाराज ने बताया कि महंत नरेंद्र गिरि के आकस्मिक निधन के बाद अखाड़ा परिषद का पद खाली हुआ था और वर्तमान में रविंद्र गिरी को अखाड़ा परिषद का अध्यक्ष बनाया गया है। अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार अयोध्या में परिषद के अध्यक्ष रविंद्र गिरी और महामंत्री राजेंद्र दास का आगमन हुआ नवनियुक्त दोनों लोगों ने हनुमानगढ़ी पहुंचकर श्री महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। महाराज जी ने दोनों लोगों को आशीर्वाद देकर विदा किया।

क्विक न्यूज

एजीएससी के जरिए आयोजित होंगे कार्यक्रम

प्रयागराज। कार्यबल के कौशल को पहचानने औपचारिक रूप से प्रमाणित करने और उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ने के प्रयास में स्किल इंडिया मिशन अपने संकल्प कार्यक्रम आजीविका संवर्धन के लिए कौशल अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता के तहत उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के सेमरा और यारना में उम्मीदवारों के लिए एक विशेष रिकॉग्निशन ऑफप्रायर लर्निंग आरपीएल कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आदर्श ग्राम कौशल शिविर एजीएससी के माध्यम से कार्यान्वित कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश बिहार राजस्थान गुजरात उड़ीसा असम त्रिपुरा तेलंगाना आंध्र प्रदेश कर्नाटक और तमिलनाडु के सौ प्लस गांवों में उम्मीदवारों को प्रमाणित करना है। चौदह दिसंबर सेमरा में सौ से अधिक उम्मीदवारों को पिकल मेकिंग तकनीशियन जॉब रोल में प्रमाणित किया गया है।

औने-पौने दाम पर गन्ने को बेंचने पर मजबूर है किसान

मीटी, अम्बेडकरनगर। सूबे की सरकार किसानों की आय दोगुना करने की बात कहती है लेकिन यह छोटे किसानों के लिए संभव नहीं हो पा रही है। किसानों को गन्ना की पर्ची उपलब्ध ना होने से क्रेशर पर ओने पौने दामों में गन्ना बेचने के लिए मजबूर हो गए हैं। बहुत सारे किसान अभी ऐसे है जिनकी अभी तक एक भी गन्ने की पर्ची नहीं आई है। धीरे धीरे गेहूं की बुवाई का समय भी निकलता चला जा रहा है। मजबूर होकर छोटे और मझोले किसान ओने पौने दामों में क्रेशर पर गन्ना बेचने के लिए मजबूर हैं। वहीं बड़े किसानों का कई गन्ना पर्ची आ चुकी है। छोटे किसान हमेशा परेशान होते चले आ रहे हैं चाहे वह धान बिक्री हो या फिर गन्ना बेचने का मामला हर बार ही छोटे किसान परेशान होकर ओने पौने दामों में अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

केन्द्र सरकार की ईसीएलजीएस योजना क्रियान्वित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में एचडीएफसी बैंक की एमएसएमई ऋण खाते लोन बुक ने तेरह हजार करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। इसी साल तीस सितंबर दो हजार इक्कीस तक उत्तर प्रदेश के लिए बैंक ने उत्तर प्रदेश में सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों एमएसएमई को तेरह हजार एक सौ चौवन करोड़ रुपए तक के ऋण प्रदान किए हैं। एचडीएफसी बैंक की एमएसएमई लोन बुक तीस सितंबर को समाप्त तिमाही की तुलना में तीस सितंबर में सत्रह प्रतिशत तक बढ़ी है।

ठंड से हुई थी ग्रामीण की मौत

जाना बाजार। 52 वर्षीय रामकिशोर की मौत ठंड लगने से हुई ।जिसका खुलासा हैदरगंज पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलते ही कर दिया। मृतक का शव खेत में पड़े मिले होने के कारण गांव में चल रही तरह.तरह की चर्चाएं समाप्त हो गई। थाना क्षेत्र हैदरगंज के ग्राम पंचायत दोस्त ग्राम पुर में ननसा बाजार बनकठवा मार्ग के पास स्थित सड़क के किनारे गन्ने के खेत में 13 दिसंबर की सुबह मृतक का शव मिला था। खेत में शव पड़े होने की सूचना पर हैदरगज पुलिस पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया था। मृतक की पत्नी राम सवारी के अनुसार 12 दिसंबर की शाम घर से लगभग 5रू00 बजे पैदल निकला था और घर नहीं आया था। सुबह खोजबीन के दौरान उसके शव के मिलने की जानकारी हुई। बनकठवा गांव जहां शराब बनाने की भट्ठियां धधकती है लोग जमकर देसी शराब पीते हैं। बाग में शराब की पॉलीथिन की थैलियां और गिलास भारी मात्रा में मिलने के चलते क्षेत्रवासी व पुलिस के लोग भी शराब पीने से मौत के कारण से जोड़कर देख रहे थे।

अंबेडकरनगर में 19 को नड्डा करेंगे जन विश्वास यात्रा का भव्य शुभारम्भ

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

भारतीय जनता पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कितना गम्भीर है उसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तर प्रदेश में 19 दिसंबर से शुरू होने वाले 6 जन विश्वास यात्राओं में से एक यात्रा अंबेडकर नगर जनपद से शुरू कर रही है। जिसको भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा विशाल जनसभा को सम्बोधित करने के बाद हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

उपरोक्त बातें भाजपा के क्षेत्रीय महामंत्री/जनपद प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने जिला कार्यालय अटल भवन में दिन भर चले विभिन्न स्तर के पदाधिकारी और मोर्चा के पदाधिकारियों की यात्रा सम्बन्धी तैयारी बैठक में कही। उन्होंने भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष डाक्टर मिथिलेश त्रिपाठी, यात्रा संयोजक दीपक तिवारी के साथ सम्पन्न पत्रकार वार्ता में कहा कि विधान सभा चुनाव के विभिन्न वर्षों में विपक्षी दलों द्वारा गुंडा और माफ़ियागीरी को समाप्त करने वाला वादा किया। परंतु माफ़ियागीरी को समाप्त करना तो दूर प्रदेश के गुंडों को संरक्षण दे कर जनता का जीना दुस्वार कर दिया।

भाजपा की सरकार जब से मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बनी तब से गुंडा या तो प्रदेश छोड़ कर चले गए या तो ऊपर चले गए या जेल में डाल दिए गए हैं। आज प्रदेश में जनता अपने आप को बहुत सुरक्षित महसूस कर रही है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार को समाप्त कर सुशाशन का राज कायम किया है।

अधूरी छोड़ सड़क भागा ठेकेदार, नौ का था टेण्डर, बस एक पर हुआ काम

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। नगर पालिका परिषद टाण्डा के दर्जनों सभासदों ने पहले से स्वीकृत कार्यों का निर्माण कार्य अविलम्ब शुरू कराये जाने की मांग नगर पालिका के प्रशासक अपरजिलाधिकारी व अधिशाषी अधिकारी से की है। सभासदों ने बताया कि नगर क्षेत्र में निर्माण कार्य के लिए दिनांक 15 दिसम्बर को टेंडर होना था जिसका ठेकेदारों ने अधिक कमीशन मांगने का आरोप लगाते हुए बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया था।

जिस कारण टेंडर आमंत्रण की तिथि 20 दिसम्बर तक बढ़ा दी गयी थी। इस बीच कुछ ठेकेदारों ने प्रेस नोट जारी कर बहिष्कार समाप्त की घोषणा कर दिया है। सड़कों की हालत व जनता की परेशानी को देखते हुए आगामी विधान सभा आम चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले सड़कों व वार्डों के अंदर जिन कार्यों का कराया जाना अतिआवश्यक है और जिसका टेंडर व वर्क आर्डर जारी हो चुका है उसे अविलम्ब शुरू कराया जाए। ज्ञात हो कि बीते जून माह में नगर की 9 सड़कों का टेंडर हुआ था जिसमे मात्र एक कार्य दशहरा दुर्गापूजा को देखते हुए चौक घण्टे घर के अनिल जूस कार्नर से जुबेर चौराहे तक की सड़क आर सी सी बनाई गई है जिसमे लगभग 15 मीटर सड़क छोड़ कर पहले ही ठेकेदारों ने घपला कर दिया है और सड़क अनिल जूस कार्नर से न बना कर हाजी मार्केट से बनाई गई वह भी गुडवत्ता विहीन है सड़क पर मोटरसाइकिल चलाने पर झटके लगते है वहीं अभी तक आठ सड़कों का कार्य शुरू नही हो सका है जबकि उसके निर्माण पूर्ण करने की समय सीमा पहले ही समाप्त हो चुकी है। मांग करने वालों में सभासद जय प्रकाश यादव, शकील अहमद अंसारी,अजीजुर्रहमान,मो0 सद्दाम, उममें हानी, नबीला खातून, अबुजर ,जमाल ,नोशाब खातून आदि रहे।

निगरानी टीम का गठन

संवाददाता। अयोध्या

जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 के लिए विडियो निगरानी टीम का गठन किया है। विस क्षे 271 रूदौली में अवर अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग हरि प्रकाश को प्रात: 6 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक अवर अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड ब्रहम प्रकाश को अपरान्ह 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं अवर अभियन्ता प्रख लोनिवि वेद प्रकाश को रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे 273 मिल्कीपुर में अवर अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग श्री अमित सिंह को प्रात: 6 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक, अवर अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड सतीश कुमार वाष्णेय को अपरान्ह 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं अवर अभियन्ता प्र0ख0 लो0नि0वि0 प्रशांत यादव को रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तकए वि0स0नि0क्षे0 274 बीकापुर में अवर अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग श्री रमेश अग्रहरि को प्रात: 6 बजे से अपरान्ह 2 बजे तक, अवर अभियन्ता नलकूप निर्माण खण्ड श्री राधेश्याम विमल को अपरान्ह 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं अवर अभियन्ता प्र0ख0 लो0नि0वि0 मुन्ना प्रसाद को रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक वि0स0नि0क्षे0 275 अयोध्या में अवर अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग श्री राम अनुज को प्रात: 6 बजे से अपरान्ह 2 बजे तकए अवर अभियन्ता सरयू नहर खण्ड श्री ऋषभ श्रीवास्तव को अपरान्ह 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं अवर अभियन्ता प्र0ख0 लोक निर्माण विभाग एस0एन0 सिंह को रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक तथा वि0स0नि0क्षे0 276 गोशाईगंज में अवर अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग पीएस गुप्ता को प्रात: 6 बजे से अपरान्ह 2 बजे तकए अवर अभियन्ता सरयू नहर खण्ड अमित कुमार तिवारी को अपरान्ह 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक एवं अवर अभियन्ता प्र0ख0 लो0निवि श्री अशोक श्रीवास्तव को रात्रि 10 बजे से प्रात: 6 बजे तक ड्युटी निर्धारित की गयी है।

क्रिटिकल मतदान स्थलों को लेकर मंथन

अम्बेडकरनगर। वल्नरेबिलिटी मैपिंग एवं क्रिटिकल मतदान स्थलों के चिन्हांकन के संबंध में जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित किया गया। ऐसे मतदाताओं अथवा मतदाताओं के समूहो का ग्राम, मजरा व क्षेत्रवार चिंहीकरण, जिन्हें किसी भी प्रकार का भय मतदान के समय होने की संभावना है, ऐसे व्यक्तियों का चिन्हीकरण जो कि इस प्रकार की परिस्थितियां उत्पन्न कर रहे हो, ऐसे चिन्हित व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक व विधिक कार्यवाही प्रारंभ करने हेतु निर्देशित किया गया।

इपिक वाले एवं बिना इपिक वाले मतदाताओं (गैर- इपिक मतदाता) की मतदान केंद्रवार संख्या का विश्लेषण किया गया। मतदान केंद्रों की प्राथमिकता नियत करने के लिए गैर- इपिक मतदाताओं की संख्या के अनुसार आरोही क्रम में रखा गया। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निर्वाचन के दौरान

अतिसंवेदनशील छोटे गांवो/ गावो/ निर्वाचन खंडों की अति संवेदनशीलता मैपिंग करने के लिए निर्देशित किया गया। ऐसे सभी मतदान केंद्रों जहां दर्ज किए गए मतदान का प्रतिशत 90 प्रतिशत से अधिक है और जहां 75 प्रतिशत से अधिक मतदान एक अभ्यर्थी के पक्ष में दर्ज किए गए हैं, को महत्वपूर्ण मतदान केंद्र के रूप में चिन्हित करने का निर्देश दिया गया।

मतदान केंद्रों, जहां निर्वाचन संबंधी कदाचारो की सूचना के कारण निर्वाचन के दौरान पुनर्मतदान हुआ और ऐसे मतदान केंद्रों जहां निर्वाचन संबंधी हिंसा हुई थी, को भी चिन्हित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी तथा समस्त थानाध्यक्ष के साथ इस संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा अधीनस्थों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी, मुख्य विकास अधिकारी घनश्याम मीणा, अपर जिलाधिकारी अशोक कुमार, कनौजिया, अपर उपजिलाधिकारी रोशनी यादव, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, समस्त थाना अध्यक्ष तथा संबंधित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे।

चोरों ने गायब किये नगदी व जेवरात

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। कोतवाली टाण्डा क्षेत्र के मोहल्ला छज्जापुर में बीती रात्रि में चोरों ने एक घर मे घुस कर लाखों रुपये के जेवरात व नगदी ले उड़े। पीड़ित परिवार ने कोतवाली टाण्डा पुलिस को सूचना दी है। पुलिस ने अभी रिपोर्ट नही दर्ज किया है और मामले की जांच की बात कह रही है। हताब आलम पुत्र महमूद अली के मकान में बीती 15/16 दिसम्बर की रात्रि में छत के रास्ते चोरों ने घर मे घुस कर जिस कमरे में परिवार के लोग सो रहे थे उसके दरवाजे की सिटकनी बाहर से बंद कर दिया। जब परिजनों द्वारा दरवाजा खोला गया तो अज्ञात चोर दूसरे कमरे में रखे तीन बॉक्स को छत पर ले जा कर बॉक्स को तोड कर सामानों को अस्त व्यस्त करके उसमे रखे एक सोने की अंगूठी, सोने का तीन टीका, सोने के कान का फूल, सोने की दो नथिया, 6 अदद चादी का अंगुस्ताना, दो अदद पायल, आदि कीमती लगभग 5 लाख रुपए, डेढ़ लाख रुपए नकद चोरी कर ले गए।

कृषि को बढ़ावा देने के लिए पीएम का सजीव प्रसारण

मिल्कीपुर अयोध्या। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुमारगंज अयोध्या के प्रसार निदेशालय द्वारा किसानों के लिए सजीव प्रसारण किया गया। जिसमें राजस्थान के शीकर जनपद से भ्रमण पर आये हुए 68 प्रगति शील कृषकों एवं जनपद अयोध्या के धमथुआ अकमा बहादुरगंज चैधरीपुर एवं सरूरपुर इत्यादि गाँवों के किसानों को मिलाकर 286 कृषक महिला कृषकए छात्र छात्राओ बैज्ञानिक व अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

उक्त सजीव प्रसार कार्यक्रम प्राकृतिक संशाधनों का उपयोग कर अपनी आय बढ़ाने एवं प्राकृतिक एवं जैविक खेती पर तकनीकी के बारे में माननीय कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। गोबर बेसन गुड़ गौमूत्र एवं वृक्ष के नीचे की मिट्टी का प्रयोग करते हुए जीवामृत एवं बीजामृत को बनाकर प्रयोग करते हुए खेतों की जलधारण क्षमता व भूमि में जीवाणुओं की संख्या को बढ़ाकर हम अधिक गुणवत्तायुक्त उत्पादन प्राप्त कर सकते है। इसका

प्रयोग करने से कीड़ों व बीमारियों का फसलों पर प्रकोप कम होता है। कुलपति ने इस कार्यक्रम फलीभूत करने के लिए प्रसार निदेशालय में आने वाले प्रत्येक कृषक कों एक बोतल जीवामृत नि:शुल्क प्रदान करने के लिए निर्देशित किया।

जिसका प्रयोग कृषक अपने खेतो में प्रयोग करके जैविक व प्राकृतिक खेती को बढ़ाये। कुलपति महोदय ने किसानों बताया कि विश्वविद्यालय सस्य विज्ञान विभाग के 6 एकड़ में जैविक खेती का कार्य किया गया है। राजस्थान के राज्वपाल श्रीयुत देवव्रत जी द्वारा बतायी गयी विधियों का प्रयोग किया गया है। जैविक उक्त असवर प्रो. एपी राव निदेशक प्रसार ने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना के मूल उद्देश्य शिक्षा शोध व प्रसार के अंतर्गत कृषकों तक नवीनतम शोध तकनीकों को प्रसारित करने स्थानीय कृषि संबंधी समस्याओं को एकत्र कर उनके वैज्ञानिक समाधान के लिये शोध के क्षेत्र में कार्य कर रहे वैज्ञानिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रसार निदेशालय मुख्य रूप से कार्य करता है।

प्रो. राव ने कुलपति महोदय को आस्वस्थ किया कि निदेशालय की तरह ही विश्वविद्यालय के अधीन संचालित 25 कृषि विज्ञान केन्दों पर भी कृषकों को जीवामृत व बीजामृत उपलब्ध करायेगा। विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित 25 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कर हजारों कृषकों को जानकारी प्रदान करायी गयी। इस अवसर पर मीडिया प्रभारीए डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने बताया कि दीर्घायु व बीमारियों से मुक्त रहने के लिए जैविक एवं प्राकृतिक करना आवश्यक है क्योंकि इससे जो भी गुणवत्ता उत्पाद प्राप्त होते हैं वो हमारे दीर्घायु व निरोग जीवन के लिए अत्यन्त उपयोगी है।

भविष्य की चिंता

तेज टीकाकरण आवश्यक

भारतीय कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख वी.के. पाल ने कहा है कि हमारे वैक्सीन प्लेटफार्मों को कोविड-19 के बदलते स्वरूपों के अनुसार स्वयं को तेजी से ढालना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी है कि भविष्य में भारतीय वैक्सीनें निष्प्रभावी भी हो सकती हैं। एक प्रकार से उनका कहना है कि यदि वायरस एक समय में समाप्त न होकर अपना रूप बदल लेता है तो वैक्सीनों की प्रभावशीलता घट सकती है। ऐसी स्थिति में फौरन नई और बेहतर वैक्सीनें खोजना जरूरी हो सकता है जो उभरते स्वरूपों से निपट सकती हों। अब तक आम आदमी की समझ से भारत को वयस्क जनसंख्या के 70 प्रतिशत या उससे अधिक के टीकाकरण की जरूरत है ताकि हर्ड इम्युनिटी प्राप्त हो सके जिससे महामारी पर लगाम लग सके। इसके बाद लोगों को हर साल एक टीके की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन अब ओमीक्रान स्वरूप को देखते हुए स्थिति इतनी सरल नहीं रह गई है। यह स्वरूप भले ही डेल्टा या डेल्टा प्लस जितना खतरनाक न हो, पर यह बहुत तेजी से फैलता है। दूसरे, यह स्वरूप ऐसे समय उभरा है जब दुनिया एक और लाकडाउन बर्दाश्त नहीं कर सकती है जिसने अर्थव्यवस्था को बरबाद कर दिया है। इसका अर्थ है कि स्कूलों को खोलना और उनको खुले रखना होगा, अंतरराष्ट्रीय यात्रा पुन: शुरू करनी होगी तथा लोगों को फैक्ट्रियों या कार्यालयों में काम करने से रोका नहीं जाएगा। इसलिए हम स्कूली बच्चों, वृद्ध जनसंख्या, अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों, यात्रियों तथा भीड़ भरे स्थानों में काम करने वाले लोगों की इम्यूनिटी बढ़ाने के तरीके खोज रहे हैं। इनमें स्वास्थ्यरक्षा, पुलिस, धार्मिक क्षेत्र, शिक्षा, वाणिज्य व बिक्री, परिवहन, विनिर्माण व अतिथि सत्कार क्षेत्र शामिल हैं।

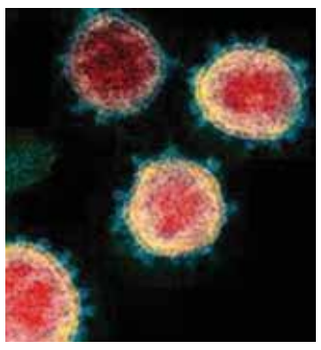

हमारी जनसंख्या के ये हिस्से सर्वाधिक उत्पादक होने के साथ ही वायरस व उसके प्रसार के सर्वाधिक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। चाहे कोवैक्सिन या कोवीशील्ड या बूस्टर खूराक हो, सवाल है कि क्या वे वायरस व उसके संक्रमण से इतनी सफलतापूर्वक निपट सकती हैं कि लोग स्वास्थ्य पर जोखिम उठाए बिना आर्थिक गतिविधि में लगे रह सकते हैं? क्या हमारे वैज्ञानिकों को नए स्वरूपों से निपटने के लिए नई वैक्सीनों की खोज करनी चाहिए या भावी वैक्सीनों और बूस्टरों को इस तरह तैयार करना चाहिए कि वे देश में महामारी पर नियंत्रण बनाए रख सकें? लेकिन सवाल यह भी है कि इस प्राथमिकता पर फैसला कौन करेगा? वैज्ञानिकों ने हमें बताया है कि भारत ने इस जून में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त कर ली थी जब देश ने महामारी के स्तर पर नियंत्रण प्राप्त कर लिया था और वह नियंत्रण अभी तक बना हुआ है। लेकिन यह स्तर बनाए रखना इस बात पर निर्भर है कि सरकार वायरस पर नियंत्रण के लिए टेस्ट और ट्रेस का कितनी कठोरतापूर्वक पालन करती है। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि लोग सुरक्षा व्यवहारों का उल्लंघन न करने की क्षमता कहां तक प्रदर्शित करते हैं। ऐसा न होने पर वह स्थिति पैदा हो सकती है जब वायरस के नए स्वरूप के नए व उभरते पाजिटिव मामले किसी दिन इम्युनिटी प्राप्त लोगों की संख्या से अधिक हो सकते हैं।

ऐसा होने पर हर्ड इम्युनिटी वाली सुरक्षा स्थिति टूट सकती है। ऐसे में हमें कोरोनावायरस वैश्विक महामारी की एक और लहर का सामना करना पड़ सकता है। वर्तमान समय में हमारे सामने वैक्सीन प्लेटफार्मों तथा तेजी से प्रतिक्रिया करने वाली वैक्सीनों के विकास में निवेश करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं है। भविष्य में आने वाले अगले वायरस या उसके स्वरूपों से निपटने के लिए ऐसा करना जरूरी होगा।

दीर्घकालीन आपदा प्रबंधन नीति जरूरी

मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के संदर्भ में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है।

प्रकाश साहू

यशोबंदा परिदा

पार्थना अग्रवाल

पिछले कुछ महीनों में, देश ने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे चक्रवात और बाढ़ का सामना किया है और साथ ही साथ कोविड-19 महामारी का भी सामना किया है। एक ओर जहां भारत सरकार कोविड-19 संक्रमण के प्रसार को रोकने और आर्थिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाएं जैसे चक्रवात और बाढ़ सरकार के वित्तीय बोझ को बढ़ा रही हैं। आबादी के लिए गंभीर स्वास्थ्य खतरे भी पैदा कर रहे हैं। हाल ही में, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिणी राज्यों में मानसून के बाद की बाढ़ ने मानव जीवन और संपत्ति पर कहर बरपाया है, जो राज्यों में एक सतत समस्या बन गई है। लगभग छह वर्षों के बाद, उत्तर-पूर्वी मानसून के नेतृत्व में भारी बारिश ने दक्षिणी भारतीय राज्य तमिलनाडु को प्रभावित किया है, जिससे विनाशकारी बाढ़ आई है और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार राज्य भर में 18 लोगों की जान चली गई है। वहीं, आंध्र प्रदेश के कई हिस्से भारी बारिश और बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिससे फसलों सहित संपत्ति का नुकसान हुआ है और 34 लोगों की मौत हुई है। प्रभावित जिलों से प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भारी बारिश के साथ बाढ़ से लगभग 1500 घरों को नुकसान पहुंचा है, और अनुमानित फसल नुकसान लगभग रु। आंध्र प्रदेश राज्य भर में 8 लाख हेक्टेयर कृषि और बागवानी फसलों में फैले 3000 करोड़ ने लगभग 58,000 लोगों को निकालने के लिए मजबूर किया।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, 1953 और 2017 के बीच तमिलनाडु में बाढ़ से राज्य को लगभग 27,326 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसमें से सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 24,061 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है, इसके बाद 3,120 करोड़ रुपये की फसल क्षति हुई है। और 145 करोड़ रुपये में घर। इस अवधि के दौरान, 3,705 लोग मारे गए, 56 मिलियन लोग प्रभावित हुए, 2.32 मिलियन हेक्टेयर फसल क्षेत्र तबाह हो गए, और 5.49 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए। हर साल, बाढ़ के कारण तमिलनाडु को लगभग 635 करोड़ रुपये का नुकसान होता है, और राज्य में 94.54 करोड़ रुपये की फसल के नुकसान के साथ 81 मौतें होती हैं।

तमिलनाडु में बाढ़, सूखा, बिजली, चक्रवात, ओलावृष्टि और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं आवर्ती घटनाएं हैं। अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण, राज्य अपनी अनूठी भू-जलवायु परिस्थितियों के कारण विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है और प्राकृतिक आपदा आवृत्तियों, क्षतियों और मृत्यु दर में वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, उच्च स्तर की सामाजिक आर्थिक भेद्यता, अपर्याप्त शमन उपाय, तेजी से शहरीकरण, और कृषि क्षेत्र पर उच्च निर्भरता ने प्राकृतिक आपदाओं के कारण होने वाले नुकसान को और बढ़ा दिया है। मानसून के दौरान लगातार और भारी वर्षा जैसे प्राकृतिक कारकों के अलावा, मानव निर्मित कारकों ने भी तमिलनाडु और पूरे देश में बाढ़ के कारण क्षति को बढ़ाने में योगदान दिया है। अनियोजित विकास, तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण, बाढ़ नियंत्रण प्रणालियों की विफलता, खराब जल निकासी सुविधाएं, वनों की कटाई, और अनियोजित जलाशय संचालन बाढ़ के नुकसान को बढ़ा रहे हैं। नतीजतन, शहरी बाढ़ मानव निर्मित त्रासदी के रूप में प्रकट हो सकती है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में चक्रवाती गतिविधि से जुड़ी भारी बारिश के कारण 1943, 1976, 1985, 1998, 2002, 2005 और 2015 में विनाशकारी बाढ़ आई है। 2015 दक्षिण भारत की बाढ़ नवंबर-दिसंबर 2015 में वार्षिक पूर्वोत्तर मानसून द्वारा उत्पन्न भारी वर्षा के परिणामस्वरूप हुई, जिसने दक्षिण भारतीय राज्यों तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कोरोमंडल तट क्षेत्र को प्रभावित किया। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2015 में शहर और उसके उपनगरीय इलाकों में आई बाढ़ ने 421 लोगों की जान ले ली और 3.04 मिलियन आबादी प्रभावित हुई। इसके अलावा, 0.38 मिलियन हेक्टेयर फसल तबाह हो गई, और 3.01 मिलियन घर क्षतिग्रस्त हो गए, जिससे कुल 25,913 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया और कई दिनों तक शहर को ठप कर दिया।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अलावा, बाढ़ भारत के अन्य राज्यों पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालती है। सार्वजनिक और निजी संपत्तियों के नुकसान और प्रभावित और मारे गए आबादी के आधार पर, भारत चीन (इमरजेंसी इवेंट्स डेटाबेस (श्वरू-ष्ठड्ड)) के बाद दुनिया का दूसरा सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित देश है। सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, 1953-2017 की अवधि में बाढ़ के कारण 107,535 लोग मारे गए और 2,088 मिलियन लोग प्रभावित हुए। इस अवधि के दौरान, बाढ़ से फसलों, घरों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे सहित 3,78,247 करोड़ रुपये, फसल को 1,11,225 करोड़ रुपये, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को 2,12,060 करोड़ रुपये और घरों को 53,774 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके अलावा, हर साल, देश को जीडीपी का लगभग 0.46त्न बाढ़ और सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 0.18त्न (परिदा एट अल।, 2021) के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ का प्रभाव सरकारी आपदा प्रबंधन गतिविधियों के माध्यम से राज्य सरकार के वित्तीय दबाव को भी बढ़ाता है।

इसके अलावा, लगातार बाढ़ ग्रामीण कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है, बढ़ती गरीबी, ग्रामीण असमानता और फसल क्षति और आय हानि के कारण भोजन की कमी। इसी तरह, शहर की खराब योजना और बुनियादी ढांचे में निवेश की कमी के कारण शहरी बाढ़ शहर के निवासियों के लिए एक आम खतरा बन गई है। तेजी से शहरीकरण, शहरों और कस्बों में जलमार्गों के मनमाने अतिक्रमण, खराब जल निकासी सुविधाओं और अवैध निर्माण के कारण शहरी बाढ़ बढ़ रही है। इसके अलावा, खराब कचरा प्रबंधन नालों और नहरों को अवरुद्ध करके परेशानी को दूर कर रहा है, जबकि अनियोजित सड़क परियोजनाएं बाढ़ के प्रवाह को कम कर रही हैं। बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए बाढ़ संभावित क्षेत्रों में पर्याप्त आपदा अनुकूलन उपाय और बेहतर आपदा प्रबंधन नीतियां आवश्यक हैं। पहला, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बाढ़ आपदाओं के दौरान पुनर्वास और निकासी पर अधिक खर्च से बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी। दूसरा, बेहतर बाढ़ चेतावनी प्रणाली, विशेष रूप से तटीय जिलों में, और वर्षा और बाढ़ का सटीक पूर्वानुमान समय पर उपायों और आपदा प्रभावों को कम करने की अनुमति दे सकता है। तीसरा, बाढ़-पूर्व उपायों जैसे कि नदी तटबंधों का निर्माण और रखरखाव, नहरों, सड़कों, पुलों, नदी संपर्क, और निचले इलाकों में बहुउद्देश्यीय आश्रयों के निर्माण जैसे आपदा-रोधी बुनियादी ढांचे को विकसित करना, बाढ़ से होने वाली मौतों को कम करने में मदद कर सकता है।

अंत में, चूंकि शहरी बाढ़ की समस्या अधिक गंभीर होती जा रही है, और हर साल नुकसान बढ़ रहा है, शहरी बाढ़ के मुद्दे पर शहरी बाढ़ 2010 पर एनडीएमए दिशानिर्देशों के उचित कार्यान्वयन के साथ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना जारी की गई 1991, बाद में 2011 और 2019 में संशोधित किया गया, जिसका उद्देश्य तटीय क्षेत्र प्रबंधन मुद्दों को संबोधित करना था। हालांकि, यह वर्षों से तटीय क्षेत्रों में विकास को विनियमित करने में सक्षम नहीं है। इसलिए तटीय शहरों में सीआरजेड मानदंडों का सख्ती से क्रियान्वयन समय की मांग है।

साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं के प्रभावों, उनके कारणों और शमन उपायों के बारे में व्यापक सामुदायिक जागरूकता अभियान चलाना चाहिए। इसके अलावा, सरकार को उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए जिला-वार बाढ़ बाढ़ मानचित्रण भी करना चाहिए और जलमार्गों और जल निकायों के साथ-साथ अतिक्रमण हटाने में सभी विभागों या एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना चाहिए। कुल मिलाकर, मानव और भौतिक पूंजी दोनों के नुकसान के मामले में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए एक दीर्घकालिक आपदा प्रबंधन नीति आवश्यक है। आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015-30 के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क को प्रभावी ढंग से लागू करने का समय प्राथमिक भूमिका में राज्य के साथ आपदा जोखिम को कम करने और स्थानीय सरकार और निजी क्षेत्र सहित अन्य हितधारकों के साथ साझा जिम्मेदारी पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य विकास लाभ को आपदा के जोखिम से बचाना है।

केरल के राज्यपाल व मुख्यमंत्री में टकराव

जे एस राजपूत
(लेखक शिक्षा एवं सामाजिक सद्भाव हेतु कार्यरत हैं)

केरल के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे उप-कुलपतियों की नियुक्ति के मामले में कुलपति के विशेषाधिकारों को अपने आधीन कर लें। यह कह कर उन्होंने बड़ा धमाका किया है। आरिफ मुहम्मद खान को संवैधानिक निष्ठा में कठोरता से विश्वास करने वाला व्यक्ति माना जाता है। इसे देखते हुए उनकी स्थिति उन लोगों के बीच वास्तव में परेशानी से भरी हो सकती है जो वैचारिक रूप से लोकतंत्र और उसके सिद्धान्तों में विश्वास नहीं रखते हैं। राज्य सरकार द्वारा लगातार अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां पूरी करने में अनावश्यक व अनुचित हस्तक्षेप को देखते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लिखा कि वे राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति की शक्तियां प्रयोग करने के इच्छुक नहीं हैं। यह विधिक प्राविधान है, लेकिन उन पर लगातार संबंधित विश्वविद्यालय कानूनों के खिलाफ काम करने का दबाव डाला जा रहा है। इस प्रकार उनसे अपनी चेतना के खिलाफ काम करने की उम्मीद की जा रही है। हालांकि, वे इस स्थिति से गंभीरतापूर्वक व्यथित हैं, लेकिन उन्होंने गांधीवादी दृष्टिकोण का पालन करते हुए मुख्यमंत्री से कुलपति की शक्तियां स्वयं ग्रहण करने का अनुरोध किया है। इसके अनेक संभावित परिणाम हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उनके बीच कोई विवाद नहीं है और राज्यपाल को नैतिक व मानसिक दबाव से दूर रखा गया है।

आरिफमुहम्मद खान की सुस्थापित पहचान एक ऐसे विद्वान बुद्धिजीवी की है जो सत्ता के साथ जुड़े वेतन व भत्तों से प्रभावित नहीं होते हैं। उनको ऐसे राजनेता की तरह देखा जाता है जो वास्तव में सेक्युलर तथा लोकतांत्रिम हैं। उन्होंने शाहबानो मामले में अपनी यह पहचान स्पष्ट रूप से दिखाई थी। सभी युवा और वृद्ध समान रूप से जानते हैं कि उनके विचार समझदारी और समग्रता से भरे हैं तथा वे सभी मनुष्यों के बीच व्यापक एकता की मूल अवधारणा का प्रचार करते हैं। उनके अनुसार सारी दुनिया एक परिवार है। वे राजीव गांधी की कैबिनेट में सबसे युवा मंत्री थे और उन्होंने तलाकशुदा मुस्लिम महिला को मासिक भत्ता देने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मजबूती से बचाव किया था। लेकिन राजीव गांधी दबाव के सामने झुक गए और उन्होंने संविधान संशोधन कर मुस्लिम महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया। इससे भविष्य में भी मुस्लिम तलाकशुदा महिलायें एक मामूली धनराशि से भी वंचित हो गई थीं। आरिफ मुहम्मद खान ने सिद्धान्तनिष्ठ दृष्टिकोण अपनाते हुए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। इस मामले में पूरा देश उनके साथ था। उनकी बौद्धिक, विद्वतापूर्ण व आध्यात्मिक खोज पर राजनीति कभी हावी नहीं हुई। समय बीतने के साथ उन्होंने विद्वानों, अकादमीशियनों व बुद्धिजीवियों के बीच सम्मानजनक स्थान प्राप्त किया। जब एक पत्रकार ने उनसे व्यंग्यात्मक ढंग से पूछा कि 'भारत में मुसलमानों का क्या भविष्य है?', उनका जवाब था, 'वही जो बाकी भारत का है।' उनका यह जवाब एकदम सटीक है।

किसी भी देश की प्रगति की गति उसके वित्तीय संसाधनों से अधिक उसकी संज्ञानात्मक पूंजी पर निर्भर करती है। यह विश्वविद्यालयों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर भी निर्भर है। आमतौर पर माना जाता है कि उप-कुलपतियों की नियुक्ति एक सुपरिभाषित प्रक्रिया और क्रियाविधि के माध्यम से होती है। केरल और पश्चिम बंगाल को छोड़ कर अधिकांश राज्यों में इस प्रक्रिया का कठोरता से पालन कोरोना काल में भी हुआ। लोगों के साक्षात्कार लिए गए और कुछ मामलों में आफलाइन व आनलाइन, दोनों तरीके अपनाए गए। इस प्रक्रिया की एक पवित्रता है और अधिकांश मुख्यमंत्री इसे बनाए रखते हैं। केरल के राज्यपाल को भी इसकी उम्मीद थी। भला इस पद पर बैठा कोई व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी से कैसे इनकार कर सकता है? उनको पूरी उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में उनकी सहायता करेंगे। यह भी स्पष्ट है कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख होने के नाते राज्यपाल मुख्यमंत्री की मजबूरियों को समझते हैं। वे उनके प्रति पूरी सौजन्यता दिखाने के लिए तैयार थे, लेकिन वे यह केवल निष्ठा और नैतिकता की सीमाओं के भीतर रह कर ही कर सकते थे। अपनी चेतना पर भारी दबाव के बावजूद वे इस बात से सहमत हैं कि मुख्यमंत्री की इच्छाओं को महत्व दिया जाना चाहिए और वे उनके पसंदीदा उप-कुलपतियों को दूसरा कार्यकाल देने के लिए भी सहमत थे। लेकिन उनको यह उम्मीद भी थी कि सरकार भावी नियुक्तियों के बारे में निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करे। लेकिन कुछ ही दिनों में उनकी उम्मीदें उस समय टूट गईं जब सरकार ने केवल एक व्यक्ति का नाम सुझा कर कुलपति से उनको संस्कृत विश्वविद्यालय का उप-कुलपति बनाने को कहा। आरिफमुहम्मद खान और उनके उल्लेखनीय योगदानों को जानने वाला कोई भी व्यक्ति इस बात पर विश्वास नहीं करेगा कि वे किसी ऐसे व्यक्ति को सहन करेंगे जो कहीं भी स्थापित प्रक्रियाओं और संबंधित नैतिक मानकों के उल्लंघन का प्रयास कर रहा हो।

पिछले पांच दशक से अधिक समय से देश केरल के स्कूली शिक्षा पाठ्यक्रम की प्रशंसा करता रहा है। उसकी प्रशंसा इसलिए भी होती है कि उसने उच्च साक्षरता दरें प्राप्त करने में अन्य राज्यों का नेतृत्व किया है। लेकिन दुर्भाग्य से यही बात केरल में उच्च शिक्षा के बारे में नहीं कही जा सकती है। यह भारत की एकता में विविधता की सोच में विशिष्ट स्थान रखती है जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से सभी धर्मों और विश्वासों का सम्मान करती है। 2011 के जनगणना आंकड़ों के अनुसार, केरल में 54.73 प्रतिशत हिंदू, 26.56 प्रतिशत मुसलमान तथा 18.38 प्रतिशत ईसाई हैं। जब इस्लाम शुरुआती वर्षों में केरल में आया तब वहां ईसाइयत अच्छी तरह स्थापित हो चुकी थी। इतने सालों से वे एकसाथ रहते, काम करते तथा साथ-साथ प्रगति करते रहे हैं। केरल उन देशों के लिए एक माडल का काम कर सकता है जो गंभीर जनसंख्या संरचना परिवर्तन से गुजर रहे हैं। यह एक धर्म, भाषा, संस्कृति और नस्ल से मिश्रित जनसंख्या में परिवर्तन है जिसमें सभी प्रकार की विविधतायें हों। केरल के सांस्कृतिक व आध्यात्मिक योगदान से भला कौन परिचित नहीं है। केरल से ज्ञान के समुद्र निकले हैं। केरल के अलावा यह बात और बेहतर तरीके से कहां समझी जा सकती है कि भारतीय समाज तथा ज्ञान के सृजन व उसके प्रसार की व्यवस्था में कुलपति का सर्वाधिक सम्मानपूर्ण स्थान है।

कुलपति को ज्ञान, मूल्यों व नैतिकता का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण राजाओं और शासकों को उसके पैरों की धूल ग्रहण कर प्रसन्नता होती थी। हमें उसकी स्तर और क्षमता के उप-कुलपतियों की आवश्यकता है। केरल के राज्यपाल द्वारा अपने विशेषाधिकार मुख्यमंत्री को सौंपने का प्रस्ताव अकादमिक दुनिया की आंखें खोलने वाला हो सकता है। उसे ऐसा परिवेश बनाना चाहिए जहां अकादमिक स्वायत्तता और अकादमिक मामलों में पारदर्शिता का किसी प्रकार उल्लंघन न हो। यही भारत की प्रगति की कुंजी है।

आप की बात

डीजे का घातक शोर

हिसार के गांव पेटवाड़ में हुई सतरोल खाप की पंचायत ने खाप में आने वाले करीब 42 गांवों में डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी लगा दी है। डीजे बजाने पर 5100 रुपए जुर्माना लगाया जाएगा। वहीं उक्त व्यक्ति का सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। सतरोल खाप के प्रवक्ता फुलकुमार पेटवाड़ ने बताया कि सतरोल खाप में आने वाले सभी गांवों के मौजिज लोगों को पंचायत के माध्यम से आदेश दे दिए हैं कि गांव में किसी भी विवाह समारोह व पार्टियों समेत अन्य कार्यक्रमों में डीजे बजाने पर रोक लगा दें, क्योंकि डीजे के कारण हमारी हरियाणवीं संस्कृति धुलती जा रही है। डीजे पर बजने वाले गानों में फूहड़पन व अश्लीलता होती है, जिसके कारण हमारे बच्चों में संस्कारों में कमी आती जा रही है। सतरोल खाप के बुद्धिजीवी लोगों ने मिलकर फैसला किया है कि इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए हमें इस पर रोक लगानी होगी। इसके लिए ग्राम सभा के सदस्यों को सूचित कर दिया है कि अगर गांव में कोई भी व्यक्ति डीजे बजाता है तो उससे डीजे बजाने पर 51 सौ रुपए जुर्माना वसूला जाएगा और जो व्यक्ति जुर्माने की राशि नहीं देगा उसका सामाजिक रूप से बहिष्कार किया जाएगा।

– **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

स्मार्ट एडमिनिस्ट्रेशन

उप्र के मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में आयोजित उत्कर्ष समारोह में गांवो की सरकार को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 2020 से अब तक गांवो में 5200करोड़ रुपये विकास कार्यो में खर्च किये गए।42478 ग्रामपंचायत भवनों का लोकार्पण करते हुये ग्राम सचिवालय की स्थापना करके लोगो की रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान हो। उन्हें शहरों की ओर न भागना पड़े।इन सचिवालय में ग्राम सचिव से लेकर मिशन शक्ति की महिला बीट अधिकारियों की भी नियुक्ति की जाएगी । गांवो में विकास की गंगा बहाने के लिये ग्राम प्रधान से लेकर जिला पंचायत सदस्यों का मानदेय और भत्तों को योगी ने बढ़ा दिया है।मुख्यमंत्री योगी ने पंचायत प्रतिनिधियों से स्मार्ट गांव बनाने का आवाहन किया। उन्होंने कहा जब स्मार्ट शहर बन सकते है तो स्मार्ट गांव क्यो नही? गांवो में मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराकर ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री योगी को सबसे पहले प्रदेश में प्रशासनिक अधिकारियों, प्रशासनतन्त्र और ब्लाक से गाँवो तक लोकसेवकों की नियुक्ति की ओर ध्यान देना चाहिये। प्रशासनिक अधिकारियों को सक्रिय और उनकी जवाबदेही तय करना चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी**, जरगांव, उन्नाव

सही दिशा में एक कदम

भारतीय नागरिक की पहचान के लिए आज एक आधार, एक मतदाता परिचय पत्र की कॉफी मान्यता है एवं अगर इन दोनों को आपस में लिंक कर दिया जाता है तो यह एक बड़ी महत्वपूर्ण बात होगी फिर यह बात भी सही है कि आजकल पैन कार्ड , राशन कार्ड भी आधार से जोड़ने की प्रक्रिया तय है तो फिर मतदाता परिचय पत्र को अगर आधार से जोड़ा जा रहा है तो यह भी उचित ही है ऐसे में फर्जी मतदाताओं को पहचानने में काफी सहायता मिल सकेगी। आज वैसे भी काफी अधिक घुसपैठिए हमारे देश में नकली कागजात बनाकर रहने लगते हैं तब इस तरह से नया महत्वपूर्ण दस्तावेज अब बनाना पड़ेगा तब इससे फर्जी लोगों की भी तुरंत पहचान हो सकेगी ।हमारे यहां जब भी कोई अच्छा काम करने की बात आती है तो विपक्षी दल इस में सबसे पहले अड़ंगा लगाते हैं अत: उन्हें भी क्षेत्र में आगे बढ़कर ऐसे कामों में सरकार की मदद देने की महती भूमिका निभाना होगी। ऐसे में फिर आपराधिक छवि वाले व्यक्ति भी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे और ना ही वोट डाल सकेंगे। तब ऐसे कामों का सभी को समर्थन करना चाहिए।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

मैं स्विज़ बैंक में पैसा जाना बंद करवा दूंगा जिससे कि वह पैसा महिलाओं की जब में जा सके।।

– **अरविंद केजरीवाल**
दिल्ली के मुख्यमंत्री

वास्तविकता यह है कि ओमीक्रान कई देशों में फैल चुका है मगर अभी तक उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

– **टेड्रोस एधानोम**
महानिदेशक डब्लूएचओ

गोवा, उत्तर प्रदेश और पंजाब और संपूर्ण भारत से भाजपा का सूरज अस्त होना प्रारम्भ हो गया है। उन्होंने जनता को ठगा है।

– **ममता बनर्जी**
मुख्यमंत्री पश्चिम बंगाल

हड़ताल पर कर्मी, बैंकों में ताले

● बैंक ला एमेंडमेंट के विरोध में दो दिनी तालाबंदी का ऐलान

संवाददाता। सीतापुर

बैंक ला एमेंडमेंट बिल के विरोध में सीतापुर के बैंकों के कर्मचारी गुरूवार को हड़ताल पर चले गए। हड़ताल में इंडियन बैंक, पंजाब बैंकें शामिल रहीं। इनके कार्य से विरत रहने से बैंकों में ताले नहीं खुले, जिससे बैंकिंग कामकाज पूरी तरह से ठप रहा। जिस कारण बैंक उपभोक्ताओं को दिक्कतें उठानी पड़ीं।

आपको बता दें कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बार बजट पेश करने के दौरान 2 बैंकों के निजीकरण का ऐलान किया था। इसे लेकर सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही संसद के शीत कालीन सत्र में बैंकिंग कानून संशोधन विधेयक लाने की तैयारी की जा रही है। इसका लगातार विरोध बैंक कर्मचारियों के साथ देश की ज्यादातर ट्रेड यूनियनें कर रही हैं। भारत सरकार के बैंकिंग कानून संशोधन बिल के विरोध में यूनाईटेड फोरम आफ बैंक यूनियन्स ने देश के दस लाख से अधिक राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधिकारी -कर्मचारी 16 व 17 दिसंबर को दो दिनी हड़ताल पर रहने का एलान किया था, संगठन के आहवान पर गुरूवार को सीतापुर के इंडियन, पंजाब बैंक के अधिकारी व कर्मचारी रोजाना की तरह आफिस गए, लेकिन हड़ताल में शामिल बैंकों के शटर और चौनल नहीं खुले, उनमें पूरे दिन ताले लटके रहे, बाद में हड़ताली अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सिविल लाइन स्थित अंचल कार्यालय पर एकत्रित होकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और सरकार के फैसले की जमकर मुखालफत की, इस दौरान आई इंडिया ने हड़ताल में शामिल इंडियन बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के मंडल सचिव डॉ अंजनी कुमार पांडेय से बात की, उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मचारी राष्ट्र के गरीब जनमानस की सेवा ही नहीं करते, बल्कि भारत सरकार के राष्ट्र विकास की सामाजिक सरोकार की योजनाओं का सफल क्रियान्वयन भी करते हैं। देश का आर्थिक ढांचा यदि पूर्णता निजी हाथों में होगा तो विकासशील देश की अर्थव्यवस्था संकट में आ सकती है।प्रदर्शन में इंडियन बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष आशुतोष मौर्या, आरके दास, विवेक सिंह, प्रशांत सिंह, महिपाल, लेखराज सिंह, गौरव पांडेय, प्रमोद पांडेय, प्रीति पांडेय, विनय अवस्थी आदि शामिल रहे।

भाजपा ही सिर्फकरती कार्यकर्ता का सम्मानः अवनीष रावत

सीतापुर। कार्यकर्ताओं का अगर किसी भी पार्टी में सम्मान है तो वह है भारतीय जनता पार्टी जो सदैव कार्यकर्ता का ही सम्मान करती है, इसीलिए केन्द्र व प्रदेश में सरकार बनी है जिसका नेतृत्व देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर रहे है। यह बात भाजपा नेता अवनीश रावत ने सिधौली क्षेत्र में भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से कही। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता ही पार्टी को उंचाई तक ले जाता है, इसीलिए भाजपा हर एक कार्यकर्ता का सम्मान करती है। श्री रावत ने कहा कि 2022 में सभी कार्यकर्ता फिर से मेहनत करके सरकार बनाना है और योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाकर प्रदेश का विकास कराना है। उनके साथ रामकुमार, राहुल, देशराज, सुशील, राजकुमार, रूपेश सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में भिड़े दो पक्ष जमकर चले धारदार हथियार

● मछरेहटा थाना इलाके के लक्ष्मणपुर में हुई खूनी वारदात

संवाददाता। मछरेहटा सीतापुर

मछरेहटा थाना इलाके में जमीनी विवाद ने अचानक तूल पकड़ लिया और दो पक्ष आपस में भिड़ गए। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से जमकर खूनी संघर्ष हुआ। जिसमें एक 13 साल की बालिका की जान चली गई। जबकि दोनों पक्षों के पन्द्रह से अधिक लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। मछरेहटा के फत्तेहनगर मजरा लक्ष्मणपुर में जयकरन और बरातीलाल के बीच रास्ते पर दरवाजा रखे जाने को लेकर विवाद चल रहा है। यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। लगभग पन्द्रह दिन पहले जय करन ने दूसरे पक्ष पर जबरन दरवाजा रखने का आरोप लगाते हुए पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया था। मछरेहटा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों पक्षों को न्यायालय का फैसले को आने तक शांति बनाए रखते हुए इंतजार करने को कहा था। बुधवार रात इसी विवाद को लेकर दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष हुआ। जमकर लाठी-डंडे व धारदार हथियार चले। जिससे दोनों पक्षों के कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सीएचसी मछरेहटा में भर्ती कराया गया। काजल, सत्रोहन और नरेंद्र की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से डाक्टरों ने उन्हें ट्रामा सेंटर लखनऊ भेज दिया। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान 13 वर्षीया काजल पुत्री हरिश्चंद्र की मौत हो गई। थाना अध्यक्ष मछरेहटा मुकेश वर्मा ने बताया दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रास केस दर्ज किया गया है, जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

समाजवादी पार्टी करती है अपने कार्यकर्ता का सम्मानः किरन पासी

संवाददाता। सीतापुर

भाजपा सरकार से जनता परेशान हो चुकी है, इसीलिए 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बनकर प्रदेश व क्षेत्र का विकास करने जा रहे है। यह बात बूथ अध्यक्षों व सेक्टर प्रभारियों को सम्मानित करते हुए सपा नेत्री किरन पासी ने कही। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने कार्यकर्ता का सम्मान करती है और उसे आगे बढ़ाने का काम किया करती है। अखिलेश के नेतृत्व में प्रदेश में विकास हुआ था, लेकिन भाजपा उन्हें अपना काम दिखाकर श्रेय ले रही है। उन्होंने अपील की आने वाले 2022 में अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत कर सपा की सरकार बनाएं। उनके साथ अमन, विशाल, राजा, राहुल, अख्तियार अली, हुसैन खां, राजाराम, दुर्गेश सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीतापुर बार एसोसिएशन से निकाले गए दो वकील

अधिवक्ता कुलदीप पांडेय छह वर्ष तो विकास छह माह के लिए निष्कासित

संवाददाता। सीतापुर

उत्तर प्रदेश के सीतापुर के दो अधिवक्ता कुलदीप पांडेय उर्फ दीपक पांडेय और विकास दीक्षित बार एसोसिएशन से निकाले गए। वकील कुलदीप पांडेय को छह साल के लिए तो विकास दीक्षित को आगामी छह महीने के लिए निष्कासित किया गया। दोनों पर यह कार्रवाई अनुशासनहीनता समेत अन्य आरोपों के चलते की गई है। उधर, निष्कासित अधिवक्ताओं ने निष्कासन की कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिया, साथ ही बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पर गंभीर आरोप भी लगाए। सीतापुर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हरीश त्रिपाठी की मानें तो एसोसिएशन के अधिवक्ता कुलदीप कुमार पांडेय उर्फ दीपक पांडेय और अधिवक्ता विकास दीक्षित के खिलाफ काफी समय से एसोसिएशन को शिकायतें मिल रही थीं, इस पर इन अधिवक्ताओं को कई बार समझाने का भी प्रयास किया गया लेकिन उनकी आदतों में तनिक भी सुधार नहीं आया, मजबूरन बार एसोसिएशन के सभागार में बुलाई गई बैठक में यह प्रस्ताव रखे गए, राय मशविरा के बाद सदन ने दोनों को बाहर निकाले जाने का फैसला लिया गया।

खेलकूद में बच्चों ने दिखाया दमखम

● मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में चल रही बेसिक की जिलास्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता

सीतापुर। बेसिक शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरूवार को खो-खो प्रतियोगिता में खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इनके प्रदर्शन को देख उपस्थित दर्शक आश्चर्यचकित रह गए। आपको बता दें कि कोरोना के चलते पिछले बरसों में यह क्रीडा प्रतियोगिताएं नहीं कराई जा सकी थी, लेकिन अब कोरोना थमने के बाद स्कूल भी खुल गए हैं ऐसे में इस बार परिषदीय विद्यालयों के नौनिहालों की पहले विद्यालय फिर ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिताएं कराई गईं, अब सीतापुर शहर के मेजर ध्यान चंद स्टेडियम में बेसिक शिक्षा की जिला स्तरीय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। इस प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरूवार को आयोजित खो-खो प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में वो टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिन्होंने ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता विजयी होने खिताब मिला है।

केन्द्रीय मंत्री पर कांग्रेस का गुस्सा, किया प्रदर्शन

अजय मिश्रा टेनी की बर्खास्तगी की मांग

संवाददाता। सीतापुर

मीडिया कर्मियों को केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा अपषब्द कहे जाने को लेकर सीतापुर कांग्रेस पार्टी ने विरोध प्रदर्षन कर नारेबाजी की है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर नारेबाजी की व केन्द्रीय मंत्री को बर्खास्त किए जाने की मांग करते हुए सिटी मजिस्टेऊट पूजा मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार में मंत्री किसानों को कुचल रहे है और केन्द्र व प्रदेश की सरकारे मौन है। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त किया जाए। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष विनीत दीक्षित, नगर अध्यक्ष संतोष भार्गव, सुभाष राजवंशी, सूरज, संजय सनी, आशुतोष मिश्रा, शिशिर बाजपेयी, ज्ञानेन्द्र कश्यप, विपिन राजवंशी, आमोद मिश्रा, राजकिशोर सिंह, बनवारी लाल कनौजिया, रमेश कुमार सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व पालिकाध्यक्ष के जनसंपर्क कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मोहम्मदी-खीरी। विधानसभा मोहम्मदी के समाजवादी पार्टी के आवेदक पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष लखीमपुर ज्ञानप्रकाश बाजपेई के संपर्क कार्यालय का उद्घाटन गोला रोड पर नगर अध्यक्ष इकरार खां के द्वारा किया गया। आवेदक ज्ञान प्रकाश बाजपेई ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर मोहम्मदी विधानसभा में आगमन हुआ है। जनसंपर्क कार्यालय खोलकर समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। उद्घाटन के दौरान सरदार करतार सिंह, हरप्रीत सिंह लाडी, इरशाद खां, सुरेंद्र सिंह व रामनिवास मिश्रा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण टीमों को एकदिनी कार्यशाला में दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी।

निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, पारदर्शिता के साथ संपादित करवाने के लिए निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण टीमों को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि निर्वाचन के दौरान अवैध नकदी एवं शराब तस्करी पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी। चुनाव के दौरान यदि कोई व्यक्ति ज्यादा नकदी ले जाएगा और जांच में दस्तावेज समेत जरूरी साक्ष्य प्रस्तुत न करने पर राशि जब्त की जाएगी। कार्यशाला में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए गठित निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण टीमों के कार्य दायित्व बताए गए। डीएम की मौजूदगी में वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद कुमार ने स्थैतिक निगरानी दल, उड़नदस्ता, वीडियो निगरानी दल, वीडियो अवलोकन दल, व्यय अनुवीक्षण सेल, लेखा टीम के अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने चुनाव की पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपादित करने के लिए उस पर व्यय होने वाले खर्चों पर कड़ी निगरानी रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एक प्रत्याशी की ओर से अधिकतम 30.80 लाख रुपये तक की राशि व्यय करने का प्रावधान है। इस सीमा का पालन करवाने के लिए प्रत्याशी एवं उनके समर्थकों की सभी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जानी जरूरी है। कार्यशाला में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम संजय कुमार सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद कुमार, वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक) हरिकेश बहादुर, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी (सर्व शिक्षा अभियान) जीएस पांडेय, वित्तीय परामर्शदाता जिला पंचायत लक्ष्मीकांत सहित अन्य टीमों के सदस्य मौजूद रहे।

मतदाता जागरुकता वैन की गई रवाना

मोहम्मदी-खीरी। लखीमपुर से आयी मतदाता जागरूकता वैन को उपजिलाधिकारी पंकज कुमार श्रीवास्तव व तहसीलदार सुशील प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो क्षेत्र में बूथों पर जाकर जनता को ईवीएम मशीन से वोट डालने के बारे जागरूक करेगी। वीवीपैट के माध्यम से वोट डलवाने का ट्रायल किया जाएगा। उपजिलाधिकारी ने बताया कि इस जागरूकता रथ में ट्रेनर मास्टर ईवीएम मशीन वीवीपैड, कंट्रोल रूम मौजूद है जो विधानसभा के बूथो पर जाकर ईवीएम मशीन से जनता से वोट कैसे डाला जाएगा। उसके बारे जागरूक किया जाऐगा ताकि लोगों को ज्यादा से ज्यादा ईवीएम से अपने मत डालने के बारे में मालूम हो सके।

युवक की गोली मारकर हत्या

● प्रेम प्रसंग के चलते गांव के ही एक व्यक्ति ने दी थी जान से मारने की धमकी

● बुधवार शाम से मृतक आकाश था लापता

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

सदर कोतवाली इलाके के त्रिकौलिया गांव में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मौत की खबर से परिवारवालों में कोहराम मचा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मुख्यालय भेज दिया है। पुलिस ने घटना की छानबीन में जुट गई है।

महेवागंज चौकी क्षेत्र के त्रिकौलिया गांव निवासी आकाश वर्मा (24) पुत्र राकेश वर्मा एक लौता पुत्र था। बताते हैं कि वह शादीशुदा है। परिवार वालों का आरोप है कि आकाश का गांव की ही एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसके चलते उसके पिता जान से मार देने की धमकी दी थी। बताते हैं कि पत्नी को भी प्रेम प्रसंग की जानकारी लग गई तो आपस में दोनों के बीच कहासुनी हो गई थी जिसके चलते उसका मोबाइल भी टूट गया था। बुधवार शाम करीब चार बजे वह अपने घर से कहकर निकला था कि वह तिराहे पर बाजार जा रहा है और हो सकता है कि मोबाइल लेने लखीमपुर निकल जाये। बताते हैं कि आकाश को बाजार में गोल गप्पे खाते हुए देखा गया था। उसके बाद से फिर उसे किसी ने नहीं देखा। देर रात तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो परिवार वालों ने कहा कहीं होगा आ जायेगा। गुरुवार सुबह गांव के उत्तर पश्चिम में भारत पब्लिक स्कूल के पास उसी के गन्ने के खेत में स्कूल जाने वाले रास्ते के किनारे उसका शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना घरवालों को दी। सूचना होते ही परिवारवाले घटना स्थल पर पहुंच आकाश का शव देख चीख चिल्लाने लगे। मर्डर की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है और घटना की छानबीन में जुट गई है। पुलिस ने शव के पास से तमंचा बरामद किया है।इधर घटना के मामले में मृतक के पिता राकेश वर्मा ने गांव के ही एक व्यक्ति को नामजद करते हुए पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

बरेली । एक युवक की रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन से कटकर मौत हो गई पुलिस ने लाश को शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी शाही थाने के गांव नरेली निवासी 20 वर्षीय विजय पाल पुत्र बाबूराम की बीती रात फत्तेहगंज पश्चिमी थाना क्षेत्र में धनेटा रेलवे फाटक के पास रेलवे लाइन पार करते समय ट्रेन से कटकर मौत हो गई स पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि विजय ने इसी साल इंटर की परीक्षा पास की थी और कल शाम को अपनी किसी काम से वह घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा घर के लोग उसे तलाशने में जुटे थे स इसी दौरान रात में रेलवे लाइन पार करते समय विजयपाल ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी ट्रेन से कटकर मौत हो गई स दुर्घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी ।

मण्डलीय कार्यालय के समक्ष एकत्रित हुए बैंककर्मी

लखीमपुर-खीरी। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के आह्वान पर सरकार के प्रस्तावित बैंक निजीकरण बिल के विरोध में दो दिवसीय हड़ताल के पहले दिन जिले के करीब 500 बैंक कर्मी इंडियन बैंक मण्डलीय कार्यालय के समक्ष एकत्रित हुए और सरकार के विरुद्ध जोरदार नारों के साथ प्रदर्शन किया। शाखाओं में तालाबंदी के कारण लगभग 500 करोड़ का कारोबार ठप रहा।

इस अवसर पर फोरम के चेयरमैन चंद्रशेखर मिश्रा, अध्यक्ष प्रमोद शर्मा, आर्यावर्त बैंक से प्रमोद दीक्षित, इंडियन बैंक से सुनील शर्मा, मोनिका, सुरेश भट्ट, सनिल जायसवाल, यूनियन बैंक से बृजराज सिंह, अमित मिश्रा, पंजाब एंड सिंध बैंक के अतुलेश, पंजाब नेशनल बैंक से ऋषि, विक्रम, बैंक ऑफइंडिया से अवनीश, बैंक ऑफ बड़ौदा से प्रियंक, इंडियन ओवरसीज बैंक से अमोल मिश्रा, स्टेट बैंक से एस के दीक्षित व केनरा बैंक से अजीत आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने की अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा, जारी किए निर्देश

संवाददाता। लखीमपुर-खीरी

गुरुवार की देर शाम करीब 5:30 बजे कलेक्ट्रेट में डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने अपर जिला अधिकारी संजय कुमार सिंह के साथ अभियोजन कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक की, संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम ने सर्वप्रथम मौजूद शासकीय अधिवक्ताओं एवं अभियोजन के अधिकारियों से न्यायालयों में साक्षियों की उपस्थिति और उनके पक्षद्रोही होने के कारणों की समीक्षा की गई। डीएम ने पुलिस विभाग व अभियोजन विभाग से कहा कि समन तामीली समयबद्ध होनी चाहिए। अधिकतम साक्षियों को न्यायालयों के समक्ष परीक्षित कराया जाय। अकारण साक्षियों की वापसी ना होने पाए, यह प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए। न्यायालयों में विचाराधीन मामलों में सफल अभियोजन पैरवी कर सजा का प्रतिशत बढ़ाया जाना चाहिए। ताकि न्यायालयों में लंबित पुराने मामलों का निस्तारण शीघ्र हो सके।बैठक में संयुक्त निदेशक (अभियोजन) धीरेंद्र कुमार मिश्रा, ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी सरयू प्रसाद यादव व घनश्याम गुप्ता, अभियोजन अधिकारी पवन गौतम, सहायक अभियोजन अधिकारी यदुनंदन अवधेश, दयाशंकर, सुभाष चंद्र व प्रदीप, जिला शासकीय अधिवक्ता (क्रिमिनल) अरविंद त्रिपाठी, विशेष लोक अभियोजक संजय सिंह, एडीजीसी क्रिमिनल शिव गोविंद राठौर, कपिल कटियार, संदीप मिश्रा, रमारमन सैनी, रमेश चंद्र मिश्र, कौशल किशोर, सुनील कुमार तोमर, अपर शासकीय अधिवक्ता राजेश कुमार सिंह, विशेष लोक अभियोजक बृजेश पांडेय मौजूद रहे।

अपहरण की दी तहरीर

मोहम्मदी-खीरी। कोतवाली के अंतर्गत एक गांव से एक नाबालिग बालिका का घर में घुसकर अपहरण की पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मदी कोतवाली के रेहरिया चौकी के एक गांव से एक नाबालिग बालिका के पिता की तहरीर पर 5 लोगों द्वारा घर में घुसकर रात में बालिका का अपहरण करने की तहरीर दी गई जिसमें बालिका के पिता ने गांव के ही 5 लोगों को नाम तो किया है तथा तहरीर में यह भी कहा कि आरोपियों ने मुझे धमकी भी दी।

परीक्षा देकर लौट रहे छात्र की सड़क दुर्घटना में मौत

बरेली । मोटरसाइकिल पर दोस्त के साथ परीक्षा देकर घर लौट रहे एक छात्र की रास्ते में हुई सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद अस्पताल में मौत हो गई दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया स पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा बदायूं के अलापुर थाने के गांव सखानू निवासी महेंद्र सिंह के 17 वर्षीय बेटे अखिलेश कि बीती रात इलाज के दौरान बरेली के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई स पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि अखिलेश पिछले शुक्रवार को गांव के ही रहने वाले अपने दोस्त आर्यन पालीवाल के साथ परीक्षा देने के लिए मोटरसाइकिल से बदायूं स्थित जीआईसी कॉलेज गया था ।

सात दशक पुरानी परंपरा पर कोरोना ने लगाया ग्रहण

● बाराही देवी मेला और विकास प्रदर्शनी का आयोजन न होने से लोगों में दिखी नाराजगी

संवाददाता। जालौन (उरई)

गंगा जमुनी तहजीब की प्रतीक श्री बाराही देवी मेला एवं विकास प्रदर्शनी की परंपरा नगर में 7 दशक से ज्यादा पुरानी है। कोरोना संक्रमण के कारण 7 दशक पुरानी यह परम्परा पिछले साल टूट गयी थी जो इस वर्ष भी जारी हैं। इस वर्ष इसका आयोजन न होने से लोगों में नाराजगी है।

कोतवाली के पीछे स्थित फैजी पड़ाव में हर वर्ष श्री बाराही देवी मेला एवं विकास प्रदर्शनी का आयोजन होता है। देश की स्वतंत्रता के पूर्व से शुरू हुई यह परंपरा पिछले वर्ष तक चली। मेला परिसर में स्थित श्री बाराही देवी माता का मंदिर तथा सैयद बाबा की मजार हिन्दू मुस्लिम एकता को दर्शाती है। नगर पालिका की स्थापना के पहले भी मेला का आयोजन होता था। 1952 नगर पालिका की स्थापना के बाद इसका आयोजन व्यवस्थित ढंग से नगर पालिका द्वारा कराया जाने लगा था। नगर पालिका में मेला के आयोजन के लिए एक समिति बनाई जाती है जो मेला व विकास प्रदर्शनी का संचालन करती है। दिसम्बर में पढ़ने वाली बाराही से शुरू होकर मकर संक्रांति तक चलने वाले इस आयोजन में जहां एक ओर मनोरंजन की पूरी व्यवस्था होती तथा क्षेत्रीय विधाओं को जनता तक पहुंचने का प्रयास किया जाता है। इसके साथ ही साथ ही सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के सरकारी विभाग के स्टाल लगाये जाते। इस आयोजन से जहां क्षेत्रीय लोगों को एक माह का रोजगार मिलता है वहीं दूसरी ओर लोगों को मनोरंजन का मौका मिलता है तथा लोगों को घर गृहस्थी का सस्ता सामान मिलता है इस वर्ष इसका आयोजन नगर पालिका नही कर रही है। पिछले वर्ष कोरोना संक्रमण को लेकर 7 दसक पुरानी परम्परा टूट चुकी है। इस वर्ष भी परम्परा शुरू न होने से लोगों में नाराजगी है।

आयोजन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते स्थानीय लोग।

आयोजन को लेकर क्या कहते क्षेत्रीय लोग

जालौन। राघवेन्द्र राजावत इस आयोजन से बच्चों के साथ क्षेत्रीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है तथा स्वस्थ मनोरंजन होता था। लोकगीतों के साथ कवि सम्मेलन व नृत्य कला का मनोहारी कार्यक्रम देखने को मिल जाते थे। सुनील त्रिपाठी इस आयोजन में बच्चों की कुश्ती, कबड्डी, बॉलीबाल जैसे खेलों की प्रतियोगिता में भाग लेने तथा क्षेत्रीय ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका मिल जाता है। इसके अलावा घर गृहस्थी का सामान कम कीमत पर मिल जाता था। राहुल उड़ोकर मेला एवं विकास प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों को स्वस्थ मनोरंजन होता है तथा मौत का कुंआ, सर्कस, झूला आदि का लाभ बच्चों को आसानी से वर्ष में एक बार मिल जाता था। विनय निगम का कहना था कि सात दशक से ज्यादा समय से चली आ रही परम्परा के टूटने से मायूसी है। कोरोना के संक्रमण के कारण इस परम्परा के टूटने से आसपास के ग्रामीणों मनोरंजन, सस्ते घरेलू सामान मिलने तथा लोगों को रोजगार मिल जाता था। इस आयोजन के न होने से लोगों को कमी खल रही है। डीडी सिंह ईओ मेला ग्राउंड नगर पालिका के पास नहीं है। फैजी पड़ाव पर मेला लगता है। मेरा लगाने की अनुमति संबंधित विभाग से नहीं मिल पा रही है।

आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो डीएम कार्यालय के सामने भाजपा नेता करेंगे आमरण अनशन

मौदहा (हमीरपुर)। नगर पालिका परिषद में 60 लाख से अधिक के घोटालों के मामले अध्यक्ष सहित आठ लोगों पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट के पांच माह बीत जाने के बाद किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नही हुई इससे नाराज भाजपा नेता व कुछ सभासदों ने अब इनकी गिरफ्तारी की मांग आज तेज कर दी है इस सम्बंध में आज पत्रकार वार्ता कर आधा दर्जन से अधिक सभासदों व नेताओं ने ऐलान किया है कि यदि तीन दिन के अंदर अध्यक्ष सहित संबंधित की गिरफ्तारी नहीं हुई तो वह हमीरपुर मुख्यालय स्थित गोल चबूतरे में आमरण अनशन के लिए मजबूर होंगे। बीती 30 जून को उप जिलाधिकारी राजेश चौरसिया ने स्थानीय कोतवाली पुलिस में जिलाधिकारी के निर्देश पर बनी जांच समिति में नगर पालिका परिषद की अनियमितताओं जिन में लाखो के घोटालों संबंधी रिपोर्ट के आधार पर एफआई आर दर्ज कराई गई थी।

राशन न मिलने से गरीब भटक रहे इधर-उधर

मौदहा(हमीरपुर)। चालू माह में राशन वितरण प्रणाली से गरीबों को कोई लाभ नही मिल रहा है, लेकिन मौजूदा समय में निशुल्क राशन के साथ निशुल्क चना, चीनी, रिफाइंड तेल, एवं नमक का पैकेट ई पोस मशीन के माध्यम से संबंधित कोटेदार के अलावा अन्य कोटेदार के यहां से प्राप्त नहीं हो रहा है जिसे अभी तक नई व्यवस्था का लाभ उठाने वाले गरीब रेखा व पात्र गृहस्थी कार्ड धारक परेशान घूम रहे गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली कमला ने बताया कि मेरी मूल दुकान विदोखर में है मै अपने मायके मौदहा विकास खण्ड के परछछ में रहकर जीवन यापन कर रही हु मुझे मौदहा कस्बे के पुष्पा गुप्ता कोटेदार के हैं खाद सामग्री मिल जाती है अबकी बार सामग्री के साथ अन्य खाद्य सामग्री चना, तेल, चीनी,नमक आदि लेने गई तो नहीं मिल पाया है कोटेदार ने बताया कि हमारी मशीन में गेहू, चावल भर सो करता है वही दे सकते है।ऐसी कई कार्ड धारक जैसे अफसाना, ममता यादव, बीना ,आदि ने भी अपनी शिकायत बताई है। वही पूर्ति निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि यह शासन की तरफसे अभी तक ई पोस मशीन में फीडिंग नहीं हुई इस वजह से मूल दुकान से ही पूर्ण रूप से सामग्री मिल सकती है।

आय दोगुनी न होने से किसानों में रोष

मौदहा (हमीरपुर)। किसानों की आय दोगुनी करने की घोषणा किए कई साल बीत गए लेकिन बढे डीजल,पेट्रोल के दाम खाद सहित अन्य महंगाई के कारणों से आमदनी दो गुना तो नहीं हुई बल्कि किसानी व किसान इस समय अपनी साख बचाने के लिए जूझ रहा है हालांकि आज विकासखंड सभागार में प्रधानमंत्री के आवाहन पर किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से ऑनलाइन टीवी पर कुछ किसानों को प्राकृतिक खेती के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करके कृषि विभाग का कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रवि तिवारी जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा व आदित्य शुक्ला उपाध्यक्ष तथा पवन शुक्ला पूर्वी मंडल अध्यक्ष के अलावा कृषि विभाग शिव बदन यादव एस.एम.एस. हरिनारायण विश्वकर्मा ए. एस. एम. एस. सुरेंद्र व कपिल तिवारी ने अपने विचार रखे कार्यक्रम का संचालन अरविंद तिवारी ने किया हालांकि इस दौरान कई किसानों ने सवाल भी किए कि उन्हें समय पर खाद नहीं मिली उनकी फसलें बिगड़ गई तब दोगुना आमदनी कैसे होगी यह मंत्र कोई नहीं बता रहा है।

पुरानी कमेटी की याचिका को हाईकोर्ट ने किया खारिज

मौदहा (हमीरपुर)। वक्फनंबर 81 की पुरानी कमेटी ने हाईकोर्ट में गुहार लगाई थी की उनकी कमेटी को गलत तरीके से हटाया गया है और उनकी कमेटी का कार्यकाल नहीं बढ़ाया गया। वक्फ बोर्ड की तरफसे वकील ने कोर्ट को सारी जानकारी दी और बताया कि ये ट्रिब्यूनल में चलना चाहिए यहां ये कोर्ट का वक्त बर्बाद कर रहे है। जज ने दोनो पक्षों को सुनने के बाद केस को खारिज करते हुए कहा कि ट्रिब्यूनल कोर्ट लखनऊ जाइए यहां कोर्ट का वक्त मत बर्बाद करिए। पूर्व कमेटी शमसुद्दीन को जबरदस्त झटका लगा है,नयी कमेटी जावेद महतौ की कमेटी में खुशी देखी जा रही।

विज्ञान प्रदर्शनी में छात्राओं ने लिया बढ़चढ़कर हिस्सा

राठ (हमीरपुर)। कस्बे के चरखारी रोड सुमन भारती सस्वती बालिका इंटर कालेज में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ एसडीएम राजेश कुमार मिश्रा ने फीता काटकर दिया। इस दौरान छात्राओं ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। एसडीएम ने सबसे पहले वर्षा जल का उपयोग का मॉडल देखा। जिसकी खूब सराहना की। इस मॉडल को दसवीं की छात्रा खुशी, रक्षा, रिया, लक्ष्मी, हर्षिता, शिवानी ने बनाया। इसी तरह उत्सर्जन तंत्र को सरोज, रोशनी, खुशबू, श्वेता, काजल, जल विद्युत संयंत्र को मधु विश्वकर्मा, अनामिका, दीक्षा सिंह, दोहरा रूचिर परिसंचरण तंत्र को शिखा राजपूत, हर्षिता, ज्वालामुखी को अंशिका राजपूत, हिमालय पर्वत प्रयांशी, खुशी, इश्का, कंचन, सूवि, पार्वती, हिमांशी, नेहा, भारत माता की चित्र अंशिका मुस्कान, सहित वाटर फॉल मॉडल, ड्रिप सिंचाई, पर्यावरण और कोरोना, जल चक्र, बांध की क्रियाविधि, प्रदूषण आदि का मॉडल बनाया गया। जिसमे विज्ञान प्रदर्शनी में श्वशनन तंत्र प्रथम, पर्यावरण और कोरोना द्वितीय, गृह विज्ञान मॉडल में राधा कृष्ण प्रथम, झूला टोकरी द्वितीय, झूमर मॉडल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान एसडीएम ने छात्राओं से मॉडल के बारे में विस्तार से जानकारी ली। वहीं छात्राओं ने खाने पीने के पकवान बनाकर खूब बिक्री की। इस मौके पर नवोदय विद्यालय की प्रधानाचार्य मंजूलता, जीजीआईसी की प्रधानाचार्य सुशीला सैनी, डा.कैलाश विश्वकर्मा, वंदना मिश्रा आदि मौजूद रहे। प्राधानाचार्य प्रवेश तिवारी ने आभार जताया।

कांग्रेसियों ने ज्ञापन सौप कर लखीमपुर कांड का किया विरोध

राठ (हमीरपुर)। लखीमपुर नरसंहार कांड में मंत्री के पुत्र द्वारा किसानों को गाड़ी से रौंद कर मार दिया था। मंत्री के पुत्र की गिरफ्तारी न होने पर कांग्रेसियों ने तहसीलदार अनुभचंद्र को ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस पार्टी के जिला उपाध्यक्ष हिमांशु सैनी ने बताया कि भारत सरकार के मंत्री अजय कुमार मिश्र के पुत्र ने लखीमपुर खीरी में निर्दोष किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ाकर मार दिया था। बताया कि रौबदार पद पर होने पर उक्त व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। न ही सरकार द्वारा मंत्री पपद से बर्खास्त किया गया है। जो कि लोकतंत्र व न्याय पालिका का खुला अपमान है। कांग्रेसियों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव रामविशाल प्रजापति, कांग्रेस नेता गोविंद अहिरवार, दुष्यंत राजपूत, रचना वर्मा, धर्मपाल राजपूत, जयसिंह एडवोकेट, शफीक राईन, राकेश रैकवार, भरत कुमार मिश्रा, रामर्प्रकाश शुक्ला सहित दर्जनों कांग्रेसी मौजूद रहे।

आत्महत्या करने का किया प्रयास

राठ (हमीरपुर)। कोतवाली के धमना गांव निवासी 37 वर्षीय ओमवती पत्नी मनीराम ने पारिवारिक कलह के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजन इलाज के लिये सीएचसी ले गये। जहां डा. सुप्रिया पटेल ने महिला की हालत नाजुक होने पर मेडिकल कालेज उरई रेफर कर दिया। वहीं महिला के भतीजे ने महिला चिकित्सक पर बाहर से तीन हजार रुपये की दवा लिखने का आरोप लगाया है। बताया कि महिला चिकित्सक ने मरीज को ठीक से भी नहीं देखा है और उन्हे तत्काल रेफर लेटर थमा दिया।

जैविक खेती का किया गया लाइव प्रसारण

कुरारा (हमीरपुर)। स्थानीय विकास खंड सभागार में प्रधानमंत्री का प्राकृतिक खेती व जैविक खेती का लाइव प्रसारण किसानों को दिखाया गया। प्रधानमंत्री का लाइव प्रसारण जैविक खेती व प्राकृतिक खेती को लेकर कार्यक्रम का प्रसारण 11 बजे से एक बजे तक किया गया। उन्होने किसानों को बताया कि जैविक खेती से किसानों को आय में बढ़ोतरी होगी। तथा इससे किसान सम्पन्न होगा। रासायनिक उर्वरकों के कम प्रयोगकरने व जैविक खाद से फसल उत्पादन कर आय दोगुनी करने के सम्बंध में जानकारी दी। इस लाइव प्रसारण को देखने के लिए किसानों की मौजूदगी रही।

चौपाल लगाकर किया गया जागरुक

कुरारा (हमीरपुर)। आगामी 20 दिसम्बर को क्षेत्र के अति संवेदन शील गांव भौली में होने वाले ग्राम पंचायत सदस्य के निर्वाचन को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने गांव में जाकर चौपाल लगाकर मतदाताओं को जागरूक किया। क्षेत्र के भौली ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए निर्वाचन की प्रक्रिया चल रही है। आगामी 20 दिसम्बर को पांच वार्डो में चुनाव होना है। इसके लिए आज जिलाधिकारी चंद्रभूषण त्रिपाठी, व पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार दीक्षित न आज गांव के विद्यालय परिसर में चौपाल लगाकर मतदाताओं को जागरूक किया। तथा बिना भय व दबाव के मतदान करने को कहा। लोगो को अधिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया। वही ग्रामीणों ने शिकायती पत्र भी दिए। जिनका निस्तारण करने का आस्वाशन जिलाधिकारी ने दिया।इस अवसर पर ग्रामीणों की मौजूदगी रही।

धान खरीद केंद्र न खुलने पर दूसरे दिन भी अनशन पर बैठे भाकियू

चित्रकूट। भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह राही की अगुवाई में किसानों के क्रमिक अनशन के दूसरे दिन एसडीएम कार्यालय मऊ के सामने तमाम किसान अनशन पर बैठे। गुरुवार को भाकियू की अगुवाई में लबेद खंडेहा के पीसीएफकेंद्र न खोले जाने से खफा किसानों ने छह दिसम्बर को एसडीएम मऊ को ज्ञापन देकर चेताया था कि केन्द्र न खुलने पर किसान अनशन पर बैठने को बाध्य होंगे। अनशन के दूसरे दिन किसान राजेन्द्र सिंह, राजबहादुर सिंह, हीरालाल सिंह, रामलाल, लालबहादुर सिंह, नत्थू प्रसाद, महेश सिंह सात किसान अनशन पर बैठ। जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश सिंह चौहान किसानों की समस्याओं से रूबरू होने 18 दिसम्बर को चित्रकूट आ रहे हैं। इस मौके पर भारी तादाद में किसान तहसील अध्यक्ष विनय कुमार त्रिपाठी, नीलकंठ द्विवेदी, रामकरण सिंह, नरेश तिवारी, तीरथ प्रसाद, शत्रुघ्न सिंह, विनय कुमार त्रिपाठी, हनुमानपाल, रमेशचंद्र पाठक, राजकुमार, विजय सिंह, विजय बहादुर आदि मौजूद रहे।

खंदक में भरे पानी में शव मिलने से सनसनी फैली

कोंच (जालौन)। नगर में सड़क किनारे खंदक में भरे पानी में शव मिलने से सनसनी फैल गयी।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराकर शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के मुताबिक गुरुवार की सुबह करीब 8 बजे मुहल्ला तिलकनगर में डॉ. वीरेंद्र स्वरूप जू. हा. स्कूल के ठीक पीछे सड़क किनारे खंदक में भरे पानी में करीब 55 बर्षीय व्यक्ति का शव उतराता देख राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे इंचार्ज कोतवाल सर्वेश कुमार, दरोगा मदन पाल, राम विनोद, बीएल आजाद ने शव को पानी में से बाहर निकलवाया। वहीं शव मिलने की जानकारी लगते ही सुभाष नगर निवासी टेंट हाउस व्यवसायी मुहम्मद अहमद ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त अपने चाचा वली मुहम्मद पुत्र दिलदार के रूप में की। मुहम्मद अहमद ने बताया कि अविवाहित चाचा वली मुहम्मद बुधवार की सुबह घर से लापता हो गये थे और अक्सर वह घर से चले जाते थे लेकिन कुछ समय बाद वह वापस घर आ जाते थे। उन्होंने बताया कि वली मुहम्मद मानसिक रूप से कमजोर थे और मिर्गी रोगी भी थे। उधर, सीओ शाहिदा नसरीन ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर मृतक के परिजनों से घटना के बाबत आवश्यक जानकारी ली।

जन विश्वास यात्रा 25 को उरई आयेगीः बाबूराम निषाद

उरई (जालौन)। जिला पंचायत कार्यालय में जन विश्वास यात्रा को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री बाबूराम निषाद ने कहा कि रैली के माध्यम से आम लोगों को योजनाओं और सरकार की उपलब्धियों से जोड़ा जाएगा। इसके बाद उन्होंने सभा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 6 जन विश्वास यात्राएं निकाली जाएंगी। यह यात्रा 19 दिसंबर को लखनऊ से चलेगी और 25 दिसबर को टोली नंबर 3 जिले में पहुंचेगी। यह यात्रा मुहाना, कुसमिलिया से होकर घंटाघर, शहीद भगत सिंह चौराहा से मधुवन विला में रुकेगी। भाजपा के कार्यकर्ता दिलीप दुबे ने कहा कि 26 दिसंबर को यात्रा कोंच, जालौन कुठौंद अन्य विधानसभा क्षेत्रों के लिए रवाना हो जाएगी। इसके बाद 2 जनवरी को यात्रा का समापन होगा। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की योजनाओं को जन-जन को बताना है। उन्होंने कहा कि सभा स्थल का निरीक्षण कर लिया गया यहां पर जो भी कमियां होंगी उनको जल्द दूर कराया जायेगा। साथ यी यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा।

बैंक हड़ताल का पोस्टल इम्पलाइज संघ ने भी किया पुरजोर समर्थन

इंडियन बैंक के सामने प्रदर्शन करते बैंक कर्मी

संवाददाता। हमीरपुर

पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज यूनाइटेड फेारम आफ बैंक यूनियन के बैनर तले राष्ट्रव्यापी हड़ताल में समस्त बैंको में तालाबंदी रही। जिससे साठ करोड़ का लेनदेन प्रभावित रहा,हड़ताल को आल इंडिया पोस्टल इम्पलाइज संघ ने भी समर्थन किया है।

जानकारी के अनुसार हडताल की अगुवाई कर रहे प्रदेश के सह मंडल सचिव सुनील कुमार यादव ने कहा कि हडताल में करीब दस लाख लोगो ने शामिल होकर एकजुटता का जो प्रदर्शन किया है वह सराहनीय है। बैंको का राष्ट्रीयकृत करने का मकसद समाज के कमजोर गरीब वर्गो को सभी क्षेत्रो में लाभ पहुचाना था,ताकि भारत कृषि व खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। बैंको के निजीकरण के लिये सरकार बैकिंग संशोधन विधेयक पारित करने जा रही है। निजीकरण से सरकारी योजनाएं प्रभावित होगी,ग्राहको को ज्यादा सर्विस चार्ज देने होगे। कई बैंक शाखाएं बंद होगी जिससे युवको में बेरोजगारी बढ़ेगी,देश में जनधन योजना के 44 करोड़ खाते खोले गये है। जिन बैंको का निजीकरण किया गया था उन बैंको की क्या दुर्दशा हुई है यह सब जानते है। बैंक का लेने देने बंद होने से ग्राहक दिन भर इधर उधर भटकते रहे। इस मौके पर कामरेड अनिल वर्मा, अजितेश, विमल, अंकेश, अनिल गुप्ता, राजेंद्र, महेंद्र, योगेंद्र, स्वतंत्र शुक्ला, नमित पालीवाल, राघव, दिनेश,सहित भारी संख्या में बैंक कर्मी मौजूद रहे।

निजीकरण के विरोध में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, काम-काज ठप होने से लोग परेशान

चित्रकूट। सरकार के निजीकरण को लेकर चल रही तैयारियों का विरोध करने के लिए यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने हड़ताल करने का एलान किया है। 16 और 17 दिसंबर को बैंक बंद रहेंगे। गुरूवार को सैकडों बैंक कर्मियों ने इलाहाबाद बैंक मुख्य शाखा में एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। बैंकों की दो दिवसीय शुरू हुई हड़ताल से बैकिंग कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

गौरतलब है कि सरकार के प्राइवेटाइजेशन को लेकर चल रही तैयारियों का विरोध करने के लिए यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) ने हड़ताल करने का एलान किया है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के तहत बैंकों की 9 यूनियन आती हैं।बैंक आफ बडौदा चित्रकूट यूनियन के अध्यक्ष राकेश कुमार एवं महामंत्री देवेंद्र कुमार ने बताया कि निजीकरण के विरोध में अखिल भारतीय बैंक अधिकारी परिसंघ (एआईबीओसी), अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (एआईबीईए) और राष्ट्रीय संगठन सहित नौ बैंक यूनियनों की एक संस्था यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) के हड़ताल के आह्वान के बाद आज देश के विभिन्न हिस्सों में कई बैंक शाखाएं बंद कर दी गईं। इसके चलते इनमें काम नहीं हो सका और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। नतीजतन, हड़ताल के कारण शाखाओं में जमा और निकासी, चेक निकासी और ऋण मंजूरी जैसी सेवाएं ठप रहीं। उन्होने बताया कि यह हड़ताल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण के सरकार के फैसले के खिलाफहै। कहा कि दो दिवसीय हड़ताल में देश भर से करीब 7 लाख लोग हिस्सा ले रहे हैं। कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार के रवैये के कारण हड़ताल से बैंकों और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की एक लाख से अधिक शाखाओं में कामकाज प्रभावित हो रहा है।कहा है कि बैंक कर्मियों की हड़ताल से नकदी निकासी से लेकर जमा, व्यापार लेन-देन, ऋण प्रक्रिया, चेक समाशोधन, खाता खोलने और व्यावसायिक लेन-देन तक सभी बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं। बताया कि फरवरी 2021 में पेश किए गए केंद्रीय बजट में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपनी विनिवेश योजना के तहत दो सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के निजीकरण की घोषणा की । निजीकरण के लिए सरकार ने बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 को संसद के वर्तमान सत्र के दौरान पेश करने और पारित करने के लिए सूचीबद्ध किया है।

जुलूस निकाल कांग्रेसियों ने की मंत्री टेनी के बर्खास्तगी की मांग

चित्रकूट। प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में जिला कार्यालय से जुलूस निकालकर केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा उर्फटेनी की बर्खास्तगी की मांग को लेकर नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा।

गुरुवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल की अगुवाई में कांग्रेसी नारेबाजी करते हुए तहसील कर्वी पहुंचकर राष्ट्रपति सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपकर कहा कि लखीमपुर खीरी में सुनियोजित ढंग से किसानों पर मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा ने गाडी चढाकर हत्या की है। सर्वोच्च न्यायालय की फटकार के बाद एसआईटी जांच के सुनियोजित हत्या मानने पर भी भाजपा सरकार केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री को पद से नहीं हटा रही है। मंत्री को तत्काल बर्खास्त कर दोषियों को सजा दी जाये।

कांग्रेस नेत्री रंजना बरातीलाल पाण्डेय ने कहा कि भाजपा सरकार ने लखीमपुर खीरी की घटना बेहद निन्दनीय है। उनकी नेता प्रियंका गांधी किसानों को न्याय दिलाने की मांग कर रही हैं। भाजपा सरकार मंत्री को बचा रही है। किसानों की हत्या में शामिल मंत्री को तत्काल बर्खास्त कर किसानों को न्याय दिया जाये। चेताया कि कांग्रेस सडकों पर उतरकर किसानों को न्याय दिलाने को संघर्ष करेगी। इस मौके पर अनिल गुप्ता, विजयमणि त्रिपाठी, यमुना शुक्ला, महेन्द्र सिंह, नीरु गुप्ता, सविता पाल, जगजाहिर पटेल, कुलदीप मिश्रा, राजेन्द्र पाल, ओमप्रकाश गुप्ता, आदित्य मिश्रा, अजीत मिश्रा, शिवम मिश्रा, मेनका, रामनारायण पाल, श्रवण पाण्डेय आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

कांग्रेसियों में आक्रोश, राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

बांदा। केंद्रीय ग्रह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी ने कल पत्रकारों को अपशब्द कहने पर उनकी बर्खास्तगी को लेकर कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट परिसर जमकर हंगामा काटा, मोदी और टेनी के खिलाफ जमकर मुर्दाबाद के नारे लगाए। कांग्रेसियों ने कहा मोदी जी अपराधियों को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं, बचा रहे हैं। क्ड के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष ने कहा कि लखीमपुर में मंत्री के बेटे ने कई किसान समेत पत्रकार की गाड़ियों से कुचलकर हत्या कर दी थी। इसके बाद कल केंद्रीय मंत्री ने पत्रकारों को भी अपशब्द कहें हैं जिसकी हम कड़ी निंदा करते हैं। देश के चौथे स्तम्भ को ऐसे बोलना बेहद निंदनीय है। च्ड मोदी ऐसे लोगो को संरक्षण दे रहे हैं।

बड़ा अखाड़ा चित्रकूट के महंत के निधन पर यूपी के सीएम योगी ने जताया शोक

चित्रकूट। भगवान श्रीराम की तपोभूमि चित्रकूट के आराध्य भगवान कामतानाथ के तृतीय मुखार बिंद बड़ा अखाड़ा के महंत कल्याण दास के गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितियों में निधन से धर्म नगरी में शोक की लहर है। वहीं यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महंत श्री के निधन पर शोक जताते हुए इसे आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति बताया है। शुक्रवार को महंत के शव का पोस्टमार्टम होने के बाद संत परम्परा के मुताबिक अन्तिम संस्कार किया जायेगा। देश के प्रमुख पौराणिक तीर्थो में सुमार भगवान श्रीराम की संकल्प भूमि चित्रकूट स्थित कामतानाथ तृतीय मुखार बिंद बडा मठ एवं लक्ष्मण पहाडी के महंत श्री कल्याण दास जी महाराज के गुरूवार को हुए निधन से तपोभूमि चित्रकूट समेत यूपी-एमपी में शोक की लहर दौड गई है। महंत श्री के निधन की खबर मिलने पर शोक जताते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर बड़ा अखाड़ा, चित्रकूट के महंत श्री कल्याण दास जी महाराज के ब्रह्मलीन होने पर गहरा दुखद व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका गोलोक गमन आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है। प्रभु श्री राम पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल अनुयायियों को यह अथाह दुख सहने की शक्ति प्रदान करें।आपकों बता दे कि महंत कल्याण दास कामदगिरि परिक्रमा में पडने वाले तृतीय मुखारविंद और लक्ष्मण पहाड़ी के महंत थे। संतोषी अखाड़ा के श्री महंत राम दास एवं खोही के गणेश प्रसाद तिवारी ने बताया कि कल्याण दास जी एक महान संत थे। उनका अंतिम संस्कार अग्नि संस्कार किया जाएगा। उनकी अचानक हुई मृत्यु से चित्रकूट का संत समाज व श्रद्धालु दुखी हैं।

सीएम के साथ महंत की फाइल फाटो

1971 की जंग में शहीद सैनिकों को हदरुख स्मारक पर किया नमन

● आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम शहीद स्मारक हदरुख में आयोजित

कुठौंद (जालौन)। गुरुवार को आजादी का अमृत महोत्सव व 1971 की जंग के विजय दिवस सैनिकों तथा लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह व दीपोत्सव कार्यक्रम विकास खंड के ग्राम हदरुख स्थित शहीद स्मारक में सैनिक सम्मान के साथ तमिलनाडु के कुन्नूर में हुए हेलीकॉप्टर क्रेश हादसे में हुए शहीद सैनिकों सीडीएस बिपिन रावत को श्रद्धांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में क्षेत्र तथा परिक्षेत्र से आये भूतपूर्व सैनिकों व लोकतंत्र सेनानियों की अभूतपूर्व गरिमामयी उपस्थित रही। जिसमें पूर्व कर्नल यशवंत सिंह राठौड़ के द्वारा झण्डा रोहण कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया। 16 दिसम्बर 2021 को विजय दिवस की 50 वीं वर्षगांठ पर शहीद स्मारक हदरुख प्रांगढ़ में आयोजित सभा मे जिले के पूर्व सैनिकों व उनकी वीर नारियों ने कार्यक्रम की सुसंगति करते हुए जिले के पूर्व सैनिकों व शहीदों को याद करते हुए उन्हें पुष्पांजलि, श्रद्धांजलि अर्पित की।वहीं उपस्थित पूर्व सैनिकों ने माननीय मुख्यमंत्री हेतु एक प्रार्थना पत्र जिले के इस कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से प्रस्तुत किया और मांग की कि उरई में भी ईसीएचएस पॉलिटेक्निक हेतु 700 वर्ग मीटर नि:शुल्क भूमि सोल्जर बोर्ड परिसर में आवंटित की जाए तथा सभी पूर्व सैनिकों को निशुल्क स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। सैनिक सम्मान कार्यक्रम विगत कई वर्षों से आयोजन किया जाता रहा है। कार्यक्रम का संचालन सागर कोंच ने किया। इस कार्यक्रम के संयोजक रहे अभिनव दीक्षित, धीरज, आंनद, कैलाश, ब्रजेन्द्र सिंह, संजय के साथ आरएसएस के अन्य कई स्वयंसेवकों की लगन मेहनत से आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का संचालन रहा।

दबंग मौरम पट्टाधारक ने सार्वजनिक रास्ते में खुदवाये गड्ढे

● मामला मोहाना से मकरेछा जाने वाले सार्वजनिक रास्ते का

● किसानों के वाहन खेतों तक न पहुंचने से दिखने लगा आक्रोश

उरई (जालौन)। मौरम पट्टाधारक रुपए कमाने के चक्कर में किस कदर अपने स्वार्थ में अंधे होकर हर वह कार्य करने से नहीं चूकते हैं जिससे कि क्षेत्रीय किसानों को परेषानियों से जूझना पड़े। फिर चाहे वह ग्राम पंचायत की सार्वजनिक रास्ता ही क्यों न हो। ऐसा ही मामला मोहाना से मकरेछा गांव जाने वाले आम रास्ते को जेसीबी मषीन से गड्ढा खुदवाकर अवरुद्ध कर दिया। इसके बाद क्षेत्रीय किसानों के वाहन अब खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं जिससे क्षेत्रीय किसानों में पट्टाधारक की करतूतों को लेकर आक्रोष गहराने लगा है। पीड़ित किसान ने सदर उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाते हुये दबंग पट्टाधारक पर कानूनी कार्यवाही की मांग की है। उक्त आषय का प्रार्थना पत्र सदर एसडीएम को देते हुये ग्राम मोहाना निवासी खलक सिंह पुत्र फूल सिंह ने बताया कि ग्राम मोहाना से मकरेछा गांव की ओर जाने के लिये लंबे समय से सार्वजनिक रास्ता है जो देवी मंदिर के पास मौरम खंड संख्या 26/5 के पट्टाधारक द्वारा जेसीबी मषीन से गहरे-गहरे गड्ढे खुदवाकर रास्ते को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया गया। पीड़ित किसान का कहना था कि जबकि उक्त रास्ता ग्राम पंचायत की सार्वजनिक रास्ता है जिससे क्षेत्रीय किसानों के साथ ही आसपास के ग्रामीण भी आते जाते रहते हैं। दबंग मौरम पट्टाधारक की करतूतों से अब एक ओर जहां क्षेत्रीय किसानों के ट्रैक्टर उनके खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे है। जिससे कृशि कार्य बाधित हो रहा है। यदि समय रहते उक्त रास्ते को न खुलवाया गया तो अनेकों किसानों के खेतों में बुबाई नहीं हो पायेगी जिससे किसानों के सामने अपने परिजनों का पेट भरना भी मुष्किल होगा। किसान खलक सिंह ने उप जिलाधिकारी से गुहार लगायी कि वह अविलंब मौके का निरीक्षण कर उक्त रास्ता खुलवाये जिससे किसान अपने खेतों की बुबाई कर सके साथ ही दोशी लोगों के विरुद्ध भी कानूनी कार्यवाही अमल में लायें ताकि भविश्य में कोई भी पट्टाधारक इस तरह का कार्य करने का दुस्साहस न कर सके।

डीएम ने निर्माणाधीन बाईपास का किया स्थलीय निरीक्षण

● निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की जांच कराने के दिए निर्देश

संवाददाता। अमेठी

सड़क का निरीक्षण करते हुए डीएम पायनियर

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज 302ण्37 लाख की लागत से 2ण्3 किलोमीटर लंबे पुलिस लाइन अमेठी से हीरा सोनार का पुरवा रेलवे क्रॉसिंग तक निर्माणाधीन बाईपास का स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण कार्य की गुणवत्ता को परखा तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी अमेठी व अधिशासी अभियंता लोनिवि को बाईपास के निर्माण में प्रयुक्त हो रही सामग्री के मानक व गुणवत्ता की जांच कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त हो रही सामग्री की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। बताते चलें कि उक्त बाईपास का निर्माण लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जा रहा है जिसका आज जिलाधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता लोनिवि ने बताया कि बाईपास का निर्माण कल तक पूरा हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान उप जिला अधिकारी अमेठी संजीव कुमार मौर्यए अधिशासी अभियंता लोनिवि शैलेंद्र कुमार सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

ट्रक व कंटेनर में जोरदार भिड़ंत

ऊंचाहार,रायबरेली। नगर स्थित फ्लाई ओवर पर ट्रक व कंटेनर में जोरदार भिड़ंत हो गई,गनीमत ये रही कि दोनों वाहनों पर सवार चालक व खलासी बाल बाल बच गये, हालांकि पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों को हटवाने का प्रयास किया जा रहा है।

रामपुर जनपद के केमरी निवासी अलीम पुत्र सफीक बिहार से कंटेनर में धान लादकर रामपुर आ रहा था बुधवार की सुबह जैसे ही कंटेनर नगर स्थित फ्लाई ओवर पर पहुंचा, वैसे ही लखनऊ की ओर से आ रहे ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई, जिसमें दोनों वाहनों का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, गनीमत रही कि घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई हैं, वहीं फ्लाई ओवर के बीचोंबीच दोनों वाहनों के टकराने से बडे वाहनों का आवागमन बाधित हो गया जिन्हें फ्लाई ओवर के किनारे बने सर्विस रोड से निकाला गया।कोतवाल शिवशंकर सिंह ने बताया कि दोनों वाहनों को हटवाने का प्रयास किया जा रहा है और बड़े वाहनों को सर्विस रोड से निकाला जा रहा है।

सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कराएं सभी आरओः आयुक्त

संवाददाता। गोंडा

रोल प्रेक्षक व आयुक्त देवीपाटन मण्डल एसण्वीण्एसण् रंगाराव की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 01 जनवरीए 2022 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के कार्यो की समीक्षा बैठक मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों तथा पुरनीक्षण कार्य में लगे आरओए एआरओ तथा ईआरओ के साथ कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। जिसमें आयुक्त ने स्पष्ट किया कि विशेष पुनरीक्षण की तिथियां भले ही समाप्त हो गई हैं फिर भी यदि किसी व्यक्ति की नाम मतदाता सूची में न जुड़ा हो अथवा किसी भी प्रकार का विलोपन या संशोधन की आवश्यकता हो तो अभी भी तहसीलों में फार्म 6ए 7 व 8 दे सकते हैं। समीक्षा बैठक में आयुक्त ने बतौर रोल आब्जर्बर जनपद की सातों विधानसभाओं में अब तक किए गए पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा की। आयुक्त ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जनपद गोण्डा में सभी 2915 बूथों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाओं जैसे रैम्पए पेयजल व्यवस्थाए विद्युत सप्लाईए फर्नीचरए शौचालय आदि का एक बार फिर से सत्यापन सभी आरओए एआरओ एवं ईआरओ स्वयं कर लें जिससे मतदान के दौरान दिक्कत न हो। इसके अलावा अब तक हुए पुनरीक्षण कार्य की सूची राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दे दें जिससे वे भी इसका मिलान करके संतुष्ट हों लें और यथा आवश्यकता विलोपन या परिमार्धन कराने में सहयोग कर सकें। उन्होंने कहा कि 01 जनवरीए 2022 को 18 वर्ष पूरा करने वाले मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में रोल प्रेक्षकध्आयुक्त ने ईण्पीण् रेसियो तथा जेंडर रेसियो बढ़ाए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां पर महिलाओं का नाम छूट गया है वहां पर एण्आरण्ओण् व एण्ईण्आरण्ओण् कारणों का पता कर उनका नाम जुड़वाने का कार्य करें। उन्होंने फार्म.6 की प्रगति के दृष्टिगत राजनीतिक दलों से भी सहयोग की अपेक्षा की है। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने रोल प्रेक्षकध्आयुक्त को ईण्पीण् रेशियोए जेंडर रेशियोए विधानसभा क्षेत्रवार मतदान केंद्र और मतदेय स्थलों तथा फार्मों की प्राप्ति व निस्तारण आदि के संबंध में विस्तृत रूप से अवगत कराया। उन्होंने बैठक में सभी संबंधितों को निर्देशित किया कि वे निर्वाचन प्रक्रिया का पूरी तरह पालन करते हुए पूर्ण रूप से संतुष्ट होने के बाद ही निर्वाचक नामावली से किसी का नाम काटें। इस अवसर पर सीआरओ जयनाथ यादवए अपर जिलाधिकारी सुरेश कुमार सोनीए नगर मजिस्ट्रेट अर्पित गुप्ताए जनपद के समस्त उप जिलाधिकारीए अपर उपजिलाधिकारी नायब तहसीलदारए ईआरओ एवं एईआरओ तथा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्जीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण व सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एवं निर्वाचन के संबंधित अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

अभियुक्त की निशानदेही पर लूट का समान किया बरामद

गौरीगंज, अमेठी। अभियुक्त की निशानदेही पर लूट की घटना में प्रयुक्त 01 अदद अवैध तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर व लूट का माल बरामद हुआ प् विगत 03 दिसंबर को पियूष तिवारी पुत्र विमलेन्दु भूषण तिवारी निवासी ग्राम पिपरी थाना हलियापुर जनपद सुल्तानपुर द्वारा लिखित तहरीर दी गयी कि दो दिसंबर रात्रि में मेरा चालक जगजीवन पुत्र दातादीन निवासी ग्राम पिपरी थाना हलियापुर जनपद सुल्तानपुर मेरी मारूती ओमनी वैन नं0 यूपी 32 एवए 8936 सांगीपुर से बारात से वापस हलियापुर जा रहा था । रास्ते में लाला का पुरवा मजरे दरखा चौराहे पर दो लोग आज्ञात मिलेए जिन्होने चालक को तमंचा दिखाकर चालक को गाड़ी से उतार कर लेकर भाग गये । जिस संबंध मे थाना अमेठी पर मु0अ0सं0 442ध्2021 धारा 392 भादवि पंजीकृत हुआ। उक्त घटना का खुलासा करते हुए घटना में वांछित अभियुक्त संदीप तिवारी पुत्र स्व0 रामलखन तिवारी निवासी ग्राम झाउनेई मजरे मोचवा थाना व जनपद अमेठी जो न्यायालय में समर्पण कर दिया थाए को न्यायालय द्वारा जारी कस्टडी रिमाण्ड आदेश के क्रम में अभियुक्त की निशानदेही पर बड़कऊ तिवारी पूरे दया मिश्र गांव के पास बाग की झाड़ियों से लूट की घटना में प्रयुक्त 01 अदद अवैध तमंचा व 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर व लूट का माल एक अदद पायल सफेद धातु व कपड़े आदि अन्य सामान बरामद हुआ । थाना अमेठी द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

पेंशनरों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए पेंशन दिवस का आयोजन आज

अमेठी। शासन के निर्देशानुसार जिलाधिकारी अरूण कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 17 दिसम्बर 2021 को समय प्रातः 11 बजे कोषागार परिसर अमेठी में पेंशन दिवस का आयोजन किया जाना है। इस सम्बन्ध में उन्होंने जनपद के समस्त कार्यालयाध्यक्षध्आहरण.वितरण अधिकारियों को उक्त तिथि में स्वयं अथवा कार्यालय के किसी वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारी को पेंशनर दिवस कार्यक्रम में उपस्थित रह कर शासन की मंशा के अनुरूप पेंशनरों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु कार्यवाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

तकनीक से बदल रही शिक्षण पद्धतिः आरपी सिंह

गोंडा। शिक्षा क्षेत्र झंझरी के अंतर्गत पूर्व माध्यमिक विद्यालय मोकलपुर में गुरुवार को एक्शन.एड के माध्यम से आदित्य बिड़ला ग्रुप द्वारा उपलब्ध कराए गये डिजिटल बोर्ड का लोकार्पण प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम प्रताप सिंह व उपनिदेशक सूचना डॉ. राजेन्द्र यादव ने किया। बीएसए श्री सिंह ने कहा कि सरकार के प्रयास से प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था में काफी बदलाव आया है। तमाम विद्यालय के शिक्षकों ने अपने प्रयास से विद्यालय को प्रेरक विद्यालय के रूप में स्थापित किया है। कायाकल्प योजना से अब विद्यालय आकर्षक हो गए हैं । उन्होंने कहा कि तकनीक से अब शिक्षण पद्धति में काफी बदलाव आ गया है। उन्होंने आदित्य बिड़ला ग्रुप के प्रतिनिधियों की सराहना की। उपनिदेशक सूचना श्री यादव ने बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की सीख दी। कार्यक्रम के दौरान पिछले वर्ष सड़क सुरक्षा अभियान के दौरान आयोजित प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी बबिता वर्मा ने पुरस्कार का चेक प्रदान किया। इस विद्यालय के बच्चों ने गत वर्ष प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन किया था। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेश कुमार सिंह के एक वर्ष पूर्ण करने पर केक काटकर बधाई दी गयी। अतिथियों ने विद्यालय के प्रति समर्पित पूर्व सैनिक श्याम सुंदर तिवारी को शाल ओढ़ा कर सम्मानित किया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक वीर विक्रम सिंगज ने सभी अतिथियों व आगंतुकों का स्वागत किया।

गंगा के कटरी में लगी आग, लाखों की क्षति

ऊंचाहार,रायबरेली। बुधवार की दोपहर क्षेत्र के खरौली गंगा घाट के पास कटरी क्षेत्र में अचानक आग लग गई, जिसमें ना सिर्फलाखों रुपए के बेशकीमती पौधे जलकर नष्ट हो गए, अपितु कई वन्यजीव भी जलकर मर गए हैं। ऊंचाहार क्षेत्र के खरौली गांव के पास करीब 52 बीघा भूमि चरागाह के लिए सुरक्षित है। वास्तविक रूप से यह जमीन पूरी तरह गंगा के कटरी क्षेत्र में आती है। जिसमें बहुत बड़ी संख्या में जंगली पौधे स्थापित है । इसके साथ ग्राम पंचायत द्वारा रोपे गए बड़ी संख्या में बेस कीमती पौधे भी थे । साथ ही बड़ी संख्या में जंगली जीव ही रहते थे। बुधवार की दोपहर अचानक यहां पर आग लग गई ।जिसमें लाखों रुपए कीमत के शीशम सागौन व अन्य पौधे जलकर नष्ट हो गए ।यही नहीं इस जंगली क्षेत्र में रहने वाले बड़ी संख्या में वन्यजीव भी जलकर मर गए है । जिसमें एक हिरण की मौत का वीडियो वायरल हो रहा है। इसके अलावा कई अन्य प्रकार के वन्यजीव भी जलकर मरे हैं। जिनकी पहचान नहीं हो पा रही है ।आग लगने के बाद में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पाया है ।दमकल विभाग को सूचना देने के बावजूद भी दमकल विभाग काफी विलंब से मौके पर पहुंचा, जब तक दमकल विभाग पहुंचता , तब तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। फिलहाल मौके पर करीब 15 बीघे जंगली पौधे जलकर नष्ट हुए हैं ।जिसमें सैकड़ों वन्यजीवों भी जलकर मर गए हैं। ग्राम प्रधान गंगा विष्णु यादव ने बताया कि किसान एक लाख रुपए की क्षति हुई है । आग पर काबू पा लिया गया है । नुकसान का आंकलन किया जा रहा है ।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की विजय रथ यात्रा आज पहुंचेगी बछरावां

बछरावां रायबरेली। जैसे-जैसे 2022 का विधानसभा चुनाव नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे चुनावी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। एक ओर बीजेपी काशी, अयोध्या और चित्रकूट में विभिन्न शिलान्यास एवं धार्मिक आयोजनों के कार्यक्रम कर वोटरो को लुभाने में लगी हुई है, तो वहीं अन्य विपक्षी दल(सपा, बसपा, कांग्रेस) अपनी इद्र, इद्र, समीकरण एवं तुष्टीकरण की राजनीति से पीछे नहीं हट रहे हैं। चुनाव के इसी कार्यक्रम को देखते हुए आज समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव विजय रथ यात्रा लेकर 177 विधानसभा बछरावां पहुंचेंगे। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए विधानसभा अध्यक्ष समाजवादी पार्टी राकेश त्रिवेदी उर्फआलू महाराज ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 2022 के तहत विजय रथ यात्रा शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान आज 177 विधानसभा बछरावां पहुंचेंगे। जहां पर कस्बे में स्थित रफी अहमद किदवई पार्क मे उनका संबोधन होगा। साथ ही साथ उन्होंने यह भी बताया कि हम क्षेत्र की तमाम जनता से आग्रह करना चाहते हैं कि आप सभी इस कार्यक्रम में पहुंचकर वर्तमान तानाशाही सरकार के द्वारा किए जा रहे अत्याचारों को हमारे नेता तक पहुंचा कर 2022 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का काम करें।

मिशन शक्ति अभियान के तहत किया जागरूक

करनैलगंज (गोंडा)। महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हो रहे अपराधों जैसे छेड़छाड़ए शोषणए दहेज उत्पीड़नए बाल अपराधए इत्यादि की रोकथाम के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तृतीय चरण के व्यापक प्रचार प्रसार के लिए प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना कोतवाली करनैलगंज की मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के कस्बा चौकी के अंतर्गत मोहल्ला सरफराजगंज में चौपाल लगाकर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित कर मिशन शक्ति अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला कांग्रेस कमेटी ने की केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा को तत्काल पद से हटाये जाने की मांग

संवाददाता। रायबरेली

उत्तर प्रदेष कांग्रेस कमेटी के निर्देष पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी को तत्काल उनके पद से हटायें जाने की मांग को लेकर जिला मुख्यालय में प्रदर्षन कर महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रषासन को दिया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि उत्तर प्रदेष के लखीमपुर खीरी में किसानों की मंत्री पुत्र द्वारा गाड़ी चढ़ाकर दिन-दहाड़े हत्या ने पूरे देष की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी द्वारा दी गई खुली चेतावनी और उनके स्वामित्व वाली एक जीप के नीचे किसानों को कुचलना और भी दुखद है। इस घटना को केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र द्वारा अंजाम दिया गया जो अभी भी जेल में निरूद्ध है। उक्त घटना का चौतरफा विरोध और माननीय सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद मंत्री के खिलाफ अब तक कोई निर्णायक कार्यवाही नही की गई है। यह शर्मनाक और आष्चर्य जनक है कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री, जिनके पास मंत्रीगण सीधे तौर पर रिपोर्ट करते है, इसके बावजूद प्रधानमंत्री, गृहमंत्री भारत सरकार द्वारा इस जघन्य हत्याकांड के खिलाफ एक शब्द भी नही कहा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष वी.के.शुक्ल, विजयषंकर अग्निहोत्री, निर्मल शुक्ल, सईदुल हसन, शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव, राज कुमार दीक्षित, कामता नाथ सिंह, गिरीष बहादुर सिंह, गौरव मिश्रा, मो.अषरफ खान, रतीपाल पासी, ओम प्रकाष त्रिपाठी, अवधेष चौधरी, कामता प्रसाद गौड़, पराग प्रसाद रावत, ओ.पी. श्रीवास्तव, मेंहदी हसन, संतोष त्रिवेदी, महेष शर्मा, नागेन्द्र बहादुर सिंह, अजीत सिंह, सतगुरूदेव लोधी, उमेष मिश्रा, रवीन्द्र सिंह, नौषाद हुसैन खतीब, राकेष सिंह राना, आर.के.सिंह, घनष्याम शुक्ला, शषिकांत पाण्डेय, श्रीमती शैलजा सिंह, कल्याण चन्द्र श्रीवास्तव, आयुष द्विवेदी, मुन्ना घोसी, हाजी उस्मान, शत्रोहन सोनकर, अनवर रसीद पोलू, अखिलेष मिश्रा, विजय लोधी सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

निकाली विशाल शोभायात्रा

संवाददाता। करनैलगंज (गोंडा)

श्री रामायण दर्शन विशाल शोभायात्रा के साथ श्रीराम कथा का शुभारम्भ हुआ। श्री हनुमान गढ़ी सेवा समिति गाड़ी बाज़ार करनैलगंज के तत्वाधान में सरयू कटरा घाट स्थित मां सरयू के पावन तट पर 10 दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है। गुरुवार को नगर के प्रसिद्ध भैरवनाथ मंदिर परिसर से भव्य श्रीरामायण व पोथी दर्शन यात्रा निकाली गई। जिसमे नगर व ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। महिलाएं हाथ मे भगवा ध्वज लेकर जयकारा लगाते हुये यात्रा के साथ चल रही थी। यात्रा नगर के मुख्य मार्गों से कैलाशबागए घण्टाघरए गाड़ी बाजारए सदर बाजार मौर्य नगर चौराहाए सकरौरा चौराहाए अस्पताल तिराहा होते हुये कटरा घाट पहुंची। जहां यात्रा का समापन हुआ और विधि विधान के साथ पूजन अर्चन कर श्री रामकथा का शुभारम्भ हुआ। आयोजक मंडल के प्रकाश जायसवाल ने बताया कि गुरुवार को सायं चार बजे से रात्रि आठ बजे तक प्रतिदिन मातृ शक्ति सेवा संस्थान वृंदावन की देवी हेमलता शास्त्री द्वारा संगीतमयी श्रीराम कथा का वर्णन किया जायेगा। लगातार 10 दिन तक संचालित श्रीराम कथा के अंतिम दिन 25 दिसंबर को विशाल भंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं को कथा स्थल तक ले जाने व वापस लाने के लिये निरूशुल्क बसों की व्यवस्था भी की गई है। श्रीराम कथा को अविस्मरणीय बनाने के लिए आयोजक मंडल के साथ ही धर्म र?क्षा सेतु के कार्यकर्ता भी पूरा सहयोग कर रहे हैं। महंत रमा शंकर गिरिए गिरजा शंकर गिरिजिला पंचायत सदस्य विवेक सिंहए रामजीलाल मोदनवालए सोनू पुरुवारए अरुण वैश्यए अशोक सिंघानियाए मोहित पांडेयए रतन शुक्लाए राहुल सिंहए ओमप्रकाश तिवारीए पुनीत सिंहए राघवेंद्र प्रताप सिंह के साथ भारी संख्या में पुलिस बल यात्रा के साथ चल रही थी।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

जगदीशपुर, अमेठी। भारत की आजादी की 75 वीं वर्षगांठ के मौके पर तिरंगा यात्रा निकाली गई प् जिसमें कालेज के समस्त बच्चों व स्थानीय लोगों ने पूरे कस्बे को देश भक्ति के रंग में रंग दिया। जगदीशपुर स्थित ए एच इण्टर कॉलेज प्रांगण से आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर तिरंगा यात्रा निकाली गई जहां छात्र छात्राओं के साथ साथ स्थानीय लोगों ने हाथ में तिरंगा झंडा लेकर वन्दे मातरम् भारत माता की जय विजयी विश्व तिरंगा प्यारा आदि नारे लगा कर तिरंगा यात्रा निकाली गई ।तिरंगा यात्रा बाजार शुकुल रोड से होती हुई शांति भवन पुलिस बूथ चौराहे से होकर यथा स्थान पर समाप्त हो गयी और वहीं प्रधानाचार्य मान सिंह राठौर ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों में देशभक्ति सामाजिक सौहार्द व एकता का भाव जगाना है ।इस मौके पर कॉलेज के समस्त छात्र छात्राओं के साथ साथ शिक्षक व क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार की बलिवेदी पर चढ़ी स्वच्छ भारत मिशन योजना गांव में गंदगी का अंबार

बछरावां रायबरेली। जी हां अगर विकास क्षेत्र की बन्नावा ग्राम सभा को देखा जाए तो यह कहना कतई गलत नहीं होगा कि भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे जिम्मेदारों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन योजना को मजाक बनाकर रख दिया गया है। गांव में लगा गंदगी का अंबार,बज बजा रही नालिया, सफाई कर्मचारी नदारद जिम्मेदार मौन! इतना ही गंदगी के दलदल में घुसी ग्राम सभा की दयनीय दशा को व्यक्त करने के लिए पर्याप्त है। आए दिन ग्रामीणों द्वारा गांव मे गंदगी की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम पंचायत अधिकारी से लेकर एडीओ पंचायत तक के कार्यालय का द्वार खटखटाना पड़ता है। लेकिन उन्हें सिर्फ मिलता है तो आश्वासन। गंदगी की समस्या को लेकर का संवाददाता ने ग्राम प्रधान कमला को दूरभाष के माध्यम से फोन लगाया गया।

नेशनल चौंपियनशिप के लिए यूपी की टीम रवाना

नसीराबाद,रायबरेली। जम्मू कश्मीर में आयोजित होने वाले 27वीं नेशनल थांगता चौंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश थांगता मार्शल आर्ट की टीम आज रायबरेली रवाना से हो गई। ये सभी खिलाड़ी 18 से 21 दिसंबर तक जम्मू के इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जम्मू में प्रतिभाग करेंगे। जिसमें सब जूनियर, जूनियर वर्ग व सीनियर वर्ग के बालक व बालिका वर्ग के खिलाड़ी थांगता मार्शल आर्ट में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे ।उत्तर प्रदेश थांगता एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव विवेक कुमार मौर्य ने बताया कि पहले सब जूनियर बालक व बालिका वर्ग खिलाड़ी खेलेंगे उसके बाद जूनियर वर्ग बालक, बालिका तथा अंतिम दिन सीनियर महिला पुरूष खिलाड़ी अपना दमखम दिखाएंगे। नेशनल खेलने वाले खिलाड़ियों को जिला ओलंपिक संघ के सचिव लक्ष्मीकांत शुक्ला ने स्काउट भवन रायबरेली में उज्वल भविष्य की शुभकामना देते हुए विदा किया। नेशनल खिलाड़ी दिव्यांश मिश्रा, अभिषेक सिंह, विवेक गुप्ता, विश्वास शर्मा, विष्णुकांत त्रिपाठी, अनुराग शुक्ला, श्वेता सिंह, समर सोनी, अपूर्वा मौर्या, शिवम लोधी, आदित्य मौर्य, सुधा मौर्य, आकांक्षा पाण्डे, साक्षी पांडेय, श्रेया सिंह, दिवाकर पाल , अभिराज, प्रतिमा मौर्य, अतुल मौर्य, स्वेता बौद्ध, अर्चिता मौर्य, प्रियंका कुमारी, अनुभव व अभिनव, शिवम यादव, अतुल मौर्य आदि कई खिलाड़ियों का स्काउट भवन में स्वागत किया गया। इसके बाद सभी खिलाडी जम्मू कश्मीर के लिए रवाना हुए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश थांगता एसोसिएशन के प्रदेश महासचिव विवेक कुमार मौर्य, लक्ष्मीकांत शुक्ला, शत्रुघ्न सिंह, श्याम बाबू मौर्य, अतुल कुमार मौर्य आदि कई लोग मौजूद रहे।

राज्यस्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए विधायकए मैच खेलते हुए वॉलीबाल की टीमें पायनियर

संवाददाता। गौरीगंज, अमेठी

स्व. राजकरन यादव स्मारक दो दिवसीय राज्यस्तरीय वालीबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक राकेश प्रताप सिंह के द्वारा किया गया। मंगलम भवन प्रांगण पर आयोजित प्रतियोगिता के उद्घाटन मैच में मेरठ की टीम ने मुगलसराय रेलवे की टीम को हराया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक के साथ ही अन्य अतिथियों ने स्व. राजकरन के चित्र पर पुष्पार्चन किया। उन्होंने कहा कि खेल से व्यक्ति को अनुशासन की प्रेरणा मिलती है। सभी टीमों के खिलाड़ियों को अनुशासन में रहते हुए खेल की भावना का परिचय देना चाहिए। वहीं प्रतियोगिता का दूसरा मैच सोनभद्र पुलिस और मैनपुरी की टीम के बीच खेला गया जिसमें सोनभद्र पुलिस की टीम ने 17.25 व 19.25 के अंतर से जीता। तीसरा मैच सशत्र सुरक्षा बल व उत्तर मध्य रेलवे के बीच हुआ।

समापन समारोह में खिलाडियों का उत्साह बढ़ाने हेतु शैलेंद्र यादव उर्फ ललई पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं विधायक शाहगंजए जौनपुर उपस्थित होंगे। मैच के दौरान डाण् के डी सरोजए जिला पंचायत सदस्यए धर्मेश धोबीए जिला पंचायत सदस्य, जगदेव मौर्या पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि, मो. मोतीन, जिला पंचायत सदस्य, विकास यादव जिला पंचायत सदस्य, मोण्तस्लीम जिला पंचायत सदस्य, डी के श्रीवास्तव, उमेश सिंह ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि गौरीगंज, अमरनाथ पासी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सहित कई अन्य लोग उपस्थित रहे।

विचार क्रांति से ही युग निर्माण संभवः आचार्य कैलाश नाथ

संवाददाता। अमेठी

बुधवार की शाम प्रज्ञा पुराण कथा के पहले दिन आचार्य कैलाश नाथ तिवारी ने आज के समय समाज में बढ़ रहे ईर्ष्याए द्वेषए वैमनस्य व पारिवारिक कलह पर विस्तार से चर्चा की। परिवार निर्माण की इस कथा में उन्होंने बताया कि एक बार नारद मुनि ईश्वर की बनाई सृष्टि का भ्रमण करने निकले तो उन्होंने देखा कि धरती पर पारिवारिक कलह बढ़ गई हैए देवरानी जेठानी में पट नहीं रहीए सास.बहू का रिश्ता बिगड़ गया हैए भाई.भाई एक दूसरे के दुश्मन बन बैठे हैंए छोटी.छोटी बातों में विवाद आम बात हो गई है। सुख सुविधा के साधन तो खूब बढ़ें हैं लेकिन कोई भी व्यक्ति सुखी नहीं है। लोभए मोहए अहंकारए आवेश जैसे दुर्गुणों से मानव घिरा हुआ है। आचार्य कैलाश नाथ तिवारी ने कहा कि पेड़ पौधों को हम जिस गति से काट रहे हैंए आने वाले समय में रहने को घर तो मिल जायेगए चलने को सड़क मिल जायेगी लेकिन न तो शुद्ध पेयजल होगा न हवा। कोरोना काल मे पूरी दुनिया में ऑक्सीजन की कमी के कारण सबसे ज्यादा मौत हुई। समय रहते हम न चेते तो आने वाले समय में जीना दुश्वार हो जायेगा। उन्होंने विकास पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अमेठी से दिल्ली की दूरी तो कम हो गईए लेकिन घर.परिवार में आपस की दूरी बहुत बढ़ गई। धन. संपदा के बढ़ने से सुख नहीं बढ़ा हैए लोगों में एक दूसरे के प्रति अविश्वास बढ़ा है।परम् पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी ने भी कहा है कि जो जैसा सोचता है और करता है वो वैसा ही बन जाता है। प्रज्ञा पुराण कथा के पूर्व डॉ0 अक्षयबर नाथ तिवारी ने व्यासपीठ पर आसीन आचार्य कैलाश नाथ तिवारी एवं संगीत टोली का तिलक लगाकर व माला पहनाकर स्वागत किया। ज्ञातव्य है कि यह कथा 51 मुख्य यजमानों के माध्यम से सम्पन्न की जा रही है। आचार्य जी ने सभी यजमानों को प्रज्ञा पुराण व पीत अंगवस्त्र प्रदान कर अपना आशीर्वाद दिया।

अब कंगाली से पीछा छुड़ाने की बारी!

संवाददाता। बस्ती

- जनप्रतिनिधियों से भी माफी मांगी, कर्ज चुकता करने के नाम पर थमाया झनुझुना
- कुर्ता, पैजामा और जैकेट के नाम पर बिकने वाले जिला पंचायत सदस्यों की हो रही किरकिरी
- विपक्ष और पक्ष में हो गया बिलय, टेनी पर धरना-प्रदर्शन, जिला पंचायत के भ्रष्टाचार पर मौन
- जनता की समस्याओं और क्षेत्र के विकास की चिंता नहीं, मानो जीत कर नहीं खरीद कर आए हों

...किसी ने सोचा भी नहीं होगा, कि अधिकतर जिला पंचायत सदस्य कुर्ता, पैजामा और जैकेट में बिक जाएंगे। पांच हजार रुपये में जिस तरह अधिकतर सदस्यों ने भ्रष्टाचार से समझौता किया, उसे देख जिले का हर नागरिक आश्र्यचकित है, और इस बात की चर्चा गांव-गढ़ी और शहर के हर कोने में हो रही हैं, कि क्या जनता ने जिला पंचायत सदस्य इस लिए बनाया कि वह इतने सस्ते में बिक जाएं। ऐसे लोगों को उस समय उतनी तकलीफनहीं हुई थी, जब यही सदस्य अध्यक्ष के चुनाव में भारी भाव में बिके थे, जितनी तकलीफ अब कम दाम में बिकने को लेकर हो रही है। सदस्यों ने अपने मतदाताओं के सामने ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया हैं, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। अगर कुछ सदस्यों को छोड़ दिया जाए तो अधिकतर अपने मतदाताओं के नजरों से गिर चुके हैं, ऐसे सदस्य अपने क्षेत्र के लोगों को यह तक नहीं बता पा रहे हैं, कि आखिर ऐसी कौन सी मजबूरी थी, जिसके चलते इन्हें इतना नीचे गिरना पड़ा। सवाल उठ रहे हैं कि क्या जनता का पैसा किसी के गिरवी होटल को छुड़ाने या फिर चुनाव में लिए गए कर्ज को चुकाने के लिए है। यह भी सवाल उठ रहा है, कि अब वे माननीयगण कहां गए, जो यह कहते हुए नहीं थकते कि वह एक ईमानदार प्रत्याशी की मदद कर रहे है। अध्यक्ष बनाने के लिए कईयों ने तो अपनी प्रतिष्ठा तक को दांव पर लगा दिया था। उनकी चुप्पी इस ओर इशारा करती है, कि इस खेल में कहीं न कहीं उनकी भी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से सहमति है। देखा जाए तो 19 करोड़ के काम में उन माननीयों को भी झुनझुना थमाया गया, जो यह आस लगाए थे कि ठेका-पटटी में उनके आदमियों को मिलेगा। हालांकि उनके प्रस्ताव को तो काम शामिल कर लिया गया, मगर उनके आदमियों को यह कर ठेका नहीं दिया गया, कि उन्हें उन ठेकेदारों का कर्ज चुकाना है, जिन्होंने चुनाव में फंडिगं किया था, सच पूछिए तो फाइनेंसरों के दबाव के आगे ही माननीयों और जिला पंचायत सदस्यों की उपेक्षा की गई, वह भी चुनाव के समय। कई लोग ऐसे भी हैं, जो यह कहते हुए नहीं हिचकते कि अगर किसी ने पैसा लगाया है, तो जाहिर सी बात है कि ठेका पटटी पाने का हक भी उसी का होगा। अगर उसे काम दिया जा रहा है, तो इसमें गलत क्या है। अध्यक्ष पद के चुनाव पर करीबी नजर लगने वाले कुछ लोगों का मानना है, कि अगर यही मौका 'गिल्लम चौधरी' या फिर 'देवा' जैसे धनवान कहे जाने वालें को मिलता, तो कम से कम कर्ज और होटल को गिरवी को नहीं रखना पड़ता, और न उसके नाम पर इस तरह धन का बंदरबांट ही होता, और न जिला पंचायत की इतनी बदनामी ही होती। यही कारण है, कि संगठन पर अपात्रों का चयन करने का आरोप लग रहा है। देखा जाए तो हर जिला पंचायत सदस्य इनमें विपक्ष के भी शामिल हैं, अध्यक्ष को खुश करने में लगे हुए हैं, ताकि उन्हें अधिक से अधिक ठेका पटटी मिल सके। अध्यक्ष के इर्द गिर्द घूमने की होड़ सी लगी रहती है। यह भी देखा गया है, कि अध्यक्ष भी कम से कम 25 सदस्यों को मिलाकर रखता है, ताकि उसकी कुर्सी बची रहे। बाकी सदस्य इस उहापोह में रहते हैं, कि कहीं अध्यक्ष की उनपर टेढ़ी नजर पड़ गई तो उन्हें कोई लाभ नहीं मिलेगा। इसका नुकसान क्षेत्र की जनता को तो भुगतना पड़ता है, साथ ही आने वाले चुनाव में उसका खामियाजा भी भुगतना पड़ता है। क्षेत्र की जनता का कहना है, कि अगर उनका सदस्य मुखर और संगठित होकर जनहित को मुद्दा बनाकर संर्घष का संकल्प ले तो इससे अध्यक्ष भी भयभीत रहेंगें, और जनता में जनाधर भी बढ़ेगा। इसके लिए इन्हें भय और लालच दोनों को त्यागना होगा। कहते हैं कि चुनाव तक को पक्ष और विपक्ष दिखाई देता है, मगर उसके बाद दोनों का बिलय हो जाता है।

'माल खाए मदारी नाच करे बंदरिया'

जिला पंचायत अपने मूल उद्देश्य से भटक गया है। गांव-गढ़ी का विकास ठेकेदार और अध्यक्ष के कमरे तक सिमट कर रह जा रहा है। यहां विकास का कम और कमीशन का अधिक एजेंडा बनता है। जिला पंचायत सदस्य और ठेकेदार मस्त हैं, और अध्यक्ष को कुर्सी बचाने में परेशान है। बजट, कमीशन और कुर्सी तक ही लोग रह जा रहे। ऐसे में जनता कहां जाए, इस तरफकिसी का ध्यान नहीं है। गांव-गांव को विकसित करने को कौन कहे, एक भी जिला पंचायत सदस्य का क्षेत्र विकास के मामले में माडल नहीं बन पाया। जबकि अध्यक्ष के पास विधायक से अधिकार और बजट रहता है। एक भी अध्यक्ष गांव में जाकर यह जानने का प्रयास नहीं किया कि जनता को क्या चाहिए। आम बैठक का एजेंडा कमीशन तक रह गया। सबसे अधिक हैरानी विपक्ष को लेकर हो रही है, यह लोग बस्ती में टेनी जैसे मंत्री को लेकर धरना प्रदर्शन कर सकते हैं, जबकि इससे जिले के विकास से कोई लेना देना, मगर यही लोग स्थानीय मुद्दे और भ्रष्टाचार को लेकर खामोश रहते है। यही कारण है, कि ऐसे धरना-प्रदर्शन का समर्थन आमजन का नहीं मिल पाता।

कर्ज जल्दी चुकता हो, इसके लिए लायबिल्टी बढ़ गई

कर्ज चुकता और गिरवी होटल को छुड़ाने की इतनी हड़बड़ी मची है, कि बिना वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के टेंडर की धनराशि को 6.75 करोड़ से बढ़ाकर 19.61 करोड़ कर दिया। नियमानुसार जिला पंचायत के पास जितना धन उपलब्ध है, उसी के सापेक्ष टेंडर निकालना चाहिए। अगर जिला पंचायत उपलब्ध धनराशि के सापेक्ष अधिक धनराशि का टेंडर निकालती है, तो उसकी लायबिल्टी उतनी बन जाएगी, जितना अधिक धन का टेंडर निकाला गया। यानि अगर उपलब्ध धनराशि से अधिक 10 करोड़ का टेंडर निकाला जाता है, तो वह दस करोड़ जिला पंचायत को मिलने वाले बजट में से चुकता करना होगा। यानि बीस करोड़ का बजट मिला तो पहले दस करोड़ की लायब्लिटी को समाप्त करना होगा। इस मामले में एएमए विकास मिश्र के मोबाइल 8858080166 पर संपर्क किया तो कोई रिस्पांस नहीं मिला, बताया गया बवाल को देखते हुए अचानक अवकाश पर चले गए।

कांग्रेसियों में आक्रोश, प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

- केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी का मानसिक संतुलन हो गया है खराबः प्रवीण चन्द्र पाण्डेय

संवाददाता। संतकबीरनगर

डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन करते कांग्रेसी पायनियर

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को बर्खास्त किये जाने की मांग को लेकर कांग्रेसियो ने केन्द्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ डीएम कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद्र पांडेय ने कहा कि टेनी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया और अच्छे डॉक्टर से इलाज की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मीडिया के साथ दुर्व्यवहार कर टेनी ने नीचता का परिचय दिया। जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है। टेनी के बेटे ने किसानों को कुचल कर हत्या कर दिया। यह शर्मनाक है कि प्रधान मंत्री और गृह मंत्री जिनके पास मंत्रीगण सीधे तौर पर रिपोर्ट करते है उन्होंने इस जघन्य हत्या काण्ड के खिलाफ एक शब्द भी नही कहे। कांग्रेस पार्टी ने इस घटना को गम्भीरता से लिया है गुरुवार को कांग्रेसियों ने प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को दो सूत्रीय मांग करती है। उन्होंने मांग किया कि केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी को तत्काल पद से बर्खास्त किया जाये व देश के चौथे स्तम्भ मीडिया के लोगों के साथ हुई अभद्रता को ध्यान में रखते हुए। कार्यक्रम मुख्य रूपा से जिला उपाध्यक्ष दिलशाद अफ्सर, जिला उपाध्यक्ष नीलम चतुर्वेदी, महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती मीनू सिंह, भुवनेश्वर भारती, अमरेन्द्र भूषण पाण्डेय, सुनील कुमार पाण्डेय, प्रदेश सचिव अनुसूचित विभाग अमित कन्नौजिया, मदन दास, ओम प्रकाश चौबे, श्रीराम कसेरा, चमन सिंह सहित कांग्रेसी शामिल रहे।

केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा का कांग्रेसियों ने फूंका पुतला

श्रावस्ती, भिनगा। भिनगा स्थित ईदगाह चौराहे पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी का पुतला फूंक उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। कांग्रेसियों ने गुरुवार को सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करते हुए लखीमपुर की घटना को लेकर आक्रोश जताया साथ ही एस आई टी की जांच आने के बाद लखीमपुर में पत्रकारों के सवाल पर गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा द्वारा भड़कने की निंदा की। श्रावस्ती में बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतर कर अजय मिश्रा का पुतला फूंककर सरकार विरोधी नारे लगाए। इस दौरान जिला महासचिव चन्द्र पाल सिंह यादवए युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष शुक्ला इकबाल अहमदए यशोदानंदन शर्माएमो अहमदएशिव कुमार गुप्ता पंकज श्रीवास्तव राधेश्याम शर्माए पवन पाण्डेयए मो अहमदए बन्दना शर्माए असलम एडए छैलू गुप्ताए विरेन्द्र कश्यपए राजेंद्र तिवारीए शिवम् पाण्डेयए समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने आठ वर्षों के पति पत्नी के विवाद को सुलझाया

पुलिस के साथ दम्पति पायनियर

संवाददाता। संतकबीरनगर

विगत कई वर्षों से चले आ रहे पति-पत्नी के बीच मनमुटाव को प्रभारी निरीक्षक महिला थाना द्वारा की गयी मध्यस्थता से हुआ समाप्त, खुशी-खुशी एक साथ रहने को हुए राजी पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ के निर्देशन में चलाये जा रहे साथ-साथ कार्यक्रम (टूटते परिवार को जोड़ने की एक पहल) के आयोजन में बृहस्पतिवार को परिवार परामर्श केन्द्र महिला थाना पर प्रभारी निरीक्षक महिला थाना श्रीमती सरोज शर्मा एवं नियुक्त सदस्य रिफतुल्लाह अंसारी की अध्यक्षता में प्रथम पक्ष पार्वती देवी पुत्री साधूशरण निवासी कुसरूखुर्द थाना बखिरा व द्वितीय पक्ष रामअशीष पुत्र रामराज निवासी ग्राम घघसरा थाना सहजनवा जनपद गोरखपुर की शादी लगभग 08 वर्ष पूर्व हई थी एवं विगत 06 वर्ष से दोनों पक्षों में आपसी विवाद चल रहा था इनका रिश्ता टूटने की कगार पर था। दोनों पक्षों को काफी समझाने-बुझाने के बाद दोनों पक्ष एक साथ खुशी-खुशी रहने को तैयार हैं दोनो पक्ष में आपसी सहमति से सुलह समझौता कराया गया।

बजट एक और खर्चा 3.24 लाख तो कैसे मिलेगा प्रधानों को मानदेय

संवाददाता। बस्ती

- साढ़े चार सौ ग्राम पंचायतों के सामने आर्थिक संकट
- प्रधान का मानदेय पंचायत सहायक और शौचालय केयर टेकर को हर माह देना है 29 हजार
- इसके आलावा इसी में हैंडपंप मरम्मत, नाली और खंड़जा, बिजली बिल का खर्चा
- 25 से 30 पशुआश्रय स्थल के गो-सेवकों को हर माह छह हजार का भी होना है भुगतान

सरकार सुविधाएं तो बढ़ाती जा रही है, मगर उसके लिए बजट का प्राविधान नहीं कर रही है। प्रधानों का मानदेय तो बढ़ा दिया, मगर मानदेय कैसे दिया जाएगा, इसकी व्यवस्था नहीं की गई। जिले के लगभग साढ़े चार सौ ऐसी छोटी ग्राम पंचायतें हैं, जिनका सालाना बजट एक लाख का है। यह धन राज्य वित्त आयोग से मिलता है। अब जरा अंदाजा लगाइए इतनी बड़ी संख्या में अगर किसी ग्राम पंचायत को साल में मात्र एक लाख मिल रहा हो, वह कैसे तीन लाख 24 हजार सिर्फ मानदेय सहित अन्य पर खर्च कर सकता है। इसके अतिरिक्त इन ग्राम पंचायतों को इसी एक लाख में हैंडपंप मरम्मत, नाली और खड़जा निर्माण कई ऐसे आवयक कार्य हैं, जिसे करना है। अब जरा अंदाजा लगाइए कि साढ़े चार सौ ग्राम पंचायतें कैसे गांव का विकास और प्रधान सहित अन्य को मानदेय दे पाएगीं। क्यों कि ग्राम पंचायतों के पास मानदेय देने का भी बजट नहीं, गांव का विकास करना तो दूर की बात है। यह सरकार और सरकारी तंत्र सहित जनप्रतिनिधियों के लिए सोचने का विषय है, कि आखिर छोटी ग्राम पंचायतों का समुचित विकास क्यो नहीं हो पा रहा है? आकड़ो पर नजर डालिए तो 1185 ग्राम पंचायतों में लगभग साढ़े चार सौ ऐसी छोटी ग्राम पंचायत हैं, जिनका सालाना बजट ही एक लाख है। अब जरा अंदाजा लगाइए कि इसी एक लाख में से हर माह पांच हजार प्रधान, 9000 हजार सामुदायिक शौचालय के रखरखाव एवं केयर टेकर का मानदेय, 6000 पंचायत सेवक का मानदेय और 25 से 30 ऐसी ग्राम पंचायत हैं, जहां पर पशुआश्रय स्थल के गो-सेवकों को हर माह 6000, पंचायत भवन एवं सामुदायिक शौचालय के बिजली बिल कुल मिलाकर हर माह 27 हजार का खर्चा है। इस तरह एक साल में तीन लाख 24 हजार मानदेय सहित अन्य कार्य में निकल जाएगा। अब सवाल उठ रहा हैं, अगर खर्चा 3.24 लाख है, और बजट एक लाख है, तो दो लाख 24 हजार कहां से आएगा। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत को इसी एक लाख में हैंडपंप मरम्मत, नाली खंडजा निर्माण सहित अन्य ऐसे आवश्यक कार्य हैं, जिसके लिए धन की आवश्यकता पड़ेगी।

जमीनी विवाद में दलित को मारी गोली, पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

बस्ती। जमीनी विवाद में बुधवार की रात्रि मोटर साइकिल सवार दो व्यक्तियों ने कोतवाली थाना क्षेत्र के ओरीजोत मोहल्ला निवासी दिवाकर सोनकर को सब्जी खरीद कर लौट रहें व्यक्ति गोली मार दी। गोली सीने में लगने के बजाए हाथ में लग गया, जिससे जान बच गई। पहले को मुकदमा न लिखा जाए इसके लिए जोरआजमाई की गई, मगर बाद में घायल के बयान के आधार पर हेमन्त मिश्र पुत्र विरेश्वर प्रसाद मिश्र निवासी रंजीत चौराहा,. अमित श्रीवास्तव पुत्र अज्ञात साकिन जयपुरवा, आशीष कर पाठक पुत्र अज्ञात साकिन विशुनपुरवा थाना कोतवाली और मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात के विरुद्ध जान से मारने और एससीएसटी का मुकदमा दर्ज हुआ।

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकता मिला विवाहिता का शव

श्रावस्ती,सोनवा। थाना सोनवा अंतर्गत ग्राम इटरौली में गुरुवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक विवाहिता का शव घर के बडेर में फंदे से लटकता मिला। सूचना पर पहुची पुलिस ने न शव को फंदे से नीचे उतरवा कर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। जनपद बहराइच के ग्राम नरसिंहडीहा निवाशिनी रोली वर्मा ने सात साल पहले सोनवा थाना क्षेत्र के ग्राम इटरौली निवासी दयाराम के साथ प्रेम विवाह किया था। तीन साल पहले रोजगार की तलाश में दयाराम सऊदी अरब चला गया था रोली अकेले ही अपने चार वर्षिय बेटी प्रिया के साथ गांव के बाहर बने मकान में रहती थी। गुरुवार की सुबह उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर के टीन शेड में लगे बडेर में प्लास्टिक के पट्टे से बने फंदे से लटकता मिला। इस घटना की जानकारी उसकी चार वर्षिय बेटी प्रिया ने रोते हुए गांव के अंदर रह रहे अपने चाचा मायाराम को दी।

सालों से दूषित जल पी रहे चौबेपुर के ग्रामीण

संवाददाता। बस्ती

मरम्मत के अभाव में सर्रैया तिवारी के चौबेपुर गांव का हैंडपंप पायनियर

इतनी सारी सुविधाएं और बजट होने के बावजूद अगर गांव वालों को दूषित जल पीना पड़े तो यह सोचने वाली हैं, और ऐसे ग्राम पंचायत के प्रधान के खिलाफ अवश्य कार्रवाईकरनी चाहिए। ऐसा ही एक मामला विकास खंड हर्रैया के ग्राम पंचायत सर्रैया तिवारी के राजस्व गांव चौबेपुर का सामने आया। इस गांव के पूर्व प्रधान श्याम नरायन तिवारी, विश्वामित्र राम त्रिपाठी, बशिष्ठ राम, जमदग्नि राम, वेद प्रकाश, छोटेलाल चौधरी सहित अन्य इसकी शिकायत कई बार प्रधान और अन्य अधिकातरियों से कर चुके है। तीन बार जनसुनवाई पोर्टल,एक बार मुख्यमंत्री पोर्टल और एक बार एडीओ पंचायत को लिकिखत में दे चुके हैं, मगर चुनावी रंजिश के चलते प्रधान मरम्मत कराने में आनाकानी कर रहे है। मजबूरी में 50 घर के लोग छोटे हैंडपंप का दूषित पानी पीने को मजबूर है। बताया कि विश्वामित्र के दरवाजे पर लगा इंडिया मार्का हैंडपंप वर्षों से खराब पड़ा है, जिसे ठीक कराने के लिए कई बार लिखा गया, मगर आजतक ठीक नहीं हुआ। कहते हैं कि इंडिया मार्का हैंडपंप का मरम्मत इस लिए नहीं कराया जा रहा है, क्यों कि प्रधानी के चुनाव में यहां के लोग महेश की पत्नी प्रधान का साथ नहीं दिया। बताया कि इससे पहलजे भी महेश की भाभी प्रधान रही। गांव वालों ने त्वरित हैंडपंप की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि दूषित पानी पीने से जलजनित बीमारी से बचाया जा सके।

एडी बेसिक के निरीक्षण में बंद मिला स्कूल

बस्ती। एडी बेसिक डा. एसपी त्रिपाठी ने गुरुवार को सल्टौआ ब्लॉक के उच्च प्राथमिक विघालय बसडिलिया का निरीक्षण किया। निरीक्षण में विधालय बंद मिला। संज्ञान में लाया गया कि हेड मास्टर अनिल सिंह के द्वारा शिक्षक विधावती को अवकाश देकर खुद विधालय नहीं आए। जिसके चलते बच्चों का शिक्षण कार्य प्रभावित हुआ। इस पर बीएसए जगदीश शुक्ल ने हेडमास्टर का वेतन अगले आदेश तक बाधिक करने का निर्देश दिया, और नोटिस देते हुए कहा कि क्यों न आपके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जाए।

एचआरपीजी में मनाया गया 'निर्भया दिवस'

संतकबीरनगर। मिशन शक्ति, हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद में बृहस्पतिवार को निर्भया दिवस पर वीरांगना निर्भया को श्रद्धांजलि दिया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा निर्भया दिवस पर व्याख्यान माला का आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य डॉ0 ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि निर्भया कांड मानव सभ्यता पर दाग हैं जिसे सदियों तक धोया नही जा सकता। निर्भया कांड के बाद शर्मसार हुई मानव जाति को प्रत्येक स्त्री को सम्मान देना होगा। उसके प्रति जो जनसमर्थन उमड़ा उसे हर दशा में नारी समर्थन के रूप में बदलने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ0 संध्या राय ने किया। कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा निर्भया को समर्पित पोस्टर एवं स्लोगन प्रदर्शित किया गया जिसमें सुषमा सिंह, गरिमा ओझा, नमिता, अंशिका, श्वेता, संतोषी, रितिका, बुशरा इत्यादि ने अपने-अपने विचारों कोपोस्टर एवं स्लोगन के रूप में प्रस्तुत किया।

भाजपा सरकार दिव्यांग हितों के लिये समर्पितः महेश

संवाददाता। बस्ती

- अभियान चलाकर कटे तालू का निःशुल्क आपरेशन हो रहा

गुरुवार को प्रेस क्लब में आयोजित दिव्यांग सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार दिव्यांग हितों के लिये समर्पित है। दिव्यांगों के सहज जीवन के लिये जहां उन्हें उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे हैं। यह कार्यक्रम भाजपा दिव्यांग प्रकोष्ठ के सह संयोजक हर्षित अग्रवाल के संयोजन में हुआ। दिव्यांग प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डा. उत्तम ओझा ने कहा कि भाजपा की सरकार ने दिव्यांगों के लिये जमीनी धरातल पर कार्य किया। दिव्यांगों को उपकरण के साथ ही नि:शुल्क आपरेशन के साथ ही बसों में यात्रा सुविधा उपलब्ध कराया गया है। कहा कि दिव्यांग भाजपा के साथ हैं क्योंकि भाजपा उनके हितों के लिये सर्वाधिक कार्य कर रही है। दिव्यांग सम्मेलन को क्षेत्रीय संयोजक पुरूषोत्तम अग्रहरि के साथ ही अमर सिंह, नीलम मिश्रा, विनोद ने सम्बोधित करते हुये दिव्यांगों की समस्याओं और सरकार से अपेक्षाओं को प्रमुखता से उठाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामजी शुक्ल, पूनम सिंह, जितेन्द्र श्रीवास्तव, कमलेश शुक्ल, आनन्द मिश्र, सुरेश सहित अन्य मौजूद रहे।

विजय दिवस की 50वीं वर्षगांठ पर खुशी का इजहार

संतकबीरनगर। सैन्यविज्ञान विभाग, हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा 1971 में पाकिस्तान विजय की पचासवीं वर्षगाँठ पर बृहस्पतिवार को निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारत ने 1971 में पाकिस्तान पर निर्णायक जीत के लिए विजय दिवस मनाया, जिसके परिणाम स्वरूप पूर्वी पाकिस्तान की मुक्ति हुई और बांग्लादेश के नए राज्य का निर्माण हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ0 अमित मिश्र ने कहा कि स्वर्णिम विजय दिवस के अवसर पर हम 1971 के युद्ध के दौरान अपने सशस्त्र बलों के साहस और बलिदान को याद करते हैं। 1971 का युद्ध भारत के सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। हमें अपने सशस्त्र बलों और उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। कार्यक्रम का संचालन सहयोगी आचार्य, सैन्य विज्ञान तेज प्रताप सिंह ने किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रियंका शर्मा, साज़िद अली, शुभांगी, अल्फिया, नेहा गुप्ता सहित सैन्यविज्ञान के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

धान खरीद को लेकर डीएम ने की बैठक

संवाददाता। श्रावस्ती

जिलाधिकारी नेहा प्रकाश की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में धान खरीद के सम्बन्ध में गुरुवार को एक बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान ज्ञात हुआ कि वर्ष 2021.22 में समर्थन मूल्य योजना के तहत जनपद का कुल 44300 मीट्रिक टन धान की खरीद का लक्ष्य है जिसके सापेक्ष 14 दिसम्बर तक कुल 9049ण्430 मीट्रिक टन ही धान की खरीद हुई हैए जो कि लक्ष्य का 20ण्428 प्रतिशत है। जिसपर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त करते हुये उपस्थित केन्द्र प्रभारियों को धान खरीद में तेजी लाने तथा क्रय किये गये धान का भुगतान सम्बन्धित कृषक को 72 घण्टे के अन्दर हर हाल में किये जाने के निर्देश दिये। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि जनपद में आये दिन धान के क्रय केन्द्रों का निरीक्षण किया जाता है और सभी धान क्रय केन्द्रों पर नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। जिले में कुल 36 धान क्रय केन्द्र स्थापित किये गये हैं। जिसमें से अबतक सभी क्रय केन्द्रों पर 1554 किसानों से खरीद की गयी है। अबतक किसानो को 1755ण्58 लाख के सापेक्ष 1205ण्29 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। उन्होने यह भी बताया है कि सभी धान क्रय केन्द्रों पर बोरों की उपलब्धताए ई.पॉश मशीनए नमी मापक यंत्रए कृषकों को भुगतान की स्थितिए राइस मिल को दिया गया धानए केन्द्र पर तिरपाल पॉलीथीन की उपलब्धताए सामियानाए तख्ताए दरीए पीने का पानी आदि की व्यवस्था की गई है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष 25 प्रतिशत से कम खरीद करने वाले क्रय केन्द्र प्रभारियों को फटकार लगाई और अधिक से अधिक धान की खरीद के निर्देश दिये। उन्होने निर्देश दिये कि क्रय केन्द्रों से कोई भी किसान वापस न किया जाएए इसका जरूर ध्यान रखा जाए। अवशेष कृषकों का 550ण्29 लाख भुगतान न होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगायी और जल्द से जल्द भुगतान के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्रए जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी प्रज्ञा शर्मा सहित समस्त केन्द्र प्रभारीगण उपस्थित रहे।

कोहली के मामले को बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए: सौरव गांगुली

बोर्ड अध्यक्ष ने कोहली की प्रेस कांफ्रेंस पर टिप्पणी से इनकार किया

भाषा। कोलकाता

टेस्ट कप्तान विराट कोहली के सार्वजनिक रूप से विरोधाभासी बयान देकर भारतीय क्रिकेट में तूफान लाने के एक दिन बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि बोर्ड इससे निपटेगा।

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने कहा था कि जब उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने के अपने इरादे के बारे में बताया तो उन्हें कभी कप्तान बने रहने के लिए नहीं कहा गया। यह गांगुली के कुछ दिन पहले दिए गए बयान के बिलकुल विपरीत था जिन्होंने कहा था कि कोहली को आग्रह किया गया था कि वह पद नहीं छोड़ें। गांगुली ने गुरुवार को स्थानीय मीडियाकर्मियों से कहा कि कोई बयान, प्रेस कांफ्रेंस नहीं।

हम इससे निपटेंगे, यह बीसीसीआई पर छोड़ दीजिए। इस तरह की चर्चा थी कि बीसीसीआई ने कोहली की विस्फोटक प्रेस कांफ्रेंस के बाद चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा को मीडिया को संबोधित करने को कहा गया था लेकिन बोर्ड ने अंततः कोई बयानबाजी नहीं की।

बुधवार को कोहली के बयान से प्रशासकों के साथ उनका तनाव उभरकर सामने आया था। कोहली ने गांगुली के बयान के संदर्भ में कहा था, जो फैसला किया गया उसे लेकर जो भी संवाद हुआ, उसके बारे में जो भी कहा गया वह गलत है।

कोहली ने कहा कि जब मैंने टी-20 कप्तानी छोड़ी तो मैंने पहले बीसीसीआई से संपर्क किया और उन्हें अपने फैसले के बारे में बताया और पदाधिकारियों कि सामने अपना नजरिया रखा। भारतीय कप्तान ने गांगुली के कुछ दिन पहले के बयान से बिलकुल विपरीत जानकारी देते हुए कहा कि मैंने कारण बताए कि आखिर क्यों मैं टी-20 कप्तानी छोड़ना चाहता हूं और मेरे नजरिए को अच्छी तरह समझा गया। कुछ गलत नहीं था, कोई हिचक नहीं थी और एक बार भी नहीं कहा गया कि आपको टी-20 कप्तानी नहीं छोड़नी चाहिए।

इससे पहले गांगुली ने कहा था कि कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने पर पुनर्विचार नहीं करने के कारण चयनकर्ताओं को सीमित ओवरों के प्रारूप में रोहित को एकमात्र कप्तान बनाना पड़ा क्योंकि दो प्रारूपों में दो अलग कप्तान होने से नेतृत्व क्षमता का टकराव हो सकता था।

बड़े दौरे से पहले किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं: कपिल

नई दिल्ली। विश्व कप विजेता भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव का मानना है कि कप्तानी के मसले पर बीसीसीआई से मतभेद उजागर करता विराट कोहली का बयान गलत समय पर आया है जिससे दक्षिण अफ्रीका के अहम दौरे से पहले अनावश्यक विवाद पैदा हो गया। दक्षिण अफ्रीका रवानगी से पहले मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में कोहली ने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के इस बयान को गलत बताया कि बोर्ड ने उनसे टी-20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए कहा था। इस बयान से कोहली और बीसीसीआई के बीच तनाव जगजाहिर हो गया है।

कपिल ने कहा कि इस समय किसी पर ऊंगली उठाना सही नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का दौरा सामने है और उस पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मैं कहूंगा कि बोर्ड अध्यक्ष तो बोर्ड अध्यक्ष है हालांकि भारतीय टीम का कप्तान होना भी बड़ी बात है। एक दूसरे के बारे में हालांकि सार्वजनिक तौर पर खराब बोलना अच्छा नहीं है। चाहे वह सौरव हो या कोहली।

कोहली मामले में जल्दबाजी में कोई कदम नहीं उठाएगा बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली की तूफानी प्रेस कांफ्रेंस से स्तब्ध भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) इस संकट से निपटने के लिए विकल्पों पर विचार कर रहा है जबकि यह भी सुनिश्चित करेगा कि मैदान के बाहर के नाटकीय घटनाक्रम से महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला से पहले टीम का ध्यान भंग नहीं हो। भारतीय टेस्ट कप्तान कोहली ने तीन मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका रवाना होने से पहले प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि उन्हें कभी टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ने के लिए नहीं कहा गया। उनका बयान बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के बयान के विपरीत था जो उन्होंने मीडिया में दिया था।
अतीत में बामुश्किल ही ऐसे मामले देखने को मिले हैं जब भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार और मौजूदा कप्तान तथा अध्यक्ष पद पर काबिज पूर्व कप्तान के बयानों में विरोधाभास हो। पता चला है कि बुधवार को जो हुआ उससे बीसीसीआई में कोई भी खुश नहीं है लेकिन वे समझते हैं कि मामले के तुरंत हल के लिए उनकी कोई भी कड़ी प्रतिक्रिया नुकसानदेह हो सकती है। कोहली आज शाम दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए जबकि कोलकाता में बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वह कोई सार्वजनिक बयान नहीं देंगे।
पता चला है कि गांगुली और सचिव जय शाह सहित बीसीसीआई के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बुधवार को जूम कॉल पर बात की जहां सामूहिक रूप से फैसला किया गया कि कोई भी प्रेस कांफ्रेंस नहीं करेगा और ना ही प्रेस विज्ञप्ति जारी करेगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया कि विशेषज्ञ का नजरिया जाना गया कि इस संवेदनशील मामले से कैसे निपटा जाए क्योंकि इससे अध्यक्ष के कार्यालय का सम्मान जुड़ा है। बीसीसीआई को पता है कि टेस्ट श्रृंखला होने वाली है और जल्दबाजी में लिया गया उनका कोई फैसला या बयान टीम का मनोबल प्रभावित कर सकता है।

कप्तान और अध्यक्ष के लिए सर्वश्रेष्ठ तरीका यह होगा कि दोनों बैठकर सौहार्दपूर्ण तरीके से मतभेद या संवादहीनता का हल निकालें। फिलहाल गांगुली या शाह के कप्तान से बात करने की संभावना कम है। सामान्य तौर पर केंद्रीय अनुबंध खिलाड़ी से संस्था या पदाधिकारियों के खिलाफ आलोचनात्मक टिप्पणी की उम्मीद नहीं की जाती लेकिन कोहली की जो हुआ उससे जुड़े एक सवाल के जवाब में दी गई प्रतिक्रिया नियमों को उल्लंघन है या नहीं, यह भी एक सवाल है इसलिए इस समस्या का कोई आसान हल नहीं होने वाला।

पहले दिन आस्ट्रेलिया का रहा दबदबा

दूसरा एशेज टेस्ट

● **आस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 221 रन बनाए**

डेविड वार्नर और लाबुशेन ने दूसरे विकेट की साझेदारी में 172 रन जोड़े

एपी। एडीलेड

शतकीय साझेदारी के दौरान डेविड वार्नर और मार्नस लाबुशेन

नए कप्तान पैट कमिंस के कोरोना वायरस से जुड़ी चिंताओं के कारण अंतिम समय में हटने के बावजूद आस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन-रात्रि एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन इंग्लैंड के खिलाफ दबदबा बनाते हुए दो विकेट पर 221 रन बनाए।

मार्नस लाबुशेन दो जीवनदान का फायदा उठाकर स्टंप के समय 95 रन बनाकर खेल रहे थे। उन्होंने सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर (95) के साथ दूसरे विकेट के लिए 172 रन जोड़े। दिन का खेल खत्म होने पर कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ 18 रन बनाकर लाबुशेन का साथ निभा रहे थे। दोनों तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी कर चुके हैं।

स्मिथ 2018 में गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के बाद पहली बार आस्ट्रेलिया की कप्तानी कर रहे हैं। मैच की पूर्व संध्या पर रेस्टोरेंट में रात्रिभोज के दौरान कमिन्स को कोविड-19 पॉजिटिव व्यक्ति का करीबी संपर्क माना गया जिसके कारण वह मैच से बाहर हो गए। स्मिथ ने टॉस जीता और इसके बाद लगभग सब कुछ आस्ट्रेलिया के पक्ष में रहा।

अनुभवी जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड की वापसी के बावजूद इंग्लैंड पूरे दिन में सिर्फ दो विकेट हासिल कर पाया। आस्ट्रेलिया ने आठवें ओवर में ब्रॉड की गेंद पर मार्कस हैरिस (03) का विकेट गंवाया जिनका विकेटकीपर जोस बटलर ने शानदार कैच लपका। बटलर ने हालांकि इसके बाद 21 और 95 रन के स्कोर पर लाबुशेन के कैच छोड़े। वार्नर ने खाता खोलने के लिए 20 गेंद ली। आस्ट्रेलिया ने पहले सत्र में धीमी बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 54 रन बनाए जबकि दूसरे सत्र में 28 ओवर में बिना विकेट गंवाए 84 रन जोड़े। वार्नर और लाबुशेन ने रात के सत्र में भी अच्छी बल्लेबाजी करते हुए छठी शतकीय साझेदारी की। पिछले हफ्ते गाबा में 156 रन जोड़ने वाली इस जोड़ी की यह लगातार दूसरी शतकीय साझेदारी है। वार्नर हालांकि बेन स्टोक्स की बाहर जाती शॉर्ट गेंद पर कवर्स में ब्रॉड को आसान कैच दे बैठे। उन्होंने 167 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके मारे।

स्टोक्स इससे पहले 35वें ओवर में दुर्भाग्यशाली रहे थे जब उनकी गेंद पर बटलर ने लाबुशेन का कैच टपका दिया था। गुरुवार को हालांकि अधिकांश नाटकीय घटनाक्रम मैच से पहले हुआ। टॉस से तीन घंटे पहले क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि कमिंस नहीं खेल सकेंगे जो बुधवार की रात एक रेस्टोरेंट में रात्रिभेज दौरान कोरोना संक्रमित किसी व्यक्ति के करीबी संपर्क में आ गए थे। उनकी कोरोना जांच रिपोर्ट हालांकि नेगेटिव आई है।

आस्ट्रेलिया के लिए स्मिथ पिछले तीन टेस्ट में तीसरे कप्तान हैं। टिम पेन ने चार साल पहले एक महिला सहकर्मी को अश्लील संदेश भेजने का मामला प्रकाश में आने के बाद पिछले महीने कप्तानी छोड़ दी थी।

टेस्ट श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

भाषा। जोहानिसबर्ग

एयरपोर्ट से बाहर निकलते भारतीय टीम के सदस्य

कप्तान विराट कोहली की अगुवाई में भारतीय क्रिकेट टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए गुरुवार को यहां पहुंची। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कप्तान कोहली और टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा सहित कई खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए ट्वीट किया, दक्षिण अफ्रीका पहुंच गए हैं।

कोहली की अगुवाई वाली टीम इस दौरे के लिए मुंबई से रवाना हुई। इस दौरे के आखिर में जनवरी में तीन वनडे मैचों की श्रृंखला भी खेली जाएगी। कोविड-19 के नए स्वरूप ओमिक्रॉन के खतरे को देखते हुए इस दौरे में होने वाले टी-20 मैचों को अभी स्थगित कर दिया गया था। दोनों टीम पूरी श्रृंखला के दौरान जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में रहेंगी। सलामी बल्लेबाज और सीमित ओवरों की टीम के नवनियुक्त कप्तान रोहित शर्मा मुंबई में अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें दौरे से हटना पड़ा। उनकी जगह गुजरात के सलामी बल्लेबाज प्रियांक पांचाल को चुना गया। इस दौरे से पहले कोहली ने संवाददाता सम्मेलन में यह कहकर खलबली मचा दी थी कि बोर्ड ने उन्हें कभी टी-20 टीम की कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए नहीं कहा था। वह संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी-20 विश्व कप के बाद सबसे छोटे प्रारूप के कप्तान पद से हट गए थे। उन्हें इस महीने के शुरू में वनडे टीम की कप्तानी से भी हटा दिया गया था। टेस्ट श्रृंखला का पहला मैच सेंचुरियन में खेला जाएगा जबकि अन्य दो टेस्ट जोहानिसबर्ग और केपटाउन में होंगे। रोहित के चोटिल होने के बाद टेस्ट टीम का उप कप्तान घोषित नहीं किया गया है। रोहित को खराब फॉर्म में चल रहे अजिंक्य रहाणे की जगह उप कप्तान नियुक्त किया गया था।

लखनऊ टीम के कोच की दौड़ में सबसे आगे एंडी फ्लावर

कोलकाता। जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लावर इंडियन प्रीमियर लीग 2022 में लखनऊ टीम के मुख्य कोच के पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। फ्लावर ने पंजाब किंग्स के सहायक कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है।

पिछले दो सत्र में पंजाब के कप्तान रहे केएल राहुल के लखनऊ टीम से जुड़ने की संभावना है। इस बारे में पूछने पर टीम के एक अधिकारी ने बताया कि हम कई नाम सुन रहे हैं। आज ही किसी ने लिखा कि गैरी कर्स्टन कोच बनने जा रहे हैं। हम कुछ लोगों से बातचीत कर रहे हैं लेकिन जब तक करार नहीं हो जाता, हम पुष्टि नहीं कर सकते।

फ्लावर 2020 आईपीएल से पहले पंजाब टीम से जुड़े और मुख्य कोच अनिल कुंबले के साथ पिछले दो सत्र में काम किया था। फ्लावर और कर्स्टन के अलावा लखनऊ टीम के लिए न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान डेनियल विटोरी और भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के भी नाम सुनने में आ रहे हैं।

बंगाल और यूपी राष्ट्रीय हॉकी के क्वार्टर फाइनल में

पुणे। बंगाल और उत्तर प्रदेश ने अपने अपने मुकाबले जीतकर हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। ओडिशा, झारखंड, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र ने भी अपने मुकाबले जीते। दिन के पहले मैच में ओडिशा ने गोवा को पूल एफ के मैच में 14-0 गोल से हराया। पूल एफ के एक अन्य मैच में बंगाल ने गुजरात को 19-0 गोल से हराया। अभिषेक प्रताप सिंह (दूसरे, 12वें, 14वें, 25वें, 34वें, 37वें और 39वें मिनट) ने सात गोल दागे जबकि नितीश न्युपेन (21वें, 35वें, 53वें मिनट) ने हैट्रिक बनाई।

उत्तर प्रदेश ने पूल जी में असम को 6-0 से हराकर अंतिम आठ में जगह पक्की की। टीम की ओर से मोहम्मद आमिर खान (पहले और सातवें मिनट) और मोहम्मद सैफ खान (आठवें और 43वें मिनट) ने दो-दो गोल दागे जबकि ऋषभ साहू (21वें मिनट) और दीपक पटेल (50वें मिनट) ने एक-एक गोल किया।

कोहली के बयान पर गांगुली को तस्वीर साफ करनी चाहिए : गावस्कर

भाषा। नई दिल्ली

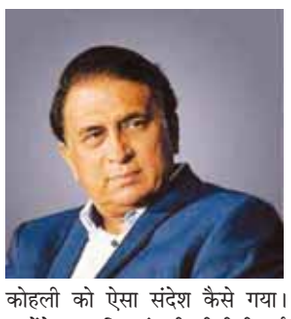

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि कप्तानी के मसले पर विराट कोहली के विरोधाभासी बयान पर सौरव गांगुली ही तस्वीर साफ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई अध्यक्ष से पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास कैसे आया। कोहली के टी-20 कप्तानी छोड़ने के बाद गांगुली ने कहा था कि बीसीसीआई ने इस स्टार बल्लेबाज से फैसले पर पुनर्विचार के लिए कहा था। गांगुली ने हालांकि दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवानगी से पहले प्रेस कांफ्रेंस में इसका खंडन किया।

गावस्कर ने कहा कि कोहली का बयान शायद बीसीसीआई के लिए नहीं है। मुझे लगता है कि उस व्यक्ति से सवाल पूछा जाना चाहिए कि कोहली को ऐसा संदेश कैसे गया। उन्होंने कहा कि गांगुली बीसीसीआई अध्यक्ष हैं और उनसे पूछा जाना चाहिए कि यह विरोधाभास क्यो है। वह ही इसके बारे में जवाब दे सकेंगे। कोहली ने यह भी कहा था कि चयन समिति के अध्यक्ष चेतन शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टीम के चयन से 90 मिनट पहले उन्हें बताया कि वह वनडे टीम के कप्तान नहीं हैं। गावस्कर ने कहा कि चयन समिति के अध्यक्ष ने कोई गलती नहीं की। गावस्कर ने कहा कि यहां क्या विवाद है। चयन समिति के अध्यक्ष ने उन्हें साफ तौर पर बता दिया कि अब वनडे कप्तानी उनके पास नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति को इसका अधिकार है।

कप्तान के पास मतदान का अधिकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि ऐसा तो नहीं है ना कि मीडिया से उन्हें पता चला या एक सवारी विमान के कमांडर ने इसकी घोषणा की। उसे चयन समिति के अध्यक्ष ने बताया कि वह अब कप्तान नहीं है। इसमें क्या गलत है। चयन समिति के अध्यक्ष और उनके बीच संवाद हुआ और ऐसा ही होना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि बीसीसीआई को भविष्य में इस तरह की स्थिति से बचने के लिए स्पष्ट संवाद रखना चाहिए।

सबसे अधिक प्रशंसित व्यक्ति व खिलाड़ियों में मेसी और रोनाल्डो के साथ तेंदुलकर शीर्ष तीन में

मुंबई। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को इंटरनेट आधारित अनुसंधान और सर्वे से जुड़ी कंपनी यूगोव के एक सर्वे में दुनिया के सबसे अधिक प्रशंसित व्यक्तियों में 12वें स्थान पर चुना गया है। इस साल यह सर्वे 39 देशों के 42,000 से अधिक लोगों के बीच किया गया। खेल नायकों में तेंदुलकर शीर्ष फुटबॉलर लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच वनडे श्रृंखला स्थगित

भाषा। कराची

शाइ होप

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कैरेबियाई टीम में कोविड-19 के कई पॉजिटिव मामले पाए जाने के बाद गुरुवार को तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला स्थगित कर दी। पीसीबी और सीडब्ल्यूआई ने कराची में तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान संयुक्त बयान जारी करके कहा कि बुधवार को आरटी-पीसीआर परीक्षणों के परिणाम आने के बाद कोविड-19 के पॉजिटिव मामलों की संख्या नौ पहुंच गई है। संयुक्त बयान में कहा गया है, टीम के हितों तथा वनडे के लिए वेस्टइंडीज दल में सीमित संसाधनों को देखते हुए वनडे श्रृंखला को जून 2022 तक स्थगित करने पर सहमति बनी। यह श्रृंखला आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप सुपर लीग का हिस्सा है।

इसके अनुसार इससे वेस्टइंडीज को भी विश्व कप क्वालीफिकेशन मैचों में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को उतारने का समान मौका मिलेगा।

वेस्टइंडीज के जिन खिलाड़ियों का परीक्षण नेगेटिव आया है वे तीसरा टी-20 समाप्त होने के बाद गुरुवार को ही स्वदेश रवाना हो जाएंगे।

चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से आज भिड़ेगा भारत

एशियाई चैंपियन्स ट्राफी हॉकी

● **सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत को जीत की जरूरत**

भाषा। ढाका

दिलप्रीत सिंह

धीमी शुरुआत के बाद अपनी लय हासिल करने वाली मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम शुक्रवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ एशियाई चैंपियन्स ट्राफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में अपने तीसरे राउंड रोबिन मैच में भी प्रयोग करना जारी रखेगी।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। उसने पहले मैच में कोरिया को वापसी का मौका दिया और आखिर में यह मैच 2-2 ड्रा छूटा। कोरिया के प्रदर्शन से चकित भारतीय टीम बुधवार को बांग्लादेश के खिलाफ पूरी तरह से बदली हुई नजर आई और उसने एकतरफा मुकाबले में 9-0 गोल से जीत दर्ज की।

स्ट्राइकर दिलप्रीत सिंह ने मैदानी गोल से हैट्रिक जमाई, जबकि जरमनप्रीत सिंह ने भी दो गोल किए। इस मैच में भी ग्राहम रीड की कोचिंग वाली भारतीय टीम ने पेनल्टी कार्नर में उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह और वरुण कुमार की सीधी फ्लिक के बजाय अलग अलग तरीके आजमाकर प्रयोग किए थे।

बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम ने शुरू से आखिर तक दबदबा बनाए रखा तथा पाकिस्तान के खिलाफ भी वह ऐसा ही प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेगी। हरमनप्रीत की अगुवाई में भारतीय रक्षापंक्ति ने अच्छा खेल दिखाया जबकि कप्तान मनप्रीत सिंह ने मध्यपंक्ति में अहम भूमिका निभाई है। अग्रिम पंक्ति ने भी टूर्नामेंट में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ललित उपाध्याय ने तीन गोल किए हैं जबकि टोक्यो ओलंपिक की टीम में जगह नहीं बना पाने वाले आकाशदीप सिंह ने भी बुधवार को एक गोल दागा। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत शुक्रवार को सहज होकर खेल सकता है और वह भी पाकिस्तान के खिलाफ जिसका हॉकी में शानदार रिकार्ड रहा है हालांकि पिछले कुछ वर्षों से उसके खेल में गिरावट आई है। पाकिस्तान ने ओलंपिक में तीन स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते हैं और टोक्यो ओलंपिक के क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद वह विश्व हॉकी में अपने पैर जमाने के लिए बेताब होगा। मस्कट में एशियाई चैंपियन्स ट्राफी 2018 में फाइनल बारिश की भेंट चढ़ जाने के कारण भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। रिकार्ड को देखकर पाकिस्तान का पलड़ा भारी लगता है लेकिन वर्तमान फॉर्म पर गौर करें तो भारत जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा। भारत और पाकिस्तान ने पहले सात एशियाई खेलों के हॉकी फाइनल में एक-दूसरे का सामना किया था। एशियाई खेलों में उन्होंने एक दूसरे के खिलाफ कुल नौ फाइनल खेले हैं जिसमें पाकिस्तान ने सात और भारत ने दो स्वर्ण पदक जीते। दोनों देशों ने 1956 से 1964 तक लगातार तीन ओलंपिक फाइनल में जगह बनाई थी। इनमें से भारत ने दो जबकि पाकिस्तान ने एक बार जीत दर्ज की थी। पिछली बार इन दोनों टीमों के बीच मुकाबला एशियाई चैंपियन्स ट्राफी के लीग चरण में हुआ था जहां भारत ने 3-1 गोल से जीत हासिल की थी।

भारत शुक्रवार को जीत से पांच देशों के इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भी जगह सुरक्षित कर देगा।

चोचुवोंग को हराकर सिंधू क्वार्टर फाइनल में

विश्व चैंपियनशिप बैडमिंटन

● **अब ताइ जू से होगी भिड़ंत**

भाषा। हुएलवा (**स्पेन**)

गत चैंपियन पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को सीधे गेम में हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

दुनिया की सातवें नंबर की भारतीय खिलाड़ी ने 10वें नंबर की थाईलैंड की खिलाड़ी को 48 मिनट चले प्रीक्वार्टर फाइनल मुकाबले में 21-14, 21-18 से हराया। छठी वरीय सिंधू की पोर्नपावी के खिलाफ आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है जबकि तीन बार उन्हें हार का सामना करना पड़ा। सिंधू ने इसके साथ ही पोर्नपावी के खिलाफ मौजूदा सत्र में दो हार का बदला भी चुकता कर लिया। इस महीने की शुरुआत में पोर्नपावी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के ग्रुप मैच में सिंधू को हराने से पहले मार्च में आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में भी उन्हें शिकस्त दी थी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीय और दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी चीनी ताइपे की ताइ चू यिंग से भिड़ेंगी जिन्होंने स्कॉटलैंड की क्रिस्टी गिलमोर को 21-10, 19-21, 21-11 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया। भारतीय जोड़ियों को हालांकि महिला और पुरुष युगल प्रीक्वार्टर फाइनल मुकाबलों में शिकस्त का सामना करना पड़ा। अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की महिला युगल जोड़ी को जोंगकोलफान कितिथराकुल और रविंदर प्राजोंगजाई की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ 13-2115-21 से हार झेलनी पड़ी। सात्विकसाईराज रंकीरंड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी भी पुरुष युगल में ओंग यु सिन और तियो ई ई की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ 20-22, 21-18, 15-21 की शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। सिंधू ने अच्छी शुरुआत करते हुए जल्द ही 5-1 की बढ़त बनाई लेकिन पोर्नपावी ने स्कोर 4-5 कर दिया। सिंधू ने इसके बाद बेहतर खेल दिखाते हुए स्कोर 15-10 और फिर 19-11 करके आसानी से पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन सिंधू ने अच्छी शुरुआत करते हुए 3-0 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 से आगे थी। इसके बाद कई लंबी रैली देखने को मिली जिसमें थाईलैंड की खिलाड़ी ने कई अंक बनाए।

सिंधू 16-10 से आगे थी लेकिन पोर्नपावी ने वापसी करते हुए स्कोर 18-19 कर दिया। सिंधू ने लंबी रैली के बाद अंक जुटाकर स्कोर 20-18 किया और फिर अगला अंक जीतकर गेम और मैच अपने नाम किया।

'शोभा शिवरामकृष्णन' का कहना है कि भारतीय स्कूल वैश्विक मानकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित कर रहे हैं

भारतीय शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की प्रक्रिया

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शिक्षा प्रणाली में कई गुना बदलाव आया है। शिक्षा आवश्यकताओं, पर्यावरण और प्रतिस्पर्धा में परिवर्तन ने स्कूलों को शिक्षा के प्रति अपने दृष्टिकोण को पुनर्गठित करने की आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया है। उनके पाठ्यक्रम का उन्नयन इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल ऐसे पाठ्यक्रम को लागू कर रहे हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा में सहायता करते हुए छात्रों के लिए शिक्षा को इंटरैक्टिव, आकर्षक और सार्थक बनाने के लिए प्रासंगिक, अद्यतन और इमर्सिव है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने शिक्षा प्रणाली में कई सुधार देखे हैं और महामारी के कारण, ऑनलाइन कक्षाओं, मिश्रित शिक्षा और एक मिश्रित शिक्षा मॉडल के उद्भव के साथ शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव आया है। स्कूल शैक्षिक सामग्री वितरित कर रहे हैं जो वैश्विक मानकों और पाठ्यक्रम के अनुरूप है जो महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान और निर्णय लेने के कौशल विकसित करने पर केंद्रित है। शिक्षण, मूल्यांकन और प्रशिक्षण का एक नया तरीका भी छात्रों को वैश्विक स्तर पर चमका रहा है जिससे उनका आत्मविश्वास और अवसरों में वृद्धि हो रही है।

पहले भारत में, अधिकांश शिक्षण रटने के तरीकों के माध्यम से होता था, जहां विषयों को समझने के बजाय उन्हें याद रखने पर ध्यान केंद्रित किया जाता था। हालांकि, वर्षों से यह शिक्षण पद्धति विकसित हुई है और आज स्कूल वैचारिक समझ और अनुभवात्मक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो छात्रों को अनुसंधान और विभिन्न व्यावहारिक साधनों के माध्यम से सीखना सुनिश्चित करता है जो उनके सीखने को वास्तविक दुनिया की स्थितियों में लागू करने में सहायता करते हैं।

पाठ्यचर्या को प्रमुखता दी जाती है

स्कूल पाठ्यक्रम और कक्षाओं, पेन-पेपर मूल्यांकन जैसे लंबवत एकीकृत स्टैक से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि इन पहलुओं की तुलना में शिक्षा के लिए बहुत कुछ है।

वैश्विक शिक्षा प्रणाली से प्रेरणा लेते हुए, भारत के स्कूलों ने छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले अपने इन-हाउस पाठ्यक्रम का निर्माण शुरू कर दिया है। दुनिया भर के विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक अधिक छात्रों के साथ, स्कूलों ने सामग्री के साथ-साथ अपने शिक्षण विधियों को भी बदल दिया है। इस परिवर्तन ने छात्रों को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रमुखता प्राप्त करने में सफल बनाया है।

अकादमिक पाठ्यक्रम के साथ, कई स्कूलों में छात्रों को अतिरिक्त सूक्ष्म पाठ्यक्रम जैसे बागवानी, कविता, उद्यमिता और बहुत कुछ लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जो उन्हें आराम करने और साझा रुचियों का पता लगाने में मदद करते हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों में जीवन कौशल

का निर्माण भी करते हैं।

समावेशी शिक्षा और शिक्षा के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण दुनिया भर के स्कूलों के बराबर होने के लिए कई शैक्षणिक संस्थानों द्वारा किए गए अन्य परिवर्तन हैं। छात्रों को नए और विविध सीखने के अनुभवों से अवगत कराया जाता है जो भागीदारी को सक्षम बनाता है, बाधाओं को दूर करता है और विभिन्न सीखने की जरूरतों और प्राथमिकताओं का अनुमान लगाता है।

बुनियादी ढांचे में सुधार

एक ऑफ़लाइन शिक्षा मॉडल में स्कूलों को बच्चे का दूसरा घर माना जाता है। नए स्थानों के साथ एक अच्छा स्कूल बुनियादी ढांचा सीखने में छात्रों की प्रगति में सकारात्मक योगदान देता है। प्रकाश और वेंटिलेशन जैसी अच्छी प्राकृतिक स्थितियां, आयु-उपयुक्त सीखने के स्थान लचीले सीखने के अवसर प्रदान करते हैं जिन्हें छात्र अनुकूलित और वैयक्तिकृत कर सकते हैं। सीखने के स्थानों के बीच कनेक्शन जो नेविगेट करने में आसान हैं, अतिरिक्त सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, आज के स्कूलों को छात्रों को विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो उनके समग्र विकास में सहायता करते हैं।

प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा

प्रौद्योगिकी ने शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है और यह सीखने का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसे पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, एक निर्देशात्मक वितरण प्रणाली के रूप में, संपूर्ण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए एक उपकरण के रूप में शामिल किया गया है। शिक्षा निष्क्रिय और प्रतिक्रियाशील से उन्नत और संवादात्मक तरीकों की ओर बढ़ गई है। बच्चे छह-सात साल की उम्र में कोडिंग सीख रहे हैं। एआई, आईओटी और रोबोटिक्स जैसी नए जमाने की प्रौद्योगिकियां स्कूल स्तर पर पाठ्यक्रम का हिस्सा बन गई हैं। छात्रों को इन विषयों में अपनी रुचि के क्षेत्र में परियोजनाओं को लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे वे विश्व स्तर पर अपने आयु वर्ग के बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकें।

तकनीकनीत शिक्षा

महामारी की शुरुआत के साथ, स्कूलों ने वर्चुअल लर्निंग का सहारा लिया है और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म का कुशलतापूर्वक उपयोग किया है। इसने भारत में शिक्षा प्रणाली में सुधार किया है जहां स्कूल स्तर पर दूरस्थ शिक्षा को कभी भी एक विकल्प के रूप में नहीं माना जाता था। नए तकनीक के नेतृत्व वाले शिक्षा मॉडल ने छात्रों के लिए नए अवसर भी खोले हैं जहां वे विदेशी विश्वविद्यालयों में आवेदन कर सकते हैं और अपने गृह शहर से दूर अध्ययन कर सकते हैं। शिक्षा के इस ऑनलाइन मोड ने युवा छात्रों को उनके विकास में सहायता के लिए अपनी पसंद के अतिरिक्त पाठ्यक्रम लेने में सक्षम बनाया है।

एनईपी एक स्वागत योग्य बदलाव है

एनईपी की शुरूआत ने भारतीय शिक्षा प्रणाली की छवि को बदल दिया है। एनईपी का उद्देश्य सीखने को अधिक समावेशी, जीवंत और व्यावहारिक बनाना है। नीति के अनुसार, छात्रों के लिए विषयों के चुनाव में लचीलापन बढ़ा है। इस नई नीति का मुख्य उद्देश्य पाठ्यचर्या, सह-पाठ्यक्रम और व्यावसायिक विषयों को समान महत्व प्रदान करना है। एनईपी सरकारी स्कूलों के छात्रों के लिए भी निर्बाध अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। सरकार सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे और शिक्षा प्रणाली में सुधार कर रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के लिए समान अवसर प्रदान कर रही है और उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए तैयार कर रही है।

संक्षेप में, एनईपी का उद्देश्य भारतीय लोकाचार में निहित एक वैश्विक सर्वोत्तम शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जहां जीवन के सभी क्षेत्रों के बच्चे लाभान्वित हों और बढ़े हुए अवसर प्राप्त करें जिससे भारतीय शिक्षा प्रणाली में बदलाव आए। हालांकि, इस परिवर्तन को ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाना है ताकि बच्चों को अपने सपनों का पता लगाने और उन्हें पूरा करने के अधिक अवसर मिल सकें।

(लेखिक एक्या स्कूल लर्निंग सेंटर की प्रमुख हैं।)

अगला कदम

वीर दास अपनी अगली अंतरराष्ट्रीय परियोजना में एक अमेरिकी देश संगीत कॉमेडी श्रृंखला में विकसित और अभिनय करेंगे, जहां ब्रुकलिन नाइन नाइन के एंडी सैमबर्ग कार्यकारी निर्माता हैं :

वीर दास फॉक्स के लिए एक नए शो के लेखन और कार्यकारी निर्माता बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शीर्षक कंट्री ईस्टर्न, श्रृंखला एक एकल कैम कॉमेडी श्रृंखला है जिसमें दास भी होंगे। यह शो भारत के एक युवा धनी व्यक्ति के बारे में है जो अपने परिवार के साथ अमेरिकी चला जाता है। मेम्फिस, टेनेसी में अपने जीवन के पुनर्निर्माण के प्रयास में, वह अपने जुनून को आगे बढ़ाने और एक देशी संगीत गायक बनने का फैसला करता है। एकमात्र मुद्दा यह है कि वह इसमें बुरा है।

श्रृंखला के बारे में बात करते हुए, दास ने कहा, ''यह एक रोमांचक ब्रांड नई परियोजना है जिस पर काम चल रहा है और मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रृंखला अब विकसित की जा रही है। श्रृंखला का लेखन वर्तमान में जारी है। मैं ऐसे बेहद प्रतिभाशाली नामों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं, जिनमें से प्रत्येक के पास काम का एक स्पष्ट शरीर है। यह एक अनोखी कॉमेडी है और मैं जल्द ही इस सीरीज को फिल्माने के लिए उत्सुक हूं।''

दास सैम लेबोर्न के साथ इस शो का सह-लेखन करने के लिए तैयार हैं, जो कि श्रोता भी हैं। लेबोर्न हाल ही में जोई की असाधारण प्लेलिस्ट पर इपी था और उसने ब्लैकिश, कोगर टाउन और अरेस्टेड डेवलपमेंट जैसे शो लिखे हैं। पार्टी ओवर हियर, लोनली आइलैंड के एंडी सैमबर्ग, अकिवा शेफ़र और जोर्मा टैकोन और सीबीएस स्टूडियो द्वारा स्थापित प्रोडक्शन कंपनी। फॉक्स एंटरटेनमेंट और सीबीएस स्टूडियो शो का सह-निर्माण करेंगे। इसने हाल ही में हुलु के लिए प्रशंसित कॉमेडी पेन15 का निर्माण किया है और सैमबर्ग अभिनीत समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्म, पाम स्प्रिंग्स का भी निर्माण किया है।

दास जल्द ही जूड अपाटो द्वारा निर्देशित हॉलीवुड फिल्म द बबल में भी नजर आने वाले हैं।

अवसर के अनुरूप

शेफ पूजा ढींगरा की किताब, कमिंग होम, उनके जीवन के सबसे कठिन समय का दस्तावेज है, कहना है आलिया अश्विन का :

''जीवन वही होता है जब आप अन्य योजनाएं बनाने में व्यस्त होते हैं।''

यदि हम महामारी के वर्षों को देखें तो जॉन लेनन के शब्द हममें से अधिकांश के लिए कठिन नहीं हो सकते। हम में से प्रत्येक के पास बड़ी योजनाएँ थीं जब 2020 में मध्यरात्रि की शुरुआत हुई और शेफ पूजा ढींगरा कोई अपवाद नहीं थीं। उसकी बेकरी 'ली-15 पैटीसेरी' एक सकारात्मक मोड़ पर थी, शेफ ने जूम कॉल पर चर्चा की कि कैसे महामारी ने उसे व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से गहराई से प्रभावित किया। ''मार्च 2020 में, हमने वास्तव में अपनी 10 वीं वर्षगांठ मनाई थी, और पहली बार मैंने अपने जीवन में अपने आप से कहा, आपने जो हासिल किया है उस पर आपको गर्व होना चाहिए।''

फिर, जीवन और महामारी हुई। ढींगरा के लिए, महामारी का मतलब ऐसे निर्णय लेना था जो उसने कभी नहीं सोचा था कि उसे करना होगा। ''दुनिया भर में एक घातक वायरस था, रेस्तरां की दुनिया प्रभावित हुई और मुझे एहसास हुआ कि हमें अपना आधा कारोबार बंद करना होगा। लेकिन यह अथाह था ... यह आत्मा को कुचलने वाला था'', ढींगरा कहती हैं और निर्णय लेने के बाद से डेढ़ साल की जगह के बावजूद अफसोस की धुंध अभी भी स्पष्ट है। उनकी नवीनतम पुस्तक कमिंग होम उनके जीवन के सबसे कठिन समय के उनके अनुभव का दस्तावेजीकरण करती है।

उस समय शायद उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि उसके कैफे को बंद करने से कितना व्यक्तिगत टोल लगेगा, ''मेरा हर छोटा टुकड़ा इस जगह में था। इसे बंद करना अकल्पनीय था। पहले दो महीने मेरे जीवन के सबसे काले दिनों में से कुछ थे जब मुझे न केवल अपने व्यवसाय के लिए बल्कि अपने स्वास्थ्य और जीवन के लिए भी डर था।'' फिर, बेकिंग के शिल्प का प्यार था, कुछ ऐसा जो 15 साल की उम्र से उसकी खुशी और सांत्वना थी। ''मैं एक अधीर बच्ची थी, और मेरी बुआ सबसे पहले मुझे रसोई में ब्राउनी सेंकने के लिए एक तरीके के रूप में ले गईं। मेरी ऊर्जा को चैनलाइज़ करें। जब मुझे पहली बार पता चला कि मक्खन, चीनी, आटा, अंडे जैसी सरल सामग्री एक साथ कैसे जा सकती है, तो यह जादुई था, और इसने मुझे अधिक से अधिक सेंकना करने के लिए आकर्षित किया, शेफ याद करती हैं।''

अब, महामारी की चपेट में आकर, अपनी बेकरी श्रृंखला को बंद करना पड़ा, जो न केवल एक व्यवसाय था, बल्कि उसकी पहचान के लिए कुछ आंतरिक था, उसका मुकाबला करने का तंत्र शुरू हुआ। ''मैंने एक सप्ताह से अधिक समय तक अपने फोन से हर सोशल मीडिया ऐप को हटा दिया और मैं सो गया और मैंने दोस्तों को देखा। मैं भूल गया कि वह कौन सा दिन था, कौन सा समय था।

मुझे पता था, मुझे यात्रा करनी है'', ढींगरा ने अपनी नई किताब कमिंग होम में उल्लेख किया है।

लेकिन इन कठिन समय से गुजरने से वह और मजबूत हुई। ''इसने (महामारी) ने मुझे यह भी एहसास कराया कि आप डर की जगह से काम नहीं कर सकते। तो, मेरे लिए, यह एक बड़ा, जैसे, मानसिक परिवर्तन भी था, और संकट में अवसर खोजने वाले के बारे में था।''

ढींगरा के लिए, यह महामारी बेकिंग के लिए उसके प्यार को फिर से खोजने के बारे में थी। इस समय के दौरान उनकी यात्रा दृढ़ता की है। वह नए साल के लिए अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को विश्व प्रभुत्व के रूप में वर्णित करती है। वह अन्य देशों में अपने कैफे ली-15 को देखना, अधिक कुकबुक लिखना और पॉडकास्ट देखना बहुत पसंद करेगी। उनका एक निजी लक्ष्य अगले साल माउंट फ़ूजी पर चढ़ना है।